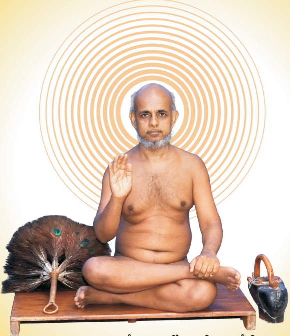

परम पूज्य तपश्चर्या–चक्रवर्ती पट्टाधीशाचार्यश्री

सुविधिसागर जी महाराज

के

50 वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर

सुविधि–परिवार के द्वारा आयोजित

जिनवाणी-महोत्सव

सहस्रग्रन्थसंग्रह

* जन्मदिवस 19–03–1971 * मुनिदीक्षा–11–05–1989 * आचार्यपद– 20–06–2004

पट्टाधीशपद– 24–12–2010 (20–06–2004 को की गई उद्घोषणा के अनुसार)

परम पूज्य आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज के द्वारा की गई उद्घोषणाः–

हमारी समाधि के पश्चात् आपको इस संघ के संचालकपद पर नियुक्त करते हैं।

(अंकलीकर वाणी–जुलाई 2004) (अक्षयज्योति–अक्तूबर 2004)

दर्शन-परिभाषा कोश

प्रकाशक
केन्द्रिय हिन्दी निर्देशालय

(परम्परानायक)

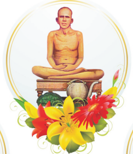

परम पूज्य चारित्र–चक्रवर्ती,
आचार्यश्री आदिसागर जी महाराज
(अंकलीकर)

(द्वितीय पट्टाधीश)

परम पूज्य तीर्थभक्त–शिरोमणि,
आचार्यश्री महावीरकीर्ति जी महाराज

(तृतीय पट्टाधीश)

परम पूज्य सिद्धान्त–चक्रवर्ती,
आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज

(चतुर्थ पट्टाधीश)

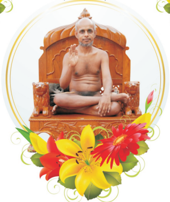

परम पूज्य तपश्चर्या–चक्रवर्ती, आचार्यश्री सुविधिसागर जी महाराज

दिगम्बर साधु निरन्तर पगविहार करते रहते हैं। ग्रन्थभण्डार को साथ में रख कर विहार करना अशक्यप्राय: होता है। फलत: उनको ग्रन्थों के सन्दर्भ देखने में असुविधा होती है। उनकी सुविधा के लिये इस कोश का निर्माण किया गया है। इस कोश के निर्माण में किसी भी प्रकार का व्यापारिक हेतु नहीं है।

आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न श्रावकबन्धुओं से निवेदन है कि वे ग्रन्थ का विक्रय कर अध्ययन करने की परम्परा को कायम रखें।

मुखपृष्ठ पर हमने ग्रन्थकर्त्ता, अनुवादक, सम्पादक, प्रकाशक आदि के नाम दिये हैं। किसी संस्थान का कर्तुत्व हमने लुप्त नहीं किया है।

इस कोश के लिये आवश्यक ग्रन्थ हमें अनेक स्रोतों से प्राप्त हुये हैं। हम उन सभी का आभार मानते हैं।

सुविधि–परिवार

प्रस्तावना

मानविकी तथा सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्गत लगभग सभी विषयों में शब्दावली-निर्माण का कार्य पूरा हो जाने के बाद 1970 में यह आवश्यक समझा गया था कि अंतिम रूप में निश्चित की गई शब्दावली को स्थायित्व देने के लिए प्रत्येक विषय में परिभाषा-कोशों का निर्माण किया जाय। परिभाषायें शब्दावली को स्थिरता देने में सहायक होती हैं। इसी उद्देश्य से विभिन्न विषयों में परिभाषा-कोशों के संकलन का काम हाथ में लिया गया है।

प्रस्तुत कोश में दर्शन को सभी शाखाओं के महत्वपूर्ण शब्द दिये गये हैं और लगभग 2,100 मूलभूत शास्त्रीय शब्दों की परिभाषायें संकलित की गई हैं। अर्थ को स्पष्ट करने के लिए कहीं-कहीं उदाहरण भी दिये गये हैं।

इस कोश के निर्माण में अनेक प्रामाणिक पुस्तकों की सहायता ली गई है और अंग्रेजी में उपलब्ध परिभाषा-कोशों का भी उपयोग किया गया है। विदेशी नामों के उच्चारण और लिप्यंतरण के लिए वेबस्टर-कृत 'बायोग्राफिकल डिक्शनरी' को मानक आधार के रूप में स्वीकार किया गया है।

यद्यपि प्रस्तुत कोश को उपयोगी और प्रामाणिक बनाने का भरसक प्रयत्न किया गया है, फिर भी कोश की त्रुटियों से अवगत कराये जाने के लिए हम विद्वान् पाठकों के आभारी होंगे और अगले संस्करण में उन्हें दूर करने का पूरा प्रयास करेंगे।

आशा है, हिन्दी माध्यम से पढ़ने-पढ़ाने वाले विद्यार्थियों और अध्यापकों को इस कोश से विशेष लाभ होगा।

हरबंशलाल शर्मा
अध्यक्ष
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली।

संपादकीय वक्तव्य

दर्शन में प्रयुक्त लगभग 2,100 मूलभूत शास्त्रीय शब्दों की परिभाषाएं इस कोश में समाविष्ट हैं। प्रविष्टियां अंग्रेजी वर्णानुक्रम से हैं। पहले अंग्रेजी भाषा का शब्द दिया गया है और फिर वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा स्वीकृत उसका हिन्दी पर्याय तथा नीचे कम से कम शब्दों में उसके अर्थ को स्पष्ट करने वाली परिभाषा हिन्दी में दी गई है। अर्थ को अधिक स्पष्ट करने के लिए यत्र-तत्र उदाहरणों का भी आश्रय लिया गया है। जहां आवश्यक समझा गया शब्द के प्रयोग के संबंध में ऐतिहासिक या व्यक्तिवृत्तात्मक संदर्भों का उल्लेख कर दिया गया है।

इस कोश में दर्शन की सभी शाखाओं के महत्वपूर्ण शब्द दिए गए हैं। परिभाषाओं का आधार मुख्यतः नीचे लिखे संदर्भ-ग्रन्थों को बनाया गया है :—

1. Baldwin : Dictionary of Philosophy & Psychology
2. Edwards : Encyclopaedia of Philosophy
3. Ferm : Encyclopaedia of Morals
4. Ferm : Encyclopaedia of Religion
5. Runes : Dictionary of Philosophy

विषय के प्रमुख पाठ्य ग्रन्थों का भी भरपूर उपयोग किया गया है।

विदेशी नामों के उच्चारण और लिप्यंतरण के संबंध में वेबस्टर-कृत बायोग्राफिकल डिक्शनरी को मानक के रूप मे स्वीकार किया गया है। अनेक प्रसिद्ध नामों का हिन्दी में जो लिप्यंतरण मिलता है उसमें एकरूपता नहीं दिखाई देती। किसी-किसी नाम का सर्वत्र अशुद्ध उच्चारण मिलता है। कुछ उदाहरण ये हैं : Bradley, Berkeley इत्यादि नामों को निरपवाद रूप से 'ब्रेडले', 'बर्कले' इत्यादि लिखा और बोला जाता है, लेकिन इनका सही रूप 'ब्रेडली', 'बर्कली' इत्यादि है। Bosanquet वास्तव में 'बोसान्के' नही बल्कि 'बोज़न्केट' है। Nietzsche 'नीट्शे' नही बल्कि 'नीचे' लिखा-बोला जाना चाहिए। इसी प्रकार

Pythagoras, Peirce, Whewell, Euler का सही उच्चारण क्रमशः 'पिथैगोरस' या 'पाइथैगोरस' ('पाइथागोरस' नहीं), 'पर्स' ('पीयर्स' नहीं) 'ह्यूएल' ('ह्वीवेल' नहीं) और 'ऑयलर' ('यूलर' नहीं) है।

Socrates और Aristotle के संबंध में वेबस्टर का अनुसरण नहीं किया गया है। इन नामों के भारतीय रूप 'सुकरात' और 'अरस्तू' बहुत समय से चले आ रहे हैं। दर्शन-विशेषज्ञ-समिति ने समुचित विचार-विमर्श के पश्चात् इन्हीं रूपों को स्वीकार किया है।

गोवर्धन भट्ट

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

प्रो० हरबंशलाल शर्मा

अध्यक्ष

प्रो० जयकृष्ण, कुलपति, रुड़की विश्वविद्यालय

सदस्य

डा० आर० सी० मेहरोत्रा, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य

डा० पी० एस० वाही, भूतपूर्व महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

सदस्य

प्रो० एस० के० मुखर्जी, कुलपति, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार)

सदस्य

डा० नगेन्द्र, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

परामर्शदाता

संपादन-परामर्श-मंडल

प्रो० हरवंशलाल शर्मा
अध्यक्ष

श्री जीवन नायक
प्रबंध-संपादक

डा० गोवर्धन भट्ट
संपादक

श्री उमेश्वर प्रसाद मालवीय
संपादन-सहायक

श्रीमती शीला माथुर
संपादन-सहायक

दर्शन-परिभाषा-कोश

abbreviated syllogism — संक्षिप्त न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी एक या दो प्रतिज्ञप्तियां सुगम होने के कारण व्यक्त न की गई हों।

उदाहरण :—मनुष्य मरणशील है और क एक मनुष्य है। (यहां निष्कर्ष 'क मरणशील है' व्यक्त नहीं किया गया है)।

abbreviative definition — संक्षेपक परिभाषा

गणितीय तर्कशास्त्र में, वह परिभाषा जो यह बताती है कि अमुक प्रतीक अमुक सूत्र का संक्षिप्त रूप है और उसके स्थान पर प्रयुक्त होगा।

abduction — अपगमन

1. अरस्तू के तर्कशास्त्र में, वह न्यायवाक्य जिसमें साध्य-आधारिका सत्य होती है, किन्तु पक्ष-आधारिका केवल प्रसंभाव्य होती है, और फलत: निष्कर्ष भी प्रसंभाव्य ही होता है।
2. पर्स (Peirce) के अनुसार, तर्क का एक प्रकार जिसमें तथ्यों के समूह विशेष से उनकी व्याख्या करने वाली प्राक्कल्पना प्राप्त की जाती है।

abiogenesis — अजीवात् जीवोत्पत्ति

(यह मान्यता कि) जड़ पदार्थ जीवों का प्रादुर्भाव (होता है)।

abnegation — आत्मनिषेध

किसी उच्चतर आध्यात्मिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपनी इच्छाओं या लौकिक स्वार्थ का त्याग।

abridged syllogism — संक्षिप्त न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें एक या अधिक अवयव लुप्त हों। देखिए, abbreviated syllogism

absolute — 1. ब्रह्म, परम तत्त्व, परतत्त्व

मुख्यतः अध्यात्मवादी विचारधारा में, सर्वोच्च सत्ता जो सर्वग्राही, स्वयंभू, निरपेक्ष, निरुपाधि, नित्य, स्वतंत्र और पूर्ण है। (इस अर्थ को प्रकट करने के लिए यह शब्द प्रायः बड़े A से लिखा जाता है।)

2. निरपेक्ष, निरुपाधि, केवल; परम; पूर्ण

देश, काल, परिस्थिति इत्यादि से संबंध न रखनेवाला; उपाधियों से रहित; अनन्य रूप से अस्तित्व रखने वाला, दोषों से सर्वथा हीन, सर्वोच्च इत्यादि।

absolute concept — निरपेक्ष संप्रत्यय, केवल संप्रत्यय

कार्नैप (Carnap) के अनुसार, ऐसा संप्रत्यय जो किसी भाषा-विशेष की अपेक्षा नहीं रखता, जैसे [illegible] [illegible] जो [illegible] के [illegible] को [illegible] रखता है [illegible] हैं।

absolute ego — [illegible]

[illegible] (Fichte) के अनुसार, अनुभव में [illegible] विषय-विषयी के भेद का [illegible] [illegible] की अवस्था।

absolute ethics — निरपेक्ष नीति

वह नीति जो मूल्यों को निरपेक्ष, वस्तुनिष्ठ, अतिमानवीय और शाश्वत मानती है अथवा, विशेषतः स्पेन्सर के अनुसार, आदर्श समाज के आदर्श व्यक्ति के लिए बनाई गई आदर्श आचरण-संहिता ।

absolute existence — ब्राह्मी स्थिति

कीर्केगार्द (Kierkegaard) के अनुसार, वह स्थिति जिसमें व्यक्ति ब्रह्म में अपना पूर्ण लय कर देता है ।

absolute frequency — निरपेक्ष बारंबारता

कार्नेप के अनुसार, किसी निर्दिष्ट क्षेत्र के अंदर एक वस्तु, घटना या गुण के उदाहरणों की वास्तविक संख्या ।

absolute good — निरपेक्ष श्रेय, निःश्रेयस

नैतिक जीवन का वह लक्ष्य जो अपने में शुभातिशुभ हो, जिससे अधिक श्रेष्ठ किसी वस्तु की कल्पना न की जा सकती हो ।

absolute idealism — परम-प्रत्ययवाद

पाश्चात्य दर्शन में, हेगेल का तत्त्वमीमांसीय सिद्धांत जिसमें परम तत्त्व को चिद्रूप या आध्यात्मिक और संपूर्ण सत्ता को आधारभूत एकता के रूप में माना गया है । भारतीय दर्शन में ब्रह्मवाद को इस विचार-धारा का समकक्ष मानना चाहिए ।

(the) Absolute Indefinite — परम अनिर्वचनीय

प्रो० कृष्णचंद्र भट्टाचार्य के अनुसार, वह तत्त्व जो विषय और विषयी के क्षेत्र से ऊपर है, अर्थात् हमारे साधारण लौकिक संप्रत्ययों की पकड़ से परे है ।

absolute personal equation

निरपेक्ष व्यैक्तिक विचरण

निजी विशेषताओं के कारण व्यक्ति के प्रेक्षण, निर्णय या मूल्यांकन में एक नियत मात्रा में दिखाई देने वाली त्रुटि ।

absolute pluralism

निरपेक्ष बहुतत्ववाद

बर्ट्रंड रसेल का यह सिद्धांत कि दुनिया में अनेक वस्तुओं का अस्तित्व है, पर ऐसी कोई एक वस्तु या अवयवी नही है जो उन अनेक वस्तुओं के मेल से बना हो ।

absolute proof

पूर्ण प्रमाण

ऐसा प्रमाण जो पूर्णतः निश्चायक, अर्थात् संदेह का पूरी तरह से निराकरण कर देने वाला, हो ।

absolute realism

सर्ववास्तववाद

यह मत कि ज्ञान का विषय, चाहे वह यथार्थ हो या अयथार्थ सदैव वास्तविक होता है ।

absolute reality

परम सत्ता, परम तत्त्व

पारमार्थिक सत्ता जैसी कि वह स्वतः, मनुष्य के ज्ञान से स्वतंत्र रूप में, है ।

विशेषतः स्कालेस्टिक दर्शन मे, सत्ता का वह रूप जो ईश्वरीय बुद्धि मे प्रकट होता है ।

absolute space

निरपेक्ष दिक्

दिक् का स्थान घेरने वाली और स्थि[ति] रखने वाली वस्तुओं से स्वतंत्र रूप ।

absolute spirit

केवल चित्, परमचित्

हेगेल के दर्शन में आत्यतिक सत्ता या ब्र[ह्म] के लिए प्रयुक्त पद ।

absolute term — निरपेक्ष पद

तर्कशास्त्र में, वह पद जो स्वतः बोधगम्य हो तथा जिसका अर्थ किसी अन्य पद के अर्थ पर आश्रित न हो, जैसे, 'गाय' आदि।

absolute value — निरपेक्ष मूल्य

वह मूल्य जो देश, काल और समाज की आवश्यकताओं से ऊपर और इसलिए शाश्वत है।

absolution — पापविमोचन

एक धार्मिक कृत्य जिसमें पादरी पश्चात्ताप करने वाले पापी को उसके पाप से और साथ ही प्रायश्चित्तस्वरूप दिए जाने वाले दंड से भी उसको मुक्त घोषित कर देता है।

absolutism — 1. ब्रह्मवाद, परमवाद

वह सिद्धान्त जो ब्रह्म को परम तत्त्व तथा विचार का अंतिम विषय मानता है।

2. निरपेक्षवाद

ज्ञानमीमासा में, यह सिद्धांत कि मानव को सापेक्ष सत्य के अतिरिक्त निरपेक्ष तथा शाश्वत सत्य का ज्ञान भी संभव है।

मूल्यमीमांसा में, वह मत जो नैतिक व नैतिकेतर मानकों को शाश्वत, अतिमानवीय तथा निरपेक्ष मानता है।

[**absolutistic personalism** — परम-व्यक्तिवाद

ब्रह्म में व्यक्तित्व का आरोप करने वाला अर्थात् उसे सोचने समझनेवाला, अनुभूतिशील और इच्छा इत्यादि करनेवाला माननेवाला सिद्धांत।

abstract अपाकृष्ट; अमूर्त

वस्तु का जो संपूर्ण रूप अस्तित्व में है उससे विचार के स्तर पर पृथक् किया हुआ जो गुण इत्यादि उसका आंशिक रूप है उसके लिए प्रयुक्त विशेषण ।

तर्कशास्त्र, व्याकरण इत्यादि में शब्दों के वर्गीकरण के संदर्भ में, गुण इत्यादि का बोध कराने वाले शब्द के लिए प्रयुक्त विशेषण।

abstract duty निर्विशेष कर्तव्य

वह कार्य जो विशेष देश, काल और परिस्थिति का विचार किए बिना ही सामान्य रूप से कर्तव्य समझा जाता है जैसे, सत्य बोलना: सामान्य रूप से सत्य बोलना कर्तव्य माना जाता है और असत्य बोलना अकर्तव्य, हालांकि एक परिस्थिति-विशेष में ऐसा हो सकता है कि असत्य बोलना अधिक उचित हो ।

abstract idea अमूर्त प्रत्यय

अमूर्त पदार्थों अथवा विचार के स्तर पर पदार्थों से पृथक् किए गए पक्षों से संबंधित प्रत्यय ।

abstractio imaginationis कल्पनात्मक अपाकर्षण

स्कालेस्टिक दर्शन में, कल्पना के द्वारा होने वाला सामान्य का वह बोध जो भौतिक द्रव्य या पुद्गल की उपस्थिति से तो ऊपर उठ जाता है पर उसकी उपाधियों यानी संवेद्य गुणों से अभी मुक्त नहीं हुआ होता ।

abstractio intellectus बुद्धिमूलक अपाकर्षण

स्कालेस्टिक दर्शन में, बुद्धि के द्वारा होने वाला सामान्य का वह बोध जो पुद्गल, उसकी उपस्थिति, तथा उसकी अनुषंगी अवस्थाओं से भी मुक्त होता है ।

abstraction	अपाकर्षण अपाहरण 1. किसी संपूर्ण वस्तु के एक पक्ष या गुण को विचार के लिए उससे पृथक् कर लेना, जो कि सामान्य के संप्रत्यय के निर्माण की क्रिया का एक आवश्यक चरण होता है । 2. इस क्रिया का परिणाम । 3. स्कालेस्टिक दर्शन में, सामान्य से बोध के लिए आवश्यक मानसिक क्रिया ।
abstractionism	दुरपाकर्षण (प्रवृत्ति) अपाकर्षण का अनुचित प्रयोग, विशेषत: अपाकृष्ट को ठोस वस्तु समझ बैठने की प्रवृत्ति ।
abstractio rationis	बुद्धिमूलक अपाकर्षण देखिए abstractio intellectus
abstractive fiction	अपाकर्षी कल्पितार्थ वह कल्पितार्थ जिसमें वास्तविकता के किसी अंश की विशेष रूप से उपेक्षा कर दी गई हो ।
abstract term	अमूर्त पद किसी अपाकृष्ट वस्तु का बोध कराने वाला पद, जैसे 'मनुष्यता' ।
abstractum	अपाकर्ष, अपाहार किसी मूर्त वस्तु का वह पक्ष जो बुद्धि द्वारा विचार की सुविधा के लिए उससे पृथक् कर लिया जाता है, जैसे सत्यता, मनुष्यता, लालिमा आदि ।
abstract universal	अमूर्त सामान्य अपाकर्षण की क्रिया से प्राप्त सामान्य (जैसे, लालिमा) जो सदैव पराश्रित और

प्रमाणविक होना है । ब्रैडली और बोसां... द्वारा (concrete universal) से भेद दिखाने के लिए प्रयुक्त पद ।

abusive ad hominem argument
उपालंभी लांछन-युक्ति
एक प्रकार की कुयुक्ति जिसमें किसी व्यक्ति के मत को मिथ्या सिद्ध करने के लिये उचित तर्क प्रस्तुत करने के बजाय उस व्यक्ति के चरित्र इत्यादि पर आक्षेप किया जाता है ।

acatalepsy
1. अनिश्चयवाद
संशयवाद का एक प्राचीन यूनानी रूप जिसके अनुसार मानवीय ज्ञान केवल प्रसंभाव्य ही होता है, निश्चयात्मक कभी नहीं ।
2. अज्ञेयता
निश्चयात्मक ज्ञान की असंभवता ।

acategorematic word
पदायोग्य शब्द
वह शब्द जो न स्वत. और न अन्य शब्दों के साथ मिलकर किसी प्रतिज्ञप्ति का उद्देश्य या विधेय बन सके, जैसे 'अहा' ।

accident (=accidens)
आगंतुक गुण, आकस्मिक गुण
अरस्तू के तर्कशास्त्र में, यह गुण जो किसी पद के गुणार्थ (Connotation) का न तो अंग हो और न तार्किक परिणाम ही हो ।

accidental definition
आगंतुकगुण-परिभाषा
वह परिभाषा जो किसी पद के गुणार्थ को न बताकर मात्र उसके आकस्मिक गुणों को बताए, जैसे 'मनुष्य हंसनेवाला प्राणी है' ।

accidentalism
यदृच्छावाद, आकस्मिकतावाद
एक सिद्धांत जिसके अनुसार घटनाएं बिना किसी कारण के घट जाती हैं या घट सकती हैं ।

accidental morality — आगंतुक नैतिकता

कडवर्थ (1617–1688) के नैतिक सिद्धांत में, उन बातों की नैतिक विशेषता जो स्वतः या स्वभावतः तटस्थ होती है पर महापुरुषों की आज्ञाओं (विध-निषेध) का विषय बनने पर अच्छी या बुरी बन जाती है।

accidental proposition — आगंतुकगुणी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसका विधेय कोई आकस्मिक गुण होता है, जैसे 'कुत्ता एक पालतू जानवर है'।

accompanying circumstances — अनुषंगी परिस्थितियां

वे परिस्थितिया जो किसी चीज के साथ गौण रूप में विद्यमान हो।

acervus argument — पुंज-युक्ति

एक विरोधाभासी तर्क जिसके अनुसार पत्थरों को उतनी संख्या में जो ढेरी बनाने में समर्थ न हो, यदि एक पत्थर और जोड़ दिया जाए तो ढेरी नही बनेगी, पर फिर भी यदि यह प्रक्रिया चलती रहे तो ढेरी बन जाती है।

achilles argument — अकिलीज-युक्ति

ज़ीनो की यह युक्ति कि यदि हम गति को संभव मान लें तो हम इस विसंगति के शिकार हो जाएगे कि अकिलीज, जो ग्रीस का सबसे तेज धावक है, अपने से कही मंद कछुए की दौड़ में नही पकड़ पाएगा, क्योंकि वह कछुए तक की दूरी को जितने समय में तय करेगा उतने समय में कछुआ कुछ और दूरी तय कर लेगा; अतः गति असंभव है।

acosmism — अविश्ववाद, अप्रपंचवाद

यह सिद्धान्त कि जगत का (ज्ञाता से या ईश्वर से पृथक्) अस्तित्व है ही नहीं ।

act — कृत; कर्म

देखिए Action ।

action प्रक्रम है और act उसका परिणाम, परंतु सामान्यतः इस अंतर की उपेक्षा कर दी जाती है ।

action — कर्म

वह जो विचारशील व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक, किसी उद्देश्य से प्रेरित होकर, किसी परिणाम को उत्पन्न करने के लिए करता है और नैतिक निर्णय ('उचित' या 'अनुचित') का विषय होता है ।

active courage — सक्रिय साहस

यूनानी नीतिशास्त्र में, वह साहस जो व्यक्ति को रास्ते की कठिनाइयों और कष्टों से या उनकी आशंका से अपने मार्ग से विचलित होने से रोकता है ।

activistic idealism — क्रियात्मक प्रत्ययवाद

केवल आध्यात्मिक क्रियाशीलता को ही तात्विक माननेवाला सिद्धांत ।

activity theory — सक्रियता—सिद्धांत

बर्कली इत्यादि दार्शनिकों का संकल्प—शक्ति के आधार पर कारणता की व्याख्या करनेवाला यह सिद्धांत कि कारण सक्रिय होकर ही कार्य को उत्पन्न कर सकता है ।

actual entity — वास्तविक पदार्थ, अन्त्य वस्तु

व्हाइटहेड के अनुसार, जगत् को उन आधारभूत अंतिम सत्ताओं में से एक जो जड़

न होकर आत्मकल्प अथवा चेतनकल्प है तथा क्षणिक मानी गई है।

actual idealism — क्रियाप्रत्ययवाद

यह दार्शनिक सिद्धांत कि संपूर्ण सत्ता सक्रिय तथा चिन्मय है, न कि जड़ और निष्क्रिय ।

actual occasion — वास्तविक घटना, वास्तविक प्रसंग

व्हाइटहेड के अनुसार, अत्य वस्तु अर्थात् पदार्थ का अल्पतम दिक् और अल्पतम काल में अस्तित्व रखनेवाला अंश, जो कि वास्तविकता का अंतिम घटक है। इसे "actual entity" भी कहा गया है।

actus purus — विशुद्ध कर्म

ईश्वर के स्वरूप के वर्णन के प्रसंग में अरस्तू द्वारा 'उपादान से शून्य आकार' (matter without form) के अर्थ मे प्रयुक्त पद। उत्तरवर्ती अध्यात्मवादी दार्शनिकों द्वारा इसका प्रयोग चिंतन-कर्म के अर्थ में किया गया है।

act utilitarianism — कर्म-उपयोगितावाद

एक प्रकार का उपयोगितावाद जिसके अनुसार प्रत्येक कर्म के औचित्य या अनौचित्य का निर्णय उससे उत्पन्न परिणामों के आधार पर किया जाता है।

adaptationism — अनुकूलनवाद

एक सिद्धांत जिसके अनुसार विचार पर्यावरण के साथ अनुकूलन का एक रूप है।

adeism — अदेववाद

मैक्स मूलर द्वारा देवताओं के अस्तित्व का निषेध करने वाले मत के लिए प्रयुक्त शब्द।

adequate knowledge

पर्याप्त ज्ञान ।

लाइब्निट्स के दर्शन में, वह ज्ञान जिससे वस्तु को अन्य वस्तुओं से अलग पहचाना जा सकता हो, उसके लक्षणों को अलग-अलग बताया जा सकता हो और लक्षणों के भी लक्षणों का अलग-अलग निरूपण किया जा सकता हो ।

ad hoc argument

तदर्थ युक्ति, यथावसर युक्ति

किसी तथ्य के घटित हो जाने के पश्चात् उसकी व्याख्या के लिए मनमाने तरीके से दी जानेवाली कोई युक्ति ।

adinity

पदित्व

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र मे विधेय या संबंध को यह सूचित करने वाली विशेषता कि उसमें कितने पद शामिल हैं : monadic, dyadic, triadic (एकपदी, द्विपदी, त्रिपदी) इत्यादि शब्दों के समान अंश . adi को लेकर निर्मित भाववाचक संज्ञा ।

adoptian Christology

दत्तकवादी ख्रीष्टमीमांसा

ख्रीष्ट के व्यक्तित्व और कृतित्व की इस सिद्धांत पर आधारित व्याख्या कि वह जन्मतः मनुष्य का पुत्र था, पर आध्यात्मिक प्रकर्ष के कारण ईश्वर के द्वारा पुत्र-रूप मे ग्रहण कर लिया गया था ।

adoptionism (also adoptianism)

दत्तकवाद

आठवीं शताब्दी मे स्पेन के ईसाइयों में प्रचलित यह अपविश्वास कि ईसा प्रारंभ से ईश्वर का अंश नहीं था, बल्कि दत्तक म के रूप में ईश्वर का पुत्र था ।

(the) Advent — ख्रीष्टागमन

ख्रीष्ट (ईसा मसीह) का (अ) अवतार के रूप में तथा (ब) कयामत के दिन संसार में आगमन ।

adventism — अवतारवाद

ईसाई धर्म में, यह मत कि ख्रीष्ट (ईसा मसीह) का संसार में पुनः आगमन तथा संसार का अंत समीप है ।

advocatus dei — देवाधिवक्ता

रोमन कैथोलिक चर्च का वह अधिकारी जो किसी व्यक्ति के पोप द्वारा पुण्यात्मा या संत घोषित किए जाते समय के समारोह-विशेष में असुराधिवक्ता द्वारा उठाई गई आपत्तियों का खंडन करता है ।

advocatus diaboli — असुराधिवक्ता

चर्च का वह अधिकारी जो पुण्यात्मवाचन या संतत्व घोषणा के समारोह में संबंधित व्यक्ति के चरित्र में या उसके पात्रत्व में दोष बताता है ।

aeon — ईओन

नॉस्टिक (Gnostic) रहस्यवादियों के अनुसार, उन शाश्वत विभूतियों का एक समूह जो ईश्वर से उत्पन्न है और ईश्वर तथा जगत् के मध्यस्थ है ।

aequilibrium indifferentiae — समबल-साम्य

दो ऐसे कर्मों के मध्य पूर्ण संतुलन की स्थिति [जो समान बलवाले अभिप्रेरकों से अभिप्रेरित

aesthetic enjoyment — सौंदर्योपभोग, रसोपभोग

गुणज्ञ व्यक्ति के द्वारा किसी सुंदर कलाकृति का आनंद लिया जाना ।

aesthetic ethics — सौंदर्यपरक नीति ।

देखिए aesthetic morality

aesthetic idealism — सौंदर्य-प्रत्ययवाद, सौंदर्यमीमांसीय प्रत्ययवाद

ललित कला में प्रत्ययात्मक तत्त्व को प्राधान्य देनेवाला सिद्धांत, जैसे (1) यह सिद्धांत कि ललित कला का लक्ष्य शाश्वत (लोकोत्तर) प्रत्ययों का पूर्णता को प्रतिबिंबित करना है, या (2) कला में हूबहू नकल के बजाय कल्पनात्मक सर्जन होना चाहिए, अथवा (3) कला में संज्ञानात्मक अंश प्रधान रहे ।

aesthetic intuitionism — सौंदर्यात्मक अतः प्रज्ञावाद, रसात्मक अंतः प्रज्ञावाद

शैफ्ट्सबरी और हचेसन का नीतिशास्त्रीय सिद्धांत, जो नैतिक गुणों को वस्तुगत मानता है और उनका तात्कालिक बोध कराने वाली "नैतिक इंद्रिय" को सुंदर-असुंदर का बोध कराने वाली "रसेंद्रिय" के जैसी एक नैसर्गिक शक्ति-विशेष ।

aestheticism — 1. सौंदर्यवाद

(क) यह सिद्धांत कि सौंदर्य के तत्त्व ही आधारभूत तत्त्व हैं और सत्य तथा शिव जैसे अन्य तत्त्व उनसे ही व्युत्पन्न अथवा उद्भूत होते हैं ।

(ख) कलात्मक और सौंदर्यात्मक स्वायत्तता का सिद्धांत, अर्थात् यह कि कलाकार पर राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक अथवा नैतिक किसी भी आधार पर बंधन न लगना चाहिए ।

2. सौंदर्यपरता

अन्य मानवीय आवश्यकताओं की उपेक्षा तक करते हुए सौंदर्यानुभूतियों अथवा सुंदर कलाओं के विकासादि की खोज में ही अत्यधिक रमे रहने की प्रवृत्ति ।

aesthetic judgment — सौंदर्यपरक निर्णय

किसी वस्तु को सुंदर अथवा असुंदर बताने वाला निर्णय ।

aesthetic morality — सौंदर्यपरक नीति

ब्रिटिश विचारक शेफ्ट्सबरी इत्यादि की नीति जिसमें सामंजस्य, समानुपात इत्यादि सौंदर्यशास्त्रीय संप्रत्ययों का खुलकर उपयोग किया गया है ।

aesthetics — सौंदर्यमीमांसा, सौंदर्यशास्त्र

दर्शन की वह शाखा जो सौंदर्य, उसके मानकों तथा निर्णयों का विवेचन करती है । अब यह कलाकृतियों और रसानुभूतियों का अध्ययन करनेवाला एक स्वतंत्र शास्त्र है ।

aesthetic values — सौंदर्य-मूल्य

वे मूल्य जो मनुष्य की सौंदर्यात्मक प्रकृति की तृप्ति करते हैं ।

aetiology (=etiology) — कारणविज्ञान ।

वस्तुओं और घटनाओं के कारणों को खोजने वाला विज्ञान ।

affective objective naturalism — भावात्मक वस्तुनिष्ठ प्रकृतिवाद

नीतिशास्त्र में, कोई भी ऐसा सिद्धांत जो किसी प्राकृतिक, भावमूलक और व्यक्ति निरपेक्ष चीज को अच्छाई-बुराई की कसौटी माने जैसे अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख को कसौटी माननेवाला उपयोगितावाद ।

affective theory — भावपरक मूल्य-सिद्धांत

वह सिद्धांत जो नैतिक मूल्य के निर्णय को व्यक्तियों की भावात्मक प्रतिक्रियाओं पर आधारित मानता है।

affirmative proposition — विध्यात्मक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो किसी बात का विधान करे, जैसे 'मनुष्य मरणशील है'।

a fortiori — सुतरां, अतितरां

उसके संबंध में प्रयुक्त क्रियाविशेषण या विशेषण जो पहले से निश्चित व युक्तिसंगत हो और अन्य तर्कों के द्वारा और भी अधिक निश्चायक बन जाए।

after-life — मरणोत्तर जीवन

आत्मा को अविनश्वर माननेवाले अधिकतर धर्मों की मान्यता के अनुसार शरीर के नाश के पश्चात् बना रहने वाला अस्तित्व।

agape — प्रेमभाव, एगापी

ऐसा प्रेमभाव जो किसी के प्रति उसके प्रिय गुणों के कारण नहीं बल्कि उसके एक अनुभवशील प्राणी मात्र होने के कारण होता है।

agapism — प्रेमभाववाद

एक मत जो परस्पर प्रेमभाव का समर्थन करता है।

agathism — श्रेयोवाद

यह मत कि प्रत्येक वस्तु परम शुभ की ओर उन्मुख है।

agathobiotik — श्रेयोजीवन

ऐसा जीवन जो श्रेयमय हो।

agathology — श्रेयोविज्ञान

शुभ का अध्ययन करनेवाला विज्ञान।

agathon — श्रेय

यूनानी में शुभ वस्तु का समानार्थक संज्ञा शब्द (इसका विशेषण रूप agathos है)।

agathopoetics — श्रेयोमीमांसा

वह शास्त्र जो 'शुभ' के संप्रत्यय का निरूपण करता है।

agent — कर्त्ता

नीतिशास्त्र में, वह विचारशील व्यक्ति जो स्वेच्छा से, किसी उद्देश्य से प्रेरित होकर किसी कर्म को करता है।

aggregate meaning — समूहार्थ

तर्कशास्त्र में, एक से अधिक व्यक्तियों के द्वारा स्वीकृत कोई सामान्य मत।

agnoiology — अज्ञातमीमांसा

दर्शन की वह शाखा जो यह निर्धारित करने का प्रयत्न करती है कि ऐसी कौनसी बातें हैं जिनका हमें ज्ञान हो ही नहीं सकता स्कॉटिस दार्शनिक जे० एफ० फेरियर द्वारा सर्वप्रथम 1854 में प्रयुक्त शब्द)।

agnosticism — अज्ञेयवाद

एक मत जो ईश्वर और चरम तत्व के ज्ञान को असंभव मानता है।

agnostic naturalism — अज्ञेयवादी प्रकृतिवाद

यह मत कि पुद्गल और आत्मा का स्वरूप तो अज्ञेय है, पर फिर भी विश्व को दृश्य घटनाओं के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें आत्मा या मन की स्थिति अकिंचित्कर छाया की तरह होती है।

agnosy — अज्ञान, अविद्या

तत्व के ज्ञान का अभाव, विशेषतः वह जिससे सारा संसार ग्रस्त है।

agrapha

अलिखित सूक्तिया

ईसा की वे सूक्तियां जो 'शुभसंदेशों' (Gospel) में नहीं मिलती किंतु नई इंजील के अन्य भागों में तथा ईसाईयों के पुराने ग्रंथो में जिनका उल्लेख है।

agreement in absence

अप्रस्तुतान्वय

उदाहरणों के एक समुच्चय में दो तत्वों का समान रूप से अनुपस्थित रहना, जो कि उनके कारण कार्य के रूप में संबंधित होने की प्रसंभाव्यता प्रकट करता है।

agreement in presence

प्रस्तुतान्वय

उदाहरणों के एक समुच्चय में दो तत्वो का समान रूप से उपस्थित रहना, जो कि उन दो तत्वों में कार्य-कारण संबंध होने की प्रसंभाव्यता प्रकट करता है।

akrasia

संकल्प—दौर्बल्य

वह स्थिति जिसमें व्यक्ति यह तो जानता कि उसको क्या करना चाहिए किंतु अप को वह कर्म करने में असमर्थ पाता है।

algebra of logic

तर्क—बीजगणित

एक पद्धति जिसमें तर्किक संबंधों को व्य करने के लिए बीजगणितीय सूत्रों का प्रयं किया जाता है।

algedonic

सुखदुःखपरक

सुख या दुःख की अनुभूतियों से सं उनसे संबंधित।

algedonics

सुखदुःखविज्ञान

सुख एवं दुःख की अनुभूतियों का वैज्ञा अध्ययन।

alternation — विकल्पन
तर्कशास्त्र में, (1) वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें दो या अधिक ऐसे विकल्प दिए हुए हों जो परस्पर व्यावर्तक हो, तथा (2) ऐसे विकल्पों के संबंध का सूचक प्रतीक (+)।

alternative indefinite — विकल्पी अनिश्चयवाचक
जॉनसन के अनुसार, आर्टिकल 'ए' (a) का वह रूप जिसका अर्थ 'यह या वह, कोई' होता है। 'उपस्थापक अनिश्चयवाचक' से इसका भेद किया गया है। देखिए introductory indefinite।

alternative proposition — वैकल्पिक प्रतिज्ञप्ति
वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें कोई विकल्प (विशेषत: व्यावर्तक) दिए गए हों, जैसे 'वह या तो बीमार है या बाहर गया हुआ है'।

alternative terms — वैकल्पिक पद
वे पद जो एकमात्र किसी उद्देश्य के विधेय नहीं बन सकते, जैसे 'क ख या ग हैं' में ख और ग।

altruism — परार्थवाद, परहितवाद, परार्थपरता, परहितपरता
परहित को नैतिक आदर्श माननेवाला सिद्धात; परार्थशीलता अथवा परोपकार करने की प्रवृत्ति।

altruistic energism — परार्थोन्मुख शक्तिवाद
व्यक्ति की शक्तियो के उपयोग को समूह के हित-साधन के लिए ही श्रेयस्कर माननेवाला एक नीतिशास्त्रीय सिद्धात।

altruistic hedonism — परसुखवाद
एक नीतिशास्त्रीय सिद्धात जिसके अनुसार दूसरे का सुख ही कर्म का नैतिक उद्देश्य होना चाहिए।

ambiguous description — अनेकार्थक वर्णन

ऐसा वर्णन जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध न करावे और इसलिए जो किसी भी व्यक्ति या वस्तु पर लागू हो सके।

amoral — नीति-निरपेक्ष, नीतिबाह्य, निर्नैतिक

वह जिसे नैतिक दृष्टि से न अच्छा कहा जा सके और न बुरा, अर्थात् जिस पर नैतिक विशेषण लागू न हों।

amoralism — निर्नैतिकतावाद

यह सिद्धांत कि शुभ-अशुभ के साधारण मानक अवैध हैं।

amorality — निर्नैतिकता, नीतिबाह्यता

नैतिक-अनैतिक के भेद से दूर होने की अवस्था या विशेषता।

ampliation — अर्थ-विस्तार

मध्ययुगीन तर्कशास्त्र में, किसी संकीर्ण अर्थ में प्रयुक्त जातिवाचक शब्द का व्यापक अर्थ में प्रयोग।

ampliative proposition — विस्तारी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें विधेय उद्देश्य के संप्रत्यय में कुछ विस्तार अर्थात् वृद्धि करता है, संश्लेषी प्रतिज्ञप्ति।

anagogic interpretation — गूढार्थ-निरूपण

धर्मग्रंथों के वाक्यों के ऊपरी स्वरूप से हट कर उनमें निहित आध्यात्मिक सत्यों की खोज और उनका निरूपण करनेवाली व्याख्या।

analogate — सादृश्य-अनुयोगी

वह जिसका किसी अन्य वस्तु से सादृश्य बताया जाए : "क ख के सदृश है" में उद्देश्य-पद क।

analogical hypothesis — सादृश्यमूलक प्राक्कल्पना, साधर्म्यमूलक प्राक्कल्पना

सादृश्य पर आधारित प्राक्कल्पना।

analogical inference — साम्यानुमान

साम्य या सादृश्य पर आधारित अनुमान। देखिए 'analogy'।

analogies of experience — अनुभव-समीकारक

कान्ट के दर्शन में, संवित्तों को एकता प्रदान करनेवाले तीन प्रागनुभविक संप्रत्ययों (कैटिगरीज ऑफ अंडरस्टैंडिंग)—द्रव्यता, कारणता और पारस्परिकता का सामूहिक नाम।

analogous term — सदृशार्थक पद

सदृश अर्थ रखने वाला पद।

analogue machine — अनुरूपयंत्र

किसी यंत्र की कार्य-प्रणाली को समुचित रूप से समझने के लिए बनाई गई उसकी प्रतिकृति, जो भले ही उसके हूबहू समान न हो पर यंत्र की आंतरिक व्यवस्था का सही प्रतिनिधित्व करती हो।

analogy — 1—साम्यानुमान

तर्कशास्त्र में, दो वस्तुओं के बीच कुछ बातों में सादृश्य होने के आधार पर एक वस्तु में कोई एक विशेष बात देखकर दूसरी में भी उस बात के होने का अनुमान करना।

2—सादृश्य

सामान्य प्रयोग में, दो वस्तुओं की समानता।

analysandum — विश्लेष्य

वह संप्रत्यय जिसका विश्लेषण करना है।

analysans — विश्लेषक

वह अभिव्यक्ति जिसके द्वारा विश्लेष्य संप्रत्यय, का विश्लेषण किया जाये।

analyst — 1—विश्लेषणवादी

वह व्यक्ति जो विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित संप्रत्ययों के विश्लेषण को ही दर्शन का एकमात्र कार्य मानता है।

2—विश्लेषक

विश्लेषण करनेवाला व्यक्ति।

1163
2191

analytic argument — गृहीतग्राही युक्ति, विश्लेषीयुक्ति

वह युक्ति जिसका निष्कर्ष पहले से ही उसकी आधारिकाओं में निहित रहता है।

analytic definition — विश्लेषी परिभाषा

वह परिभाषा जो परिभाष्य पद के गुणार्थ का विश्लेषण करती है।

analytic hedonism — विश्लेषी सुखवाद

सुखवाद का वह रूप जो सुख को शुभ के संप्रत्यय का अंग मानता है।

analytic incompatibility — वैश्लेपिक असंगति

शुद्ध तार्किक असंगति, जिसका आधार वैश्लेपिक होता है, अर्थात् जिसे जानने के लिए तथ्यों के प्रेक्षण की आवश्यकता नहीं होती बल्कि संबंधित संप्रत्ययों का विश्लेषण मात्र पर्याप्त होता है।

analytic judgment — विश्लेषी निर्णय

वह निर्णय जिसका विधेय उद्देश्य के गुणार्थ में पहले से ही निहित रहता है।

analytic method — विश्लेषण-प्रणाली, वैश्लेपिक प्रणाली

वह प्रणाली जिसमें विषय का विश्लेषण किया जाता है।

analytic philosophy — विश्लेषी दर्शन

दर्शन की उन आधुनिक प्रवृत्तियों के लिए प्रयुक्त नाम जो संप्रत्ययों के विश्लेषण को दर्शन की प्रणाली के रूप में अपनाती हैं।

analytic proposition — विश्लेषी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसका विधेय उद्देश्य के गुणार्थ में पहले से ही सन्निविष्ट रहता है।

analytic-synoptic method — खंडाखंड-प्रणाली

वह दार्शनिक प्रणाली जो पहले वस्तु का खंडों में विश्लेषण करती है और तत्पश्चात् पूर्ण इकाई के अन्य अंशों के साथ उन्हें संबद्ध करके देखती है।

analytic train of reasoning — विश्लेषणात्मक तर्कमाला

परस्पर जुड़े हुए न्यायवाक्यों की वह शृंखला जो उत्तरन्यायवाक्य से पूर्वन्यायवाक्य की ओर चलती है।

देखिए episyllogism, prosyllogism तथा syllogistic chain.

anamnesis — अनुस्मरण, अनुस्मृति

प्लेटो के दर्शन में, पूर्वजन्म में प्रत्यक्षीकृत 'प्रत्ययों' का इस जन्म मे सदृश वस्तुओं के दर्शन से स्मरण होना।

anathema — अभिशप्त; अभिशाप

ईसाई धर्म में, किसी व्यक्ति का धर्म और समुदाय से बहिष्कार करते समय धर्माचार्य के द्वारा उसके लिए प्रयुक्त शब्द : वह व्यक्ति जिसे अभिशाप दिया गया हो अथवा अभिशाप देना।

anergy — अनूर्जा

संवेदन की व्याख्या के लिए अमरीकी दार्शनिक मान्टेग्यू द्वारा प्राक्कल्पित ऊर्जा का एक ऋणात्मक रूप ।

anima — प्राणतत्त्व, जीवतत्व

वह तत्व जो पुद्गल के अंदर रहकर उसे सजीव बनाता है ।

animal faith — पशुसहज आस्था

कुछ बातों में (जैसे, बाह्य जगत् के अस्तित्व में) सहज रूप से विश्वास, जैसा कि पशु करते हैं ।

animal inference — पशुसहज अनुमान

ऐसा अनुमान जिसे पशु भी अपनी स्वाभाविक बुद्धि से कर सकते हैं ।

animal machine hypothesis — पशु-यंत्र-प्राक्कल्पना

देकार्त का यह मत कि पशु यंत्र मात्र हैं और अनुभूति तथा विचार की शक्ति से रहित हैं ।

anima mundi — विश्वात्मा

विश्व को आंतरिक रूप से व्यवस्थित रखनेवाली, गति प्रेरक एवं जीवनदायिनी आध्यात्मिक शक्ति । देखिए world soul ।

animation — अनुप्राणन

शरीर का मन या आत्मा के संपर्क से जीवंत और क्रियावंत बनना ।

animatism — प्राणवाद, सप्राणवाद

एक आदिम विश्वास जिसके अनुसार प्रकृति के सारे पदार्थ व्यक्तित्व और इच्छा से युक्त होते हैं परन्तु उनकी अलग-अलग आत्माएं नहीं होतीं ।

animism 1—जीवत्वारोपण
आदिम मानव की ब्रह्माड की सारी वस्तुओं मे जीवत्व के आरोपण की प्रवृत्ति ।
2—जीववाद
यह विश्वास कि सृष्टि की प्रत्येक वस्तु जीवयुक्त है ।

animistic materialism सजीव भौतिकवाद, सजीव पुद्गलवाद
अमरीकी वास्तववादी दार्शनिक मान्टेग्यू का यह सिद्धात कि आत्मा मानसिक गुणो से युक्त होते हुए भी भौतिक है ।

annihilationism उच्छेदवाद
एडवर्ड व्हाइट का यह सिद्धांत कि दुष्ट व्यक्ति के अस्तित्व का उसकी मृत्यु के बाद पूर्णतया लोप हो जाता है ।

anoetic निस्संज्ञान
मन की भावात्मक अवस्था तथा अन्य प्राक्संज्ञानात्मक अथवा असज्ञानात्मक अवस्थाओ के लिए प्रयुक्त विशेषण ।

anomoios असदृशद्रव्य
वह जो भिन्न द्रव्य से बना हुआ हो । एरियसवाद में इस धारणा को व्यक्त करने के लिए प्रयुक्त शब्द कि ईसा न केवल ईश्वर से भिन्न था अपितु उसका निर्माण भी एक भिन्न द्रव्य से हुआ ।

anschaung प्रत्यक्ष शक्ति
काट के दर्शन में उस शक्ति के लिए प्रयुक्त जर्मन शब्द जो बुद्धि को दिक् और काल के माध्यम से सामग्री उपलब्ध कराती है ।

Anselmian argument एन्सेमी युक्ति
ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए एन्सलम की यह युक्ति मेरे मन में एक उच्चतम

सत्ता का प्रत्यय है, वह सत्ता जो वास्तविक जगत् में अस्तित्व रखती है उससे उच्चतर है जो केवल मन में है; अतः ईश्वर जो कि उच्चतम सत्ता है वास्तव में अस्तित्व रखता है।

antecedent — हेतुवाक्य

तर्कशास्त्र में, 'यदि क, तो ख' आकार वाली हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्ति में 'यदि' से शुरू होने वाला अंश।

antecedents — पूर्ववृत्त

किसी घटना की तुलना में वे चीजें, घटनाएं और स्थितियां जो उस घटना से किसी रूप में जुड़ी हों तथा उससे पहले हो चुकी हों।

antepredicaments — पदार्थपूर्विकाएं, विधेयपूर्विकाएं

पदार्थों के स्पष्ट बोध के लिए जिन बातों की पहले से जानकारी आवश्यक है वे। देखिए Predicament।

ante-rem theory (of universals) — पूर्ववृत्त-सामान्यवाद

यह प्लेटवी सिद्धांत कि सामान्य की सत्ता वस्तुओं से स्वतंत्र है और उसका अस्तित्व वस्तुओं से पहिले से ही रहता है।

anthropocentrism — मानवकेंद्रवाद

यह मत कि मनुष्य ही सृष्टि का केन्द्र है अथवा सब बातें मनुष्य-सापेक्ष हैं, जैसे प्राचीन यूनानी सोफिस्टों का मनुष्य को ही प्रमाण माननेवाला मत।

anthropological dualism — देहात्म-द्वैत

मनुष्य के निर्माण में देह और आत्मा नामक दो पृथक सत्ताओं का योग अथवा ऐसा मानने वाला सिद्धांत।

anthropomorphism
मानवत्वारोपण
मानवेतर सत्ताओं (प्रकृति और ईश्वर) पर मानवीय आकार, गुण और व्यवहार का आरोप करने की प्रवृत्ति ।

anthroposophy
मानवविद्या
ऑस्ट्रिया के दार्शनिक रुडोल्फ स्टाइनर (1861-1925) का रहस्यवादी सिद्धांत जो एनी बीसेंट के 'ब्रह्मविद्या' (थिओसोफी) के सिद्धांत से आंशिक असहमति के कारण विकसित हुआ ।

anti-authority
प्रति-आप्तपुरुष
वह व्यक्ति जो सदैव असत्य कथन करता है और जिसके बारे में यह विश्वास किया जा सकता है कि भविष्य में वह जो भी कथन करेगा वह असत्य ही होगा ।

anti-bifurcationism
द्विविभाजन-विरोधिता
वस्तुओं की प्रकृति और ब्रह्म, ब्रह्म और जीव, सत् और असत्, जीव और पुद्गल आदि विरोधी वर्गों में विभाजित करने की प्रवृत्ति का विरोध ।

antilogism
विहेतु-न्यायवाक्य, प्रतिहेतु-न्यायवाक्य
तीन प्रतिज्ञप्तियों का एक ऐसा समुच्चय जिसमें किन्हीं दो को आधारिकाएं मानकर निकलने वाला निष्कर्ष तीसरी का व्याघाती होता है ।

antilogy
वदतोव्याघात
स्वतोव्याघाती, स्वयं को ही काटनेवाला कथन ।

anti-metaphysics
प्रतितत्त्वमीमांसा, तत्त्वमीमांसा-प्रतिषेध
परम्परागत तत्त्व मीमांसा का विरोध करने वाले तार्किक प्रत्यक्षवाद जैसे आधुनिक

आदोलनों की संज्ञा—इनकी अर्थ की कसौटी के अनुसार तत्वमीमासीय कथन प्रत्यक्ष द्वारा सत्यापनीय न होने के कारण निरर्थक हैं।

antinominaism विधिमुक्तिवाद

विशेषत: ईसाई धर्म में, यह सिद्धात कि आस्था या ईश्वर की कृपा से व्यक्ति हर प्रकार के कानून या नियम से मुक्त हो जाता है। सामान्यत: कोई भी सिद्धान्त जो मनुष्य को कानूनों या नियमो के बंधन से मुक्ति दिलाए।

antinomy विप्रतिषेध

समान बलवाले प्रमाणों पर आधारित दो सिद्धातो या निष्कर्षों का परस्पर विरोध।

antistrophon argument स्वपक्षघाती युक्ति

विरोधी द्वारा दी गई ऐसी युक्ति जिसका उसी के विरुद्ध प्रयोग किया जा सके।

anti-symmetric relation प्रतिसममित संबध

देखिए asymmetrical relation।

anti-symmetry प्रतिसममिति

देखिए asymmetry।

anti-system प्रतितंत्र; तंत्र विरोध

किसी दार्शनिक तंत्र (जैसे हेगेलीय तंत्र) के विरोध में बना हुआ कोई अन्य तंत्र; अथवा विचारतंत्रो के निर्माण का विरोध।

antithesis प्रतिपक्ष

हेगेल के दर्शन में, द्वंद्वात्मक प्रक्रम का वह चरण जो पक्ष का निषेध करता है और अगले, सपक्ष के, चरण में स्वयं भी पीछे छूट जाता है। देखिए thesis और synthesis· कान्ट के दर्शन में, तर्कबुद्धि के विप्रतिषेधों

(antinomies) में में निषेधक प्रति-ज्ञप्ति ।

antithetic — विप्रतिषेधमीमांसा

कान्ट के अनुसार, तर्कबुद्धि के विप्रतिषेधों के पारस्परिक विरोध और उस विरोध के कारणों का अध्ययन करनेवाला शास्त्र ।

apagoge — 1—अपगमन

अरस्तू के तर्कशास्त्र में, वह न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका तो निश्चित होती है किन्तु पक्ष-आधारिका प्रसंभाव्य होती है ।

2—असंभवापत्ति

अनुमान की वैधता को सिद्ध करने की एक प्रणाली जिसमें निष्कर्ष के व्याघातक को सत्य मानकर यह दिखाया जाता है कि उससे प्राप्त होनेवाला निष्कर्ष असंभव या अस्वीकार्य है ।

apeiron — अपरिच्छिन्न, अपरिमित

अनैक्जिमैंडर (Anaximander) के दर्शन में, मूल प्रकृति जो अनियत और अपरिमित है तथा जिससे सब वस्तुएं उत्पन्न होती हैं ।

apercu — सद्यः पश्यना, सद्यःदर्शन

किसी वस्तु का तात्कालिक रूप में होने वाला अंत:प्रज्ञात्मक बोध ।

aphthartodocetism — अविकार्यवाद

छठी शताब्दी के एक ईसाई संप्रदाय के अनुसार, यह मत कि दैवी प्रकृति से एक हो जाने के बाद खीष्ट का शरीर अविकार्य हो गया था ।

apocalypticism — भविष्योद्घोषवाद

पुराकालीन यहूदी धर्म में और आरंभिक ईसाई काल में पनपी एक चिंतन-धारा जिसका उद्देश्य धर्म में आस्था रखनेवालों को हर अन्याय और दुर्भाग्य के विरुद्ध अविचलित बनाए रखना था और उनमें यह आस्था कायम रखना था कि शीघ्र ही स्थिति बदलेगी और पापात्माओं का विनाश होगा।

apocrypha — कूटग्रंथ, गुह्यलेख

वे ग्रंथ या लेख जिनके लेखक संदिग्ध अथवा अज्ञात हों। इस शब्द का शुरू में उन ग्रंथों के लिए प्रयोग होता था जिनमें गुह्य ज्ञान अथवा जनता के लिए हानिकर समझा जानेवाला ज्ञान निहित होता था और इस आधार पर जो जनता से छिपाकर रखे जाते थे।

apodeictic knowledge — निश्चय-ज्ञान

अनिवार्य रूप से घटनेवाली घटनाओं का ज्ञान।

apodeictic proposition — निश्चय-प्रतिज्ञप्ति

निश्चित रूप से होने वाली बात का कथन करनेवाली प्रतिज्ञप्ति।

apodosis — फलवाक्य

किसी सोपाधिक वाक्य का उत्तर-भाग जो पूर्व-भाग पर आश्रित होता है, जैसे 'यदि क, तो ख' में 'ख'।

apokatastasis (=apocatastasis) — 1—सर्वोद्धार, सर्वमुक्ति

ईसाई धर्म में; विशेषतः यह विश्वास कि अंत में ईश्वर सभी पापियों को अपनी शरण में ले लेता है और वे स्वर्गीय आनन्द के भागी बनते हैं।

2—प्रत्यावर्तन

स्टोइक दार्शनिकों के इस विश्वास का सूचक शब्द कि कल्पांत के बाद प्रत्येक वस्तु अपनी मूल अवस्था में आ जाती है।

apologetics मंडनविद्या

विशेषतः ईसाई धर्मशास्त्र का वह भाग जिसका काम विधर्मियों की आलोचना का समुचित उत्तर देना तथा अपने सिद्धांतों को तर्कों से युक्तियुक्त सिद्ध करना होता है।

apology मंडन, समर्थन

किसी के समर्थन में दिया गया भाषण या लिखा गया लेख।

apophansis विधेयिका

प्रतिज्ञप्ति का अरस्तूकालीन नाम जो कि उसके स्वरूप को उद्देश्य-विधेयात्मक मानने पर आधारित है।

apostasy धर्म-त्याग, सिद्धांत-त्याग पक्ष-त्याग

धार्मिक विश्वास या स्वीकृत सिद्धान्त आदि का परित्याग करना।

a posteriori अनुभवसापेक्ष, अनुभवाश्रित

ज्ञान की उस सामग्री के लिए प्रयुक्त विशेषण जो अनुभव से प्राप्त होती है।

a posteriori reasoning अनुभवाश्रित तर्क

आगमनात्मक तर्क जो प्रेक्षित तथ्यों से सामान्य निष्कर्ष निकालता है।

apostle 1—देवदूत

विशेषतः ईसाई धारणा के अनुसार, ईश्वर का संदेश मनुष्यों तक पहुँचाने वाला दूत।

2—धर्मदूत

धर्म का विदेश में जाकर प्रचार करनेवाला

apotheosis — देवत्वारोपण

मनुष्य को देवता बना देने की वह प्रवृति जो ऐतिहासिक पुरुषों की मूर्तिया बनवा कर पूजने, राजाओं के दैवी अधिकार मानने इत्यादि में प्रकट होती है।

appearance — आभास

1—वस्तु का इद्रियों से ज्ञात रूप।

2—कान्ट में, दिक्काल मे अस्तित्व रखनेवाली ऐंद्रिय वस्तु।

3—ब्रेडली इत्यादि के दर्शन मे, सत्य या तत्त्व का एक अंश; वास्तविकता के बारे में कोई भी आशिक और स्वव्याघाती निर्णय।

apperception — 1—अतः प्रत्यक्ष

लाइपनित्स के दर्शन मे, मन को होनेवाला स्वयं अपनी ही अवस्थाओं का अपरोक्ष बोध।

2—अहंप्रत्यय

कान्ट के दर्शन मे, ज्ञाता को होनेवाली आत्म-चेतना जो उसकी एकता को प्रकट करती है। देखिए empirical apperception तथा transcendental apperception.

applicative — आनुप्रयोगिक

जॉनसन के तर्कशास्त्र में, वह शब्द जो प्रतिज्ञप्ति में किसी सामान्य पद के अनुप्रयोग को निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त होता है, जैसे 'यह', 'वह' आदि।

applicative principle — अनुप्रयोग-सिद्धांत

तर्कशास्त्र में पहली आकृति के आधारभूत सिद्धांत को जॉनसन के द्वारा दिया

गया नाम । सिद्धात यह है कि जो बात किसी पूरे वर्ग पर लागू होती है वह उसके प्रत्येक सदस्य पर भी लागू होनी है । देखिए dictum de omni et nullo.

plied ethics — अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र
वह शास्त्र जो नीतिशास्त्र के सिद्धातों को कानून, चिकित्सा, व्यवसाय आदि के क्षेत्र-विशेष में लागू करता है ।

apposition — सामानाधिकरण्य
दो ऐसे शब्दों का पारस्परिक सबंध जो शेष वाक्य के साथ व्याकरण की दृष्टि से समान सबंध रखते है, जैसे "मेरा भाई राम बुद्धिमान है", मे "मेरा भाई", और "राम" का ।

appreciative judgment — आशसी निर्णय
तथ्यमूलक निर्णय के विपरीत, वह निर्णय जो मूल्य बताता है, जैसे "राम अच्छा या सुन्दर है" ।

apprehension — अवबोध
किसी वस्तु का चेतना में उपस्थिति मात्र का बोध, जिसमें निर्णय का अंश नहीं होता ।

approbative theory — अनुमोदन-सिद्धान्त
वह नैतिक सिद्धात जो शुभ-अशुभ को अनुमोदन और अननुमोदन पर आधारित मानता है ।

appropriating — आत्मसात्करण, स्वीकरण
विशेषतः प्रोटेस्टेन्ट सप्रदाय में, आस्तिक के माध्य द्वारा दैवी अनुग्रह का भागी बनने तथा पठन और मनन के द्वारा ईश्वरीय वचन को हृदयंगम करने के अर्थ में प्रयुक्त ।

approximate generalization प्रत्यासन्न सामान्यीकरण

अधिक से अधिक दृष्टांतों के प्रेक्षण पर आधारित सामान्यीकरण ।

a priori प्रागनुभविक, अनुभवनिरपेक्ष

उन सिद्धान्तों या प्रतिज्ञप्तियों के लिए संज्ञा और विशेषण के रूप में प्रयुक्त लैटिन शब्द जिनकी वैधता अनुभव पर आश्रित नहीं होती या जिनके ज्ञान के लिए अनुभव की अपेक्षा नही होती अथवा जो तर्कबुद्धि मात्र से ज्ञेय होते है ।

a priori concept प्रागनुभविक संप्रत्यय

यह संप्रत्यय जो अनुभव के पहले से ही व्यक्ति के मन में विद्यमान रहता है ।

a priori fallacy प्रागनुभविक-तर्कदोष

किसी बात को पर्याप्त प्रमाण की चिंता किए बिना स्वाभाविक प्रवृत्ति, पूर्वग्रह या अंधविश्वास के कारण मान लेने का दोष ।

a priori proposition प्रागनुभविक प्रतिज्ञप्ति, अनुभवनिरपेक्ष प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसके सत्यापन के लिए अनुभव की अपेक्षा नहीं होती , जैसे, "क है या नहीं है" ।

a priori reasoning अनुभवनिरपेक्ष तर्क

निगमनात्मक तर्क जो अनुभव पर आधारित न होकर कुछ अभिगृहितों से आकारिक नियमों के अनुसार निष्कर्ष निकालता है ।

apriorism प्रागनुभविकवाद

अनुभव निरपेक्ष सिद्धातों में विश्वास । विशेषत: यह मत कि ज्ञान का आधार वे सिद्धांत है जो स्वयं सिद्ध है और किसी प्रकार के अनुभव की अपेक्षा नही रखते।

arete — उत्कृष्टता, उत्कर्ष

अरस्तू के दर्शन में किसी वस्तु की वह स्थिति जो उसको श्रेष्ठता प्रदान करती है।

argument — 1—युक्ति

सामान्य अर्थ में, तर्क का भाषा में अभिव्यक्त रूप।

2—फलन-निर्धार्य, अवच्छेद्य

तर्कगणित में, फलन का वह चर जो स्वतंत्र होता है और जिस पर पूरे फलन का मूल्य आश्रित होता है। उदाहरणार्थ,

क=फ (ख)

में ख स्वतंत्र चर है।

argument 'a contingentia mundi' — विश्व-आपातिता-युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व का साधक यह तर्क कि चूंकि विश्व में प्रत्येक वस्तु आपाती है, इसलिए अंततः कोई ऐसी सत्ता होनी चाहिए जो अनिवार्य हो, और वही ईश्वर है।

argument by cases — प्रत्येकशः युक्ति

मुख्यतः गणित में प्रयुक्त एक प्रकार का तर्क जिसमें प्रत्येक उदाहरण में अलग-अलग एक ही निष्कर्ष निकाला जाता है और अन्त में उसका सामान्यीकरण कर दिया जाता है।

argument form — युक्ति-आकार

प्रतीकों का एक क्रम, जिनके स्थान पर कथनों को रखने से एक युक्ति प्राप्त हो जाती है,

जैसे प V फ

∼ प

(प और फ के स्थान पर क्रमशः 'राम यहां है' और 'राम वहां है' रख देने से यह युक्ति बनती है :—

या तो राम यहां है या वहां है,

राम यहां नहीं है ;

∴ राम वहां है ।)

argument from design — अभिकल्प युक्ति, रचना-युक्ति, आयोजन-युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दी गई एक युक्ति जिसके अनुसार इस विश्व की सृष्टि एवं व्यवस्था एक ऐसी शक्ति का द्योतक है जो कि बुद्धिमान तथा पूर्ण है, और यही शक्ति है ईश्वर ।

argument ad beculum — मुष्टि-युक्ति

वह युक्ति जिसमें तर्क से काम लेने के स्थान पर प्रतिवादी को डरा-धमका कर या बलपूर्वक अपनी बात मानने को बाध्य किया जाता है । वास्तव में यह एक युक्ति है ही नहीं ।

argument ad captandum vulgus — लोकानुरंजक युक्ति

वह युक्ति जिसमें तर्क के स्थान पर जन-समुदाय को किसी न किसी प्रकार से प्रसन्न करके पक्ष-समर्थन प्राप्त किया जाता है ।

argument ad crumenum — स्वार्थोत्तेजक युक्ति

वह युक्ति जो श्रोताओं के स्वार्थ या आर्थिक हित से संबंधित बातों से समर्थन प्राप्त करने की चेष्टा करती है ।

argumentum and hominem — लांछन-युक्ति

वह युक्ति जो प्रमाणों एवं तथ्यों पर आश्रित न होकर दूसरे के व्यक्तिगत जीवन पर आक्षेप करे ।

argumentum ad ignorantiam — पराज्ञानमूलक युक्ति

वह युक्ति जिसमें दूसरों के अज्ञान से लाभ उठाया जाय, जैसे, प्रतिवादी से संबंधित बात को असिद्ध करने के लिए कहा जाय और उसकी असमर्थता को बात का प्रमाण मान लिया जाय ।

argumentum ad invidiam — क्षुद्रभावोत्तेजक युक्ति

वह युक्ति जिसमें लोगों की निम्नकोटि की भावनाओं को उत्तेजित करके या उनके पूर्वग्रहों का लाभ उठाकर अपनी बात को सिद्ध किया जाता है ।

argumentum ad judicium — लोकमत-युक्ति

जनसमूह के सामान्य ज्ञान एवं निर्णय-शक्ति पर आधारित युक्ति ।

argumentum ad misericordiam — दयामूलक युक्ति

वह युक्ति जिसमें श्रोता के अन्दर करुणा इत्यादि संवेगों को उत्तेजित करके अपने पक्ष को पुष्ट करने का प्रयास किया जाता है ।

argumentum ad personam — स्वार्थोत्तेजक युक्ति, स्वार्थोद्दीपक युक्ति

वह युक्ति जिसमें अपने पक्ष को सबल बनाने के लिए लोगों की स्वार्थ-भावना को उकसाया जाता है ।

argumentum ad populum — लोकोत्तेजक युक्ति

वह युक्ति जो तथ्य अथवा तर्क पर आधारित न होकर सामान्य जन की भावनाओं को उभाड़कर या उनकी कमजोरियों का लाभ उठाकर बल प्राप्त करे ।

argumentum ad rem — अनुविषय युक्ति

वह युक्ति जो प्रसंग से संबद्ध बातों को ध्यान में रखे ।

argumentum ad verecundiam — श्रद्धामूलक युक्ति

वह युक्ति जो अपनी बात को सिद्ध करने के लिए या अपने पक्ष को सबल बनाने के लिए महापुरुषों, प्राचीन प्रथाओं, संस्थाओं या आप्तपुरुषों के प्रति सामान्य जन की आदर की भावना का उपयोग करे।

argumentum a fortiori — अतितरा युक्ति

साम्यानुमान पर आधारित युक्ति जिसमें यह दिखाया जाता है कि प्रस्तावित प्रतिज्ञप्ति प्रतिवादी द्वारा पहले स्वीकृत प्रतिज्ञप्ति से अधिक युक्तिसंगत है।

argumentum ex concesso — अभ्युपगत्याश्रित युक्ति

वह युक्ति जो किसी ऐसी प्रतिज्ञप्ति पर आधारित हो जो प्रतिवादी द्वारा पहले ही स्वीकृत की जा चुकी हो।

Arianism — एरियसवाद

ख्रीष्ट और ईश्वर के संबंध के विषय में एरियस का यह मत कि दोनों के द्रव्य भिन्न हैं और ख्रीष्ट की स्थिति ईश्वर की अपेक्षा गौण है।

Aristotelianism — अरस्तूवाद

प्राचीन यूनानी विचारक अरस्तू, (384-322 ई० पू०) का दर्शन, जिसमें 'उपादान' और 'आकार' विश्व के मूल तत्व माने गए हैं और उसके 'आद्य चालक' के रूप में ईश्वर को आवश्यक बताया गया है।

Aristotles dictum — अरस्तू-अभ्युक्ति

तर्कशास्त्र में प्रथम आकृति में निहित अरस्तू के नाम से प्रचलित यह सिद्धान्त कि जो बात किसी संपूर्ण वर्ग के बारे में कही

जा सकती है वह उसके एक अंश के बारे में भी कही जा सकती है । देखिए dictum de omni et nullo ।

Aristotle's experiment — अरस्तू-प्रयोग

अरस्तू का भ्रम से संबंधित एक प्रयोग जिसमें एक ही हाथ की दो उंगलियों को आर-पार करके उनके बीच में रखी हुई कोई वस्तु दो प्रतीत होती हैं ।

ars combinatoria — संयुति-कला

लाइबनित्स के अनुसार, कुछ सरल संकल्पनाओं के योग से जटिल सकल्पनाओं के निर्माण की कला ।

artifices — गूढ़ोपाय, कूटोपाय

रहस्यात्मक प्रकृति की ऐसी संक्रियाएं जो सामान्य प्रक्रिया के विरुद्ध-सी प्रतीत होती हैं और द्रष्टा को अभिचार का आभास कराती हैं ।

artificial classification — कृत्रिम वर्गीकरण

वह वर्गीकरण जो वस्तुओं की मौलिक समानताओं पर आधारित न होकर उनकी ऊपरी समानताओं पर आधारित होता है और किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए होता है ।

art impulse — कला-प्रेरणा

सौंदर्यशास्त्र में, उन अबौद्धिक प्रेरणाओं के लिए प्रयुक्त पद जो कला-कृति के सर्जन का कारण बनती हैं, जैसे अनुकरण की इच्छा, क्रीड़ा, अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा का उपयोग इत्यादि ।

ascension — स्वर्गारोहण

ईसाई धर्मशास्त्र में ख्रीष्ट के पुनरुज्जीवित शरीर का पृथ्वी से उठकर स्वर्ग में प्रवेश ।

asceticism — यतित्ववाद; यतित्व

यह मत कि शारीरिक सुख और उससे संबंधित इच्छाएं आध्यात्मिक प्रगति में बाधक हैं, और इसलिए उनका दमन करना और शरीर को कष्ट देना धार्मिक एवं नैतिक प्रगति के लिए आवश्यक है।

अथवा, साधक की वह अवस्था जिसमें वह सुखभोग की इच्छा को छोड़कर तप और कष्ट का जीवन व्यतीत करता है।

aseitas — स्वयसत्

यह वस्तु या सत्ता जिसका अस्तित्व स्वयं पर आश्रित और स्वय के लिए हो: ईश्वर के लिए प्रयुक्त एक लैटिन शब्द।

aspectism — पाक्षिकवाद

बाम (Bahm) के अनुसार, ध्रुवों (जैसे, एक-अनेक, अभेद-भेद इत्यादि) को पाक्षिक अर्थात जो ध्रुवात्मक है उसके पक्ष मात्र माननेवाला (अर्थात् उनका पृथक अस्तित्व न माननेवाला) सिद्धांत।

assertion — अभिवचन, अभिकथन

प्रश्न पूछने, संवेग व्यक्त करने, आज्ञा देने इत्यादि की क्रिया से भिन्न, किसी बात को एक तथ्य के रूप में बताने की क्रिया।

assertive tie — अभिकथनात्मक बंध

डब्लू० ई० जॉनसन के अनुसार, विशेषण और विशेष्य का वह संबंध जो एक अभिकथित प्रतिज्ञप्ति के रूप में प्रकट होता है।

assertorial imperative — सर्वसाध्य-नियोग

कान्ट के नीतिशास्त्र में, सापेक्ष नियोग का एक प्रकार जिसमें व्यावहारिक तर्कबुद्धि उन साध्यों या उद्देश्यों से संबंधित आदेश

प्रदान करती है जिनको प्राप्त करने की आकांक्षा प्रत्येक विवेकशील प्राणी स्वभावतः रखता है, जैसे सुख।

assertoric knowledge — प्रकृत-ज्ञान, अस्ति-ज्ञान

जो अवश्यभावी है या असंभाव्य है उसके ज्ञान के विपरीत सामान्य तथ्य मात्र का ज्ञान।

assertoric proposition — प्रकृत-प्रतिज्ञप्ति, अस्ति-प्रतिज्ञप्ति

निश्चय-प्रतिज्ञप्ति और अनिश्चयात्मक प्रतिज्ञप्ति से भिन्न, वह प्रतिज्ञप्ति जो वस्तुस्थिति मात्र की सूचक होती है।

assertum — अभिकथ्य, अभिवाच्य

अभिकथन या अभिवचन का विषय, यानी वह जिसका अभिवचन करना है या किया गया है।

associationism — साहचर्यवाद

मन की संरचना और उसके संगठन के बारे में यह सिद्धांत कि प्रत्येक मानसिक अवस्था सरल, विविक्त घटकों से बनी होती है और संपूर्ण मानसिक जीवन की इन्ही घटकों के संयोजन और पुनर्योजन के द्वारा व्याख्या की जा सकती है

association values — साहचर्य-मूल्य

अर्बन (Urban) के नैतिक सिद्धांत के अनुसार, व्यक्तित्व और व्यवहार की वे विशेषताएं जो अन्यों मे साहचर्य बढाने में सहायक होती हैं तथा इस प्रकार परोक्षतः व्यक्ति के आत्मोपलब्धि के आदर्श की साधक होती है।

associative law — सहचारिता-नियम

कुछ विशेष तार्किक और गणितीय संक्रियाओं में चरों को भिन्न तरीके से समूहित करने

से परिणाम में कोई अंतर न आना बतानेव
नियम जैसे, (अ×ब)×स=अ×(ब×

assumption

अभिगृहीत; अभिग्रह

ऐसी प्रतिज्ञप्ति जिसे अनुमान के आधार के रूप में मान लिया जाता है; अथवा किसी प्रतिज्ञप्ति को सत्य या सत्यप्राय मान लेना।

astral body

सूक्ष्म देह, सूक्ष्म शरीर

भौतिक शरीर की तरह का सूक्ष्म शरीर जिसका मृत्यु होने पर आत्मा के साथ जाना माना गया है।

asymmetrical relation

असममित संबंध

वह संबंध जो अ का ब से हो पर ब अ से न हो, जैसे पिता का संबंध।

asymmetry

असममिति

देखिए asymmetrical relation ।

ataraxia

प्रशांतता, सामरस्य

चिंता, आशा, आकांक्षा से मुक्त, अबाध शान्ति की अवस्था।

ateleological

निरुद्देश्य, अप्रयोजन

प्रयोजन अथवा उद्देश्य से रहित: विशेष रूप से, प्राकृतिक प्रक्रियाओं या विश्व के मूल में कोई प्रयोजन न माननेवाले मत को प्रकट करनेवाला विशेषण।

atheism

निरीश्वरवाद, अनीश्वरवाद

ईश्वर की सत्ता को स्वीकार न करनेवाल सिद्धांत। ईश्वर के अस्तित्व को माननेवा परन्तु उसके स्वरूप को अवैयक्तिक माननेव मत के लिए भी इस शब्द का प्रयोग कि जाता है।

atheistic existentialism — निरीश्वर अस्तित्ववाद

अस्तित्ववाद का वह रूप जो ईश्वर की सत्ता को नहीं मानता ।

atomic proposition — परमाणु-प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो एक सरलतम तथ्य को व्यक्त करती है, अर्थात् किसी एक चीज में कोई गुण या उसका किसी अन्य चीज से कोई संबंध व्यक्त करती है ।

atomism — परमाणुवाद

सामान्यतः यह मत कि समस्त विश्व (भौतिक एवं मानसिक) अंततः सूक्ष्म एवं अविभाज्य कणों से बना हुआ है, जिनको 'परमाणु' कहते है ।

atonement — प्रायश्चित

व्यक्ति के द्वारा स्वीकृत पाप की चेतना से प्रेरित होकर उसके निवारणार्थ किया गया कोई धर्म-विहित कृत्य ।

attitude theory — अभिवृत्ति-सिद्धान्त

सी० एल० स्टीवेन्सन का यह नैतिक सिद्धात कि "यह शुभ (या अशुभ) है" वक्ता की अनुमोदन (या अननुमोदन) की अभिवृत्ति मात्र को प्रकट करता है, न कि किसी वस्तुगत गुण को ।

attribute — गुण, विशेषता

सामान्य रूप से, किसी वस्तु की विशेषता जो आवश्यक या अनावश्यक भी हो सकती है । विशेषतः स्पिनोज़ा, देकार्त इत्यादि विचारकों के दर्शन में मानसिक या भौतिक द्रव्य की अपरिहार्य विशेषताओं में से एक ।

attributive materialism

गुणपरक भौतिकवाद, गुणपरक पुद्गलवाद, भूतगुणचैतन्यवाद

भौतिकवाद का एक प्रकार जो चैतन्य को पुद्गल (भौतिक द्रव्य) का ही एक गुण मानता है, न कि एक स्वतन्त्र सत्ता।

attrition

अनुशय

अपने किए हुए पापों के परिणाम-स्वरूप होनेवाला शोक, जिसके पीछे हेतु ऊंचा नहीं बल्कि हीन कोटि का होता है, जैसे दंड का भय

Augustinianism

ऑगस्टाइनवाद

एक मध्ययुगीन विचारक संत ऑगस्टाइन (354–430 ई०) का दर्शन, जिसमें ईसाई धार्मिक विश्वासों को प्लेटोवाद और नव्य प्लेटोवाद के साथ मिला दिया गया है, आत्मा को प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक नई सृष्टि माना गया है, तथा अशुभ की समस्या के समाधान को आदम के पतन के सिद्धांत पर आधारित किया गया है।

auricular confession

एकांत-पापस्वीकृति, एकांत-पापदेशना

व्यक्ति के द्वारा स्वयं किए हुए पापों की पादरी के समक्ष पश्चाताप-स्वरूप एकांत में स्वीकृति।

austerity

तप, कृच्छ्रता

आध्यात्मिक सिद्धि के लिए स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करते हुये असाधारण रूप से तीव्र शारीरिक कष्टों को सहन करने का अभ्यास।

authoritarianism

आप्तवाद

ज्ञानमीमांसा में, वह सिद्धांत जो कि[...] प्रतिज्ञप्ति की प्रामाणिकता को इस बात [...] आधारित मानता है कि वह किसी ज्ञान[...]

और विश्वसनीय पुरुष या पुरुषों द्वारा स्वीकृत है।

authority — 1. आप्त, आप्तपुरुष

ऐसा व्यक्ति जो सत्य का ज्ञाता और सत्य का वक्ता हो और इसलिए जिसके वचनों में विश्वास किया जा सके; ज्ञान के किसी क्षेत्र का अधिकारी विद्वान।

2. आप्तवचन, आप्तवाक्य, आप्तप्रमाण

ऐसे व्यक्ति का वचन।

autism — स्वैरचिंतन, स्वलीनता

वास्तविकता से पलायन करने का एक रूप जिसमें व्यक्ति अपनी ही कल्पना के जगत् में लीन रहता है।

automaton theory — यंत्रवाद, अगियत्रवाद

यह सिद्धांत कि जीव भौतिकी और यांत्रिकी के नियमों से परिचालित मशीन मात्र है।

autotelic — स्वसाध्यक, स्वहेतुक

उस क्रिया के लिए प्रयुक्त विशेषण शब्द जो स्वयं उसी के लिए की जाए, न कि किसी परिणाम की प्राप्ति के उद्देश्य से।

Averroism — इब्नरुश्दवाद

अरस्तु के टीकाकार प्रसिद्ध मुस्लिम विचारक इब्नरुशद (1126-1198 ई०) और उसके अनुयायियों का दर्शन जिसमें मनुष्य की आत्मा को मस्तिष्क पर निर्भर और उसके नाश के साथ नष्ट होनेवाली मानने के बावजूद मनुष्य के अंदर विद्यमान बुद्धितत्व को अविनश्वर माना गया है।

axiological ethics — मूल्याश्रित नीतिशास्त्र

वह नीति जो कर्म के औचित्य को मुख्यतः उसके अभिप्रेरक या परिणाम के

मूल्य पर आश्रित मानती है। परिणाम-निरपेक्ष नीति (deontological ethics) से इसका भेद किया जाता है।

axiological idealism — मूल्य-प्रत्ययवाद

प्लेटो और कान्ट से प्रेरित एक आधुनिक सिद्धान्त जो तार्किक एवं तात्विक दृष्टि से मूल्य को सत्ता से पहले स्थान देता है।

axiological realism — मूल्यवास्तववाद

वह सिद्धान्त जो मूल्यों का मन से स्वतंत्र अस्तित्व स्वीकार करता है।

axiology — मूल्यमीमांसा

मूल्यों के स्वरूप और मानदंड इत्यादि का अध्ययन करनेवाला शास्त्र।

axiom — 1. स्वयंसिद्धि, स्वयंसिद्ध

वह प्रतिज्ञप्ति जो स्वतः प्रमाणित हो तथा अन्य प्रतिज्ञप्तियों के प्रमाण का आधार हो।

2. अभिगृहीत

विशेषतः आधुनिक तर्कशास्त्र में, वह आधारभूत प्रतिज्ञप्ति जिसको प्रमाणित किए बिना स्वीकार कर लिया जाता है।

axiomatic method — स्वयंसिद्धि-प्रणाली, अभिगृहीत-प्रणाली

वह प्रणाली जिसमें कुछ स्वयंसिद्धियों या अभिगृहीतों को आधार मानकर एक निगमनात्मक तंत्र का निर्माण किया जाता है।

[a]xiomatics — स्वयंसिद्धिमीमांसा; अभिगृहीतमीमांसा

स्वयंसिद्धियों, अभिगृहीतों अथवा उनके तंत्रों का अध्ययन करनेवाला शास्त्र।

B

[B]aalism — बैऐल धर्म

मुख्यत: सीरिया और किनिस्तीन का एक धर्म जिसमें बैऐल देवता की, जो विशेषत. कृषि की वृद्धि करने वाला माना जाता था, पूजा की जाती थी।

[Ba]cksliding — धर्मप्रतिसरण

किसी धर्म को ग्रहण कर लेने के बाद उससे च्युत होकर पिछले त्यक्त धर्मवाला या उससे भी पतित व्यवहार करना।

[Ba]conian method — बेकन-प्रणाली

फ़्रान्सिस बेकन (1561-1626 ई०) की आगमनात्मक प्रणाली, जिसका उद्देश्य विशेष तथ्यों के प्रेक्षण से सामान्य नियम ज्ञात करके मनुष्य को प्रकृति के ऊपर विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य प्रदान करना तथा उससे भरपूर लाभ उठाना था।

[Bad] analogy — कुसाम्यानुमान

वह दोषयुक्त साम्यानुमान जो वस्तुओं की मुख्य गुणों में समानता पर आधारित न होकर ऊपरी या गौण समानताओं पर आधारित हो।

[Bapti]sm — बपतिस्मा

किसी व्यक्ति को ईसाई धर्म में दीक्षित करने के लिए किया जानेवाला धार्मिक कृत्य, जिसमें जल, मधु, मदिरादि से स्नान कराया जाता है।

Barbara

बारबारा

तर्कशास्त्र में, प्रथम आकृति का ए
प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसमें तीनों प्र
अंगिका सर्वव्यापी विधायक होती ।

उदाहरण :

सब मनुष्य मरणशील हैं
राम एक मनुष्य है;
∴ राम मरणशील है ।

Baroco

बारोको

तर्कशास्त्र में, द्वितीय आकृति का '
प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसमें साध्य-आधा
रिका सर्वव्यापी, विधायक, पक्ष-आधारि
अंशव्यापी निषेधक और निष्कर्ष भी अं
व्यापी निषेधक होता है। जैसे :—

सब बंगाली भारतीय हैं;
कुछ मनुष्य भारतीय नहीं हैं ;
∴ कुछ मनुष्य बंगाली नहीं है ।

barren hypothesis

निष्फल प्राक्कल्पना

वह दोषयुक्त प्राक्कल्पना जिससे क
तार्किक परिणाम न निकाले जा सकते हों
इसलिए जिसका सत्यापन संभव न हो।

basic pair

मूल युग्म

वाक्यों का वह जोड़ा जिसमें एक पर
वाक्य (atomic sentence) होता है
दूसरा उस वाक्य का निषेधक।

basic prodicate

आधारिक विधेय

किसी वस्तु के प्रेक्षणगम्य गुणधर्म
कराने वाला विधेय ।

basic proposition

आधारित प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो प्रेक्षण या प्रत्य
किसी बात का कथन करती हो।

basic sentence — आधारिक वाक्य, अधार-वाक्य

प्रेक्षण के परिणाम को व्यक्त करने वाला वाक्य जोकि सत्यापन का आधार बनता है। कुछ दार्शनिक भौतिक वस्तुओं के प्रेक्षणगम्य गुणधर्मों को व्यक्त करने वाले वाक्यों को और अन्य ऐंद्रिय दत्तों को व्यक्त करने वाले वाक्यों को ऐसा मानते हैं।

bathmism — वर्धन-बल, वर्धन-शक्ति

लामार्क के अनुयायी कोप (E.D. Cope) के अनुसार, एक विशेष शक्ति जो जीव-देह की वृद्धि में प्रकट होती है।

beatification — पुण्यात्मवाचन

रोमन कैथोलिक धर्म में, किसी मृत व्यक्ति को उसके अच्छे कर्मों के परिणामस्वरूप स्वर्ग प्राप्ति होने की घोषणा करना।

beatific vision — दिव्य दर्शन; परमानंदानुभव

ईसाई एवं यहूदी धर्म में सत्कर्म करने-वाले व्यक्ति को स्वर्ग में होने वाला ईश्वर का दर्शन अथवा ईश्वर की महिमा का चिंतन करने वाले संत को इस पृथ्वी पर ही होने वाला परमानंद का अनुभव।

beatitude — परमानंद: निःश्रेयस

वह अवस्था जिसमें परम आनंद की अनुभूति होती है और जो सर्वोच्च नैतिक लक्ष्य की प्राप्ति से आती है।

beauty — सौन्दर्य, चारुता, रमणीयता

किसी व्यक्ति, वस्तु या कलाकृति की वह विशेषता जो उसे आकर्षक बनाती है और देखने वाले के मन में सुखद प्रभाव उत्पन्न करती है।

becoming — संभवन

किसी सत्ता या बीजभूत स्थिति का वास्तविक रूप में आना; परिवर्तन।

being — भाव, सत्

जो कुछ भी मन में, कल्पना में, बुद्धि में, या जगत् में, कहीं भी है, अस्तित्व रखता है या वास्तविक है उस सबका व्यापकतम वर्ग।

प्राचीन यूनानी दर्शन में, पारमेनिडीज द्वारा परिवर्तन के विपरीत अर्थ में सर्वथा परिवर्तनहीन सत्ता के लिये, जो एक और शाश्वत है, प्रयुक्त।

behaviouristics — व्यवहारविज्ञान

व्यष्टि तथा समाज के व्यवहार का अध्ययन करने वाला शास्त्र।

belonging-to — तदीयत्व

किसी गुण धर्म का उस व्यष्टि से सं
जिसमें वह पाया जाता है।

Benthamism — बेन्थमवाद

बेन्थम (Jeremy Bentham, 174
1832) का नीतिशास्त्रीय सिद्धांत, :
अधिकतम मनुष्यों के अधिकतम सुख :
नैतिक आदर्श मानता है।

Berkeleianism — बर्कलीवाद

जॉर्ज बर्कली (1685—1753) :
प्रत्ययवाद जिसमे तथाकथित "बाह
वस्तुओं को ज्ञाता के मन के प्रत्यय मा
माना गया है।

besoin — ईहा

लामार्क के विकासवादी सिद्धांत मे
आवश्यकता या इच्छा या जैव वृत्ति जिसे जै

की शरीर-रचना में होने वाले परिवर्तन का साक्षात् कारण माना गया है।

betting — पण, बाजी

दो आदमियों के बीच में यह शर्त लगना कि किसी एक की भविष्यवाणी के सत्य या असत्य होने पर कौन किसको कितना देगा।

betting quotient — पण-लब्धि

$$\frac{अ_1}{अ_1+अ_2}$$ के द्वारा प्रतीक-रूप में व्यक्त भिन्न जिसमे 'अ$_1$' 'क$_1$' के द्वारा 'क$_2$' को 'क$_1$' की भविष्यवाणी के गलत होने की दशा में दी जाने वाली राशि है और 'अ$_2$' उस भविष्यवाणी के सत्य होने की दशा में 'क$_2$' के द्वारा 'क$_1$' को दी जाने वाली राशि।

†biblical criticism — बाइबिल-आलोचना

बाइबिल के विभिन्न खडो की विश्वसनीयता और प्रामाणिकता की मान्य प्रणालियों के द्वारा जांच।

biblical theology — बाइबिल म ईश्वरमीमांसा

बाइबिल के ऊपर आधारित ईश्वरमीमासा के अर्थ में प्रयुक्त पद जो कि अब बाइबिल के संबंध में एक गलत धारणा पर आश्रित होने के कारण छोड़ दिया गया है।

biblicism — बाइबिलपरायणता

बाइबिल के शब्दों के प्रति अत्यधिक श्रद्धा का भाव।

biconditional — द्वि-उपाधिक

तर्कशास्त्र में, "यदि और केवल यदि" ("यद्यैव"), इस प्रकार की दो शर्तों का

सूचक प्रतिज्ञप्ति-संयोजक (ह॰)। 'प' यदि और केवल यदि 'फ' का अर्थ है: "यदि प तो फ और यदि फ तो प।"

bigotry — धर्मांधता, मताग्रह

अपने धर्म या मत पर अविवेकपूर्ण विश्वास व दुराग्रह तथा उसके विरोधी धर्म या मत के प्रति असहिष्णुता का भाव।

bi-implication — द्वि-आपादन

एक चिह्न (↔) के लिये प्रयुक्त शब्द। इसका प्रयोग तब होता है जब हेतु फल को और फल हेतु को आपादित करता है। यदि क ↔ ख तो क → ख तथा ख → क।

binary connective — द्विसंयोजक

दो प्रतिज्ञप्तियों को परस्पर जोड़ने वाला प्रतीक।

binary method — द्विनाम-प्रणाली

दो नाम रखने की प्रणाली जो जीवविज्ञान रसायन, नृविज्ञान इत्यादि कतिपय .. में अपनाई जाती है, जैसे "होमो सैपियन्स" (=मनुष्य) जिसमे 'होमो' जातिसूचक शब्द और "सैपियन्स" उप जातिसूचक।

bio-anthropology — जैविक मानवमीमासा

दार्शनिक मानवविज्ञान की वह शाखा मनुष्य की सर्जनात्मक उपलब्धियो अ उसकी अभिवृत्तियो का उसकी . क्रियाओ से संहसंबध स्थापित करने के जीवविज्ञान के सिद्धांतो का दार्शनिक दृ से परीक्षण करती है।

bio-ism — जीवनतत्ववाद

बर्गसां का सिद्धात जो प्रकृति को ज तत्व से ओतप्रोत मानता है और उसी

आधारभूत मानता है—मन, बुद्धि इत्यादि तत्व इसी की ऊर्ध्ववर्ती गति के परिणाम हैं और पुद्गल इत्यादि इसकी अधोवर्ती गति के परिणाम।

biological-philosophical anthropology — जैविक मानवमीमांसा

देखिए bio-anthropology.

biotism — जीवनतत्ववाद

देखिये bioism.

black-and-white thinking — अतिवादी चिंतन, अतिकोटिक चिंतन बिल्कुल विपरीत विकल्पो के रूप में सोचने का दोष; जैसे यह सोचना कि यदि एक चीज काली नहीं है तो वह सफेद है, जबकि वह काली के अलावा किसी भी रंग की हो सकती है।

blasphemy — ईश्वर-निंदा, धर्मनिन्दा,

ईश्वर या धर्म या किसी भी पवित्र वस्तु के प्रति अनादर प्रकट करने वाला व्यवहार।

blessedness — धन्यता

वह स्थिति जिसमें व्यक्ति ईश्वर को कुछ सीमा तक प्राप्त कर अपने को उसका कृपा-पात्र समझता है; आनद की स्थिति।

bliss — आनंद

लोकोत्तर या असाधारण सुख की स्थिति।

"block universe" — शिलाकल्प विश्व

(आलोचकों की दृष्टि में) तर्कबुद्धिवाद और प्रत्ययवाद के द्वारा परिकल्पित विश्व, जिसकी व्यवस्था पहले से निर्धारित है और जिसमें कोई हेर-फेर नहीं हो सकता, जिसमें नवीनता, स्वतंत्रता और अनेकता के लिये बिल्कुल भी कोई गुंजाइश नहीं है।

Bocardo — बोकार्डो

तृतीय आकृति का वह प्रामाणिक न्याय-वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका अंशव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक और निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है। जैसे

कुछ चौपाये गाय नहीं हैं;

सब चौपाये पशु हैं;

∴ कुछ पशु गाय नहीं हैं।

bodily transfer — कायांतरण

आत्मा का अपने शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर में प्रकट होना (जैसा कि कुछ कहानियों में प्रसिद्ध है या कुछ लोग मानते हैं)।

bodily values — दैहिक मूल्य

स्वास्थ्य, शक्ति, स्फूर्ति इत्यादि शारीरिक गुण जो जीवन के लिये अनिवार्य होते हैं।

bondage — बंध

आत्मा की स्वतंत्रता का अभाव, देह के और अन्य सांसारिक बंधनों में बंधे रहने की अवस्था।

boniform faculty — श्रेयोनुभव-शक्ति

वह शक्ति जो व्यक्ति को श्रेय या शुभ का अपरोक्ष ज्ञान देती है और उसकी ओर अग्रसर करती है।

bonum consummatum — संपूर्ण श्रेय

पूर्ण शुभ अर्थात् वह शुभ जो आंशिक न हो: उदाहरणार्थ, कुछ नीतिशास्त्रियों (जैसे कान्ट) का विचार है कि सदाचार आंशिक शुभ है और कि वह पूर्ण तब होता है जब सुख का उसके साथ मेल हो जाता है। तदनुसार, सदाचार+सुख=संपूर्ण श्रेय।

Bostromianism — बूस्ट्रमवाद

स्वीडिश दार्शनिक क्रिस्टोफर जैकब बूस्ट्रम (1797-1866) का शेलिंग और हेगेल से प्रभावित दर्शन ।

bourgeois morals — बुर्जुआ-आचार-नीति

पूंजीप्रधान समाज की नैतिकता ।

Bramantip — ब्रामान्टीप

तर्कशास्त्र में, चतुर्थ आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी विधायक होता है । उदाहरण :

'सब कवि मनुष्य हैं,
सब मनुष्य द्विपद हैं ।
∴ कुछ द्विपद कवि हैं ।

"brickbat" notion — इष्टिकावत् वस्तु-धारणा

अमरीकी नव्य वास्तववादी होल्ट के द्वारा इस धारणा के लिये प्रयुक्त शब्द कि वस्तु के कुछ ऐसे स्थिर, अपरिवर्तनीय विधेय होते हैं जो सभी परिस्थितियों में सत्य होते हैं ।

"brutality" — प्रतिरोधिता

वास्तविक चीजों की वह विशेषता जिसके कारण उनमें इच्छानुसार परिवर्तन नही किया जा सकता ।

business ethics — व्यवसाय-नीति

व्यवसायों में अनुप्रयुक्त नीति ।

bundle theory — पोटलिका-सिद्धांत

वह मत जो आत्मा को मानसिक अवस्थाओं का एक समुच्चय मात्र मानता है ।

C

Cabalism — काबालावाद

यहूदियों के एक मध्ययुगीन रहस्यवादी सम्प्रदाय का सिद्धांत, जिसके केन्द्र-बिन्दु "काबाला" नाम से प्रसिद्ध कुछ गुह्योपदेश थे।

Caesaropapism — 1. राज्याधिधर्मता

16वीं शताब्दी में इंगलैंड तथा जर्मनी में राज्य के शासक की धार्मिक मामलों में श्रेष्ठता के लिए प्रयुक्त शब्द।

2. राज्याधिधर्मतंत्र

वह शासन-तंत्र जिसमें धर्म राज्य के शासक के अधीन रहकर काम करता है।

calculus of logic — तर्कंकलन

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र को दिया गया एक नाम।

Calvinism — कॅल्विनवाद

फ्रेंच प्रोटेस्टेंट जॉन कॅल्विन (1509–1564) का धार्मिक मत, जो ईश्वर को भौतिक जगत् में होनेवाली समस्त घटनाओं का केन्द्र मानता है।

Camenes — कामेनेस

तर्कशास्त्र में, चतुर्थ आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसको साध्य-आधारिका सर्वव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक और इनसे प्राप्त निष्कर्ष भी सर्वव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

सब राजा मनुष्य हैं,
कोई भी मनुष्य घोड़ा नहीं है;
∴ कोई भी घोड़ा राजा नहीं है।

Camestres — कामेस्ट्रेस

तर्कशास्त्र में, द्वितीय आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक और निष्कर्ष भी सर्वव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण के लिए :

सब मनुष्य मर्त्य हैं;
कोई भी परी मर्त्य नहीं है;
∴ कोई भी परी मनुष्य नहीं है।

cardinal sins — मुख्य पाप

वे दुष्कर्म जो व्यक्ति के नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास में मुख्य रूप से बाधक हैं तथा व्यक्ति को पतन की ओर ले जाते हैं।

cardinal virtues — मुख्य सद्गुण

सभी सद्गुणों के आधारभूत सद्गुण। विशेषतः यूनानियों के अनुसार, ये चार सद्‌गुण : न्याय, मिताचार, साहस और प्रज्ञान।

carnal sin — दैहिक पाप

शरीर द्वारा भौतिक जगत में किया गया पाप।

carpenter theory — काष्ठशिल्पी-सिद्धांत, कारु-सिद्धांत

यह सिद्धांत कि ब्रह्मांड का निर्माण किसी शिल्पी (विश्वकर्मा) ने उसी प्रकार किया है जिस प्रकार एक बढ़ई एक कुर्सी को बनाता है।

Cartesianism — देकार्तवाद

फ्रैंच दार्शनिक देकार्त (1596–1650) तथा उनके अनुयायियों का तर्क बुद्धिवादी दर्शन जिसमें संशयात्मक प्रणाली को अपनाया गया है, "मैं सोचता हूं" इस अंतःप्रज्ञा के आधार

कुछ प्रत्ययों को सहज माना गया है, तथा आत्मा और भौतिक द्रव्य के द्वैत को स्वीकार किया गया है।

case of conscience — धर्मसंमोह, किंकर्तव्यता
यह कठिन स्थिति जिसमें व्यक्ति यह निर्णय नहीं कर पाता कि धर्म क्या है और अधर्म क्या, कर्तव्य क्या है और अकर्तव्य क्या।

cash value — उदाहरण-मूल्य
जिन प्रतिज्ञप्तियों या संप्रत्ययों के उदाहरण दिए जा सकते हैं उनकी विशेषता।

casual coincidence — आकस्मिक संपात
घटनाओं का बिना किसी कारणात्मक संबंध के एक साथ घटना।

casualism — आकस्मिकतावाद, यदृच्छावाद
यह सिद्धांत कि समस्त वस्तुएं अथवा घटनाएं आकस्मिक हैं, अकारण हैं।

casuist — धर्मसंकटमीमासक
समस्याजनक परिस्थितियों में नीति और धर्म के सिद्धांतों को लागू करके कर्तव्य निर्धारित करने में निपुण व्यक्ति।

casuistry — धर्मसंकटमीमांसा
नीतिशास्त्र की वह शाखा जो विशेष स्थितियों में आचरण से संबंधित समस्याओं का नीति और धर्म के सिद्धांतों के द्वारा समाधान करती है, अथवा कर्तव्यों के विरोध को उन सिद्धांतों की सहायता से दूर करने की प्रणाली।

catch question — छल-प्रश्न
ऐसा प्रश्न जिसका उत्तर 'हां' या 'नहीं' दोनों तरह से देने में व्यक्ति स्वयं झंझट में फंस जाय।

catechesis

1. दीक्षापूर्वोपदेश

बपतिस्मा से पूर्व दिए जाने वाले धार्मिक उपदेश।

2. धर्मोपदेश

धार्मिक उपदेश; (कभी-कभी) धार्मिक शिक्षा का एक पाठ।

catechetic

परिप्रश्नोपदेश

मौखिक रूप से, विशेषतः बच्चों को, प्रश्नोत्तर द्वारा दिया जाने वाला धार्मिक उपदेश।

catechetical method

प्रश्नोत्तर-प्रणाली

विशेषतः सुकरात के नाम के साथ संबद्ध वह प्रणाली जिसमें प्रश्नों और उत्तरों के द्वारा तत्व का निर्णय किया जाता है, अर्थात् जिज्ञासु को क्रमिक रूप से प्रश्न और उत्तर द्वारा तत्व का बोध कराया जाता है।

catechumen

दीक्षार्थी

वह जिसने अपना धर्म त्यागकर ईसाई धर्म ग्रहण कर लिया है, परन्तु जिसे अभी बपतिस्मा लेने से पहले नए धर्म के सिद्धांतों की शिक्षा लेनी है तथा कुछ उपदेशों के अनुसार आचरण करना है।

categorematic word

पदयोग्य शब्द

वह शब्द जो बिना किसी अन्य शब्द की सहायता के, स्वतन्त्र रूप में, एक पद के रूप में प्रयुक्त हो सकता है अर्थात् (पारंपरिक तर्कशास्त्र के अनुसार) किसी प्रतिज्ञप्ति का उद्देश्य या विधेय बन सकता है।

categorical imperative

निरपेक्ष नियोग, निरपेक्ष आदेश

कान्ट के नीतिशास्त्र में, नैतिक बुद्धि का यह सर्वोच्च आदेश कि उस सिद्धांत के अनुसार काम करो जिसे सार्वभौम बनाया जा सकता

हों । यह निरपेक्ष इसलिए है कि यह कि
परिणामों के चाहने पर निर्भर नहीं है ।

categorical judgment — निरुपाधिक निर्णय

वह निर्णय जिसमें कोई उपाधि या श
शामिल न हो ।

categorical proposition — निरुपाधिक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो बिना किसी उपाधि
किसी बात का विधान अथवा निषेध क
जैसे : 'सब मनुष्य मर्त्य हैं' या 'कोई भी व्यक्ति
पूर्ण नहीं है' ।

categorical syllogism — निरुपाधिक न्यायवाक्य, निरपेक्ष न्यायवाक

वह न्यायवाक्य जिसकी तीनों प्रतिज्ञप्तिय
निरुपाधिक हों ।

category — पदार्थ

1. अरस्तु के दर्शन में, विधेय के द
प्रकारों में से एक; सत्ता के सबसे आधारभू
रूपों म से एक । ये दस हैं : द्रव्य, परिमाण
गुण, संबंध, स्थान, काल, स्थिति, अवस्था
क्रिया तथा क्रियाफलभागिता ।

2 कान्ट के दर्शन मे, प्रतिपत्ति
(understanding) के बारह प्रागनुभवि
आकारों (a priori forms) में से एक, जो
ये हैं : 'एकता, अनेकता, साकल्य ('परिमाण'
के अन्तर्गत); सत्ता, निषेध, परिच्छिन्नत्व
('गुण' के अंतर्गत); द्रव्य-गुण, कारण
कार्य, पारस्परिकता ('संबंध' के अंतर्गत);
संभवता-असंभवता, अस्तित्व-अनस्तित्व,
अनिवार्यता-आपातिकता ('निश्चयमात्रा' के
अंतर्गत) ।

category mistake — कोटि-दोष, कोटि-त्रुटि

एक श्रेणी या कोटि के शब्द को किसी दूसरी
कोटि में समझ बैठने की गलती, अथवा ए

कोटि के अंतर को उसके बाहर लागू करने का दोष, जैसे विचारों में लाल-हरे का भेद करना।

causa ficta — कल्पित कारण

वह कारण जिसकी कल्पना कर ली गई हो।

causal body — कारण-शरीर

वेदान्त दर्शन में, स्थूल शरीर का मूल, अविद्या से निर्मित शरीर, जो मोक्ष पर्यन्त जीव के साथ बना रहता है।

causal coincidence — कारण-संपात

कोई कारणमूलक संबंध होने से दो घटनाओं का एक साथ घटना।

causal condition — कारण-उपाधि

वह उपाधि जो किसी कार्य को उत्पन्न करने के लिए आवश्यक होती है। यह उपाधि कारण का एक घटक होती है।

causal determinism — कारणनियतत्ववाद

यह मत कि प्रत्येक घटना अपने कारण से निर्धारित होती है।

causal implication — कारणात्मक आपादन

वह हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्ति जिसमें हेतु-वाक्य कारण का सूचक होता है और फलवाक्य कार्य का सूचक होता है, जैसे, "यदि गर्मी तेज पड़ती है, तो वर्षा भी अच्छी होती है"।

causality — कारणता, कार्यकारण-भाव

कार्य-कारण का संबंध, अर्थात् दो घटनाओं का इस प्रकार का अनिवार्य संबंध कि एक के होने पर दूसरी हो और उसके न होने पर वह न हो।

causal theory of rihgtness — इष्टसाधन-सिद्धांत

रॉस (Ross) के अनुसार, वह नैतिक सिद्धांत जो वांछनीय या इष्ट परिणामों को

उत्पन्न करने वाले कर्म को ही उचित मानता है।

causal theory of perception — प्रत्यक्ष का कारण-सिद्धांत

यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष ज्ञान बाह्य वस्तु से आरंभ होने वाले कारण-कार्यों की एक शृंखला का अंतिम कार्य होता है।

causa sui — स्वयंभू

वह जो स्वयं अपना कारण हो : ... के लिए प्रयुक्त एक शब्द।

causation — 1. कार्योत्पादन

कारण के द्वारा कार्य के उत्पन्न होने की क्रिया।

2. कार्यकारण-भाव

दो घटनाओं के मध्य कारण-कार्य संबंध।

cause — कारण

वह घटना जो किसी अन्य घटना (कार्य) की नियत पूर्ववर्ती हो और उसकी उत्पत्ति के लिए अनिवार्य हो।

Celarent — केलारेन्ट

प्रथम आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक तथा निष्कर्ष सर्वव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

कोई भी मनुष्य पूर्ण नहीं है;
सब कवि मनुष्य हैं;
∴ कोई भी कवि पूर्ण नहीं है।

centre theory — केन्द्र-सिद्धांत

ब्रॉड (Broad) के अनुसार, वह सिद्धांत जो मानसिक एकता को किसी एक केंद्र की क्रिया का परिणाम मानता है।

cerebralism मस्तिष्क-चैतन्यवाद

यह जड़वादी सिद्धांत कि चेतना मस्तिष्क का एक कार्य है, अर्थात् उससे उत्पन्न है।

ceremonialism कर्मकांडवाद; कर्मकांडपरता

कर्मकांड के द्वारा आध्यात्मिक लक्ष्य की प्राप्ति में विश्वास, कर्मकांड में अत्यधिक निष्ठा।

Cesare केसारे

द्वितीय आकृति का वह प्रमाणिक न्याय-वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक और निष्कर्ष सर्वव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

कोई भी गाय पक्षी नही है,
सब कौवे पक्षी है;
∴ कोई भी कौवा गाय नही है।

chain argument शृंखला-युक्ति

युक्तियों की एक शृखला जिसमे पूर्ववर्ती युक्ति का निष्कर्ष अनुवर्ती युक्ति में एक आधारिका बन जाता है।

chain implication शृंखला-आपादन

हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्तियों की ऐसी शृंखला जिसमें पहली का फल अगली में हेतु बन जाता है और इस प्रकार अंत में एक निष्कर्ष प्राप्त हो जाता है। जैसे :

यदि क तो ख;
यदि ख तो ग;
यदि ग तो घ;

chance — संयोग, काकतालीयता, यदृच्छा

किसी बात का अप्रत्याशित रूप ... अथवा कोई ऐसी घटना जिसका पूर्ववर्ती घटनाओं से कारणात्मक संबंध ज्ञात न हो।

chance coincidence — यदृच्छा-सपात

किन्हीं दो घटनाओं का परस्पर कार्य कारण के रूप में संबंध रखे बिना ... घटना ।

chance variation — यदृच्छा-विभेद, सांयोगिक परिवर्तन

विकास-सिद्धांत के अनुसार, जीव-जातियों की विशेषताओं में संयोगवश होनेवाला परिवर्तन जो कि समायोजन में उपयोगी सिद्ध होने पर स्थायी बन सकता है ।

chaoticism — अव्यवस्थावाद

यह मत कि कोई भी चीज कारण के द्वा निर्धारित नही होती ।

character — चरित्र

व्यक्तित्व का वह पक्ष जिसका नि व्यक्ति की स्थायी अभिवृत्तियो, र उद्देश्यों, नतिक मूल्यों तथा संकल्पो स होता है ।

character complex — लक्षण-संग्रंथि

अमरीकी समीक्षात्मक वास्तववादियों द्वारा इंद्रिय-दत्त (sense data) के लिए प्रयुक्त शब्द ।

characteristica universalis — सार्वलौकिक भाषा

लाइबनित्स (Leibnitz) द्वारा ज्ञान को सूत्रबद्ध करने के लिए एक 'सर्वव्यापी भाषा' के निर्माण से संबंधित योजना को दिया गया ना जिसमें ऐसे प्रतीक या चिन्ह होते जो स

तथा जटिल प्रत्ययों को व्यक्त करके समस्त ज्ञान को सबके लिए बोधगम्य बना देते ।

haracterology — चरित्रविज्ञान

चरित्र तथा उसके विकास से संबंधित शास्त्र ।

haracter values — चरित्र-मूल्य

संयम, परोपकारशीलता, ईमानदारी इत्यादि चारित्रिक गुण ।

harisma (pl. charismata) — दिव्यदान, करिश्मा

ईश्वर का कृपा-पात्र होने से प्राप्त दिव्य शक्ति, जैसे भविश्य को जानने या रोगमुक्त करने की शक्ति ।

harm — मंत्र

रहस्यमयी शक्ति से युक्त और इच्छाओं की पूर्ति करने में समर्थ समझा जानेवाला कोई शब्द-समुच्चय ।

chiliasm — सहस्राब्दवाद

ईसाइयों का एक सिद्धांत जिसके अनुसार ख्रीष्ट संसार में अवतार लेकर ऐसे ईश्वरीय शासन की स्थापना करेंगे जो कि एक हज़ार वर्ष तक चलता रहेगा ।

choice — 1. वरण

कई विकल्पों में से एक का चुनाव करने की क्रिया ।

2. विकल्प

उन बातों, वस्तुओं या कार्य-पद्धतियों में से एक, जिनके मध्य चुनाव करना होता है । देखिए "alternative" ।

chance — संयोग, काकतालीयता, यदृच्छा

किसी बात का अप्रत्याशित रूप से घटना अथवा कोई ऐसी घटना जिसका पूर्ववर्ती घटनाओं से कारणात्मक संबंध ज्ञात न हो।

chance coincidence — यदृच्छा-सपात

किन्हीं दो घटनाओं का परस्पर कार्य-कारण के रूप में संबंध रखे बिना एक साथ घटना।

chance variation — यदृच्छा-विभेद, सायोगिक परिवर्तन

विकास-सिद्धांत के अनुसार, जीव-जातियों की विशेपताओं में संयोगवश होनेवाला परिवर्तन जो कि समायोजन में उपयोगी सिद्ध होने पर स्थायी बन सकता है।

chaoticism — अव्यवस्थावाद

यह मत कि कोई भी चीज कारण के द्वारा निर्धारित नही होती।

character — चरित्र

व्यक्तित्व का वह पक्ष जिसका निर्माण व्यक्ति की स्थायी अभिवृत्तियों, उसके उद्देश्यों, नतिक मूल्यो तथा संकल्पों से होता है।

character complex — लक्षण-संग्रंथि

अमरीकी समीक्षात्मक द्वारा इंद्रिय-दत्त (sense data) के प्रयुक्त शब्द।

characteristica universalis — सार्वलौकिक भाषा

लाइबनित्स (Leibnitz) द्वारा ज्ञान सूत्रबद्ध करने के लिए एक 'सर्वव्यापी भाषा' निर्माण से संबंधित योजना को दिया गया नाम जिसमें ऐसे प्रतीक या चिन्ह होते जो

तथा जटिल प्रत्ययों को व्यक्त करके समस्त ज्ञान को सबके लिए बोधगम्य बना देते ।

characterology — चरित्रविज्ञान

चरित्र तथा उसके विकास से संबंधित शास्त्र ।

character values — चरित्र-मूल्य

संयम, परोपकारशीलता, ईमानदारी इत्यादि चारित्रिक गुण ।

charisma (pl. charismata) — दिव्यदान, करिश्मा

ईश्वर का कृपा-पात्र होने से प्राप्त दिव्य शक्ति, जैसे भविष्य को जानने या रोगमुक्त करने की शक्ति ।

charm — मंत्र

रहस्यमयी शक्ति से युक्त और इच्छाओं की पूर्ति करने में समर्थ समझा जानेवाला कोई शब्द-समुच्चय ।

chiliasm — सहस्राब्दवाद

ईसाइयों का एक सिद्धांत जिसके अनुसार ख्रीष्ट संसार में अवतार लेकर ऐसे ईश्वरीय शासन की स्थापना करेंगे जो कि एक हजार वर्ष तक चलता रहेगा ।

choice — 1. वरण

कई विकल्पों में से एक का चुनाव करने की क्रिया ।

2. विकल्प

उन बातों, वस्तुओं या कार्य-पद्धतियों में से एक, जिनके मध्य चुनाव करना होता है । देखिए "alternative" ।

chance — संयोग, काकतालीयता, यदृच्छा

किसी बात का अप्रत्याशित रूप से घटन अथवा कोई ऐसी घटना जिसका पूर्ववर्त घटनाओं से कारणात्मक संबंध ज्ञात न हो

chance coincidence — यदृच्छा-सपात

किन्हीं दो घटनाओं का परस्पर कार्य कारण के रूप में संबंध रखे बिना एक सा घटना ।

chance variation — यदृच्छा-विभेद, सायोगिक परिवर्तन

विकास-सिद्धांत के अनुसार, जीव-जातियं की विशेषताओ में संयोगवश होनेवाल परिवर्तन जो कि समायोजन में उपयोगी सिद्ध होने पर स्थायी बन सकता है ।

chaoticism — अव्यवस्थावाद

यह मत कि कोई भी चीज कारण के द्वारा निर्धारित नही होती ।

character — चरित्र

व्यक्तित्व का वह पक्ष जिसका निर्माण व्यक्ति की स्थायी अभिवृत्तियो, उसके उद्देश्यों, नतिक मूल्यो तथा सकल्पों से होता है ।

character complex — लक्षण-संग्रथि

अमरीकी समीक्षात्मक द्वारा इद्रिय-दत्त (sense data) के प्रयुक्त शब्द ।

characteristica universalis — सार्वलौकिक भाषा

लाइबनित्स (Leibnitz) द्वारा ज्ञान सूत्रबद्ध करने के लिए एक 'सर्वव्यापी भाषा' निर्माण मे संबंधित योजना को दिया गया नाम जिसमें ऐसे प्रतीक या चिन्ह होते जो

तथा जटिल प्रत्ययों को व्यक्त करके समस्त ज्ञान को सबके लिए बोधगम्य बना देते ।

characterology — चरित्रविज्ञान

चरित्र तथा उसके विकास से संबंधित शास्त्र ।

character values — चरित्र-मूल्य

संयम, परोपकारशीलता, ईमानदारी इत्यादि चारित्रिक गुण ।

harisma (pl. charismata)] — दिव्यदान, करिश्मा

ईश्वर का कृपा-पात्र होने से प्राप्त दिव्य शक्ति, जैसे भविश्य को जानने या रोगमुक्त करने की शक्ति ।

harm — मंत्र

रहस्यमयी शक्ति से युक्त और इच्छाओं की पूर्ति करने में समर्थ समझा जानेवाला कोई शब्द-समुच्चय ।

hiliasm — सहस्राब्दवाद

ईसाइयों का एक सिद्धांत जिसके अनुसार ख्रीष्ट संसार में अवतार लेकर ऐसे ईश्वरीय शासन की स्थापना करेंगे जो कि एक हजार वर्ष तक चलता रहेगा ।

choice — 1. वरण

कई विकल्पों में से एक का चुनाव करने की क्रिया ।

2. विकल्प

उन बातों, वस्तुओं या कार्य-पद्धतियों में से एक, जिनके मध्य चुनाव करना होता है । देखिए "alternative" ।

classical morality

प्रतिष्ठित नीति

समाज में मान्यताप्राप्त नैतिक आचार

classification

वर्गीकरण

चीजों को समान विशेषताओं के आध
पर अलग-अलग वर्गों में रखना ।

classification by definition

परिभाषात: वर्गीकरण

वस्तुओं का परिभाषा के आधार
वर्गीकरण, अर्थात् एक वर्ग की परिभा
निश्चित करके पहले यह बताना कि उस
सदस्यों के आवश्यक और मूल्य गुण क्या
और तत्पश्चात् उन गुणोंवाली वस्तु
को एक वर्ग में रखना तथा वे जिनमें न
हैं उन्हें एक अलग वर्ग में रखना ।

classification by series

क्रमिक वर्गीकरण

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, किसी समा
गुण से युक्त वस्तुओं को उस गुण की अधि
और कम मात्रा के अनुसार एक क्रम में रखना
इस क्रम में सर्वप्रथम वस्तुओं के उस व
को रखा जाता है जिसके अंदर संबंधि
गुण सबसे अधिक मात्रा में होता है और सबसे
अंत में उसे जिसमें वह अल्पतम मात्रा में
होता है । इस प्रकार क्रम अवरोही होता है

classification by type

प्ररूपी वर्गीकरण

ह्यूएल (Whewell) के अनुसार, किसी
वर्ग की विशेषताओं को स्पष्टतः और
पूर्णतः अभिव्यक्त करनेवाले एक व्यष्टि
को प्ररूप मानकर उसके साथ न्यूनाधि
सादृश्य के आधार पर व्यष्टियों को ए
समूह में व्यवस्थित करना ।

classificatory concept

वर्गकारी संप्रत्यय

वह संप्रत्यय जो वस्तुओं को दो या अधि
वर्गों में व्यवस्थित करने में सहायता करे

class inclusion — वर्ग-अंतर्भाव, वर्ग-समावेश

एक वर्ग का दूसरे वर्ग में शामिल होना : ऐसा तब होता है जब किसी वर्ग का प्रत्येक सदस्य दूसरे वर्ग का भी सदस्य होता है।

class-membership proposition — वर्गसदस्यता-प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो किसी वस्तु को किसी वर्ग से संबध बतावे, जैसे, "टैगोर बंगाली है।"

closed class — संवृत वर्ग

वह वर्ग जिसके सदस्यों की एक सूची द्वारा गणना की जा सके ।

closed morality — संकुचित नैतिकता

वह नैतिकता जिसका उद्देश्य एक विशेष समाज का ही हित हो, न कि मानव-मात्र का ।

closed society — संवृत समाज

ड्यूई (Dewey) के अनुसार, वह समाज जो किसी भी नवीन तत्व अथवा भिन्न तत्व को ग्रहण करने में संकोच करे तथा विकास का विरोधी हो ।

co-alternate — सहविकल्प

उन दो पदों या प्रतिज्ञप्तियों में से एक जो परस्पर विकल्प के रूप में संबंधित हों।

code of honour — शिष्टाचार-संहिता, आचरण-नियमावली

किसी वर्ग-विशेष या व्यवसायिकसमूह में प्रचलित आचरण के परंपरागत नियम ।

co-determinate predicates — सहनियत विधेय, सहनिर्धारित विधेय

एक ही परिच्छेद्य (determinable) गुण (जैसे, रंग) के अन्तर्गत आनेवाले परिछिन्न

रूपों (जैसे, नीला, पीला, इत्यादि) के बोधक विधेय-शब्द ।

co-disjunct — सहवियुतक
ऐसे दो पदों या प्रतिज्ञप्तियों में से एक जो साथ-साथ नहीं रह सकते ।

co-effect — सहकार्य
एक ही कारण का वह कार्य जो दूसरे के साथ घटित होता है, जैसे आग से उत्पन्न गर्मी के प्रसंग में धुआं ।

co-efficient of correlation — सहसंबंध-गुणांक
वह संख्या जो दो चीजों के सहसंबंध की मात्रा बताती है ।

co-exclusive — सहव्यावर्तक, अन्योन्यव्यावर्तक
ऐसी दो प्रतिज्ञप्तियां जो परस्पर व्यावर्तक हों ।

co-exhaustive — सहसर्वसमावेशी
ऐसे दो वर्गों, प और फ, के लिए प्रयुक्त जो मिलकर समस्त विचाराधीन क्षेत्र को निःशेष कर देते हैं : "प्रत्येक वस्तु या तो प है या फ" की सत्यता का यही आधार बनता है ।

co-existence — सह-अस्तित्व
दो वस्तुओं का एक साथ अस्तित्ववान होना ।

co-extensive — सह-विस्तृत
देश एवं काल में समान विस्तार रखनेवाली (वस्तुएं) ।

co-externals — सहबाह्यक
ऐसे दो वर्ग कि पहले वर्ग का एक भी सदस्य दूसरे वर्ग का सदस्य न हो और ...

वर्ग का एक भी सदस्य पहले वर्ग का सदस्य न हो ।

cogitatio — चिंतन

स्पिनोज़ा (Spinoza) के अनुसार, मनुष्य की बुद्धि के लिए सुगम ईश्वर के दो गुणों में से एक (दूसरा extensio है), जो कि आत्मा या मनस् का भी विशिष्ट गुण है ।

cogitative substance — चिंतक द्रव्य

देकार्त (Descartes) के अनुसार, वह द्रव्य जिसमें चिंतन की शक्ति हो ।

cogito ergo sum — चिन्तये अतोऽस्मि

देकार्त (Descartes) की एक सुप्रसिद्ध उक्ति ("मैं सोचता हूं, अतः मैं हूं") जिसका उद्देश्य चिंतन मात्र से (संदेह करना भी चिंतन का एक रूप है) आत्मा का अस्तित्व सिद्ध करना था ।

cognate (=coordinate) species — सजातीय उपजाति

तर्कशास्त्र में एक ही जाति (genus) के अंतर्गत आनेवाली उपजातियों में से एक ।

cognition — संज्ञान

जानने की क्रिया, सर्वाधिक व्यापक अर्थ में ।

cognitive meaning — संज्ञानार्थ, संज्ञानात्मक अर्थ

वाक्य के दो प्रकार के अर्थों में से एक । यह अर्थ तब होता है जब वाक्य कोई ऐसी बात बताता है जो सत्य या असत्य हो । (दूसरा अर्थ emotive meaning है ।)

cognitive question — संज्ञानार्थक प्रश्न

तथ्यों के बारे में जिज्ञासा प्रकट करनेवाला प्रश्न ।

cognitive sentence — संज्ञानात्मक वाक्य

ऐसा वाक्य जो संज्ञानात्मक अर्थ रखता हो ।

cognoscendum — संज्ञेय

संज्ञान का विषय ।

coherence — संसक्तता

प्रतिज्ञप्तियों का इस प्रकार संबंधित होना कि प्रत्येक अन्यों की सत्यता की संपुष्टि करनेवाली हो ।

coherence theory — संसक्तता-सिद्धांत

एक ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत जो सत्यता को मुख्यत: प्रतिज्ञप्तियों के एक विशाल संगतिपूर्ण तंत्र का गुण मानता है और ऐसे तंत्र की किसी एक प्रतिज्ञप्ति की सत्यता को एक व्युत्पन्न गुण मानता है ।

co-implicant — सहापादक

यदि प फ को आपादित करता है और फ प को आपादित करता है तो इनमें से एक दूसरे का "सहापादक" है ।

co-implication — सहापादन

दो ऐसी प्रतिज्ञप्तियों का संबंध जो एक दूसरी को आपादित करती हैं ।

co-inadequate — सह-अपर्याप्त

यदि क और ख दो ऐसे वर्ग हैं जो पूरे विषय-क्षेत्र को निःशेष नहीं करते, तो क और ख दोनों उस विषय-क्षेत्र की दृष्टि से 'सह-अपर्याप्त' होते हैं ।

coincidence — संपात

दो ऐसी घटनाओं का एकसाथ घटना जिनका एक-दूसरे से कोई निश्चित कारण-कार्य-संबंध ज्ञात न हो ।

coincidentia oppositorum
विरुद्ध-संपात

विरोधी बातों का एकत्र अस्तित्व: निकोलस के दर्शन में ईश्वर की विशेषता बताने के लिए प्रयुक्त पद ।

collective good
सामूहिक हित

वह हित जो एक व्यष्टि का न हो बल्कि पूरे समूह का हो ।

collective judgment
संकलनात्मक निर्णय

दृष्टांतों की पूरी गणना पर आधारित निर्णय, जैसे "इस पुस्तकालय की 200 की संख्या वाली सभी पुस्तकें दर्शन की हैं, "कोई भी अमरीकी कवि प्रथम श्रेणी का नहीं है" इत्यादि ।

collectively exhaustive classes
सर्वसमावेशी वर्ग

वे वर्ग जिनके अंतर्गत सम्मिलित रूप से संबंधित क्षेत्र की समस्त वस्तुएं आ जाती हैं और कुछ भी शेष नहीं रहता ।

collective property
समष्टि-गुणधर्म

वह गुणधर्म जो एक समूह के अलग-अलग व्यष्टियों का न हो बल्कि पूरे समूह का हो ।

collective term
समूह-पद, समष्टि-पद

समान गुणधर्मोवाली वस्तुओं के समूह या वर्ग का द्योतक पद ।

collective use
समष्टिक उपयोग

तर्कशास्त्र में, प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य-पद का ऐसा प्रयोग जिससे विधेय उसके द्वा व्यक्त प्रत्येक वस्तु पर लागू नहीं होता बल्कि उनके पूरे समूह पर लागू होता है । उदाहरणार्थ, "त्रिभुज के सब कोण दो समकोण के बराबर होते हैं" में विधेय "दो समकोण के बराबर"

उद्देश्य "त्रिभुज के सब कोण" पर सामूहिक रूप से लागू होता है ।

collectivism

समूहवाद, समष्टिवाद, सामूहिकतावाद व्यष्टि के विरुद्ध, समूह (समाज या राज्य) को अधिक महत्व देने वाला सिद्धांत ।

colligation of facts

तथ्यानुबंधन

अलग-अलग देखे हुये तथ्यों का एक सूत्र के अंतर्गत एकीकरण । यह एक आगमन जैसी प्रक्रिया लगती है, पर आगमन है नहीं। उदाहरण . एक वैज्ञानिक के द्वारा विभिन्न समयों में प्रेक्षित एक ग्रह की स्थितियों का दीर्घवृत्त के संप्रत्यय के अंतर्गत एकीकरण ।

collocation

सस्थिति

कारण के निष्क्रिय-जैसी लगनेवाली परिस्थितियों के समुच्चय-वाले अंश के लिए उसके सक्रिय लगनेवाले अंश, 'moving power' ('चालक शक्ति'), से भेद दिखाने के लिए बेन (Bain) द्वारा प्रयुक्त शब्द । विस्फोट पैदा करने के लिए चिनगारी (moving power) की तुलना में बारूद का ढेर एक उदाहरण है ।

commandment

धर्मादेश

विशेष रूप से, ईसा के द्वारा दिए गए धार्मिक आदेशों में से एक ।

commensurability of values

मूल्यों की समेयता

मूल्यों की यह विशेषता कि उनकी दूसरे से तुलना की जा सकती है और आधार पर उनमें उच्च और निम्न का किया जा सकता है ।

commensurate terms

सममेय पद

तर्कशास्त्र में, दो ऐसे पद जिनमें से प्रत्येक उन सभी वस्तुओं पर लागू होता है जि

दूसरा-लागू होता है, जैसे समबाहु त्रिभुज और समकोणिक त्रिभुज।

commentary proposition टीका-प्रतिज्ञप्ति

जॉनसन के तर्कशास्त्र में, आख्यानात्मक (narrative) प्रतिज्ञप्ति के विपरीत, वह प्रतिज्ञप्ति जो किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु के बारे में एक सामान्य टिप्पणी के रूप में होती है। और आम व्यक्तियों व वस्तुओं के बारे में कोई सामान्य बात बताती है।

common consent argument सामान्य-प्रतिपत्तिक युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व के समर्थन में यह युक्ति कि आमराय उसे मानने के पक्ष में है।

common good सामान्य हित

सब लोगों का हित।

commensense सामान्यबुद्धि

वह बोध जिसकी प्रत्याशा किसी विषय का विशेष ज्ञान प्राप्त किए बिना प्रत्येक सामान्य व्यक्ति से की जाती है; व्यक्ति को ऐसा बोध कराने वाली शक्ति।

common-sense morality सामान्य बुद्धि-नीति

उचित-अनुचित की सामान्य-बुद्धि पर आश्रित धारणाएं।

common-sense philosophy सामान्यबुद्धि-दर्शन

जनसाधारण की दार्शनिक धारणाएं जो दर्शन के विशेष अध्ययन-मनन पर आश्रित नहीं होती।

common-sense realism सामान्यबुद्धि-वास्तववाद

सामान्य जन का यह विश्वास कि ज्ञान की वस्तुओं का बाह्य जगत् में स्वतंत्र अस्तित्व होता है, अर्थात् वे ज्ञाननिरपेक्ष हैं, और उनका स्वरूप भी हूबहू वैसा ही होता है।

common sensibles — सामाय संवेद्य

अरस्तू के मनोविज्ञान में, इंद्रियग्राह्य वस्तु के वे गुण जो एक से अधिक इंद्रियो द्वारा ग्रहण किए जा सकते हैं, जैसे आकृति।

communicatio idiomatum — गुण संचारण

शाब्दिक अर्थ में, किसी गुण या गुणों का एक से दूसरे में पहुंच जाना; विशेषतः (ईसा की द्वैध प्रकृति के प्रसग में प्रस्तावित) एक ईसाई सिद्धांत के अनुसार, ईश्वर के द्वारा मनुष्य को अपना गुण प्रदान करना और इसी प्रकार मानवीय प्रकृति के द्वारा दैवी प्रकृति का भी प्रभावित होना।

communication — संज्ञापन

प्रतीकों या निश्चित संकेतों के द्वारा विचारों, कल्पनाओं तथा संवेदनों का व्यक्तियों के आपस में आदान-प्रदान।

comparative concept — तुलनात्मक संप्रत्यय

वह संप्रत्यय जो तुलना पर आधारित है जैसे : "उससे अधिक", "उससे कम" आदि

comparative method — तुलनात्मक प्रणाली

वह प्रणाली जो तुलना पर आधारित हो

comparative religion — तुलनात्मक धर्ममीमांसा

विश्व में जितने धर्म हुए हैं उनके विकास और पारस्परिक संबंधों इत्यादि का तुलनात्मक अध्ययन करनेवाला शास्त्र

compassion — अनुकंपा, करुणा

नैतिक दृष्टि से उत्कृष्ट एक संवेग जिसमें दूसरे के दुःख-दर्द को समझना, उसे स्वयं अनुभव करना और उसकी सहायता के लिए प्रेरित होना शामिल है।

complementary class — पूरक वर्ग

ऐसी वस्तुओं का संग्रह जो मूल वर्ग में समाविष्ट न हो। उदाहरण के लिए, 'न-मानव' का वर्ग 'मानव' वर्ग का पूरक है।

complete good — पूर्ण श्रेय

वह शुभ जो आंशिक या एकांगी न हो; विशेषत: कान्ट के अनुसार, वह शुभ जिसमें ऐसा न हो कि सुख ही सुख हो पर आत्मिक पूर्णता न हो या आत्मिक पूर्णता हो पर सुख न हो, अर्थात् वह जिसमे दोनो ही सही अनुपात में हो।

complete induction — सिद्ध आगमन, पर्याप्त आगमन

वह आगमन जिसमें कारण-सबंध खोज लिया गया हो।

बेन के अनुसार, वह आगमन जो सब स्थानो और कालों में लागू होनेवाले सामान्यीकरण के रूप मे हो।

complete inversion — पूर्ण विपरिवर्तन

वह विपरिवर्तन जिसमें निष्कर्ष के उद्देश्य और विधेय आधारिका के क्रमशः उद्देश्य और विधेय के व्याघातक होते हैं।

complex dilemma — सम्मिश्र उभयत:पाश

वह उभयत:पाश जिसकी साध्य-आधारिका में अलग-अलग हेतुओ और फलो वाली हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्तियां होती है, पक्ष-आधारिका में एक वियोजक प्रतिज्ञप्ति होती है तथा जिसका निष्कर्ष भी एक वियोजक प्रतिज्ञप्ति होता है।

complex double epicheirema — सम्मिश्र उभयपक्षीय संक्षिप्त प्रतिगामी तर्कमाला

न्यायवाक्यों की वह श्रृंखला जो उत्तरन्यायवाक्य से पूर्वन्यायवाक्य की ओर चलती है,

जिसमें पूर्वन्यायवाक्यों की एक आधारिका
लुप्त होती है, जिसमें उत्तरन्यायवाक्य की
दोनों आधारिकाओं को संक्षिप्त न्याय-
वाक्यों के द्वारा सिद्ध किया जाता है तथा
फिर इन संक्षिप्त न्यायवाक्यों की आधा-
रिकाओं को भी अन्य संक्षिप्त न्यायवाक्यों
के द्वारा सिद्ध किया जाता है। उदाहरण: सब
ऋषि आदरणीय हैं, क्योंकि सब योगी
आदरणीय हैं, और सब ऋषि योगी हैं। स
योगी आदरणीय हैं, क्योंकि सब दार्शनि
आदरणीय हैं, और सब दार्शनिक आदरणी
हैं, क्योंकि सब विद्वान आदरणीय हैं,

और पुन:

सब ऋषि योगी हैं, क्योंकि स
तत्वद्रष्टा योगी हैं, और सब तत्वद्रष्टा यो
हैं, क्योंकि सब परमार्थी योगी हैं।

compex epicheirema

सम्मिश्र संक्षिप्त प्रतिगामी तर्कमाला

न्यायवाक्यों की वह शृंखला जो न्या
वाक्य से पूर्वन्यायवाक्य की ओर अग्र
होती है, जिसमें पूर्वन्यायवाक्य में केव
एक आधारिका व्यक्त होती है, तथा जि
उत्तरन्यायवाक्य की आधारिकाओं को सि
करने वाले संक्षिप्त न्यायवाक्यों की व्य
आधारिकाओं को पुनः संक्षिप्त न्या
वाक्यों के द्वारा सिद्ध किया जाता है।

Complex single epicheirema

सम्मिश्र एकपक्षीय संक्षिप्त प्रतिगामी त
माला संक्षिप्त न्यायवाक्यों की वह शृंख
जो उत्तरन्यायवाक्य से पूर्वन्यायवाक्य
और अग्रसर होती है, जिसमें उत्तरन्या
वाक्य की केवल एक आधारिका को
संक्षिप्त न्यायवाक्य के द्वारा सिद्ध कि
जाता है और इस संक्षिप्त न्यायवा
की व्यक्त आधारिका को भी पुनः

प्रकार सिद्ध किया जाता है उदाहरण : सब ऋषि आदरणीय हैं, क्योंकि सब योगी आदरणीय हैं और सब ऋषि योगी हैं।

सब योगी आदरणीय हैं, क्योंकि सब दार्शनिक आदरणीय हैं।

सब दार्शनिक आदरणीय हैं, क्योंकि सब विद्वान आदरणीय हैं।

nposite sense — सम्मिश्र अर्थ

मध्ययुगीन तर्कशास्त्र में, निश्चयमात्रिक वाक्य में शामिल निश्चयमात्रासूचक शब्द (शायद, संभवतः, अनिवार्यतः, इत्यादि) का यह अर्थ कि वह पूरे प्रकृत वाक्य (अथवा अस्ति-वाक्य) का विशेषण है।

देखिये "divided sense"।

posite syllogism — सम्मिश्र न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें दो से अधिक आधारिकाएं होती हैं। उदाहरण :

सब जन्म लेने वाले मरणशील हैं,
सब मनुष्य जन्म लेते हैं;
राम एक मनुष्य है;
∴ राम मरणशील है।

osite term — सम्मिश्र पद

ऐसा पद जिसमें एक से अधिक शब्द शामिल हों, जैसे, "कलकत्ता-विश्वविद्यालय"।

sition of causes — कारण-संहति

कारणों का ऐसा योग जो एक मिश्रित कार्य उत्पन्न करे। मिल ने इस पद का प्रयोग कारणों के उस विशेष योग के लिये किया है जो कार्यों के एक सजातीय मिश्रण को उत्पन्न करता है न कि एक भिन्नकारी

compound proposition

मिश्र प्रतिज्ञप्ति ।

एक या अधिक सरल प्रतिज्ञप्तियों से बनी हुई प्रतिज्ञप्ति, जैसे, 'मनुष्य न तो अमर है और न पूर्ण है।'

compound syllogism

संयुक्त न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें एक आधारिका सोपाधिक प्रतिज्ञप्ति हो। उदाहरण : यदि जनता परिश्रमी है तो देश समृद्ध होता है; भारतीय जनता परिश्रमी है;

∴ हमारा देश समृद्ध बनेगा।

comprehension

व्यापकार्थ

तर्कशास्त्र में उन विशेषताओं का समुच्च जो किसी पद के द्वारा व्यक्त व्यष्टियों व्यापक रूप से विद्यमान रहती हैं उसे अर्थ प्रदान करती है।

compresence

सहवृत्ति, सहोपस्थिति

दो या अधिक वस्तुओं का एकसाथ अस्तित्व। विशेषतः चेतना के कई तत्वों की एक साथ उपस्थिति के अर्थ में सैमुअल अलेक्जेंडर द्वारा प्रयुक्त शब्द।

concatenation

कारणानुबंध

जे० एस० मिल के अनुसार, वैज्ञानि व्याख्या का एक प्रकार, जिसमें कारण औ उसके दूरवर्ती कार्यों के बीच की कड़ि की खोज करके उनके संबंध को बोधगम बनाया जाता है। उदाहरण : बिजली चमक और उसके अनन्तर पैदा होने कड़कड़ाहट की व्याख्या इनके बीच कड़ी ताप को बताकर करना : विद्युत ताप उत्पन्न होता है जो बादलों के की हवा को तुरन्त फैला देता है फलतः कड़कड़ाहट पैदा होती है।

oncept — संकल्पना, संप्रत्यय

सामान्यतः किसी वर्ग के व्यष्टियों में पाए जाने वाले समान और आवश्यक गुणधर्मों का समुच्चय; सामान्य प्रत्यय।

onception — संकल्पना, सप्रत्यय

सामान्य प्रत्यय के निर्माण की प्रक्रिया; परन्तु कभी-कभी फल के लिये भी प्रयुक्त।

onceptualism — सप्रत्ययवाद, संकल्पनावाद

नामवाद तथा वस्तुवाद के बीच का यह मत कि सामान्य (जैसे, मनुष्यत्व) विशेष वस्तुओं के आवश्यक और समान गुणों के सप्रत्यय होते हैं तथा उनका अस्तित्व हमारे मन के अन्दर होता है।

onceptualization — संप्रत्ययीकरण

संप्रत्ययों के निर्माण की क्रिया।

onceptual realism — सप्रत्यय-वास्तववाद

सप्रत्ययवाद और प्लैटवी वास्तववाद का मिला-जुला रूप जो सप्रत्ययो को किसी तरह की मनःनिरपेक्ष सत्ता प्रदान करता है।

onceptus suit — आत्म-संप्रत्यय

आत्मा का सप्रत्यय जिसे कि जेंटिले (Gentile) ने वस्तुओं के सारे संप्रत्ययों का आधार होने के कारण सच्चा संप्रत्यय कहा है।

nciliarism — चर्चपरिषद्वाद

ईसाई धर्म में एक सिद्धांत जो धार्मिक मामलों में पोप के बजाय एक प्रतिनिध्यात्मक चर्च-परिषद् को सर्वोच्च सत्ता मानता है।

conclusion — निष्कर्ष

वह प्रतिज्ञप्ति जो अनुमान की से प्राप्त होती है।

conclusion indicator — निष्कर्ष-सूचक (शब्द)

निष्कर्ष का बोधक शब्द, जैसे "अत"।

concomitance — सहवर्तन, सहगामिता

दो घटनाओं का एक साथ घटना।

concomitant variation — सहपरिवर्तन

दो घटनाओं में एक साथ घट-बढ़ होन इसके आधार पर कार्य-कारण का स्थापित किया जाता है।

concrete — मूर्त

"सामान्य" (general) और (abstract) के विपरीत अर्थ का विशेषण शब्द; वस्तु का विशिष्ट व्यष्टिभूत रूप।

concrete term — मूर्त पद

तर्कशास्त्र में, वस्तु का बोधक पद, "मनुष्य"।

concrete universal — मूर्त सामान्य

हेगेलीय तथा नव्य-हेगेलीय दर्शन में, ऐसा सामान्य जो सब भिन्नताओं अनेकताओं को एक सर्वसमावेशी के अन्दर एकता और पूर्णता प्रदान करता परतत्व या ब्रह्म ही एक ऐसा 'पूर्ण हो सकता है क्योंकि वहाँ सब दृष्टियों 'पूर्णता' और 'एकता' का प्रतीक है।

concretism — मूर्तवाद

पोलैंड के दार्शनिक कोटारबिन्स्की (Ko binski) का यह मत कि केवल वस्तुएं ही अस्तित्ववान् हैं, तथा अमू

जैसे श्वेतता, आदि का कोई अस्तित्व नहीं होता।

concretum — मूर्त

कोई चीज जो मूर्त हो, विशेष हो। abstractum का विपरीतार्थक संज्ञाशब्द।

concurrence — 1. देवसम्मति

ऑगस्टाइन के अनुसार, ईश्वर का सहयोग, जिसके बिना मनुष्य पाप-कर्म से नहीं बच सकता; सामान्यतः ईश्वर यानी मुख्य कारण का गौण कारणों के साथ मिलकर काम करना।

2. सहघटन

दो घटनाओं का एक साथ घटना।

condition — उपाधि

तर्कशास्त्र में, कोई भी तत्व जिसका कार्य के उत्पादन में कुछ हाथ होता है: कारण (अर्थात् कार्य का अनिवार्य, अव्यवहित पूर्ववर्ती) का एक आवश्यक घटक।

conditional immortality — सोपाधिक अमरता, सोपाधिक अमरत्व

ईसाई धर्म की एक धारणा के अनुसार, ईसा मसीह में आस्था रखकर उसका अनुयायी बन जाने के पश्चात् पुरस्कार के रूप में प्राप्त अमरत्व: इसमें यह विचार निहित है कि आत्मा निसर्गतः अमर नहीं है।

conditional morality — सोपाधिक नीति

वे नैतिक नियम जिनका पालन किसी विशेष उद्देश्य की प्राप्ति के हेतु किया जाता है।

conditional proposition — सोपाधिक प्रतिज्ञप्ति

तर्कशास्त्र में, वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें किसी बात का विधान अथवा निषेध सशर्त होता है।

conditional syllogism — सोपाधिक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी एक आधारिका सोपाधिक होती है।

conditions sine quibus non — अपरिहार्य उपाधियां

वे उपाधियां जिनकी अनुपस्थिति में किसी कारण का संबंधित कार्य उत्पन्न करना असंभव होता है।

conduct — आचार, आचरण

किसी व्यक्ति का वह कर्म या व्यवहार जो स्वेच्छा से किसी उद्देश्य से प्रेरित होकर अनेक विकल्पों में से चुनाव करने के पश्चात् किया जाता है तथा नैतिक निर्णय का विषय होता है।

confession — पापस्वीकृति, पापदेशना

विशेष रूप से ईसाई धर्म में, किसी धर्माचार्य के सामने यह मान लेना कि मैंने अमुक पाप किया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि इस तरह पाप के फल से मुक्ति मिल जाती है।

congruism — आनुकूल्यवाद

यह मत कि ईश्वरीय कृपा इसलिए प्रभावकारी होती है कि उसके लिए ईश्वर अनुकूल समय को चुनता है।

congruity — समर्हता

स्कॉलेस्टिक धर्ममीमांसा में, वह जिसमें व्यक्ति को लाभ उसकी योग्यता तुलना में अधिक होता है।

conjunct — संयुक्त

जब दो कथन 'और' शब्द के द्वारा होते हैं तब पूरे मिश्र कथन को '

कहते हैं और प्रत्येक अंशभूत कथन को 'संयुतक' कहते हैं ।

conjunction — संयोजन

'और' शब्द के द्वारा जुड़े हुए दो या अधिक कथनों से निर्मित मिश्र कथन, जैसे "मनुष्य मरणशील है और देवता अमर है"; अथवा प्रतिज्ञप्ति-संबंधक 'और' या उसका प्रतीक (.) ।

conjunctive proposition — संयोजक प्रतिज्ञप्ति

वह मिश्र प्रतिज्ञप्ति जिसमें दो सरल प्रतिज्ञप्तियां 'और' शब्द के द्वारा जुड़ी होती हैं ।

conjunctive syllogism — संयोजी न्यायवाक्य

हैमिल्टन (Hamltion) के द्वारा सोपाधिक न्यायवाक्य (Conditional Syllogism) के लिये प्रयुक्त पद ।

connexity — व्यवस्थिति, क्रमबद्धता

किसी संबंध में उस स्थिति में पाई जाने वाली एक विशेषता जब उसके क्षेत्र में आने वाले किन्हीं भी दो पदों के मध्य वह संबंध अवश्य होता है, जैसे प्राकृतिक संख्याओं के क्षेत्र में 'से बड़ा' संबंध में है ।

connotation — गुणार्थ

पद का वह अर्थ जो उसके द्वारा निर्दिष्ट चीजों के समान और आवश्यक गुणों का सूचक होता है ।

connotative definition — गुणार्थक परिभाषा

वह परिभाषा जो पद के गुणार्थ को बताती है ।

connotative term — वस्तुगुणार्थक पद

वह पद जो कुछ सामान्य और आवश्य विशेषताओं का बोध कराता है और साथ उन वस्तुओं का निर्देश भी करता है जिन वे गुण होते हैं।

connotative view — गुणार्थक मत

विधेयन-संबंधी एक मत जिसके अनुसा उद्देश्य और विधेय दोनों गुणार्थ में ग्रह किये जाते हैं।

conscience — अंतर्विवेक सदसद्विवेक

शुभ-अशुभ, कर्तव्य-अकर्तव्य का भेद कराने वाली सहज आंतरिक शक्ति।

conscientalism — चिदर्थवाद

एक सिद्धान्त जिसके अनुसार व वस्तु जिनका हमें बोध होता है, अनिवार्यत मानसिक या चिद्‌रूप होती हैं।

conscientiousness — अंतर्विवेकशीलता

सावधानी के साथ और निष्ठापूर्वक अंत विवेक के आदेशों का पालन करने वाले व्यक्ति के चरित्र की विशेषता।

conscious illusion theory — स्वकृत-भ्रम-सिद्धांत

यह सौन्दर्यशास्त्रीय सिद्धांत कि कला और उसके रसास्वादन में स्वेच्छा से भ्रम में पड़ना, झूठमूठ में कुछ विश्वास कर लेना इत्यादि आवश्यक तत्व हैं। ये व्यक्ति को थोड़े समय के लिए संसार की कठोर वास्तविकताओं से हटाकर कल्पना-लोक में ले जाते हैं तथा उसके जीवन में नई स्फूर्ति ले आते हैं।

nscious intention सचेतन अभिप्राय

मैकेन्ज़ी के अनुसार कर्म के पीछे व्यक्ति का वह अभिप्राय जिसका उसे बोध रहता है।

nsciousness in general चेतना-सामान्य

कान्ट के दर्शन में, व्यष्टि की चेतना के विपरीत, वह चेतना जो शुद्ध रूप से तर्कनिष्ठ, वस्तुनिष्ठ और सर्वव्यापी तथा अनिवार्यतः वैध है।

consciousness only" school "विज्ञप्तिमात्रता" संप्रदाय

बौद्ध दर्शन का एक प्रत्ययवादी संप्रदाय जिसका अधिक प्रचलित नाम "योगाचार" या "विज्ञानवाद" है। मूल शब्द "विज्ञप्तिमात्रता" है जिसका यह अंग्रेजी अनुवाद है। चीन की धरती में इसका नाम "वेइ-शिह" हो गया था, जिसका कि प्रस्तुत शब्द अंग्रेजी अनुवाद है।

nsectarium निगमन

सिसरो (Cicero) की शब्दावली में निगमनात्मक अनुमान का निष्कर्ष।

isensus gentium लोक-संप्रतिपत्ति

सब लोगों की सहमति: विशेषतः सद्-असत्, उचित-अनुचित के निर्णय के प्रसंग में एक कसौटी के रूप में।

sequence logic निगमन-तर्कशास्त्र

शुद्ध आकारिक तर्कशास्त्र का वह भाग जिसमें मात्र संगति के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

sequence theory फलपरक सिद्धांत

नीतिशास्त्र के सिद्धांतों में से एक, जिसके अनुसार किसी धर्म का औचित्य उससे उत्पन्न

होने वाले परिणामों पर आधारित है मुखवाद इसका एक रूप है ।

consequent — फलवाक्य

हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्ति "यदि क तो ख" "तो" वाला भाग जो "यदि" वाले भाग फल होता है । देखिए antecedent ।

consequentia — सत्यफलवत् (प्रतिज्ञप्ति)

मध्ययुगीन तर्कशास्त्रियों द्वारा हेतु फलात्म प्रतिज्ञप्ति को दिया गया नाम।

conservation of value — मूल्य-सरक्षण

नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का न होना जो कि, हॉफडिंग के अनुसार, तरह धार्मिक आस्था का आधारभूत सिद्ध है जिस तरह वैज्ञानिक उर्जा और भौतिक द्रव्य के संरक्षण को अपने आस्था आधार मानता है।

conservation theory — स्थिर परिमाण-सिद्धात, संरक्षण-सिद्धांत

विज्ञान में एक सिद्धात जिसके अनुसार का कुल परिमाण विश्व में समान या स्थिर बना रहता है।

conservatism — रूढ़िवाद; रूढ़िवादिता

परम्परागत आचार-विचार को ही मानने वाला तथा उससे भिन्न विचार को अग्राह्य मानने वाला मत, अथवा ऐसी मनोवृत्ति ।

conservative — रूढ़िवादी

उपर्युक्त मत या मनोवृत्ति वाला व्यक्ति

consilia evangelica (evangelical counsels) — शुभसदेशीय परामर्श

नैतिक पूर्णता की प्राप्ति के वे साधन इंजील में (उसके 'गोस्पेल' या 'शुभसं

नामक भाग में) बताए गए हैं । वे हैं : अकिंचनता, ब्रह्मचर्य और आज्ञाकारिता ।

consilience of inductions — आगमन-संप्लुति

ह्यूएल (Whewell) के अनुसार, किसी अच्छी प्राक्कल्पना की यह विशेषता कि विचाराधीन तथ्यों की व्याख्या करने के अलावा वह अप्रत्याशित रूप से अन्य तथ्यों की भी व्याख्या कर देती है।

consistency — संगति

उन विचारों या प्रतिज्ञप्तियों की विशेषता जिनका मेल व्याघात या तार्किक विरोध से रहित होता है।

consolamentum — पापमोचन-संस्कार

एक ईसाई सम्प्रदाय-विशेष (कैथरिस्ट) में प्रचलित एक धार्मिक संस्कार जिसमें मृत्यु से पूर्व पापों के प्रायश्चित के रूप में व्यक्ति को आध्यात्मिक बपतिस्मा के द्वारा मुक्ति दी जाती है।

constant — अचर, स्थिरांक

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, कोई भी ऐसा प्रतीक जो किसी निश्चित व्यष्टि, गुणधर्म, या संबंध का स्थानीय हो ।

constatation — प्रत्यक्षबोधक वाक्य

वह वाक्य जो प्रत्यक्ष पर आधारित हो।

constitutive conditions — अंगगत निर्धारक

विशेषतः जॉनसन के तर्कशास्त्र में, अनुमान के सत्य होने की वे शर्तें जिनका संबंध प्रतिज्ञप्तियों और उनके संबंधों से होता है और जो अनुमानकर्ता पर निर्भर नहीं होतीं ।

देखिये epistemic conditions ।

constructive dilemma — रचनात्मक उभयतःपाश

वह उभयतःपाश जिसमें पक्ष-आधारिका में साध्य-आधारिका में समाविष्ट हेतुओं का विकल्पतः विधान किया जाता है, और निष्कर्ष में उसके फलों का विकल्पतः विधान किया जाता है। उदाहरण :

यदि मनुष्य अपनी इच्छानुसार कार्य करता है तो उसकी आलोचना होती है और यदि वह दूसरों की इच्छानुसार कार्य करता है तो भी उसकी आलोचना होती है।

मनुष्य या तो अपनी इच्छानुसार कार्य करता है या दूसरों की इच्छानुसार।

प्रत्येक दशा में उसकी आलोचना होती है।

consubstantiation — समद्रव्यभाव (ख्रीष्टीय)

शाब्दिक अर्थ में, एक द्रव्य बन जाना। ख्रीष्टीय धर्म में यह मान्यता कि यूखरिस्त या प्रभु के रात्रिभोज में रोटी तथा शराब के साथ ख्रीष्ट का वास्तविक भौतिक शरीर तथा रक्त मिला हुआ था।

contemplation — ध्यान

1. रहस्यवादी अर्थ में, ज्ञाता का ज्ञेय वस्तु से आंशिक या पूर्ण तादात्म्य जिसमें उसकी व्यष्टित्व की चेतना लुप्त हो जाती है।

2. सैमुएल अलेक्जेंडर (Samuel Alexander) के द्वारा आत्म-चेतना (enjoyment) के विपरीत वस्तु के ज्ञान के लिये प्रयुक्त शब्द।

contensive — पूर्वानुभवाश्रित (प्रत्यय)

पहले के अनुभव द्वारा ज्ञात या उस पर आधारित।

ontent — वस्तु, विषय, अंतर्वस्तु, विषयवस्तु

शाब्दिक अर्थ में, जो अंदर रखा हुआ हो, जैसे ज्ञान की क्रिया मे मन के अन्दर विद्यमान प्रतिमा, प्रत्यय इत्यादि, जो कि बाहर स्थित ज्ञान की वस्तु से भिन्न है।

ntentions syllogism — वैतंडिक न्यायवाक्य

वह दोषपूर्ण न्यायवाक्य जो एक पक्ष के द्वारा वाद में विजय प्राप्ति की इच्छा मात्र से प्रयुक्त होता है।

ntextual definite — सदर्भ-निश्चयवाचक जॉनसन के तर्कशास्त्र मे, वह उपपद ('the, this' इत्यादि) जिसके आगे आनेवाले शब्द का किसी विशेष संदर्भ मे एक निश्चित चीज के लिये प्रयोग हुआ हो।

ntextualism — 1. दृष्टिसृष्टिवाद

ज्ञानमीमासा मे, एक मत जिसके अनुसार ज्ञान के विषय या वस्तु का ज्ञान-क्रिया के द्वारा निर्माण होता है; उसका बाह्य जगत् में कोई स्वतत्र अस्तित्व नही होता।

2. सदर्भवाद

यह मत कि किसी भी कलाकृति के सम्यक् मूल्यांकन के लिए उसे संपूर्ण संदर्भ मे, अर्थात् जिस पृष्ठभूमि मे उसकी रचना हुई है उसे पूरी तरह ध्यान में रखते हुए, देखा जाना चाहिए।

ontinence — संयम

मनुष्य की अपनी दैहिक इच्छाओं को विवेक के द्वारा नियत्रित करने की क्षमता

ontingent proposition — आपातिक प्रतिज्ञप्ति, अनुभवाश्रित प्रतिज्ञप्ति वह प्रतिज्ञप्ति जो किसी तार्किक अनिवार्यता को व्यक्त न करती हो, अर्थात् जिसका निषेध तर्कतः संभव हो।

continuant — अनुपायी

स्थितियों एवं संबंधों में परिवर्तन ह रहने पर भी जिसका अस्तित्व निरन्तर र रहे उसके लिये जॉनसन द्वारा प्रयुक्त शब्द ।

contraction of a genus — जाति-संकोच, जाति-परिच्छेद

स्कॉलेस्टिक दर्शन में, एक जा (genus) का किसी उपजाति (specie के लिए प्रयोग, जैसे 'मनुष्य' दया प्राणी है में "प्राणी" का "मनुष्य" लिए ।

contraction of a species — उपजाति-संकोच, उपजाति-परिच्छेद

स्कॉलेस्टिक दर्शन में, एक उपजा (species) का किसी व्यष्टि (individual के लिए प्रयोग, जैसे "राम एक अच्छ मनुष्य है" में, "मनुष्य" का "राम" के लिए

contradiction — व्याघात

दो पदों या प्रतिज्ञप्तियों का ऐसा विरोध कि दोनों एक साथ सत्य और एक साथ असत्य नहीं हो सकती ।

contradiction in terms — वदतोव्याघात

स्वतोव्याघाती कथन, जैसे "मेरी माता वंध्या है"।

contradictory negation — व्याघातक निषेध

किसी बात की व्याघातक बात कह. (न कि विपरीत बात कहकर) उस बात निषेध करना । इसे "शुद्ध निषेध" भी ह है ।

contraposition — प्रतिपरिवर्तन

अव्यवहित अनुमान का वह रूप निष्कर्ष का उद्देश्य दी हुई प्रतिज्ञप्ति

विधेय का व्याघाती होता है, और निष्कर्ष का विधेय दी हुई प्रतिज्ञप्ति का उद्देश्य होता है।

उदाहरण :

सब दार्शनिक मनुष्य हैं,

∴कोई अ-मनुष्य दार्शनिक नहीं है।

contrapositive — प्रतिपरिवर्तित (वाक्य)

प्रतिपरिवर्तन में प्राप्त निष्कर्ष।

देखिए "constraposition"।

contrariety — वैपरीत्य

ऐसे पदों या प्रतिज्ञप्तियों का विरोध जो एक साथ सत्य नहीं हो सकतीं, पर एक साथ असत्य हो सकती हैं।

contrary — विपरीत

दो ऐसी प्रतिज्ञप्तियों के लिये प्रयुक्त विशेषण जो एक साथ सत्य नहीं हो सकतीं, पर एक साथ असत्य हो सकती हैं। इसका प्रयोग दो ऐसे पदों के लिए भी होता है जो परस्पर व्यावर्तक हों, पर मिलकर अपने विषय-क्षेत्र को निःशेष करने वाले न हों, जैसे, "काला" और "गोरा"।

contrary negation — विपरीतक निषेध

किसी बात को विपरीत बात कहकर (न कि व्याघाती) उसका निषेध करना।

contrary-to-duty imperatives — प्रतिकर्तव्य नियोग

चिजहोम (Chisholm) के आबंधी तर्कशास्त्र (deonticlogic) में, वे कर्तव्य जिनको पूरा करने के लिये हम इसलिये बाध्य होते हैं कि हमने कोई [illegible]

contrary-to-fact conditional — प्रतितथ्य सोपाधिक

एक ऐसी सोपाधिक प्रतिज्ञप्ति जिस हेतु अंश प्रकटतः तथ्यविरुद्ध होता है, जैसे: "यदि इच्छाएं घोड़े होते (असल में नहीं) तो भिखारी सवारी गांठते"।

contraversion — प्रतिवर्तन

डिमॉर्गन द्वारा "obversion" के प्रयुक्त शब्द।

contributive value — अंशदायी मूल्य

किसी वस्तु का वह मूल्य जो वह अन्य वस्तु का अंग बनकर उसको करती है।

conventional connotation — रूढ़ गुणार्थ

किसी शब्द के अर्थ को बनाने वाले गुण या विशेषताएं जिनके किसी वस्तु उपस्थित होने पर उसके लिये उस शब्द प्रयोग करने के लिये लोगों में सहमति आ रही हो, जैसे "त्रिभुज" के प्रसंग तीन भुजाओं से घिरी हुई एक होने की विशेषता।

conventional definition — रूढ़ परिभाषा

वह परिभाषा जो किसी पद के रूढ़ को बताती हो।

conventionalism — अभिसमयवाद

यह मत कि वैज्ञानिक नियम सिद्धांत प्राकृतिक जगत् का वर्णन करने वैकल्पिक तरीकों में से थोड़े-बहुत चुनाव पर आधारित (किंतु बिल्कुल मनमाने नहीं) सर्वस्वीकृति तरीके हैं।

converse — परिवर्तित (वाक्य)

"परिवर्तन" नामक एक प्रकार के अव्यवहित अनुमान का निष्कर्ष।

देखिये conversion

converse domain — प्रतिक्षेत्र

यदि स एक संबंध है, और अ तथा ब व्यष्टियों के ऐसे दो समुच्चय हैं कि पहले का एक व्यष्टि दूसरे के एक व्यष्टि से वह संबंध रखता है (अ स ब), तो समुच्चय ब संबंध स का "प्रतिक्षेत्र" कहलाता है।

converse fallacy of accident — उपाधि-व्यत्यय-दोष

किसी ऐसी बात को जो विशेष या आकस्मिक परिस्थितियों में सत्य होती है सामान्य रूप से सत्य मान लेने का दोष, उदाहरण : बेईमान लोग फलते-फूलते दिखाई देते हैं; अतः बेईमानी करना बुरा नहीं है।

converse of a relation — संबंध-प्रतिलोम

यदि अ का ब से संबंध स है, तो ब का अ से जो संबंध होगा वह।

conversion — 1. संपरिवर्तन, धर्मपरिवर्तन, मतपरिवर्तन

सामान्य अर्थ में, व्यक्ति की धार्मिक या राजनीतिक आस्था में, अथवा उसके विचारों में एकाएक मौलिक परिवर्तन हो जाना और फलतः उसका विरोधी धर्म या संप्रदाय में शामिल हो जाना।

2. परिवर्तन

तर्कशास्त्र में, एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान जिसमें किसी दी हुई प्रतिज्ञप्ति से एक ऐसी प्रतिज्ञप्ति प्राप्त की जाती है

जिसका उद्देश्य मूल प्रतिज्ञप्ति का विधेय होता है और विधेय मूल का उद्देश्य।

conversion by limitation (=conversion per accidens) परिमित परिवर्तन

तर्कशास्त्र में परिवर्तन के द्वारा प्राप्त अव्यवहित अनुमान का वह प्रकार जिसमें निष्कर्ष का परिमाण आधारिका के परिमाण से कम होता है अर्थात् आधारिका सर्वव्यापी होती है परन्तु निष्कर्ष अंशव्यापी होता है। उदाहरण:

सबनीग्रो मनुष्य हैं ('आ')

∴ कुछ मनुष्य नीग्रो हैं ('ई')।

conversion by negation निषेधतः परिवर्तन

तर्कशस्त्री जोजेफ (Joseph) के अनुसार किसी प्रतिज्ञप्ति का प्रतिवर्तन करने के पश्चात् परिवर्तन करने की क्रिया।

उदाहरण : सब गाय पशु हैं;

∴ कोई गाय अ-पशु नहीं है; (प्रतिवर्तन)

∴ कोई अ-पशु गाय नहीं है। (परिवर्तन)

convertend परिवर्त्य (वाक्य)

तर्कशास्त्र मे, वह वाक्य जिसका परिवर्तन करना हो। देखिए conversion।

co-opponent सहविपक्षी

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार, ऐसे दो पद प और फ जिनके बारे मे यह कहा जा सकता हो कि "कोई भी प फ नहीं है" तथा "प्रत्येक वस्तु या तो प है या फ"।

copula योजक

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, प्रतिज्ञप्ति में उद्देश्य तथा विधेय को मिलानेवाला शब्द जो

'होना' क्रिया का एक रूप होता है, जैसे : "है", और "नही है"।

copulative proposition — योजित प्रतिज्ञप्ति

तर्कशास्त्र में, वह मिश्र प्रतिज्ञप्ति जिसमें एक से अधिक विध्यात्मक प्रतिज्ञप्तिया होती है, जैसे, "राम अच्छा आदमी है और मोहन बुरा है।"

copulative syllogism — योजित न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसका निष्कर्ष एक योजित प्रतिज्ञप्ति (जैसे, "अ ब है और स द है") हो।

copy theory — अनुकृति-सिद्धात

लॉक इत्यादि इद्रियानुभववादियो का यह मत कि प्रत्यय मन के अदर बाह्य वस्तुओ की नकल होता है।

coremainder — सहशेष

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार, किसी निर्दिष्ट वर्ग (प) को निकाल देने के पश्चात् विश्व में जो कुछ बचता है वह सब (अ-प)।

corollary — उपनिगमन; उपप्रमेय

किसी निगमन की आधारिकाओ से सिद्ध होनेवाला एक अतिरिक्त निगमन; अथवा किसी प्रमेय से स्वाभाविक रूप से निर्गमित होनेवाली कोई ऐसी प्रतिज्ञप्ति जो इतनी स्पष्ट हो कि उसे अलग से सिद्ध करने की आवश्यकता न हो।

corrective justice — सुधारक न्याय

किसी समुदाय के व्यक्तियों द्वारा आपसी लेनदेन में हुई भूलों या दोषो के निवारण में प्रकट होनेवाला न्याय।

cosmocentric view — विश्वकेन्द्रित मत

मनुष्य को सृष्टि का केंद्र माननेवाले म
विपरीत यह मत कि मनुष्य तो विश्व
विकास में आनुषंगिक रूप से पैदा होने
एक तुच्छ सी चीज है।

cosmogony — सृष्टिमीमांसा

ब्रह्मांड की उत्पत्ति एव विकास में
अध्ययन, जो वैज्ञानिक हो सकता है, दार्श
हो सकता है और निरा कल्पनात्मक भी
सकता है, जैसा कि पुराणों में और
कथाओं में।

cosomological argument — विश्व-कारण-युक्ति

विश्व के अस्तित्व के आधार पर ई
अस्तित्व को प्रमाणित करने के लिये दी
वाली युक्ति : विश्व में प्रत्येक वस्तु का
कारण है, कारणों की इस शृंखला के
अवश्य ही एक ऐसा आदिकारण है जि
कोई और कारण नहीं है; यही आदिका
ईश्वर है।

cosmology — ब्रह्मांडिकी, ब्रह्मांडमीमांसा

दर्शन की वह शाखा जो विश्व की प्रा
एवं रचना का अध्ययन करती है।

cosmos — विश्व, विश्वव्यवस्था

एक व्यवस्थित तंत्र के रूप में का
विश्व।

counter-analogy — प्रतिसाम्यानुमान

साम्य पर आधारित वह युक्ति जो
पर ही आधारित एक अन्य युक्ति का
करने के लिये प्रस्तुत की जाय।

counter-applicative — प्रत्यनुप्रयोगिक

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार,
विधायक कथन में किसी भी एक के

अनुमान करने का औचित्य बताने वाले आनुप्रयोगिक सिद्धांत (applicative principle) का विलोम वह सिद्धात जिसके आधार पर कभी-कभी किसी से प्रत्येक के बारे मे अनुमान किया जा सकता है।

ounter–argument प्रतियुक्ति

वह युक्ति जो किसी अन्य युक्ति के विरोध में प्रस्तुत की जाये ।

ounter-dilemma प्रति-उभयत.पाश

किसी उभयत.पाश का खडन करने के लिये प्रस्तुत वह उभयत पाश जिसका निष्कर्ष मूल उभयत पाश के निष्कर्ष का व्याघाती होता है और जो सामान्यतः मूल उभयत पाश के साध्यवाक्य के फलांशो को परस्पर बदलकर तथा उनके गुण को भी बदलकर प्राप्त किया जाता है।

उदाहरण :

"यदि तुम सच्ची बात कहते हो, तो देवता तुमसे प्रसन्न होंगे, यदि तुम गलत बात कहते हो तो मनुष्य तुमसे प्रसन्न होंगे।

तुम या तो सच्ची बात कहोगे या गलत बात ।

अत तुमसे सब प्रसन्न रहेंगे।

(जिस उभयत.पाश के खडन के लिये इसका प्रयोग किया गया है वह निम्नलिखित है : यदि तुम सच्ची बात कहोगे तो मनुष्य तुमसे घृणा करेंगे; यदि तुम गलत बात कहोगे तो देवता घृणा करेंगे।

तुम या तो सच्ची बात कहोगे या गलत बात।

अतः तुमसे सब घृणा करेंगे।)

counterfactual conditional प्रतितथ्य सोपाधिक

वह सोपाधिक वाक्य जिसके हेतु तथ्यों के विपरीत कोई कल्पना की

counter-implication प्रत्यापादन

तर्कशास्त्री जॉनसन के प्रतिज्ञप्तियों, प और फ का ऐसा संबंध प आपाद्य होती है और फ जबकि साधारणतः, अर्थात् में, प आपादक होती है और

counter-implicative प्रत्यापादी

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार प्रकार की हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्ति प्रतीकात्मक रूप साक्षात् आपादी "यदि प तो फ" से भिन्न "यदि फ होता है, जिसमें फ आपादक है आपाद्य ।

courage साहस

खतरा, भय प्रलोभन, दुःख इत्यादि अवस्थाओं में अडिग बने रहने की प्लेटो के चार मुख्य सद्गुणों में से एक

covariation सहपरिवर्तन

दो वस्तुओं या स्थितियों में एक परिवर्तन होना, जोकि उनके कार्य रूप से संबंधित होने का सूचक होता है।

covering law theory समावेशी-नियम-सिद्धांत, व्यापी-नियम-

यह सिद्धांत कि विज्ञान में जो दी जाती हैं उनमें प्रश्नाधीन प्रकृति के किसी नियम के अन्तर्गत जाता है।

creatio ex nihilo शून्यतः सृष्टि

ईश्वर के द्वारा शून्य से ब्रह्मांड की

जैसा कि विशेषतः ईसाई धर्म में माना गया है।

ion — सृष्टि

मुख्यतः ईश्वर के द्वारा जगत् की रचना-प्रक्रिया अथवा उसके द्वारा रची हुई वस्तुओं का सम्पूर्ण समूह ।

ionism — सृष्टिवाद

1. यह सिद्धांत कि विश्व की सृष्टि विश्वातीत ईश्वर के द्वारा शून्य से हुई।

2. यह सिद्धांत कि ईश्वर गर्भाधान के समय प्रत्येक शिशु में एक आत्मा को उत्पन्न करता है।

tive evolution — सर्जनात्मक विकास

मुख्यतः हेनरी बर्गसां द्वारा प्रतिपादित यह मत कि विकास के नए-नए स्तरों पर ऐसे नवीन तत्वों का उदय होता है जिनकी पिछले स्तरों के तत्वों के आधार पर व्याख्या नहीं की जा सकती ।

tive intelligence — सर्जनात्मक बुद्धि

वह बुद्धि जो पर्यावरण के साथ समायोजन में सहायक नए-नए उपायों की सृष्टि करती जाती है।

tive morality — सर्जनात्मक नीति

वह नीति जो परम्परागत मानकों का अनुसरण मात्र न करके विभिन्न परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार नवीन नैतिक मानकों की सृष्टि करे ।

tive theory of percepn — प्रत्यक्ष का सर्जनात्मक सिद्धांत

[illegible]वरण-सिद्धांत के विपरीत, यह सिद्धांत कि ऐंद्रिय दत्तों का प्रत्यक्ष क्रिया के साथ ही साथ निर्माण होता है : इन दत्तों का कोई स्वतंत्र

अस्तित्व प्रत्यक्ष के बाहर और नहीं होता। देकार्त, लॉक, लाइबनित्ज बर्कले के प्रत्यक्ष के सिद्धांत ... हैं।

criminal justice — दंड-न्याय

अपराधियों को दंड देने से स... न्याय।

criteriology — ज्ञाननिकर्ष-मीमांसा

ज्ञान की प्रामाणिकता को जांचने लिये उचित मानदंडों या कसौटियों निर्धारण से संबंधित अध्ययन।

criterion — निकष, कसौटी

कोई लक्षण जिसे देखकर किसी की प्रामाणिकता का या किसी अच्छाई इत्यादि का निर्णय किया जाय।

critical judgment — आलोचनात्मक निर्णय

तथ्य मात्र की जानकारी देनेवाले नि... से भिन्न किसी चीज का मूल्य (म... मूल्य, नैतिक मूल्य या सौंदर्य-मूल्य) ब... वाला निर्णय।

critic monism — समीक्षात्मक एकत्ववाद

तत्वमीमांसा में, यह मत कि तत्व ए... पर वह अपने अंदर अनेकत्व को भी वास्तविक है, समेटे हुए है।

ज्ञानमीमांसा में, यह मत कि ज्ञान... में विषयी तथा विषय एक हो जाते और विषयी ऐसे गुण भी प्रदान कर... है जो बाहर अस्तित्व रखने वाले वि... में नहीं पाए जाते तथा विषय में

critical personalism — समीक्षात्मक व्यक्तिवाद

विलियम स्टर्न (William Stern : 1871-1938) का मत जिसमें सम्पूर्ण सत्ता को जीवन्त और एक व्यक्ति माना गया है।

critical philosophy — समीक्षात्मक दर्शन

1. कान्ट के दर्शन के लिये प्रयुक्त शब्द, क्योंकि कान्ट ने राद्धांतिकता और संशयवादिता के मध्य समीक्षा का मार्ग अपनाया।
2. दर्शन का वह प्रकार जो संप्रत्ययों की समीक्षात्मक छानबीन को मुख्य कार्य मानता है : "speculative philosophy" से इसका भेद किया जाता है।

critical realism — समीक्षात्मक वास्तववाद

ज्ञानमीमांसा में एक मत जोकि मन से स्वतंत्र बाह्य जगत् के अस्तित्व में विश्वास रखता है, किन्तु ज्ञान में हर बात को वस्तुगत मानने में आनेवाली कठिनाइयों को स्वीकार करता है। विशेषत. ड्रेक, लवजॉय, इत्यादि सात समसामयिक अमरीकी वास्तववादियों के सम्प्रदाय का नाम।

criticism — समीक्षावाद

कान्ट का दर्शन जो राद्धांतवाद और संशयवाद दोनों से बचने के लिये बुद्धि और ज्ञान के स्वरूप और सीमाओं की छानबीन को मौलिक और मुख्य कार्य मानता है।

critique — मीमांसा

आलोचनात्मक परीक्षा या जाँच-पड़ताल; विशेषतः कान्ट के तीन प्रसिद्ध ग्रन्थों का बोधक शब्द।

cross division — संकर-विभाजन

वह दोषपूर्ण विभाजन जिसमें एकसाथ एक से अधिक विभाजक सिद्धांतों को अर्थात् एक से अधिक विशेषताओं को

उपस्थिति-अनुपस्थिति को आधार बनाया जाता है, जिसके फलस्वरूप एक व्यक्ति एक ही काल में एक से अधिक उपवर्गों का सदस्य बन जाता है। उदाहरण : छात्रों का बुद्धिमान और लंबे में विभाजन।

cross-roads hypothesis

चतुष्पथ प्राक्कल्पना

मन एव शरीर के संबंध के विषय में एक सिद्धांत जिसके अनुसार कोई भी वस्तु एक संदर्भ में *मानसिक* तथा दूसरे संबंध में भौतिक कही जा सकती है।

crucial experiment

निर्णायक प्रयोग

वह प्रयोग जो किसी एक प्राक्कल्पना को अंतिम रूप से सिद्ध कर देता है और अन्य प्रतिद्वन्द्वी प्राक्कल्पनाओं को असिद्ध।

cyclic recurrence

चक्र-प्रत्यावृत्ति

प्राचीन यूनानी दार्शनिक अनैक्सीमैन्डर (Anaximander) के अनुसार वस्तुओं के प्रकृत (आदिम) द्रव्य से उत्पन्न होने तथा पुनः लौटकर उसी में विलीन होने की शाश्वत आवर्ती प्रक्रिया।

cybernetics

संतालिकी, साइबर्नेटिक्स

तंत्रिका-तंत्र का कम्प्यूटर इत्यादि मनुष्य-निर्मित संशापन-तंत्रों से तुलनात्मक अध्ययन करने वाला शास्त्र ।

cynic

1. सिनिक

पाचवी शताब्दी ईसा-पूर्व में, यूनानी दार्शनिक एन्टिस्थिनीज (Antisthenes) द्वारा स्थापित सम्प्रदाय का अनुयायी। यह एक नैतिकता-प्रधान संप्रदाय था जिसने स्वतंत्रता तथा आत्म-संयम पर बल दिया।

2. मानवद्वेषी

व्युत्पन्न अर्थ में, मानव के कर्मों को सदैव स्वार्थप्रेरित मानकर उससे घृणा करनेवाला व्यक्ति।

icism

1. सिनिकवाद

पाचवी शताब्दी ईसा-पूर्व के यूनानी दार्शनिक एन्टिस्थिनीज का सिनिक सिद्धांत।

2. दोष दृष्टि

व्यक्ति के प्रत्येक कर्म के पीछे कोई स्वार्थ या दोष देखना और इस कारणवश किसी अच्छे अभिप्राय से किए गए कर्म को भी संदेह की दृष्टि से देखना।

3 मानवद्वेष

मानव के प्रति घृणा।

enaicism

साइरीनेइकवाद

प्राचीन यूनानी दर्शन में एक विचारधारा जिसका जनक साइरीनी का ऐरिस्टिपस (Aristippus) था। तदनुसार, सुख की प्राप्ति ही जीवन का लक्ष्य है, शिक्षा, ज्ञान इत्यादि की आवश्यकता वहीं तक है जहां तक वे इच्छाओं की पूर्ति तथा सुख की प्राप्ति में सहायक होते हैं।

D

nation

अनंत अभिशाप

ईसाई इत्यादि कुछ धर्मों के अनुसार, पाप के लिये अनंतकाल तक यातना भोगते रहने का दंड।

tapati

डाराप्टी

तृतीय आकृति का वह प्रामाणिक न्याय-वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी

विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी विधा
होता है।

उदाहरण :

सब कवि कल्पनाशील हैं ;
सब कवि मनुष्य हैं;
∴ कुछ मनुष्य कल्पनाशील हैं।

Dariri — डारीरी

प्रथम आकृति का वह प्रामाणिक जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी पक्ष-आधारिका अंशव्यापी विधायक निष्कर्ष भी अंशव्यापी विधायक है। उदाहरण

सब मनुष्य विचारशील हैं;
कुछ प्राणी मनुष्य हैं ;
∴ कुछ प्राणी विचारशील हैं।

data (Sing. datum) — दत्त

वह दी हुई सामग्री जिसके आधार निष्कर्ष निकाले जाते हैं या कोई अपनी छानबीन को आगे बढाता है।

Datisi — डाटीसी

तृतीय आकृति का वह प्रामाणिक जिसकी साध्य-आधारिका विधायक, पक्ष-आधारिका विधायक और निष्कर्ष अंशव्यापी होता है।

उदाहरण :

सब दार्शनिक चिन्तक हैं,
कुछ दार्शनिक भारतीय हैं ,
∴ कुछ भारतीय चिंतक हैं ।

deanthropomorp[illegible] — मानवत्वापरोपण

जड़ वस्तुओं में मानवीय गुणों का [illegible] इस प्रवृत्ति का निराकरण

decalogue — दशादेश, आदेशदशक

ईसाई धर्म के आधारभूत वे दस आदेश जिनके बारे में यह माना जाता है कि वे ईश्वर द्वारा मूसा को दिये गए थे।

decisional implication — निश्चयपरक अपादान

वह हेतुफलात्मक कथन जो एक विशेष स्थिति में वक्ता के द्वारा एक विशेष व्यवहार के किये जाने का निश्चय बताता है, जैसे; "यदि पाकिस्तान जीतता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।"

declarative sentence — ज्ञापक वाक्य

वह वाक्य जो किसी प्रतिज्ञप्ति को व्यक्त करता है, अर्थात् जो किसी तथ्य का सूचक होता है, और इसलिये सत्य या असत्य हो सकता है।

decurtate syllogism — लुप्तावयव-न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी एक आधारिका अव्यक्त या लुप्त हो।

deduction — निगमन

अनुमान का वह प्रकार जिसमें एक या अधिक आधारिकाओं से ऐसा निष्कर्ष निकाला जाता है जो उनकी अपेक्षा कम सामान्य होता है, अथवा ऐसे अनुमान का निष्कर्ष। (कम सामान्य से अधिक सामान्य का अनुमान induction कहलाता है।)

deductive classification — निगमनात्मक वर्गीकरण

तार्किक विभाजन की प्रक्रिया का दूसरा नाम, जिसका आधार यह है कि वह अधिक व्यापक से कम व्यापक की ओर चलती है, जोकि निगमन की एक विशेषता है।

deductive definition — निगमनात्मक परिभाषा

आगमनात्मक परिभाषा (inductive definition) से भिन्न वह परिभाषा जो किसी पद के पूर्ण गुणार्थ का स्पष्ट कथन करती हो।

deductive system — निगमन-पद्धति, निगमनात्मक तंत्र

प्रतिज्ञप्तियों का ऐसा समूह, जिसमें वे तार्किक संबंधों के द्वारा, अर्थात् आधारिका और निष्कर्ष के रूप में जुड़ी हुई हों, जैसे कोई भी ज्यामितीय तंत्र।

defective syllogism — न्यून न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी तीन प्रतिज्ञप्तियों में से एक लुप्त हो।

definiendum — परिभाष्य (पद)

वह पद जिसकी परिभाषा दी जाती है।

definiens — परिभाषक

वह वाक्यांश जिसके द्वारा किसी पद की परिभाषा दी जाती है।

definism — परिभाष्यवाद

यह मत कि नीतिशास्त्रीय (और ज्ञानमीमांसीय) शब्दों की इंद्रियानुभविक विज्ञानों की शब्दावली में परिभाषा दी जा सकती है, जैसे 'शुभ' शब्द की यह परिभाषा कि वह अधिकतम सुख का पैदा करनेवाला होता है। इस मत के लिये अधिक प्रचलित शब्द 'प्रकृतिवाद' है।

definite description — निश्चयात्मक वर्णन

एक ऐसा शब्द-समुच्चय जो एक निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराता हो, जैसे, "रामचरितमानस का रचयिता'।

definition by division विभाजक परिभाषा

जाति (genus) और अवच्छेदक (differentia) बताकर दी जाने वाली परिभाषा : ऐसी परिभाषा 'विभाजक' इसलिये है कि वह उस जाति का जिसके अन्तर्गत परिभाष्य पद द्वारा व्यक्त उपजाति आती है, उस उपजाति तथा उससे भिन्न उपजातियों में कुछ अवच्छेदक विशेषताओं के आधार पर विभाजन करके प्राप्त होती है।

definition by extension वस्त्वर्थक परिभाषा

वह परिभाषा जो परिभाष्य पद के द्वारा निर्दिष्ट वर्ग के सदस्यों की गणना पर आधारित हो।

definition by intension गुणार्थक परिभाषा

वह परिभाषा जो परिभाष्य पद के गुणार्थ में शामिल गुणधर्मों को बताती है।

definition by type प्ररूपी परिभाषा

परिभाष्य पद जिस वर्ग का बोध कराता है उसके प्ररूप को, अर्थात् उस व्यष्टि को जिसमें उस वर्ग के आवश्यक गुण प्रकृष्ट रूप में उपलब्ध हों, बताकर परिभाषा देना, जैसे: मंगोल जाति के आवश्यक गुणों को बताने के बजाय सिर्फ चीनी आदमी की ओर ईशारा कर देना।

definition "in use" प्रयोगनिष्ठ परिभाषा

परिभाष्य पद जिस वाक्य में होता है, उसको एक ऐसे समानार्थक वाक्य में बदल देना जिसमें परिभाष्य पद या उसका कोई पर्याय प्रयुक्त न हो।

degree of probability प्रसंभाव्यता-मात्रा

शून्य (असंभाव्यता) और एक (निश्चयात्मकता) के बीच की कोई भी भिन्न

जिसका हर कुल अवसरों का सूचक होता और अश अनुकूल अवसरो का।

deification

1. देवत्वारोपण

किसी मनुष्य या वस्तु में देवत्व आरोपण कर देना अर्थात् उसे देवता ईश्वर मान लेना।

2. देवत्व-प्राप्ति

(कुछ धर्मों की मान्यता के अनुसार) में लीन हो जाना।

deism

तटस्थेश्वरवाद

यह मत कि ईश्वर जगत् का कर्ता अवश्य पर उसे रचने के बाद वह जगत् के कलाप मे कोई संबध नही रखता और बिल्कुल हस्तक्षेप नहीं करता।

deity

देवता, देवत्व

इस शब्द का प्रयोग प्रायः देवता या के अर्थ में किया जाता है, परन्तु कभी-क उसकी विशेषता यानी दैवी गुण के लिये इसका प्रयोग होता है। अंग्रेजी दार्शनि सैमुअल अलेक्जेंडर ने विकास-क्रिया के अग स्तर पर प्रकट होने वाले (उन्मज्जी) गु के अर्थ मे इसका प्रयोग किया है।

deliberation

विमर्श

किसी विकल्प का चुनाव करते उसके गुण-दोषों का सावधानी के साथ नि करना : सकल्प की मनोवैज्ञानिक कि एक चरण।

dematerialization

विभौतिकीकरण

भौतिक रूप का लोप हो जाना। प्रेतात्मा के भौतिक आकृति ग्रहण करने पश्चात् पुन अदृश्य हो जाने की क्रि लिये प्रयुक्त।

demiurge — विश्वकर्मा, सृष्टिकर्ता

विश्व के निर्माता के लिये प्रयुक्त शब्द।

democratic ethics — लोकतंत्रीय नीति

लोगों यानी जनता के अनुमोदन को कर्म के औचित्य का आधार बनाने वाली नीति।

demonstrative definition — निदर्शनात्मक परिभाषा

एक शब्द की अन्य शब्दों के द्वारा परिभाषा देने के बजाय उस वस्तु की ओर इशारा मात्र कर देना जिसके लिए उसका प्रयोग किया जाता है।

demonstrative phrase — निदर्शनात्मक वाक्यांश

इस तरह की अभिव्यक्ति जैसे, "यह मेज', 'वह आदमी', जिसका प्रयोग इष्ट वस्तु की ओर संकेत करने के लिये किया जाता है।

demonstrative syllogism — निदर्शनात्मक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी आधारिकाएं पूर्णतः निश्चयात्मक हों और निष्कर्ष भी पूर्णतः निश्चयात्मक हो।

demoralization — 1 नैतिक पतन

नैतिक स्तर से गिर जाना।

2 मनोबल-ह्रास

व्यक्ति के आत्म-विश्वास साहस, धैर्य या दृढ़ता का क्षीण हो जाना।

denotation — वस्त्वर्थ

वे समस्त वस्तुए, जिनके लिये एक शब्द का प्रयोग किया जाता है, जैसे राम, श्याम इत्यादि सब व्यक्ति जो 'मनुष्य' कहलाते हैं।

denotational definition — द्रव्याभिधायक परिभाषा, व्यक्ति-अभिधायक परिभाषा
(Russell) के अनुसार, वह भाषा जो एक व्यक्ति-विशेष या विशेष को एक या अधिक ज्ञात ... एक निश्चित संबंध रखने वाली चीज बताती है, जैसे : 'भारत का धावक" (मिल्खा सिंह)।

denotative-connotative view — वस्तुगुणार्थक मत
निर्णय या प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य विधेय के स्वरूप तथा संबंध के विष... हैमिल्टन इत्यादि तर्कशास्त्रियों का ... कि उद्देश्य और विधेय दोनों ही ... अर्थात् वस्त्वर्थ में भी और गुणार्थ ... ग्रहण किए जा सकते हैं। यह मत ... मत और गुणार्थक मत में समन्वय क... हेतु प्रस्तुत किया गया है। देखिये ... view और connotative view.

denotative definition — वस्त्वर्थक परिभाषा
वह परिभाषा जो परिभाष्य प... वस्त्वर्थ पर आधारित हो।

denotative view — वस्त्वर्थक मत
निर्णय या प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य ... विधेय के स्वरूप तथा संबंध के विषय में ... मत कि उद्देश्य और विधेय दोनों ही वस्... में ग्रहण किए जाते हैं तथा उद्देश्य के ... व्यक्त वर्ग को विधेय के द्वारा ... वर्ग के अन्तर्गत, बहिर्गत या अंशतः ... अथवा अंशतः बहिर्गत बताया जाता ... तदनुसार "सब मनुष्य मरणशील हैं" ... मनुष्यों के वर्ग को मरणशीलों के ... अन्तर्गत बताया गया है।

denoting phrase — व्यक्तिनिर्देशक वाक्यांश

वह वाक्यांश जो किसी ऐसे गुणधर्म या गुणधर्मों के एक ऐसे समुच्चय का बोध कराता है, जो किसी व्यक्ति, या वस्तु में पाया जाता है।

deontic logic — म्राबंधी तर्कशास्त्र

विचार का वह क्षेत्र जिसमें इस तरह के सिद्धांतों को सूत्रबद्ध म्रौर तंत्रबद्ध किया जाता है, जैसे यह कि कोई भी कर्मम्राबंधी म्रौर निषिद्ध एक साथ नही हो सकता।

deontological ethics — परिणामनिरपेक्ष नीति, फलनिरपेक्ष नीति

वह नीति जो किसी कर्म के म्रौचित्य को म्रनन्य रूप से उसके म्रच्छे परिणामों पर (या कर्ता के म्रच्छे म्रभिप्राय पर) म्राधारित नही मानती।

deontology — कर्तव्यशास्त्र

व्यक्ति के कर्तव्यों तथा नैतिक म्राबंधों का म्रध्ययन करने वाला शास्त्र।

depravity — सहज दुष्टता

व्यक्ति की बुरे कर्म करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति (जिसे ईसाई धर्म में म्रादम के पतन का परिणाम माना गया है)।

derivative law — व्युत्पन्न नियम

वह गौण नियम जो मूल नियम से निगमन के द्वारा प्राप्त हुम्रा हो, जैसे ज्वार-भाटे का नियम, जो गुरुत्वाकर्षण के मूल नियम से निगमित है।

descriptive ethics — वर्णनात्मक नीति

नीतिशास्त्र की (समाजशास्त्र कहना म्रधिक उचित होगा) वह शाखा (म्रादर्शक

नीति से भिन्न) जो विभिन्न देशों, ... और समुदायों में प्रचलित नैतिक आचारों, आदर्शों और नियमों का वर्णन करती है।

descriptive hypothesis — वर्णनात्मक प्राक्कल्पना

वह प्राक्कल्पना जो किसी घटना के घटित होने के तरीके का वर्णन करे, जैसे यह प्राक्कल्पना कि चोर छत से होकर आया होगा और पाइप के सहारे उतर कर भागा होगा।

desire — इच्छा, एषणा

अपनी किसी आवश्यकता को पूरा करने वाले किसी उद्देश्य या वस्तु को प्राप्त करने का आत्मचेतनायुक्त आवेग।

destiny — नियति, भवितव्यता

वह घटना जिसका होना पहले से निश्चित हो; अथवा ईश्वर के द्वारा पहले से निर्धारित घटना-क्रम।

destructive dilemma — निषेधक उभयतःपाश

वह उभयतःपाश जिसमें पक्ष-आधारिका में साध्य-आधारिका में समाविष्ट फलों का विकल्पतः निषेध किया जाता है और निष्कर्ष में उसके हेतुओं का विकल्पतः निषेध किया जाता है।

उदाहरण:

यदि मनुष्य बुद्धिमान है तो वह अपने तर्क की व्यर्थता को समझ लेगा और यदि वह ईमानदार है तो वह अपनी गलती मान लेगा।

या तो वह अपने तर्क की व्यर्थता को नहीं समझता या समझते हुए भी अपनी गलती

नहीं मानता ।

∴ या तो वह बुद्धिमान नहीं है या वह ईमानदार नही है ।

minable — परिच्छेद्य (गुण)

डब्ल्यू० ई० जॉनसन के अनुसार, वस्तुओं में जिन मोटी बातों के आधार पर अंतर किए जाते हैं, जैसे रंग, आकृति, परिमाण इत्यादि, उनमें से एक ।

minandum — परिच्छेद्यक (वस्तु)

जॉनसन के अनुसार, प्रतिज्ञप्ति का वह अंश (उद्देश्य) जिस का विचार के द्वारा स्वरूप-निर्धारण करना होता है ।

rminans — परिच्छेदक

जॉनसन के अनुसार, प्रतिज्ञप्ति का वह अंश (विशेषण या विधेय) जो उसके स्वरूप को निर्धारित करता है जो विचार के लिए प्रस्तुत होता है ।

rminate — परिच्छिन्न

किसी परिच्छद्य (determinable), जैसे रंग, के अन्तर्गत आनेवाली परस्पर विरोधी विशेषताएं जैसे लाल, हरा इत्यादि ।

ermination — 1. परिच्छेद

किसी सत्ता, वस्तु या विचार के क्षेत्र का सीमित होकर संकुचित हो जाना ।

2. निश्चय

संकल्प की मनोवैज्ञानिक क्रिया का (अथवा कर्म-प्रक्रिया के मानसिक पक्ष का) अंतिम चरण : जिस विकल्प को व्यक्ति ने अपना लिया है उस पर जब तक कार्यान्वयन का उपयुक्त समय न आ पहुंचे तब तक अडिग बने रहना ।

determinism — नियतत्ववाद

एक सिद्धांत जिसके अनुसार संसार प्रत्येक घटना पूर्वनिर्धारित नियमों नियंत्रित है । विशेषत: यह सिद्धांत व्यक्ति का संकल्प स्वतन्त्र नहीं होता मानसिक या भौतिक कारणों के निर्धारित होता है।

deterrent theory of punishment — निवारणार्थ दंड-सिद्धांत

यह सिद्धांत कि किसी व्यक्ति को इसलिये दिया जाता है कि उसके व्यक्ति उस तरह का काम न करें और दंड पाने वाला भी दुबारा वह करे ।

deus ex machina — दैवी समाधान

किसी समस्या के समाधान के लिये व्यक्ति, वस्तु या संप्रत्यय को ले आना; समस्या का एक ऐसा जो अलौकिक, अस्वाभाविक, कृत्रिम चमत्कारिक हो। इस पद का प्रयोग प्राचीन नाटको के संदर्भ में होता जिसमें किसी कठिन समस्या को सुलझाने लिये किसी देवता को एकाएक रंगभूमि प्रकट कर दिया जाता था।

dialectic — 1. द्वंद्व समीक्षा

आधुनिक दर्शन में, कान्ट के अनुसार विप्रतिषेधों, तर्कमासों और शुद्ध तर्क के प्रत्ययो का विवेचन, तथा 'क्रिटीक ऑफ प्योर रीज़न" का वह भाग जिसमें विवेचन किया गया है।

2. द्वंद्वन्याय

हेगल के अनुसार, पक्ष, प्रतिपक्ष संपक्ष के तीन चरणों में चलने विचार की क्रिया ।

ialectical materialism

द्वंद्वात्मक भौतिकवाद

कार्ल मार्क्स और एंगेल्स का दर्शन जो साम्यवाद का अधिकृत दर्शन है और पारंपरिक भौतिकवाद की तरह भौतिक द्रव्य को ज्ञानमीमांसीय और सत्ता-मीमासीय दोनों दृष्टियों से आधारभूत और मन का पूर्ववर्ती मानता है, तथा हेगेल के द्वंद्वात्मक चिद्वाद की तरह भौतिक विश्व के विकास में विरोधी तत्वों के पहले संघर्ष और तदनंतर समन्वय का अत्यधिक महत्त्व मानता है।

ialectical theology

संकटात्मक ईश्वर-मीमांसा

वह ईश्वरमीमासीय सिद्धांत जो संकट को ईश्वर के ज्ञान का एकमात्र साधन मानता है और दार्शनिक विवेचन को उसे जानने के लिए व्यर्थ समझता है।

ialectic syllogism

द्वंद्व-न्यायवाक्य

अरस्तू के अनुसार, निश्चयात्मक के विपरीत प्रसभाव्य एवं विश्वसनीय प्रतिज्ञप्तियों वाला न्यायवाक्य।

iallelon

चक्रक परिभाषा, परिभाषा-दुश्चक्र

परिभाषा का एक दोष जो तब होता है जब एक पद $प'_1$ की $'प'_2$ के द्वारा, $प_2$ की $प_3$ के द्वारा और इस प्रकार अंत में $प_न$ की $प_1$ के द्वारा परिभाषा दी जाती है।

iallalus

चक्रक-युक्ति, युक्ति-दुश्चक्र

युक्ति का एक दोष जो तब होता है जब एक युक्ति $य_1$ को $य_2$ से प्रमाणित किया जाता है, $य_2$ को $य_3$ से और अंत में $य_न$ को $य_1$ से प्रमाणित किया जाता है।

dialogism

विकल्पानुमान

एक अकेली आधारिका से ... निष्कर्ष का अनुमान, जैसे ... सपर्क के बिना प्रभाव डाल सकता है" यह अनुमान कि "या तो कोई शक्ति ... के बिना प्रभाव डाल सकती है या ... कर्षण कोई शक्ति नही है।"

dianoetic theory

अंत:प्रज्ञातर्कवाद

एक सिद्धांत जो अंत:प्रज्ञा— ... इंद्रियकल्प न मानकर तर्कबुद्धि से ... मानता है । तदनुसार हमारी तर्क ... शाश्वट नैतिक नियमों का साक्षात् ... कराती है और उनसे विशेष कर्मों के औचि... का अनुमान करती है।

dianoetic virtues

प्रज्ञात्मक सद्गुण

अरस्तू के नीति शास्त्र में, बौधिक ... अर्थात् वे सद्गुण जो बुद्धि, तर्क ... और विचार के प्रकर्ष से आते हैं तथा जिन... लक्ष्य बौद्धिक नियमों, सिद्धांतो और ... का ज्ञान होता है।

dianoia

प्रज्ञा

अरस्तू के दर्शन में, विचार या चिंतन क... अथवा ऐसा करने की शक्ति, जो कि विवे... में तथा संप्रत्ययों को संयुक्त या वियु... करने में प्रकट होती है।

dictum de diverso

व्यावर्तक अभ्युक्ति

तर्कशास्त्र में, लैम्बर्ट के अनुसार, द्वि... आकृति का यह आधारभूत नियम कि ... कोई पद एक दूसरे पद के अन्तर्गत है ... एक अन्य पद उसी दूसरे पद के बाहर है ... पहला और तीसरा पद एक-दूसरे के ... होते हैं।

ictum de exemplo — निदर्शन—अभ्युक्ति

तर्कशास्त्र में, लैम्बर्ट के अनुसार, तृतीय आकृति का यह आधारभूत नियम कि यदि दो पदों में कुछ अंश समान हों तो वे अंशतः एक दूसरे से मेल रखते हैं, किन्तु यदि एक पद का कुछ अंश दूसरे से भिन्न हो तो वे अंशतः भिन्न होते हैं ।

ictum de omni et nullo — यज्जातिविधेयम् तद्व्यक्ति विधेयम् (अभ्युक्ति)

तर्कशास्त्र में अरस्तू के अनुसार, न्याय-वाक्य का (विशेषतः प्रथम आकृति का) यह आधारभूत नियम कि जो बात एक पूरे वर्ग के लिये कही जा सकती है, वह बात उस वर्ग के प्रत्येक सदस्य के लिये कही जा सकती है।

lictum de reciproco — इतरेतर-अभ्युक्ति

तर्कशास्त्र में, लैम्बर्ट के अनुसार, चतुर्थ आकृति का यह आधारभूत नियम कि यदि किसी चीज के बारे में एक विधेय को पूर्णतः या अंशतः स्वीकार किया जाता है अथवा पूर्णतः अस्वीकार किया जाता है तो स्वयं उस चीज को किसी भी ऐसी चीज के विधेय के रूप में अंशतः स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकता है जिसका उस विधेय के बारे में विधान किया जाता है; तथा यदि किसी चीज के बारे में एक विधेय को पूर्णतः स्वीकार किया जाता है तो स्वयं उस चीज का किसी भी ऐसी चीज के विधेय के रूप में पूर्णतः निषेध किया जा सकता है जिसका उस विधेय के बारे में निषेध किया जाता है।

didas calic syllogism — निदर्शनात्मक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी प्रतिज्ञप्तियां पूर्णतः निश्चयात्मक हों ।

differentia

अवच्छेदक

वह (या वे) गुणधर्म जो एक ही जाति की उपजातियों का परस्पर पृथक करता (या करते हैं), जैसे प्राणियों के अन्दर मनुष्य को अन्य प्राणियों से पृथक करने वाला तर्कबुद्धिशील होने का गुणधर्म।

differentiating attribute

व्यावर्तक गुण

ऑड के अनुसार, द्रव्य-गुण अर्थात् द्रव्य होने के लिए आवश्यक गुण से भिन्न वह विशेष और सरल गुण जो एक द्रव्य को उस विशेष प्रकार का द्रव्य बनाता है, तथा जो किसी संमिश्र द्रव्य में होने की दशा में उसके भागों का भी गुण अवश्य होता है।

dilemma

उभयतःपाश

न्यायवाक्य का एक प्रकार जिसमें दूसरी आधारिका दो विकल्प बताती है, और प्रथम आधारिका, जो दो हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्तियों के रूप में होती है, बताती है कि जो भी विकल्प अपनाया जाय परिणाम अवांछित ही होगा। प्रतीकात्मक उदाहरण : "यदि क तो ख, यदि ग तो घ; या तो क या ग; अतः या तो ख या घ।"

Dimaris

डीमारीस

चतुर्थ आकृति का वह प्रमाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका अंशव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक और निष्कर्ष अंशव्यापी विधायक होता है।

उदाहरण :

कुछ स म है;
सब म प है;
कुछ प स है।

ct fallacy of accident — उपाधि-साक्षात् दोष

एक प्रकार का तर्कदोष जो तब होता है जब किसी सामान्य सत्य को विशेष या आकस्मिक परिस्थितियों में भी सत्य मान लिया जाता है। उदाहरण :

हत्या करने वाले को फांसी का दंड मिलता है; सैनिक युद्ध में शत्रु की हत्या करता है; अतः सैनिक को फांसी का दंड मिलना चाहिए ।

ct intention — प्रत्यक्ष अभिप्राय

मैकेंज़ी (Mackenzie) के अनुसार, वह परिणाम जो कर्ता के कर्म का साक्षात् लक्ष्य होता है। उदाहरणार्थ, एक आतंकवादी विस्फोटकों से एक गाड़ी को इसलिए उड़ा देता है कि उसमें यात्रा करनेवाला एक व्यक्ति-विशेष मारा जाए, हालांकि मारे और भी बहुत से लोग जाते हैं, और इस बात को वह जानता था। यहां उस व्यक्ति-विशेष की मृत्यु प्रत्यक्ष अभिप्राय है।

ct knowledge — साक्षात् ज्ञान

अव्यवहित रूप से अर्थात् ज्ञानेन्द्रियों से होनेवाला ज्ञान ।

ct reduction — साक्षात आकृत्यंतरण

तर्कशास्त्र में, 'अपूर्ण' आकृतियों (द्वितीय, तृतीय, और चतुर्थ) के वैध विन्यासों को परिवर्तन और प्रतिवर्तन की प्रक्रियाओं की सहायता से पूर्ण आकृति (प्रथम) के किसी वैध विन्यास में बदलने की प्रक्रिया (संकुचित अर्थ में); अथवा किसी भी आकृति के किसी वैध विन्यास को उक्त प्रक्रियाओं की मदद से किसी भी अन्य आकृति के एक वैध विन्यास में बदलने की प्रक्रिया (विस्तृ

direct theory of knowing साक्षात्-ज्ञान-सिद्धांत

यह सिद्धांत कि हमें वस्तुओं का ज्ञान सीधे अर्थात प्रतिमाओं, प्रत्ययों इत्यादि के माध्यस्थ्य के बिना, होता है।

Disamis डीसामीस

ततीय आकृति का वह प्रामाणिक न्याय वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका अंशव्यापी विधायक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी विधायक होता है।

उदाहरण:

कुछ बंगाली कवि हैं;
सब बंगाली भारतीय हैं;
∴ कुछ भारतीय कवि हैं।

disjunct वियुतक

वियोजक प्रतिज्ञप्ति (या तो अ या ब) में शामिल विकल्पों में से कोई एक।

disjunction वियोजन

वह निर्णय या प्रतिज्ञप्ति जिसमें एक से अधिक विकल्प हों। इसके दो प्रकार हैं: प्रबल या व्यावर्तक (strong or exclusive) तथा दुर्बल या समावेशी (weak or inclusive)।

disjunctive proposition वियोजक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें "या" के द्वारा व्यक्त विकल्प हों।

disjunctive syllogism वियोजक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी पहली आधारिका एक वियोजक वाक्य और दूसरी आधारिका तथा निष्कर्ष दोनों निरुपाधिक वाक्य होते हैं, जैसे :—

यह या तो अ है या ब;

यह म नहीं है;

∴ यह ब है।

sparate — विसदृश

ज्ञानमीमांसा में, भिन्न ज्ञानेन्द्रियों से संबंधित संवेदनों के गुणात्मक वैषम्य का सूचक विशेषण (जैसे, लाल रंग और शीतत्व के वैषम्य का)।

तर्कशास्त्र में, ऐसे पदों के अंतर का सूचक विशेषण जो परस्पर भिन्न है, पर व्याघाती नहीं, अथवा (लाइब्नित्स के अनुसार) ऐसे पदों के अंतर का जो जाति और उपजाति के रूप में संबंधित न हों।

ssuasive — निवर्तक

किसी कर्म को करने से रोकनेवाला, हतोत्साहित करनेवाला या विरत करनेवाला कारक, जैसे दुःख या पीड़ा।

stribution — व्याप्ति

तर्कशास्त्र में, पद के पूरे या आंशिक विस्तार में प्रयुक्त होने की विशेषता : यदि किसी पद का प्रयोग उसके पूरे विस्तार या वस्त्वर्थ में होता है तो वह distributed (व्याप्त) कहलाता है और यदि आंशिक विस्तार में होता है तो undistributed (अव्याप्त) कहलाता है। उदाहरणार्थ, "सब बंगाली भारतीय हैं" में "बंगाली" व्याप्त है और "कुछ बंगाली दार्शनिक हैं" में वह अव्याप्त है।

stributive justice — वितरण-न्याय, वितरक न्याय

समुदाय के सदस्यों में सम्मान, धन-संपत्ति अधिकारों और विशेषाधिकारों के वितरण के रूप में अभिव्यक्त न्याय।

distributive property

प्रत्येक-गुणधर्म, व्यष्टि-गुणधर्म

वह गुणधर्म जो किसी वर्ग के व्यष्टि में पाया जाता है, न कि सब व्य... में सामूहिक रूप से। 'इस कक्षा के छात्र... वजन 110 पौण्ड से कम है' में "110... कम वजन" प्रत्येक छात्र का गुणधर्म है, 'इस कक्षा के छात्रों का वजन 4000... हैं' में '4000 पौंड वजन' छात्रों का ... हिक गुण धर्म है।

distributive term

व्यष्टि-पद

सामूहिक या समष्टि-पद के विपरीत पद जो किसी समूह के प्रत्येक व्यष्टि के ... प्रयुक्त हो।

distributive use

व्यष्टिक उपयोग

तर्कशास्त्र में, प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य का ऐसा प्रयोग जिससे विधेय उसके ... व्यय प्रत्येक वस्तु पर अलग ... होता है, "जैसे त्रिभुज के सब कोण दो सम... से कम होते हैं" में, जिसमें "सब कोण" अर्थ "प्रत्येक कोण" है।

divided sense

विभक्त अर्थ

मध्ययुगीन तर्कशास्त्र में, निश्चयमात्रि... कथनों (जैसे "अ व हो सकता है") की ए... व्याख्या, जिसके अनुसार निश्चयमात्रिक श... ("सकता है", "संभवतः," "अवश्य" इत्या... कथन के एक अंश, अर्थात् योजक ("है" क्रि... का कोई रूप) का विशेषक होता है।

दूसरी व्याख्या के लिये देखि... "composite sense"।

division by dichotomy

द्विभाजन

किसी वर्ग को दो परस्पर व्याप... उपवर्गों में विभाजित करना, ...

भारतीयों को बंगाली और ग़ैर-बंगाली में।

livision non faciat saltum अक्रमाभावी विभाजन

इस नियम का अनुसरण करने वाला विभाजन कि किसी वर्ग को उसके उपवर्गों "मे" विभाजित करने के प्रक्रम में कोई चरण छुटने न पायें।

livisive term व्यष्टि-पद

देखिये distributive term

dogmatic intuitionism राद्धांतिक अंतःप्रज्ञावाद

नीतिशास्त्र में, अंतःप्रज्ञावाद का एक प्रकार जिसके अनुसार अंतःप्रज्ञा से यह ज्ञात होता है कि अमुक प्रकार का कर्म उचित या अनुचित है, जैसे यह कि वचन को निभाना उचित होता है।

logmatism राद्धांतवाद

सामान्य अर्थ में, ऐसा विश्वास जिसे तर्क अथवा अनुभव का समुचित आधार प्राप्त न हो पर फिर भी जिसे छोड़ने के लिये व्यक्ति तैयार न हो।

काट के अनुसार, वह तत्त्वमीमांसीय विश्वास जिसे उसके बौद्धिक औचित्य को दिखाए बिना और बुद्धि की प्रकृति और शक्ति की विश्लेषणात्मक परीक्षा किए बिना मान लिया गया हो।

Doksamosk डोक्सामांस्क

तर्कशास्त्र में, साक्षात् आकृत्यंन्तरण के लिये तृतीय आकृति के वैध विन्यास "बोचार्डो" के लिये प्रयुक्त वैकल्पिक नाम। देखिये

रविष्टीय संप्रदायों में अथवा प्रचलित विश्व रविष्टानुयायी जनता में एकता हे प्रयोजन की पूर्ति करती है।

ecumenics — ख्रीष्टीय-समाजशास्त्र

विश्व के ईसाई मतानुयायियों के की विशेषताओं, समस्याओं इत्यादि अध्ययन करने वाला शास्त्र।

educative theory of punishment. — शिक्षार्थ-दंड-सिद्धांत

दंड का एक सिद्धांत जिसके अनुसार का उद्देश्य अपराधी का सुधार करना है।

education — सदयोउनुमान

ई०ई० कान्स्टेंस जोन्स (E.E. Constance Jones) द्वारा अव्यवहित अनुमान के प्रयुक्त शब्द।

उदाहरण :

सब मनुष्य प्राणी हैं;

∴ कुछ प्राणी मनुष्य हैं।

efficient cause — निमित्त-कारण

अरस्तू के अनुसार, वह जो अपनी से कार्य को उत्पन्न करता है (कर्ता), घड़े को बनाने वाला कुम्हार। यह चार के कारणों में से एक है (शेष तीन हैं: f formal तथा material।

effluvium — निःस्यंद

भौतिक वस्तुओं से निकलनेवाला सूक्ष्म पदार्थ जिसकी कल्पना प्राचीन दार्शनिकों ने प्रत्यक्ष के संदर्भ में की थी जिसे उन्होंने ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित वाला माना था।

gocentric particulars — अहंकेंद्रिक विशेष

देखिए "egocentric words" ।

gocentric predicament — अहंकेंद्रिक विषमावस्था, अहंकेंद्रिक विप्रतिपत्ति

ज्ञाता को अपने ही प्रत्ययों के अन्दर सीमित रहने से उत्पन्न वह विषम स्थिति जिससे अहं के घेरे से बाहर निकलना तथा बाह्य वस्तुओं का ज्ञान प्राप्त करना उसके लिये असंभव तो नहीं पर कठिन अवश्य हो जाता है।

gocentric words — अहंकेंद्रिक शब्द

रसेल (Russell) के अनुसार, वे शब्द जो वक्तृसापेक्ष होते हैं, जैसे : 'मैं', 'अब', 'यहाँ' इत्यादि।

goism — 1. स्वार्थवाद, स्वहितवाद

नीतिशास्त्र में, व्यक्ति के लिये स्वार्थ को ही साध्य माननेवाला सिद्धांत।

2. अहंवाद

दर्शन में, केवल अहम् को ही सत्य माननेवाला बर्कली इत्यादि विचारकों का सिद्धांत, अथवा फिख्ते का यह सिद्धांत कि पराहम् ("एब्सोल्यूट इगो") ही परम सत्य है।

3. अहंता, अहंभाव

अपने को श्रेष्ठ समझने की वृत्ति।

gocentric words — स्वार्थोन्मुख शक्तिवाद

यह मत कि व्यक्ति को अपनी शक्तियों का उपयोग पूर्णतः स्वार्थ की प्राप्ति के लिये करना चाहिए।

egoistic hedonism — स्वसुखवाद

यह मत कि स्वयं अपने सुखको व्यक्ति का नैतिक लक्ष्य होना चाहिये।

egoistic naturalism — स्वार्थपरक प्रकृतिवाद

रॉजर्स द्वारा हाब्ज के नैतिक सिद्धान्त के लिये प्रयुक्त पद होब्ज स्वहित को ही कर्मों का मूल अभिप्रेरक मानता है (...वाद), और शुभ को व्यक्ति की ... पूर्ति मात्र समझता है। (प्रकृतिवाद)।

egological reduction — आहमिक अपचयन

संवृत्तिशास्त्र में, व्यक्ति के द्वारा प्रकट अप्रकट रूप से अन्य व्यक्तियों का जो अस्ति... साधारणतः स्वीकार किया जाता है ... संबंध में, तथा स्वयं को भी जो अन्यों की ... एक व्यक्ति (अहम्) स्वीकार किया जाता ... उसके संबंध में, विश्वास और अविश्वास ... अलग तटस्थ भाव अपनाया जाना।

egotism — अहंकार, अहंमन्यता

स्वयं को बड़ा और अन्यों को ... समझने की प्रवृत्ति।

eidetic theory (of knowledge) — प्रतिमालंबन-सिद्धांत

हुसर्ल (*Husserl*) का यह सिद्धांत कि ज्ञान का आधार मनोजगत् के बिंबों के अलावा बाह्य जगत् में कहीं नहीं है और ज्ञान की मन में उत्पत्ति, भौतिक जगत में किसी आलंबन के बिना ही होती है।

eidolology — संविद्मीमांसा

जर्मन दार्शनिक हेर्बार्ट के अनुसार, तत्व मीमांसा का वह भाग जो ज्ञान की सीमाएँ तथा उसकी संभावनाओं का विवेचन करता है।

dolon (pl. eidola)

1. आइडोलॉन

प्राचीन यूनानी दार्शनिकों (डिमॉक्रिटस और एपिक्यूरस) द्वारा वस्तुओं से निःसृत होनेवाले उन सूक्ष्म अणुओं के लिए प्रयुक्त शब्द, जिनकी कल्पना उन्होंने वस्तुओं के संवेदन और प्रत्यक्ष की व्याख्या के लिये की थी।

2. प्रतिच्छाया

काल्पनिक प्रकृति, जैसी कि स्वप्न में दिखाई देती है।

dos

प्रज्ञप्ति, आइडोस

प्लैटो के दर्शन में, अतीन्द्रिय लोक में रहने वाली, प्रज्ञा मात्र के द्वारा गम्य, समान्यत: 'प्रत्ययों' के नाम से प्रसिद्ध सत्ताओं में से एक, अथवा ऐंद्रिय जगत् में अस्तित्व रखने वाली वस्तुओं के रूप में दृष्टातीकृत सामान्यों ("Universals") या तत्वों ("essences") में से एक।

segesis

स्वैरभाष्य

किसी ग्रन्थ की व्याख्या में स्वकीय विचारों का ही समावेश कर देना।

ject

बहिःक्षेप

डब्ल्यू० के० क्लिफर्ड द्वारा अन्य आत्माओं के लिये प्रयुक्त शब्द। इस शब्द की सार्थकता यह है कि अन्य आत्मा ज्ञाता की चेतना के बाहर प्रक्षिप्त होते हैं।

an vital

जीवन-शक्ति

बर्गसां के दर्शन में, परम तत्व का नाम, जिसे कि प्राणरूप और संपूर्ण सृष्टि तथा विकास के मूल में रहने वाली प्रेरक शक्ति माना गया है।

Eleaticism — एलियाईवाद

एक सुकरात-पूर्व दार्शनिक संप्रदाय, ि स्थापना एलिया-निवासी पार्मेनि (Parmenides) ने की थी, और अनुसार मूल तत्व एक तथा परिवर्तनशून्य है।

elenchus — प्रतिहेत्वनुमान, सत्प्रतिपक्षानुमान

अरस्तू के तर्कशास्त्र में, वह जो प्रस्तुत प्रतिज्ञप्ति की व्याघाती प्रति को सिद्ध करता है, अर्थात् उसका खंडन है।

elimination — निरसन, निरास, विलोपन

विशेषतः तर्कशास्त्र में, महत्वहीन और असंबद्ध तत्वों को हट क्रिया, जो कार्य-कारण-संबंध निर्धारि में सहायक होती है।

ellipsis — पदलोप

ऐसे शब्दों को छोड़ देना जिनका वैसे स्पष्ट होता है किन्तु जिनका प्रयोग करना व्याकरण की द आवश्यक होता है।

elliptical statement — न्यूनोक्त कथन, अध्याहार्य कथन

किसी प्रतिज्ञप्ति की एक आंशि व्यक्ति, जो उसके सत्यता-मूल्य में परिवर्तन नहीं करती।

emanation — निर्गमन

बाहर निकलना या निःसृत होना। वि रूप से, विश्व के अपने मूल कारण, ईश्वर उत्पन्न होने की क्रिया के लिए प्रयुक्त।

emanationism — निर्गमनवाद, निस्सरणवाद

नव्य-प्लेटोवादी दर्शन में विश्व उत्पत्ति-सम्बन्धी एक सिद्धांत जो उस

प्रचलित शून्य से सृष्टि वाले सिद्धांत का विरोधी है और जिसके अनुसार विश्व ईश्वर के अन्दर से निःसृत होने वाली चीजों का एक क्रम या सिलसिला है।

ancipation — मुक्ति, मोक्ष

बंधन (विशेषतः कर्मफल, संसार या आवागमन) से छुटकारा।

ıergence — उद्गमन, उन्मज्जन

विकास के प्रक्रम में ऐसे गुणों या तत्वों का आविर्भाव जिनकी उनके कारणों के गुणों से पूरी व्याख्या नहीं हो सकती।

nergent evolution — उन्मज्जी विकास

विशेषतः लॉयड मॉर्गन (Llyod Morgan) के अनुसार, विकास का वह प्रक्रम जिसमें नए-नए स्तरों पर अप्रत्याशित रूप से नए गुणों का उदय होता है, जिनकी विकास की पिछली अवस्था के आधार पर कोई व्याख्या नहीं दी जा सकती।

nergentism — उन्मज्जनवाद

उन्मज्जी विकास को माननेवाला मत।

nergent mentalism — उन्मज्जी मनोवाद, मनउन्मज्जनवाद

उन्मज्जी विकास की धारणा के अनुसार मन और मानसिक गुणों के उदय की व्याख्या करनेवाला सिद्धान्त। तदनुसार जब अमानसिक स्वयं को एक बिल्कुल ही नूतन रूप में व्यवस्थित कर लेता है तब उससे मानसिक का उदय होता है।

nergent neutralism — उन्मज्जी तटस्थवाद, उन्मज्जी अनुभयवाद

सी० डी० ब्रॉड के अनुसार, मनस्तत्व और पुद्गलतत्व के संबंध के बारे में (अलेक्जेंडर का) यह मत कि वास्तविक तत्व न मानसिक है और न भौतिक है और भौतिकता

तथा मानसिकता इसी अनुभवरूप मूल के भिन्नस्तरीय उन्मज्जी गुण हैं।

emergent quality — उन्मज्जी गुण

एक ऐसा गुण जो किसी अनेक घटक वाले साकल्य में समग्र रूप में पाया जाता पर उसके किसी एक घटक का गुण न होता, जैसे पानी के गुण जो उसके घटक आक्सीजन और हाइड्रोजन, के गुणों बिल्कुल भिन्न होते हैं।

emergent vitalism — उन्मज्जी प्राणतत्त्ववाद, प्राण

सी० डी० ब्रॉड के अनुसार, जे० एस० हाल्डेन इत्यादि विचारकों का मत, प्राणतत्त्व को एक स्वतन्त्र द्रव्य तो न मानता, पर उसे शरीर को बनानेवाले भौतिक तत्त्वों का गुणधर्म भी नहीं मानता, बल्कि उनके मेल से एक स्तर पर प्रकट होनेवाली एक विशेषता मानता है।

emotive language — संवेगात्मक भाषा, भावात्मक भाषा

वक्ता के संवेगों को व्यक्त करनेवाली अथवा श्रोता के अंदर संवेगों को करने के उद्देश्य से प्रयुक्त भाषा वस्तुस्थिति की जानकारी देनेवाली या संज्ञानात्मक भाषा (cognitive Language से भिन्न होती है।

emotive meaning — संवेगार्थ, भावात्मक अर्थ, भावव्यंजक

किसी कथन की संवेगों को उद्दीप्त करके व्यक्ति के संकल्प को प्रभावित करने की शक्ति, जो कि उद्गारों, आदेशों, तथा कुछ विचारकों के अनुसार, नीतिशास्त्रीय और सौंदर्यशास्त्रीय निर्णयों में होती है।

motive theory (emotivism) — संवेगपरक सिद्धांत

(विशेष रूप से तार्किक प्रत्यक्षवादियों का) यह सिद्धांत कि मूल्य-संबंधी, विशेषत: नैतिक, निर्णय केवल संवेगात्मक अर्थ रखते हैं, किसी चीज के अस्तित्व के सूचक वे नहीं होते।

npirical — इंद्रियानुभविक; आनुभविक

ज्ञानेन्द्रियों से अनुभूत; ज्ञानेंद्रियों के द्वारा होनेवाले अनुभव से संबंधित; (अधिक व्यापक अर्थ में) ऐंद्रिय अथवा ऐंद्रियेतर किसी भी प्रकार के अनुभव से संबंधित।

mpirical apperception — इंद्रियानुभविक अहंप्रत्यय

कान्ट के अनुसार, आत्मा को अनुभव के परिवर्तनशील तत्वों के साथ अपनी बदलती हुई अवस्थाओं-वाले रूप में होनेवाली चेतना।

mpirical deduction — इंद्रियानुभविक निगमन

कान्ट के अनुसार, इस बात की तथ्यपरक व्याख्या कि अनुभव और चिंतन में 'सप्रत्ययों' का कैसे उदय होता है।

mpirical ego — आनुभविक अहम्

आत्मा का अंतर्निरीक्षण में प्रकट चेतन क्रियाओं की एक शृंखलावाला स्वरूप।

mpirical generalization — इंद्रियानुभविक सामान्यीकरण

वह सामान्य प्रतिज्ञप्ति (जैसे, 'सब कौए काले होते हैं') जो प्रेक्षण इत्यादि से अर्थात् इंद्रियानुभव से प्राप्त होती है।

mpirical hedonism — इंद्रियानुभविक सुखवाद

बेन्थम और मिल का सुखपरक सिद्धांत जो कि प्रमाण के रूप में इंद्रियानुभव पर आधारित है, न कि स्पेन्सर

के सिद्धांत की तरह विकास या किसी उच्चतर सिद्धांत से निगमन द्वारा प्राप्त।

empirical laws — इंद्रियानुभविक नियम

वे गौण नियम जिनके बारे में विश्वास किया जाता है कि वे ... नियमों से निगमित हो सकते हैं, जिनका अभी उन नियमों से ... हो नहीं पाया है : ये कम ... और केवल-गणनाश्रित आगमन से ... सामान्यीकरण होते हैं, तथा वर्णनात्मक हैं न कि व्याख्यात्मक, जैसे 'कुनीन मलेरिया की दवा है।'

empirical logic — इंद्रियानुभविक तर्कशास्त्र

अंग्रेज तर्कशास्त्री वेन (Venn) द्वारा आगमनिक तर्कशास्त्र के लिए ... पद तर्कशास्त्र की यह शाखा ... या इंद्रियानुभविक ज्ञान से संबंध ... है।

empirical self — इंद्रियानुभविक आत्मा; जीवात्मा

ऐंद्रिय अनुभवों को एकता प्रदान करने वाली आत्मा अथवा आत्मा का वह स्वरूप जो ऐंद्रिय अनुभवों में प्रकट होता है; विशेषतः भारतीय दर्शन में, आत्मा का ज्ञाता, कर्ता और भोक्ता-वाला, अर्थात् सांसारिक, रूप।

empirical theology — इंद्रियानुभविक ईश्वरमीमांसा

वह ईश्वरमीमांसा जिसके ... संप्रत्यय इंद्रियानुभव से व्युत्पन्न होते हैं अथवा उनकी व्याख्या के लिए ... प्रतीत होते हैं।

pirical utilitarianism — इंद्रियानुभविक उपयोगितावाद

बेंथम और मिल का मत, जो 'अधिकतम संख्या का अधिकतम सुख' के नैतिक आदर्श को अनुभव से व्युत्पन्न करता है।

piricism — इंद्रियानुभववाद; अनुभववाद

ज्ञानमीमांसा में मुख्यतः यह मत कि (संकीर्ण अर्थ में) इंद्रियों से प्राप्त होनेवाला अनुभव अथवा (विस्तृत अर्थ में) किसी भी रूप में होनेवाला अनुभव ही ज्ञान का और हमारे संप्रत्ययों का एकमात्र अंतिम आधार है।

pirico-criticism — इन्द्रियानुभविक संपरीक्षावाद

जर्मन दार्शनिक एवनेरियस (Avenarius) का यह सिद्धांत कि दर्शन का कार्य विश्व के विषय में एक 'प्राकृतिक धारणा' का विकास करना है, जिसका आधार शुद्ध इंद्रियानुभव हो और जो व्यक्ति के द्वारा अपनी ओर से समाविष्ट तत्त्वमीमांसीय अंशों से बिल्कुल मुक्त हो।

pty predicate — रिक्त विधेय

वह विधेय जिसका कोई वस्त्वर्थ न हो, जैसे 'नृसिंह'।

उद्देश्य, साध्य, लक्ष्य

वह जिसको प्राप्त करने के लिए व्यक्ति प्रयत्न करता है।

rgeia — परिनिष्पन्नता, सिद्धता

अरस्तू के दर्शन म, वस्तु की वह अवस्था जिसमें उसकी सारी अव्यक्त शक्तियां पूर्णतः व्यक्त हो जाती हैं, उसकी सब संभावनाएं वास्तविक हो जाती हैं।

energism (energetism) — ऊर्जावाद, शक्तिवाद

ऊर्जा को अंतिम तथा पुद्गल भौतिक द्रव्य का भी मूल तत्त्वमीमांसीय सिद्धांत।

नीतिशास्त्र में, यह सिद्धांत कि नहीं, बल्कि मानवीय शक्तियों का उपयोग करना ही परम शुभ है।

enforcement of morality — नीति-प्रवर्तन

किसी उच्चतर शक्ति के द्वारा और समाज से नैतिकता का पालन

ens Parmenideum — पार्मेनिडीजी सन्मात्र

परिवर्तन से बिल्कुल शून्य प्राचीन यूनानी दार्शनिक पार्मेनिडी इस मान्यता के अनुसार कि भ्रम मात्र है, तात्त्विक नहीं, प्रत्येक ऐसी है।

ens rationis — बौद्धिक सन्मात्र

वह सत्ता जिसका केवल बुद्धि के अस्तित्व हो, बाह्य जगत् में नहीं।

entailment — अनुलाग

दो प्रतिज्ञप्तियों के मध्य एसा कि एक का दूसरी से निगमन किया सके।

entelechy — ऐंटेलीकी, अंतस्तत्त्व

विशेषतः जर्मन दार्शनिक ड्रीश (Driesc के अनुसार, वह अतिभौतिक शा जो जीवित देह में व्याप्त रहते हुए उ अंदर की भौतिक और रासायनि क्रियाओं को एक प्रयोजन के चलाती है तथा उसे एक पूर्ण के रूप में विकसित करती है।

heism — अंतरीश्वरवाद

जर्मन दार्शनिक कारूस (Carus) का मत जिसके अनुसार प्रकृति में व्याप्त दिव्य सर्जनात्मक शक्ति (ईश्वर) संगठन, संरचना तथा आंगिक एकता के रूप में स्वयं को व्यक्त करती है।

ıymeme — लुप्तावयव न्यायवाक्य

तर्कशास्त्र में, वह न्यायवाक्य जिसकी एक प्रतिज्ञप्ति (आधारिका या निष्कर्ष) व्यक्त न की गई हो, जैसे, 'राम मरणशील है, क्योंकि वह मनुष्य है'—इसमें आधारिका 'सब मनुष्य मरणशील हैं' अनुक्त है।

hymeme of the first order — लुप्तसाध्य न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका व्यक्त न की गई हो, जैसे— 'रवीन्द्र भारतीय है, क्योंकि वह बंगाली है'।

hymeme of the fourth order — एकवाक्य न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें केवल एक ही प्रतिज्ञप्ति व्यक्त की गई हो और शेष दो अव्यक्त हों, जैसे 'राम आदमी ही तो है' (शेष दो, संदर्भ के अनुसार 'सब आदमी गलती करते हैं' तथा 'राम ने गलती की है', हो सकती हैं)।

hymeme of the second order — लुप्तपक्ष न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें पक्ष-आधारिका अव्यक्त हो, जैसे, 'सब मनुष्य मरणशील हैं, इसलिए वह भी मरणशील है'।

thymeme of the third order — लुप्तनिष्कर्ष न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसका निष्कर्ष अव्यक्त हो, जैसे 'सब दार्शनिक चिंतनशील होते

entity — वस्तु, पदार्थ

कोई भी चीज जिसके बारे में या विचार किया जा सके, वह वास्तविक हो या काल्पनिक, हो या भौतिक।

enumerative induction — गणनाश्रित आगमन

वह सामान्यीकरण या अनुमान ('सब क ख है') जो गिनती पर आधारित होता है, संबंधित पदों के मध्य कार्य-कारण की स्थापना के ऊपर।

enumerative judgment — गणनाश्रित निर्णय

ऐसा निर्णय जो दृष्टांतों के पर आश्रित हो, न कि कार संबंध की खोज पर, जैसे 'सब होते हैं'।

epicheirema — संक्षिप्त प्रतिगामी तर्कमाला

वह युक्ति जिसकी एक या दोनों ही आधारिकाएं, संक्षिप्त न्यायवाक्यों (Prosyllogism) के होती हैं।

Epicurianism — एपिक्यूरसवाद

प्राचीन यूनानी दार्शनिक ए. एवं उसके अनुयायियों द्वारा प्रतिपा सुसंस्कृत सुखवाद।

epiphany — 1. अवतरण-दिवस

छः जनवरी का दिन जो कि ईसा अवतरण के दिन के रूप में मनाया है।

2. ईशावतरण

विशेष रूप ईसा के रूप में ईश्वर प्रकट होना।

phenomemalism उपोत्पादवाद

शरीर और मन के संबंध के स्वरूप के बारे में प्रस्तावित एक सिद्धांत जिसके अनुसार मानसिक प्रक्रियाएं और चेतना शारीरिक, विशेषतः तंत्रिकीय, प्रक्रियाओं की गौण उपज है और इन्हें प्रभावित करने की कोई शक्ति नहीं रखतीं।

temic independence ज्ञाननिरपेक्षता

(वस्तुवादियों के मतानुसार) बाह्य वस्तुओं की (अस्तित्व के लिए) ज्ञान पर आश्रित न होने की विशेषता।

stemological dualism ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद

यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष इत्यादि अनानुमानिक ज्ञान में दो बातों का भेद मानना पड़ता है, जिनमें से एक तो ज्ञाता के मन में प्रस्तुत संवित्त, दत्त या प्रत्यय है, जिसके माध्यम से वस्तु का बोध होता है और दूसरी है स्वयं वस्तु, जो ज्ञान-क्रिया से स्वतन्त्र अस्तित्व रखती है।

istemological idealism ज्ञानमीमांसीय प्रत्ययवाद

यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष इत्यादि अनानुमानिक ज्ञान में केवल संवित्त, दत्त या प्रत्यय ही होता है तदनुसार उससे अलग किसी बाह्य वस्तु का अस्तित्व नहीं है।

istemological monism ज्ञानमीमांसीय एकत्ववाद

यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष इत्यादि अनानुमानिक ज्ञान में प्रायः संवित्त और वस्तु का जो भेद किया जाता है वह अनुचित है तदनुसार संवित्त या प्रत्यय और वस्तु परस्पर अभिन्न हैं।

- epistemological object — ज्ञान-वस्तु, ज्ञान-विषय

  वह वस्तु जो ज्ञान-क्रिया का [illegible] है। इसका सद्वस्तु से भेद किया [illegible] सद्वस्तु और ज्ञान-वस्तु का [illegible] होता है जब ज्ञान सत्य होता है।

- epistemological realism — ज्ञानमीमांसीय वास्तववाद

  यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष इत्यादि में वस्तु का ज्ञान होता है उसका [illegible] ज्ञाता के मन से स्वतन्त्र और बाहर है।

- epistemology — ज्ञानमीमांसा

  दर्शन की वह शाखा जो ज्ञान [illegible] उत्पत्ति, संरचना, प्रणालियों तथा [illegible] और उसकी कसौटियों का विवेचन [illegible] है।

- episyllogism — उत्तर-न्यायवाक्य

  वह न्यायवाक्य जिसकी [illegible] (प्राय: एक) किसी अन्य [illegible] का निष्कर्ष होती है। (वह अन्य [illegible] वाक्य इसकी तुलना में पूर्व-[illegible] Pro-syllogism कहलाता है)।

- epochalism — कालाणुवाद

  ह्वाइटहेड के अनुसार, यह मत [illegible] काल एक अविच्छिन्न सत्ता नहीं, [illegible] अणुवत् इकाइयों का समूह है।

- epoche — साक्षिभाव

  तटस्थ द्रष्टा की मन:स्थिति; [illegible] अवस्था जिसमें किसी चीज के पक्ष-वि[illegible] में निर्णय स्थगित रखा जाता है।

roposition — 'ए' प्रतिज्ञप्ति

सर्वव्यापी निषेधक प्रतिज्ञप्ति (जैसे 'कोई भी मनुष्य पूर्ण नहीं है') का प्रतीकात्मक नाम।

ılitarianism — समतावाद

यह मत कि सब मनुष्य राजनीतिक या सामाजिक दृष्टि से समान हैं।

ınimity — समचित्तता

अनुकूल और प्रतिकूल हर प्रकार की परिस्थिति में मन के शांत बने रहने की अवस्था।

ıarant relation — सममित संबंध

देखिए symmetrical relation।

robabilism — समप्रसंभाव्यतावाद

यह सिद्धांत कि यदि एक नैतिक समस्या ऐसी है जिसका निश्चयात्मक समाधान असंभव हो, तो उसके हल के लिए समान रूप से युक्तियुक्त लगनेवाली कार्य-प्रणालियों में से किसी का भी अनुसरण किया जा सकता है।

veridic — समसत्य

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, दो प्रतिज्ञप्तिक सूत्र उस समय 'समसत्य' कहे जाते हैं जब चरों के स्थान पर प्रतिज्ञप्तियों को प्रतिस्थापित करने पर उन दोनों का सत्यता-मूल्य समान होता है।

vocal — अनेकार्थक

एक से अधिक अर्थ रखनेवाला (शब्द या पद)।

eristic : जल्प

वाद-विवाद में विपक्षी को पराजि के लिए कुयुक्तियों का प्रयोग करते रहना।

erlebnis स्वानुभूति

मन को होनेवाला स्वयं अपनी क्रियाओं का अनुभव, जिसमें विषय का तादात्म्य रहता है।

erotema प्रश्नरूप आधारिका

अरस्तू के तर्कशास्त्र में, प्रश्नात्मक रूप कथित आधारिका।

escaping between the horns of a dilemma उभयतः पाश-विनिर्मुक्ति, पाशांतराल

उभयतः पाश के खंडन का एक जिसमें यह दिखाया जाता है कि आधारिका में बताए हुए विकल्प व्यावर्तक और निःशेषकारी नहीं हैं, उनके अलावा एक तीसरा विकल्प है जिसका विचार उभयतः का प्रयोग करनेवाले ने नहीं है। उदाहरणार्थ, counter-dilemma अन्तर्गत दिए हुए उभयतः पाश का इस तरीके से यह बता कर किया जा है कि मैं न सच्ची बात कहूंगा न गलत बात, बल्कि चुप रहूंगा इसलिए मैं मनुष्य और देवता की घृणा का पात्र बनने से बच देखिए counter dilemma।

eschatology मरणोत्तर-विद्या, परलोकविद्या, अंतवि

राद्धांतिक ईश्वरमीमांसा (dogm theology) का वह भाग जो

नरक इत्यादि मरणोत्तर बातों का विवेचन करता है।

Esoteric — गुह्य, अंतरंग, गूढ़, रहस्यमय

विशेष-दीक्षाप्राप्त या विशेषता-प्राप्त वर्ग से संबंधित अथवा उसके लिए उपयोगी; (और इसलिए) जो सामान्य जनों के लिए अगम्य हो।

Esse est percipi — दृश्यते इति वर्तते

बर्कली (Berkeley) की प्रसिद्ध उक्ति जो सत्ता और प्रत्यक्ष का अभेद बताती है : "होना और प्रत्यक्ष होना एक ही बात है।"

Essence — तत्त्व, सार

वस्तु का वह रूप जो स्थायी है, आगंतुक नहीं; वस्तु का स्वरूप; वह जिसके होने से वस्तु वह है जो वह है।

Essenism — एसीनवाद

दूसरी शताब्दी ई० पू० से दूसरी शताब्दी ईसवी तक की अवधि में फिलिस्तीन में कठोर त्याग और तपस्या का आचरण करनेवाले यहूदियों के एक संप्रदाय की विचारधारा।

Essential attribute — तात्त्विक गुण

वस्तु 'क' का वह गुण जिसका उसके इस नाम से पुकारे जाने के लिए उसमें होना आवश्यक हो।

Essential coordination theory — तात्त्विक समन्वयवाद

दार्शनिक एविनेरियस (Avenarius) के द्वारा अंतःक्षेपण-सिद्धांत (प्रतिनिधानात्मक प्रत्यक्ष-सिद्धांत) के विरोध में प्रस्तुत यह सिद्धांत कि विषय और विषयी (ज्ञेय

का औचित्य तथा अनौचित्य निर्धारित होता है ।

cal formalism — नैतिक आकारवाद

कान्ट का नैतिक सिद्धांत जो कर्म के औचित्य का निर्णय इस नियम ('आकार') के द्वारा करता है कि कोई भी काम ऐसा न करो जिसे आप न चाहें कि दूसरे लोग करे—अरस्तू से चली आनेवाली 'आकार' और 'वस्तु' की शब्दावली मे, यह नियम 'आकार' है और ठोस परिस्थितियों में हमारे विशेष कर्तव्य इसकी 'वस्तु' हैं, जो देशकालानुसार बदलती रहती है ।

ical hedonism — नैतिक सुखवाद

यह मत कि सुख ही एकमात्र साध्य है और तदनुसार प्रत्येक को वही काम करना चाहिए जो सबसे अधिक सुखदायक परिणामों का देनेवाला हो ।

ical intuitionism — नैतिक अंतःप्रज्ञावाद

एक मत जिसके अनुसार नैतिक औचित्य या अनौचित्य का ज्ञान व्यक्ति को अंतःप्रज्ञा से होता है और वह कर्म के शुभ या अशुभ परिणामों पर आश्रित नहीं होता ।

ical legalism — नैतिक विधिवाद

यह मत कि आचरण के कुछ नियम हैं जिनका परिणामों की ओर ध्यान दिए बिना अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए ।

hical mysticism — नैतिक रहस्यवाद

जीव की ब्रह्म से एकता की प्राप्ति को परम साध्य माननेवाला तथा इस

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समावि ✓ ethi
गूढ़ उपायों को साधन बतानेवाला ✓

ethical naturalism — नैतिक प्रकृतिवाद

नीतिशास्त्र को एक ई ✓
विज्ञान और उसके संप्रत्ययों को ✓
प्राकृतिक विज्ञानों के संप्रत्यय
मत।

ethical nihilism — नैतिक नास्तिवाद

शुभ-अशुभ उचित-अनुचित
नैतिक विभेदों की प्रामाणिकता का
करनेवाला मत।

ethical realism — नैतिक वास्तववाद

1. नैतिक मूल्यों के अस्तित्व
अनुभव या ज्ञान से स्वतन्त्र
मत, जैसे हार्टमान (Hartmann) का

2. साधारण प्रयोग में उस
का मत जो आचरण में व्यावहारिक
स्वार्थवादी हो।

ethical relativism — नैतिक सापेक्षवाद

यह नीतिशास्त्रीय सिद्धांत कि
के औचित्य-अनौचित्य और शुभत्व-अशु
का मानदंड देश, काल और समुदाय
अनुसार बदलता रहता है।

ethical relativity — नैतिक सापेक्षता

देखिए ethical relativism

ethical scepticism — नैतिक संशयवाद

वह मत जो नैतिकता को व्यक्ति
रुचि का विषय मानकर शाश्वत नै
मूल्यों में संदेह प्रकट करता है।

ethical sense — नैतिक संवित्ति

उचितानुचित का बोध

ical viewpoint — नैतिक दृष्टिकोण

उचित तथा अनुचित आदि नीतिशास्त्रीय शब्दों का अर्थ-विश्लेषण करनेवाला दृष्टिकोण । इसका आचारिक दृष्टिकोण (moral viewpoint) से भेद किया जाता है, जो इन शब्दों के प्रयोग के संबंध में होता है ।

hics — नीतिशास्त्र, आचारनीति, नीति

दर्शन की वह शाखा जो कर्म में उचित-अनुचित, शुभ-अशुभ, कर्तव्य-अकर्तव्य, पुण्य-पाप इत्यादि भेदों का विवेचन करती है तथा इन भेदों के मूल में जो आदर्श निहित है उसका निरूपण करती है ।

thology — आचारविज्ञान, चरित्रविज्ञान

चरित्र-निर्माण का अध्ययन करनेवाला शास्त्र ।

iquette — शिष्टाचार

आचरण के परंपरा द्वारा स्थापित नियमों का समच्चय ।

udaemonism — आत्मपूर्णतावाद, आत्मानंदवाद

यह नीतिशास्त्रीय सिद्धांत कि कर्म का चरम लक्ष्य ऐंद्रिय सुख की प्राप्ति नहीं बल्कि आत्मिक आनंद है जो कि तर्कबुद्धि के शासन में रहते हुए आत्मा की शक्तियों का पूरा विकास करने से प्राप्त होता है ।

Evhemerism — यूहीमरसवाद

यह सिद्धांत कि पौराणिक कथाएं सच्ची एतिहासिक घटनाओं के विकृत रूप हैं । यूहीमरस (300 ई० पू०), जिसके नाम से यह सिद्धांत प्रचलित है, देवताओं को मूलतः इतिहास के वीर पुरुष मानता था ।

Eunomianism — यूनोमियसवाद

ईसाई धर्म में, एक रोमन कैथोलिक यूनोमियस के नाम से प्रचलित शताब्दी (ईसवी) का यह सिद्धा ईश्वर के द्वारा रचा हुआ होने से पुत्र (ईसा) ईश्वर के सदृश नहीं हो

event — घटना

सामान्य रूप से, दिक्काल के एक सीमित के अन्दर होनेवाला कोई भी परि विशेषतः ह्वाइटहेड (Whitehead) दर्शन में, 'अंत्य वस्तुओं' (actual enti की एक संबद्ध श्रृंखला, जैसे एक अणु क्षणों तक अविच्छिन्न अस्तित्व।

event particle — घटना-कण

ह्वाइटहेड के दर्शन में, घटना का वह जिसमें उसकी विमाओं को कल्पना में अल्पतम कर दिया गया हो।

evil — अशुभ, अनिष्ट, अमंगल, अहित,

वे बातें जो व्यक्ति या समाज के भौतिक, नैतिक और आध्यात्मिक अहितकर हैं।

evolution — विकास

वस्तुओं के सरल से जटिल, विषमांग तथा कम विशिष्टीकृत से विशिष्टीकृत होने की क्रमिक क्रिया।

विशेषतः जीवविज्ञान में, थोड़े से जीवों से पर्यावरण के प्रभाव से हे परिवर्तनों के समायोजन में सहायक कारण वंशागति से अगली पीढ़ी में पहुंच और धीरे-धीरे संचित होते-होते जातियों के उत्पन्न होने की क्रिया।

evolutionary ethics — विकासवादी नीतिशास्त्र

डार्विन इत्यादि के विकासवादी सिद्धांत पर आधारित नीतिशास्त्र, जिसमें नैतिक बोध इत्यादि के विकास पर विशेषतः विचार किया जाता है तथा नैतिक मानक के निरूपण में अनुकूलन में सहायक होना, जीवनोपयोगी होना इत्यादि बातों को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाता है।

exceptive proposition — अपवादी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें कोई अपवाद बताया गया हो, जैसे 'व्यापारियों को छोड़कर सभी आजकल दु:खी' हैं।

exclamatory proposition — उद्‌गारी प्रतिज्ञप्ति

जानसन के अनुसार, प्रतिज्ञप्ति का वह आदिम रूप जिसमें एक ही शब्द का उद्‌गार के रूप में उच्चारण करके उससे एक पूरी प्रतिज्ञप्ति का काम लिया जाता है, जैसे 'कुत्ता!' (अर्थात् 'यह कुत्ता है' या 'कुत्ता आ रहा है'।)

excludent — व्यावर्त्य

डिमॉर्गन के तर्कशास्त्र में, वह विधेय जिसका किसी के लिए भी प्रयोग न किया जा सके।

exclusive egoism — व्यावर्तक स्वार्थवाद

यह मत कि जो वस्तु एक व्यक्ति के लिए शुभ है वह दूसरे व्यक्ति के लिए शुभ नहीं हो सकती और इसलिए किसी अन्य व्यक्ति के शुभ का अपने शुभ से तादात्म्य नहीं हो सकता।

exlcusive proposition — व्यावर्तक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें विधेय का प्रयोग से

में 'केवल' या '——के अलावा कोई न' आदि शब्दों का प्रयोग होता है वह प्रतिज्ञप्ति को प्रकट करता है। उदाहरण के लिए 'केवल भक्त ही मुक्ति के अधिकारी हैं' 'राम के अलावा कोई अन्दर नहीं जा सकता' इत्यादि।

exegesis शास्त्रतात्पर्य—निरूपण

किसी भी ग्रंथ के अर्थ का निर्णय करना; विशेष रूप से, किसी धर्मग्रंथ के अर्थ का निर्णय करना।

exemplarism प्रतिमानवाद

यह सिद्धांत कि ईश्वर के मन में रहने वाले प्रत्यय मूल हैं और इस परिच्छिन्न जगत की वस्तुएं उनकी प्रतिकृतियां (नकल) हैं।

exemplary cause आदर्श–कारण

वैसा कारण जैसा प्लैटो के प्रत्यय हैं, जिनके अनुकरण पर मर्त्यलोक की वस्तुओं का निर्माण हुआ है। ईश्वरीय योजना भी इस प्रकार का कारण है क्योंकि (मध्ययुगीन दर्शन के अनुसार) विश्व की सृष्टि उसी के अनुसार की गई है।

exemplification निदर्शन, दृष्टांतीकरण

किसी बात का उदाहरण या दृष्टांत देना; विशेष रूप से, भारतीय पंचावयव न्याय में तीसरा अवयव, उदाहरण।

exemplum दृष्टांत–कथा

किसी नैतिक शिक्षा को बल देने के लिए सुनाई गई कोई सच्ची या कल्पित कहानी, जैसी कि पंचतंत्र में मिलती है।

exhaustive judgment सर्वसमावेशी निर्णय

बोन्ज़केट (Bosanquet) के अनुसार, वह निर्णय जिसका विधेय उद्देश्य

के द्वारा व्यक्त वर्ग में शामिल प्रत्येक व्यष्टि पर लागू हो, जैसे 'सब मनुष्य मरणशील हैं' ।

nt — अतिरेकी

डिमॉर्गन की शब्दावली में, वह वर्ग जो एक अन्य वर्ग के अंशतः बाहर हो ।

उदाहरण : 'कुछ क ख नहीं है' में क ख की तुलना में ऐसा है ।

tence — अस्तित्व

सत्य या वास्तविक होने की अवस्था जिसमें वस्तु अन्य वस्तुओं के साथ क्रिया-प्रतिक्रिया-शील होती है ।

11638
219(

tence theory (of truth) — अस्ति-सिद्धांत (सत्यता का)

प्लैटो के 'सोफिस्ट' में सत्यता का एक वैकल्पिक सिद्धांत जिसके अनुसार सत्य विश्वास वह है जिसका विषय कोई अस्तित्व रखनेवाली वस्तु होता है और मिथ्या वह है जिसका विषय कोई अस्तित्व न रखनेवाली वस्तु होता है ।

stential analysis — अस्तित्वपरक विश्लेषण

स्विस मनश्चिकित्सक लुडविग बिन्स्वैन्जर (Ludwig Binswanger) का संप्रदाय जो हुसर्ल (Husserl) के संवृतिशास्त्र, हाइडेगर (Heidegger) के अस्तित्ववाद और फ्रॉयड (Freud) के मनोविश्लेषण का मिश्रित रूप है और इस बात पर ज़ोर देता है कि रोगी अपने पर्यावरण का क्या अर्थ ले रहा है तथा उसकी वर्तमान समस्याएं क्या हैं ।

stential generalization le) — अस्तित्वपरक सामान्यीकरण (नियम)

अनुमान का एक नियम जिसके अनुसार 'गुणधर्म ग एक वस्तु व में पाया जाता है,' इस आकार के एक कथन से 'एक ऐसी वस्तु

अस्तित्व रखती है जिसमें गुणधर्म ... जाता है', इस आकार के एक ... किया जा सकता है।

existential import — अस्तित्वपरक आशय

किसी प्रतिज्ञप्ति में इस बात ... होना कि किन्हीं वस्तुओं का अस्ति...

existential instantiation (rule) — अस्तित्वपरक दृष्टांतीकरण (नियम)

अनुमान का एक नियम जिसके ... कुछ स्थितियों में 'एक ऐसी वस्तु ... रखती है जिसमें गुणधर्म ग पाया ... इस आकार के एक कथन से 'गुणधर्म ... वस्तु य में पाया जाता है', इस ... एक कथन का अनुमान किया जा ...

existentialism — अस्तित्ववाद

कीर्केगार्द (Kierkegaard), ... (Heideggar) इत्यादि कुछ ... दार्शनिकों के नाम के साथ जुड़े ... आंदोलन का नाम, जिसका उद्देश्य ... को विचारों और वस्तुओं से हटाकर ... अस्तित्व पर केंद्रित करना है।

existential proposition — अस्तित्वपरक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो अपने उद्देश्य के ... का कथन करे अथवा, ब्रेन्टानो के ... जो अस्तित्व का विधान या निषे...

existential quantifier — अस्तित्व–परिमाणक

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र मे, प्रतीक (... (ग्र) जिसे एक "ऐसी वस्तु का अस्ति... बोला या पढ़ा जाता है।

ex opere operato — कर्मानुष्ठानत.

रोमन कैथोलिक धर्मशास्त्र में, इस ... प्रकट करने के लिए प्रयुक्त पद कि ...

संस्कार का प्रभाव उसके अनुष्ठान मात्र से हो जाता है और वह स्वतः फल देता है न कि अनुष्ठान करनेवाले या उसका लाभ प्राप्त करने वाले की गुणवत्ता के कारण ।

teric — बहिरंग

जो सामान्य जन है या अदीक्षित अथवा अविशेषज्ञ हैं उनसे संबंधित या उनके लिए उपयोगी ।

ɔericnt — अनुभविता, अनुभावक

अनुभव करनेवाला व्यक्ति ।

perientialism — अनुभववाद

अनुभव (जिसमें इंद्रियों के अतिरिक्त अतःप्रज्ञा में तथा अन्य असाधारण लगनेवाले उपायों से होनेवाले अनुभव भी शामिल हैं) को ज्ञान का स्रोत माननेवाला सिद्धांत ।

periential proposition — अनुभवमूलक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो अनुभव से ज्ञात किसी तथ्य का कथन करती है ।

perimental empiricism — प्रायोगिक इंद्रियानुभववाद

जॉन ड्यूई का ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत, जो अनुभव को ज्ञान का स्रोत मानता है और वस्तुओं के ऐंद्रिय गुणों को पारंपरिक रूप में स्थिर न मानते हुए उन प्रयोगों या संक्रियाओं का परिणाम मानता है जो हम उनके ऊपर करते हैं ।

xperimentalism — प्रयोगवाद

ड्यूई का यह मत कि संपूर्ण जीवन मनुष्य का सफलतापूर्वक परिस्थितियों से समायोजन करने के उद्देश्य से किया जानेवाला एक प्रयोग

experimental logic — प्रयोगात्मक तर्कशास्त्र

ह्यूई के अनुसार, वह शास्त्र जिसका उन प्रणालियों का अध्ययन करना है, अनुसरण करके प्रयोगात्मक विज्ञान सफलता के साथ ज्ञान की प्राप्ति करते और जिनके आधार पर भावी खोज के लिए नियामक नियम निर्धारित कि सकते हैं।

experimental method — प्रयोगात्मक प्रणाली

विज्ञानों के द्वारा अपनाई जानेवाली प्रणाली जिसमें, परिस्थितियों को पूरी नियंत्रण में रखकर वैज्ञानिक प्राक्कल्पना की सचाई की जांच करता है

experimentum crusis — निर्णायक प्रयोग

वह प्रयोग जो किसी प्राक्कल्पना को यक रूप से सत्य सिद्ध कर देता है।

explanandum — व्याख्येय

वह जिसकी व्याख्या करनी हो; का विषय।

explanans — व्याख्यापक

वह बात जो किसी व्याख्यापेक्षी चीं व्याख्या करे।

explanation — व्याख्या

जो बात (तथ्य, घटना, या नि संबंधों के स्पष्ट न होने से दुर्बोध लगती उसके (अन्य तथ्यों या नियमों से) स को प्रकट करके उसे बुद्धिगम्य बना देना

explicandum — विवार्य

वह संप्रत्यय जिसका और अधिक संप्रत्यय में विश्लेषण करना हो।

[exp]licative definition विवारक परिभाषा

वह परिभाषा जो किसी संप्रत्यय का विश्लेषण करे।

[exp]licative proposition विवारक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें विधेय उद्देश्य-पद का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

[exp]licit definition पर्यायार्थक परिभाषा

वह परिभाषा जो परिभाष्य पद का पर्याय अर्थात् तुल्यार्थक शब्द बताती है।

[ex]ponible व्याख्यापेक्षी, विवरणापेक्षी

तर्कशास्त्र में, ऐसी प्रतिज्ञप्ति के लिए प्रयुक्त विशेषण जिसके अर्थ को स्पष्ट करने के लिए व्याख्या अपेक्षित हो।

[ex]portation निर्यातन

प्रतिज्ञप्ति कलन के वैध अनुमान का वह रूप जिसमें अ ब⊃स से निष्कर्ष (अ⊃ ब⊃ स) प्राप्त होता है।

[ex]position प्रतिपादन

किसी कथन के निहितार्थ को खोलकर बताना; विशेषतः मध्ययुगीन तर्कशास्त्र में, किसी आलंकारिक कथन का तार्किक रूप में विश्लेषण करना।

[ex]pository syllogism व्यष्टिहेतुक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें दो पदों का एक एकवाचक पद द्वारा व्यक्त किसी तीसरी वस्तु से समानतः संबंधित होने के आधार पर निष्कर्ष में संबंध स्थापित किया जाता है जैसे : जान कायर है;

∵ जान एक सैनिक है;

∴ कोई सैनिक कायर होता है।

expression — व्यंजक

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, प्रतीकों से युक्त सीमित लंबाईवाला कोई भी प्रसूत्र, जैसे 'प ⊃ फ'।

expressionism — अभिव्यंजनावाद

यह सिद्धांत कि कला का उद्देश्य जगत् के विषय में कुछ बताना नहीं, कलाकार की भावनाओं, अनुभूतियों, अभिवृत्तियों (जो कि बाह्य वस्तुओं के उसके अंदर होनेवाली प्रतिक्रियाएं हैं) को अभिव्यक्त करना मात्र है।

expressive meaning — भावव्यंजक अर्थ, संवेगार्थ

किसी पद या वाक्य का वह अर्थ जो वस्तुस्थिति को नहीं बताता बल्कि वक्ता के मन की अवस्था या उसके भाव या संवेग को व्यक्त करता है।

extension — वस्त्वर्थ

तर्कशास्त्र में, वे सब वस्तुएं जो किसी पद के अंतर्गत आती हैं, अर्थात जिनपर वह पद लागू होता है या जिनका वह नाम होता है।

extensive abstraction — विस्तारी अपाकर्षण

ह्वाइटहेड (Whitehead) के द्वारा बिंदु, रेखा इत्यादि गणितीय संप्रत्ययों को इंद्रियगम्य वस्तुओं से जोड़ने के लिए अपनाई गई एक प्रणाली : जैसे, इसके द्वारा हम एक गोले के अंदर दूसरे गोले की कल्पना करते हुए उत्तरोत्तर अधिक छोटे गोले लेते जाते हैं और इस तरह बिंदु का संप्रत्यय बुद्धि के लिए बोधगम्य हो जाता है।

extensive quality — विस्तारशील गुण, योगशील गुण।

वह गुण जिसकी मात्रा को संख्या के द्वारा सही-सही बताया जा सकता हो, जैसे भार

लंबाई इत्यादि। कोहेन और नेगेल के 'तर्क-शास्त्र' में इसका 'Intensive quality' में भेद किया गया है, जिसकी न्यूनता या अधिकता तो बताई जा सकती है परंतु 'कितनी?' का सही-सही उत्तर नहीं दिया जा सकता।

oity — बाह्यता

विशेष रूप से ज्ञाता के मन से बाहर होने का गुण।

nalism — बाह्यादानवाद

शिक्षा-दर्शन में, यह सिद्धान्त कि व्यक्ति प्रारम्भ में बिल्कुल कोरा होता है और फलतः बाहर से चीजों को ग्रहण करके ही उसका विकास होता है।

nalization — बाह्यीकरण; बाह्यीभवन

विशेषतः संवेदन का, जो कि चित्त या मन का आंतरिक विकार है, बाह्य वस्तु के रूप में बदल जाना।

rnal law — बाह्य नियम

वह नियम जो व्यक्ति की अंतरात्मा का अपना नहीं होता बल्कि किसी बाह्य शक्ति के द्वारा उस पर आरोपित किया (थोपा) जाता है।

rnal sanction — बाह्य अनुशास्ति

वे बाहरी बातें जो व्यक्ति को नीतिनिष्ठ बनाती हैं अर्थात उसे नैतिकता के मार्ग पर चलाती हैं, जैसे दंड का भय, ईश्वर का भय इत्यादि।

ernal theory of re-ons — बाह्य-संबंध-सिद्धांत, संबंध-बाह्यतावाद, बहिः-संबंधवाद

नव्य-वास्तववादियों का यह मत कि संबंध संबंधित पदों से स्वतंत्र होते हैं, अर्थात वे जिन

वस्तुओं को जोड़ते हैं उनके स्वरूप
भी प्रभावित नहीं करते।

external world

बाह्य जगत्

जिनका प्रत्यक्ष होता है और
हो सकता है उन सब वस्तुओं की समष्टि

extra-logical fallacies

तर्केतर दोष

वे दोष जो तार्किक नियमों
अनेकार्थक शब्दों के प्रयोग से नहीं
अनुचित अभिगृहीतों और असंबद्ध
कारण युक्ति में उत्पन्न होते हैं, जैसे
तरसिद्धि (ignoratio elenchi) के
उल्लिखित दोष।

extraspective situation

परेक्षणात्मक स्थिति

ब्रॉड (Broad) के अनुसार, वह
स्थिति जिसमें हम अन्य मनों और
अवस्थाओं से साक्षात् संपर्क रखते
होते हैं।

extrinsic values

परतः मूल्य, आगंतुक मूल्य

वे चीजें जो कि स्वयं मूल्यवान् नहीं
बल्कि किसी शुभ उद्देश्य की प्राप्ति
मूल्य रखती हैं।

extrojection

बहिःक्षेपण

मन के द्वारा अपने अंदर
ऐंद्रिय गुणों और भावात्मक
बाह्यीकरण।

fact

तथ्य

वह जो वस्तुतः है, अस्तित्ववान् है
घटित हुआ या होता है, वस्तुस्थिति।

facticity

तथ्यिकता, तथ्यात्मकता

जर्मन अस्तित्ववादी विचारक मार्टिन
हेडेगर (Martin Heidegger) के

यह स्थिति कि आदमी स्वयं को अकेला नहीं बल्कि एक दुनिया में पाता है जो पहले से ही मौजूद है और जिसे उसने नहीं बनाया है, और जिसमें उसका होना उसकी इच्छा-अनिच्छा पर निर्भर नहीं है।

titious correlation — कृत्रिम सहसंबंध, या दृच्छिक सहसंबंध

ऐसा सहसंबंध जिसका आधार स्वाभाविक या वस्तुनिष्ठ न हो, जैसे किसी भी भाषा में पाए जाने वाले नामों और वस्तुओं का सहसंबंध।

tual content — तथ्यिक अंतर्वस्तु

कुछ आधुनिक दार्शनिकों (तार्किक इंद्रियानुभववादियों) के अनुसार, ऐसे वाक्यों की कथ्य वस्तु जो न स्वतोव्याघाती हैं और न विश्लेषी बल्कि जो इन्द्रियानुभव के द्वारा सत्यापित किए जा सकते हैं।

tual correlation — तथ्यात्मक सहसंबंध

कृत्रिम (factitious) सहसंबंध से भिन्न वह सहसंबंध जिसका आधार वास्तविक या वस्तुनिष्ठ होता है।

tually empty — तथ्यत: रिक्त

ऐसा कथन जो तथ्यिक अंतर्वस्तु से रिक्त अर्थात् जिसके सत्यापन के लिए इंद्रियानुभव की आवश्यकता न हो; तार्किक इंद्रियानुभववादियों के अनुसार स्वतोव्याघाती और विश्लेषी कथन इस प्रकार के होते हैं।

ctual meaning — तथ्यार्थ

ऐसे वाक्य का अर्थ जिसकी सत्यता किसी तथ्य पर निर्भर होती है।

actual premise — तथ्यात्मक आधारिका

रसेल के अनुसार, वह आधारिका जो अनुमान से प्राप्त नहीं है और किसी ऐसी

घटना का कथन करती है जो कि
विशेष में घटित हुई है।

fair bet — न्याय्यपण

वह शर्त जिससे संबंधित .
को होने वाले लाभ और हानि की
ताएं गणित की दृष्टि से बिल्कुल बराब

faith — आस्था

किसी ऐसी चीज में विश्वास
में पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हो,
से परे हो, जैसे ईश्वर, अमरत्व, नैतिक
इत्यादि।

Faksoko — फाकसोखो

तर्कशास्त्र में, साक्षात् आकृत्यंतरण
द्वितीय आकृति के वैध विन्यास
लिए प्रयुक्त वैकल्पिक नाम। देखिए

fallacy — तर्कदोष; दोष

तर्क में होने वाला कोई दोष, विशेष
तर्क में जो ऊपर से निर्दोष-जैसा लगता
अथवा, कोई भी दोष जो तर्क की
प्रक्रियाओं के किसी नियम के उ...
होता है, जैसे परिभाषा इत्यादि में
दोष।

fallacy extra dictionem — शब्देतर दोष

अरस्तू के वर्गीकरण के अनुसार,
जो युक्ति में भाषा या शब्दों की
से नहीं आता, जैसे अव्याप्तहेतु-दोष।

fallacy in dictione — शब्द-दोष

अरस्तू के वर्गीकरण के अनुसार, वह
जो युक्ति में भाषा या शब्दों की अनेकार्थ
के कारण उत्पन्न होता है, जैसे पदार्थ
दोष (fallacy of accent) या द्व्यर्थक
दोष (fallacy of ambiuous middle)

cy of absolute ity — निरपेक्ष-पूर्ववर्तिता-दोष

यह मिथ्या धारणा कि प्रत्येक घटना-क्रम में पूर्ववर्ती-परवर्ती का संबंध निरपेक्ष है, अर्थात् जो पूर्ववर्ती है वह परवर्ती नहीं हो सकता, जैसे यदि अज्ञान गरीबी का पूर्ववर्ती है तो गरीबी अज्ञान का पूर्ववर्ती नही हो सकती।

y of accent — पदाघात-दोष

वाक्य में गलत शब्दो के ऊपर बल देने से उत्पन्न होनेवाला दोष, जैसे "तुम अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही नही दोगे," इस वाक्य में "पड़ोसी" के ऊपर जोर देने से यह अर्थ निकलता है कि जो पड़ोसी नहीं है उसके विरुद्ध झूठी गवाही दी जा सकती है, जोकि मूल वाक्य की दोषपूर्ण व्याख्या होगी।

y of accident — उपाधि-दोष

यह दोष तब होता है जब किसी सामान्य रूप से सत्य कथन को किन्हीं आकस्मिक या विशिष्ट परिस्थितियों में भी सत्य मान लिया जाता है। उदाहरण :

पानी तरल होता है;

बर्फ पानी है;

इसलिए, बर्फ तरल है।

["converse fallacy of accident" से भेद करने के लिए इसे "direct fallacy a accident" भी कहते हैं।]

y of affirming onsequent — फलवाक्य-विधान-दोष

पक्ष-आधारिका में फलवाक्य का विधान करके निष्कर्ष में हेतुवाक्य का विधान करने का दोष, जैसे "यदि अ है तो ब है; ब है; अतः अ है, 'या' यदि कोई राजस्थानी है तो वह भारतीय है; अप्पास्वामी भारतीय है; इसीलिए वह राजस्थानी है"।

fallacy of ambiguous major — द्व्यर्थक-साध्य-दोष

साध्य-पद की द्व्यर्थकता से युक्ति म
होने वाला दोष। उदाहरण:

कन्नौज में रहने वाले कनौजिया
रामसिंह क्षत्री कन्नौज का रहने
अतः रामसिंह क्षत्री कनौजिया (
है।

fallacy of ambiguous middle — द्व्यर्थक-हेतु-दोष

हेतु-पद की द्व्यर्थकता से युक्ति म
होनेवाला दोष। उदाहरण:

सब द्विज जनेऊ पहनते हैं;
सब पक्षी द्विज है;
अतः सब पक्षी जनेऊ पहनते हैं।

fallacy of ambiguous minor — द्व्यर्थक-पक्ष-दोष

पक्ष-पद की द्व्यर्थकता से युक्ति म
होनेवाला दोष। उदाहरण:

सब जलाशय मछलियो के
चश्मा जलाशय है;
अतः चश्मा (पहनने का) मछलि
निवास है।

fallacy of amphiboly (or amphilology) — वाक्यछल

वह दोष जो किसी शब्द की
से नही बल्कि वाक्य की भ्रामक
कारण उसमें अनेकार्थकता आने से पै
है, जैसे "मैं स्वयं को साथियो से भिन्न
के लिए ऐसे कपड़े नही पहनूगा।"

fallacy of begging the question — आत्माश्रय-दोष,

देखिए fallacy of petitio pr

fallacy of category mixing — कोटि-संकरण-दोष

एक दोष जो किसी युक्ति में तब
होता है जब उसमें एक कोटि के

जानकर या अनजाने एक भिन्न कोटि के शब्द की तरह इस्तेमाल किया गया होता है, अर्थात् जब उसमें एक शब्द कोटि-परिवर्तन के कारण अर्थहीन हो जाता है। उदाहरण : मैं काल की गति को नहीं रोक सकता; अतः मैं बलवान् नहीं हूं। (यहां काल को मोटर-जैसी गतिमान् चीज के रूप में लिया गया है जो कि एक भिन्न कोटि की वस्तु है।)

ıcy of circular argu- ent — चक्रक-युक्ति दोष

आत्माश्रय-दोष का एक जटिल रूप जिसमें एक प्रतिज्ञप्ति एक अन्य प्रतिज्ञप्ति के द्वारा सिद्ध की जाती है और फिर इस अन्य प्रतिज्ञप्ति को सिद्ध करने के लिए पिछली प्रतिज्ञप्ति को आधार बनाया जाता है। उदाहरण. "ईश्वर है क्योंकि धर्मग्रंथ ऐसा कहते हैं"। "पर धर्मग्रथों की बात क्यों मानी जाए?" "इसलिए कि वे ईश्वर के वचन हैं।"

acy of co-effects — सह-कार्य-दोष

एक ही कारण के कार्यों में से एक को अन्य का कारण मान लेने का दोष, जैसे, ज्वार को भाटे का कारण मान लेना, जबकि दोनों एक ही कारण, चंद्रमा का आकर्षण, के कार्य हैं।

acy of co-existence — सह-अस्तित्व-दोष

साथ-साथ अस्तित्व रखनेवाली बातों में कारण-कार्य का संबंध मान लेने का दोष, क्योंकि यह संबंध होता अनुक्रमिक घटनाओं में है। उदाहरण : तावीज पहनने को दुर्घटना से बच जाने का कारण मान लेना, जबकि दोनों में सह-अस्तित्व मात्र का संबंध है।

fallacy of complex question

प्रश्नछल

यह दोष तब होता है जब प्रति ऐसा प्रश्न किया जाता है जिसमें कोई मान्यता छिपी रहती है। देखिए fallacy of many questions तथा fallacy of question (ये सब एक दोष के नामान्तर

fallacy of composition

संग्रह-दोष, संहति-दोष

किसी पद को व्यष्टिक अर्थ में के बाद उसका समष्टिक अर्थ में प्रयोग से उत्पन्न दोष । उदाहरण : प्रत्येक का सुख उसके लिए शुभ है, इसलिए सुख सारे समाज के लिए शुभ है। collective use तथा distributive use

fallacy of confusing cause with effect

कार्य-कारण-विपर्यय-दोष

कार्य-कारण के रूप में संबंधित घटनाओं में से यह न समझ पाना कि कारण है और कौन कार्य है, जैसे, यह न पाना कि भारी वर्षा और तूफान में से कारण है और कौन कार्य ।

fallacy of consequent

फलवाक्य दोष

हेतु और फल को परस्पर विनिमेय लेने से उत्पन्न होनेवाला तर्कदोष । यदि धर्म सचमुच आत्मोन्नति का साधन तो उसका कभी नाश नहीं होता; धर्म का जो कि अनादिकाल से चला आ है, नाश नहीं हुआ है ; अतः हिंदू धर्म मुच आत्मोन्नति का साधन है।

fallacy of context mixing

संदर्भ संकरण-दोष

एक प्रकार का दोष जो किसी युक्ति तब पैदा होता है जब उनमें एक भिन्न में ही सार्थकता रखनेवाले शब्द का होता है। उदाहरण : भेड़िए अभिमान

करते, झूठ नहीं बोलते; इसलिए वे मनुष्य से अधिक नीतिपरायण हैं। (यहां भेड़िए के संदर्भ में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है जो मनुष्य की चर्चा में ही सार्थकता रखते हैं।)

icy of denying the ntecedent — हेतुवाक्य-निषेध-दोष

पक्ष-आधारिका में हेतुवाक्य का निषेध करके निष्कर्ष में फलवाक्य का निषेध करने का दोष; जैसे "यदि अ है तो ब है; अ नहीं है; अतः ब नहीं है", या "यदि युद्ध होता है तो विनाश होता है; युद्ध नहीं हो रहा है; अतः विनाश नहीं हो रहा है।"

acy of division — विग्रह-दोष, विभक्ति दोष

किसी पद को पहले समष्टिक अर्थ में ग्रहण करके बाद में व्यष्टिक अर्थ में इस्तेमाल करने से उत्पन्न तर्कदोष। उदाहरण: "इस कमरे के सब आदमियों का वजन बीस मन है; हरि इस कमरे में मौजूद एक आदमी है; अतः हरि का वजन बीस मन है।"

acy of double question — प्रश्नछल

यह दोष तब होता है जब प्रश्न ऊपर से एक लगता है पर होते असल में दो प्रश्न हैं, जिससे उसका "हां" या "नहीं" में सीधा-सा उत्तर नहीं दिया जा सकता। उदाहरण: "क्या आपने पीना छोड़ दिया है?"

acy of doubling the et — पण-द्विगुणन-दोष

यह मानने की गलती करना कि चित-पट जैसे खेल में, जिसमें विकल्प समान रूप से प्रसंभाव्य होते हैं, यदि कोई एक ही बात पर शर्त लगाता जाए और हारने पर शर्त को दुगना करता जाए तो अंत में वह अवश्य जीतेगा।

fallacy of equivocation — अनेकार्थता-दोष

युक्ति में किसी अनेकार्थक शब्द से उत्पन्न होने वाला दोष, जैसे "... है; रक्त लाल होता है; अतः ... है।"

fallacy of exclusive linearity — व्यावर्तक-रेखा-दोष

अनुचित रूप से यह मान बैठना कि ... इस प्रकार संबंधित हैं कि उनसे ... एक रेखावत् क्रम बन जाता है।

fallacy of exclusive particularity — व्यावर्तक-विशेषता दोष

यह मान लेने का दोष कि यदि ... एक संदर्भ में एक संबंध रखती है तो ... या किसी अन्य संदर्भ में कोई अन्य ... रख सकती। उदाहरण : एक ... एक प्रसंग में ईमानदार पाकर य... करना कि वह किसी अन्य प्रसंग ... हो ही नहीं सकता।

fallacy of existential assumption — अस्तित्वाभिग्रह-दोष

यदि स्पष्ट रूप से यह न बताया ... कि एक चीज का अस्तित्व है तो उस... को नहीं मान लेना चाहिए : इस ... विपरीत अस्तित्व मान लेने का दोष

fallacy of false cause — मिथ्या-कारण-दोष

जो कारण नहीं है उसे कारण ... का दोष।

fallacy of false conclusion — मिथ्या-निष्कर्ष-दोष

वह दोष जिसमें युक्ति का निष्क... होता है।

fallacy of false disjunction — मिथ्या-वियोजन-दोष

देखिए fallacy of false opp...

cy of false opposi- n
मिथ्या-विरोध-दोष

यह मानने का दोष कि सब विकल्प परस्पर व्यावर्तक होते हैं, जैसे यह मान लेना कि यदि चीज़ें स्थिर हैं तो उनमें परिवर्तन बिल्कुल नहीं हो सकता।

cy of figures of speech
रूपार्थसाम्य-दोष

यह दोष तब होता है जब एक ही व्याकरणिक रूप रखनेवाले अथवा एक ही मूल से व्युत्पन्न शब्दों का एक ही अर्थ समझ लिया जाता है। उदाहरण : चित्रकार वह है जो चित्र बनाता है; इसलिए चर्मकार वह है जो चमड़ा बनाता है।

cy of four terms
चतुष्पद-दोष

निरुपाधिक-न्यायवाक्य से संबंधित इस नियम के उल्लंघन से उत्पन्न दोष कि उसमें केवल तीन पद होने चाहिए। यह दोष प्रायः तब होता है जब हेतु पद द्व्यर्थक होता है, जिसमें देखने में तीन ही पद होते हैं पर हेतु पद के दो अर्थों के कारण वास्तव में चार पद बनते हैं।

देखिए fallacy of ambiguous middle ।

ıcy of hysteron pro- ron
पूर्वापरक्रम-दोष

प्राकृतिक या तार्किक क्रम के उलट दिए जाने से यह दोष उत्पन्न होता है। उदाहरण : मुगल काल में अकबर और बाबर ने विशेष प्रसिद्धि प्राप्त की।

ıcy of ignoratio elenchi
प्रतिज्ञातर-सिद्धि-दोष, अर्थांतर-सिद्धि-दोष

यह दोष तब होता है जब युक्ति असंबद्ध होती है, अर्थात् जब सिद्ध कुछ करना होता है और सिद्ध किया जाता है कुछ और।

fallacy of illicit importance — अवैध-महत्त्व-दोष

यह मान बैठने का दोष कि चूंकि ए
आधार स्वतः सिद्ध है इसलिए वह
है।

fallacy of illicit major — अव्याप्त-साध्य-दोष

यह दोष तब होता है जब साध्य-पद
में व्याप्त होता है, पर साध्य-आधार
व्याप्त नहीं होता, जैसे "सब पक्षी
होते हैं; कोई चमगादड़ पक्षी नहीं है;
कोई चमगादड़ पंखवाला नहीं होता।

fallacy of illicit minor — अव्याप्त-पक्ष-दोष

यह दोष तब होता है जब पक्ष-पद
में व्याप्त होता है, पर पक्ष-आधारि
व्याप्त नहीं होता, जैसे "कोई आदमी
पैरोंवाला नहीं है; सब आदमी प्राणी
अतः कोई प्राणी चार पैरोंवाला नहीं है।

fallacy of initial predication — आदि-विधेयन-दोष

किसी वस्तु की किसी सुपरिचित
को अथवा जो विशेषता उसमें अन्यों से
दिखाई दे उसे उसकी परिभाषा या
प्रकृति मान लेने का दोष।

fallacy of insufficient evidence — अपर्याप्त-प्रमाण-दोष

तथ्यों के किसी निष्कर्ष पर पहुंचाने
लिए तार्किक दृष्टि से अपर्याप्त होने के
जूद उनसे निष्कर्ष निकाल बैठने का दोष

fallacy of irrelevance — अर्थांतर-दोष, अप्रासंगिकता-दोष

आवश्यक बात को सिद्ध या असिद्ध क
के बजाय किसी असंबद्ध बात को सिद्ध
असिद्ध करना।

acy of irrelevant clusion	प्रतिज्ञांतर-सिद्धि-दोष, अर्थांतर-सिद्धि-दोष यह दोष तब होता है जब सिद्ध कुछ करना होता है और प्राप्त होता है उससे बिल्कुल ही असंबद्ध निष्कर्ष। देखिए fallacy of ignoratio elenchi।
cy of many questions	प्रश्नछल प्रतिवादी से एक ऐसा प्रश्न पूछना जिसमें एक से अधिक प्रश्न छिपे हों, जिनका अलग-अलग उत्तर मांगना ही उचित होता है, अथवा जिसमें कोई ऐसा कथन छिपा होता है जिसकी स्वीकृति प्रतिवादी के पक्ष के लिए घातक होती है पर जिसका उत्तर वह उसे स्वीकार किए बिना नहीं दे सकता।
cy of misplaced con- eteness	भ्रांत-मूर्तता-दोष जो अमूर्त या अपाकृष्ट है उसे मूर्त मान लेने के दोष के लिए ह्वाइटहेड द्वारा प्रयुक्त पद। तदनुसार साधारण जनों के दिक् और काल के संप्रत्यय में यह दोष है।
icy of negative pre- nises	निषेधात्मक-उभय-आधारिका-दोष न्यायवाक्य से संबंधित इस नियम के उल्लंघन से उत्पन्न होनेवाला दोष कि आधारिकाओं में से कम-से-कम एक विध्यात्मक हो।
acy of non causa pro ausa	अकारण-कारण-दोष किसी प्रतिज्ञप्ति को इसलिए अस्वीकार कर देना कि उससे एक असत्य प्रतिज्ञप्ति निष्कर्ष के रूप में प्राप्त होती है जबकि वास्तव में वह उससे निगमित होती ही नहीं।
acy of non sequitur	नानुमिति-दोष वह दोषपूर्ण युक्ति जिसमें निष्कर्ष आधारिकाओं से बिल्कुल असंबद्ध होने के कारण निकलता ही नहीं।

fallacy of petitio principii आत्मा श्रय-दोष

वह दोष पूर्ण युक्ति जिसमें आधारिकाओं में पहले से ही सिद्ध मा जाता है।

fallacy of quoting out of context असदर्भोद्धरण-दोष

किसी उक्ति को उसके मूल संदर्भ से उद्धृत करने से उत्पन्न दोष। उदा यदि किसी फिल्म-समीक्षक ने कहा हो फिल्म खराब अभिनय और खराब फोटो के अलावा निर्दोष है, और कोई वितर देखने-योग्य बताने के लिए यह कि अमुक फिल्म समीक्षक ने उसे कहा है, तो यह दोष होगा।

fallacy of reduction न्यूनीकरण-दोष, अपचयन-दोष

चीजों का उनके घटकों में विश्लेषण की सामान्य वैज्ञानिक प्रणाली के फल इस गलत धारणा का बन जाना कि चीज घटकों के अलावा कुछ है ही नहीं, जैसे कि पानी आक्सीजन और हाइड्रोजन अलावा कुछ है ही नहीं।

fallacy of secundum quid विशेष-सामान्य भ्रम-दोष

वह दोष पूर्ण युक्ति जिसमें किसी ज्ञप्ति को जो कि विशेष [illegible] ही सत्य होती है, सामान्य रूप से सत्य लिया जाता है।

fallacy of selected instances दृष्टांत-चयन-दोष

थोड़े-से चुने हुए दृष्टातों के आधार कोई सामान्यीकरण कर लेने का दोष, "बंगाली वाचाल होते है"।

fallacy of simplism आभासी-सरलता-दोष

दो प्राक्कल्पनाओं में से जो सरल हो सत्य मान लेने का दोष।

acy of undistributed iddle — अव्याप्त-हेतु-दोष, साधारण अनैकांतिक

अनुमान के इस नियम के उल्लंघन से उत्पन्न दोष कि हेतु-पद को कम से कम एक बार अवश्य व्याप्त होना चाहिए। यदि हेतु-पद दोनों आधारिकाओं में अव्याप्त हो तो निष्कर्ष नहीं निकलेगा।

acy of unproved hypothesis — असिद्ध-प्राक्कल्पना-दोष

किसी बात की व्याख्या के लिए प्रस्तावित प्राक्कल्पना के सिद्ध न होने से उत्पन्न दोष।

lacy of use mixing — प्रयोग-संकरण-दोष

भाषा के एक प्रकार के प्रयोग (जैसे संवेगार्थक या आज्ञार्थक प्रयोग) को दूसरे प्रकार (जैसे, सज्ञानार्थक प्रयोग) का मान लेने से पैदा होनेवाल दोष। उदाहरण : "ईसा ने अपने शत्रुओं को प्यार करने का आदेश दिया ; लेकिन इसके सत्य होने का कोई प्रमाण नहीं है और इसलिए यह मिथ्या है; अतः जो मिथ्या है उसका अनुसरण मैं नहीं कर सकता।"

lse analogy — मिथ्या साम्यानुमान

वह साम्यानुमान जो दो वस्तुओं के मुख्य गुणों के बजाय उनके गौण गुणों की समानता पर आधारित हो या उपमा और रूपक के प्रयोग पर आश्रित हो।

lsifiability — मिथ्यापनीयता

उस वाक्य या कथन की विशेषता जिसका (विशेषतः प्रेक्षण द्वारा) मिथ्या सिद्ध किया जाना संभव हो : अर्थ की सत्यापनीयता (verifiability) की कसौटी की त्रुटियों को ध्यान में रखते हुए कार्ल पॉपर (Karl Popper) द्वारा कसौटी के रूप में प्रस्तावित।

family of sense data	इंद्रियदत्त-परिवार
	समसामयिक अंग्रेजी दार्शनिक एच प्राइस के अनुसार, किसी भौतिक व संबंधित इंद्रियदत्तों का समुच्चय, जिस भौतिक वस्तुओं के इंद्रियदत्त-स से भेद किया जा सकता है।
fana	फना
	मुसलमान सूफियों की मान्यता के : समाधि की अवस्था जिसमें साधक एकाकार हो जाता है और अपने अस्ति बिल्कुल भूल जाता है।
fatalism	नियतिवाद, भाग्यवाद, दैववाद
	यह मत कि मनुष्य जो कुछ भी होता करता है वह पहले से ही ईश्वर के द्वारा होता है।
facundity of pleasure	सुख की उर्वरकता, सुख की फलप्रदता
	सुखवादी नीतिशास्त्री बेन्थम के : सुख की अन्य सुखों को जन्म देने की जिसे विभिन्न सुखों की तुलना करते ध्यान में रखना चाहिए ; अन्य सुखों जन्म देनेवाला सुख श्रेष्ठ होता है।
Felapton	फेलाप्टोन
	तृतीय आकृति का वह प्रामाणिक जिसकी साध्य आधारिका सर्वव्यापी नि पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है :
	कोई भी मनुष्य पूर्ण नहीं है ;
	सब मनुष्य विवेकशील हैं ;
	∴ कुछ विवेकशील प्राणी पूर्ण नहीं हैं।

फेरीयो

प्रथम आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका अंशव्यापी विधायक, तथा निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

कोई बंगाली यूरोपीय नहीं है ;
कुछ दार्शनिक बंगाली हैं ;
कुछ दार्शनिक यूरोपीय नहीं है।

फेरीसोन

तृतीय आकृति का वह प्रामाणिक न्याय-वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका अंशव्यापी विधायक और निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

कोई भी मनुष्य बंदर नहीं है ;
कुछ मनुष्य नीग्रो हैं ;
∴कुछ नीग्रो बंदर नहीं हैं।

फेसापो

चतुर्थ आकृति का वह प्रामाणिक न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका सर्वव्यापी विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण:

कोई भी बंदर मनुष्य नहीं है ;
सब मनुष्य द्विपद हैं ;
∴कुछ द्विपद बंदर नहीं हैं।

फेस्टीनो

द्वितीय आकृति का वह प्रामाणिक न्याय-वाक्य जिसकी साध्य-आधारिका सर्वव्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका अंशव्यापी विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी निषेधक होता है। उदाहरण :

कोई भी मनुष्य बंदर नहीं है;

कुछ प्राणी बंदर हैं ;
∴कुछ प्राणी मनुष्य नहीं है।

fiat एवमस्तु

"ऐसा हो जाय"; का लैटिन जिसके (ईश्वर या किसी दैवी-शक्ति पुरुष द्वारा) उच्चारण मात्र से इष्ट सृष्टि हो जाने की बात मानी जाती है।

fiction कल्पितार्थ, कल्पना

मन के द्वारा रची हुई कोई चीज अनुरूप वास्तविक जगत में कुछ भी कोई तार्किक रचना या काल्पनिक मिथ्या होने के बावजूद व्यवहार में हो।

fictionalism (fictionism) कल्पनावाद

विशेषतः जर्मन दार्शनिक हान्स (Hans Vaihinger) द्वारा यह मत कि विज्ञान, गणित, दर्शन और के मूल संप्रत्यय शुद्ध कल्पनाएं हैं, पर भी व्यवहार में उनकी उपयोगिता है।

fiction of mean values मध्यमान-कल्पितार्थ

औसत का संप्रत्यय जो कि वास्तवि होते हुए भी गणना करने में उपयोगी है, जैसे, "औसत आयु", यदि चार क्रमशः 12, 14, 18 और 10 वर्ष तो उनकी औसत आयु 13-1/2 वर्ष है जबकि उनमें से कोई भी वस्तुतः इस का नहीं है।

fideism आस्थावाद

यह सिद्धांत कि संपूर्ण ज्ञान का आस्था है।
देखिए faith।

[...]ative definition — आलंकारिक परिभाषा

वह दोषयुक्त परिभाषा जिसमें परिभाष्य पद की जाति और अवच्छेदक गुण बताने के बजाय उपमा और रूपक का प्रयोग किया गया हो, जैसे "ऊँट रेगिस्तान का जहाज है ।"

[...] — आकृति

तर्कशास्त्र में, न्यायवाक्य का तीन पदों (साध्य, हेतु और पक्ष) की सापेक्ष स्थिति से निर्धारित रूप ये चार होते हैं : प्रथम आकृति में हेतु-पद साध्य-आधारिका में उद्देश्य और पक्ष आधारिका में विधेय होता है; द्वितीय आकृति में वह दोनों में विधेय होता है ; तृतीय में वह दोनों में उद्देश्य होता है ; और चतुर्थ में वह साध्य-आधारिका में विधेय और पक्ष-आधारिका में उद्देश्य होता है ।

[...]ed syllogism — साकृति न्यायवाक्य

एक निश्चित आकृति में व्यक्त न्यायवाक्य ।

उदाहरण .

सब मनुष्य मरणशील हैं ,
राम एक मनुष्य है ;
∴ राम मरणशील है ।

(प्रथम आकृति में व्यक्त एक न्यायवाक्य)

[...] cause — प्रयोजन-कारण

अरस्तु के द्वारा स्वीकृत चार प्रकार के कारणों में से अंतिम, जो कि किसी चीज़ की उत्पत्ति के पीछे उत्पादन-कर्ता का प्रयोजन या उद्देश्य होता है ।

[...]lism — प्रयोजनवाद

यह सिद्धांत कि भौतिक जगत् की उत्पत्ति और उसकी घटनाओं के मूल में कोई प्रयोजन होता है, तथा कुछ भी आकस्मिक या निष्प्रयोजन नहीं है ।

finality

1. अंतिमता ; परिसमाप्ति

अंतिम, समाप्त या परिनि[illegible] की अवस्था ।

2. सप्रयोजनता

किसी घटना या कर्म के किसी [illegible] पूर्ति के लिए होने की विशेषता ।

final judgment

कल्पांत-न्याय, कल्पांत-निर्णय

ईसाइयों में प्रचलित एक [illegible] अनुसार, सृष्टि के अंत में सभी [illegible] मृतक मनुष्यों के कर्मों पर ईश्[illegible] दिया जानेवाला निर्णय ।

final perseverance

कृपाजनित अंतिम स्थायित्व

जॉन कैल्विन के [illegible] के अनुसार, ईसा में आस्था [illegible] नवजीवन-प्राप्त पापात्माओं को [illegible] कृपा से मिलने वाला अमरत्व ।

finite mode

परिमित पर्याय

स्पिनोज़ा ने परम तत्त्व को "द्रव्य" और विश्व की समस्त वस्तुओं और [illegible] को उसके अनंत गुणों, विचार और [illegible] सीमित विकार माना है । ये सीमि[illegible] ही "परिमित पर्याय" हैं ।

finitism

1. परिमितत्ववाद,
परिच्छिन्नत्ववाद

यह मत कि [illegible] ईश्वर [illegible] नैतिक दृष्टि से पूर्ण [illegible] सकता है [illegible] शक्ति [illegible] परिच्छिन्न[illegible] सीमित हो जाती है [illegible] कोई हाथ नहीं होता ।

2. [illegible]

यह मत कि [illegible]

परिमित होती है और इसलिए जिनका सत्यापन किया जा सकता है।

st cause argument — आदि-कारण युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दी गई एक युक्ति जो विश्व को कारण-कार्य के रूप में जुड़ी हुई घटनाओं की एक शृंखला मानकर एक आदि-कारण के अस्तित्व को आवश्यक मानती है और उसी को ईश्वर कहती है।

rst Heaven — आद्यद्यौ

अरस्तू के ब्रह्मांडमीमांसीय सिद्धांत के अनुसार, सबसे बाहर का गोला जिसमें स्थिर या अचल तारे रहते हैं।

st-person statement — उत्तमपुरुष-कथन

किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं अपने विषय में किया गया कथन, जैसे : "मेरे पेट में दर्द हो रहा है"।

st philosophy — आद्य दर्शन

अरस्तू के अनुसार, (1) आदि कारणों तथा सत्ता के तात्विक गुणों का विवेचन करने वाला शास्त्र, तथा (2) विशेषत: ईश्वर मीमांसा।

st principles — आदि तत्त्व

वे कथन और विश्वास जो मौलिक या आधारभूत, निर्विवाद और स्वत: प्रमाणित हैं तथा जिन के ऊपर प्रत्येक दार्शनिक तंत्र का निर्माण होना चाहिए।

rst science — आदि विज्ञान

अरस्तू के अनुसार, विशुद्ध सत् का अध्ययन करने वाला शास्त्र, अर्थात् सत्ता-मीमांसा।

"fluid" thinking — "तरल" चिंतन

सी० डी० ब्रॉड के अनुसार, ...
वह रूप जिसमें प्रतीकों का ...

fore-knowledge — प्राग्ज्ञान

भावी घटनाओं का पहले से ज्ञान, ...
ये दो रूप होते हैं :

(1) भविष्य का अपरोक्ष, ...
ज्ञान, तथा (2) स्मृति इत्यादि ...
अनुमान की सहायता से ...

fore-ordination — पूर्वनियतता

(एक मान्यता के अनुसार) व्यक्ति ...
जीवन की घटनाओं का और उसके ...
का ईश्वर के द्वारा पहले ...

forgetful induction — अनवहित आगमन

वह अप्रामाणिक आगमनिक तर्क ...
कुछ महत्वपूर्ण उपलब्ध सामग्री को ...
दिया गया हो ।

form — आकार

कान्ट के दर्शन में, वह प्रागनुभविक तत्व ...
इंद्रियों से प्राप्त सामग्री को एकता और ...
प्रदान करके सार्थक प्रत्यक्षों और निर्णयों ...
बदलता है ।

अरस्तू के दर्शन में, वस्तु का वह ...
उसके प्रकार को निर्धारित करता है । ...
के दर्शन में, शाश्वत प्रत्यय ।

formal axiomatic method — आकारिक स्वयसिद्धि-प्रणाली

शुद्ध गणित में प्रयुक्त एक प्रणाली जि...
तथ्यों के ज्ञान की बिल्कुल उपेक्षा करके ...
यादृच्छिक आद्य प्रत्ययों और प्रतिज्ञप्तियों ...
आधार पर आकारिक परिणाम नि... ...
हुए एक अमूर्त सिद्धांत की रचना की जा...
है ।

rmal cause — आकारिक कारण

अरस्तू के द्वारा माने हुए चार प्रकार के कारणों में से एक, जो वस्तु की उत्पति या सृष्टि की क्रिया में उसके स्वरूप का निर्धारक होता है, जैसे मूर्ति के निर्माण में कलाकार के मन में वर्तमान आकृति जिसके अनुसार वह पत्थर को तराशता है ।

rmal ethics — आकारपरक नीति

इमानुएल कान्ट का नैतिक सिद्धांत जो कि कर्तव्य के आकार अर्थात् मूल में रहने वाले शाश्वत नियम ("उस सिद्धांत के अनुसार काम करो जिसे आप एक सार्वभौम सिद्धांत बनाने के लिए तैयार हो") मात्र को निर्धारित करता है, परन्तु यह नहीं बताता कि कर्तव्य की वस्तु क्या है, अर्थात् विभिन्न परिस्थितियों में वे कार्य क्या है, जिन्हें हमें करना है ।

rmal fallacies — आकारिक तर्कदोष

निगमनात्मक तर्क के वे दोष जो केवल तार्किक (आकार गत) नियमों के उल्लंघन से पैदा होते हैं ।

rmal goodness — आकारिक शुभत्व

उस कर्म की विशेषता जो अच्छे अभिप्राय से किया जाता है, भले ही उसके परिणाम अच्छे न हों ।

rmal grounds — आकारिक आधार

आगमन अर्थात् कुछ विशेष दृष्टांतों के प्रेक्षण से प्राप्त सामान्यीकरण के मूल में यह मान्यता होती है कि प्रकृति समान परिस्थितियों में समान व्यवहार करेगी (प्रकृति की एकरूपता) तथा प्रत्येक घटना का कोई कारण होता है (कारण-नियम) । यही दो

यातें आगमन के "आकारिक आधार" ... हैं, क्योंकि ये किसी भी आगमन की ... सत्यता के आधार हैं।

formal idealism

आकारिक प्रत्ययवाद

कान्ट का दार्शनिक सिद्धांत जिसमें ... और काल को "संवेदन-शक्ति के ... अर्थात् वे साँचे जिनमें से होकर ... की विषयवस्तु बुद्धि के सामने पहुँचती ... कहा गया है और इस प्रकार ... विषयिगत यानी ज्ञाता के अंदर ... रखनेवाले माना गया है।

formal intention

आकारिक अभिप्राय

मैकेन्ज़ी के अनुसार, वह ... आदर्श जिससे प्रेरित होकर कोई ... एक काम करने को उद्यत होता है। दो ... एक सरकार को उखाड़ने का प्रयत्न करते ... हैं, पर शायद इसलिए कि एक उसे ... ही रूढ़िवादी समझता है और दूसरा ... ही प्रगतिशील। यह "आकारिक अभि... का अंतर है।

formalism

आकारवाद

नीतिशास्त्र में कभी-कभी अतः ... के लिए प्रयुक्त। कान्टीय अर्थ के लिए दे ... ethical formalism। कला में, ... अधिक और वस्तु पर कम बल देने ... प्रवृत्ति।

formalizability

आकार निर्धार्यता

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, सूत्रों (... अचरों और चरों से युक्त व्यंजकों) के ... में प्रस्तुत किए जाने या रखे जा सकने ... क्षमता।

...al logic

आकारपरक तर्कशास्त्र

तर्कशास्त्र का वह प्रकार जो तर्क के आकार तक ही स्वय को सीमित रखता है, उसकी विषय वस्तु से कोई संबंध नही रखता।

...al truth

आकारिक सत्यता

प्रतिज्ञप्तियो या विचारो का वह गुण जो उनके स्वसंगत होने से, उनमें स्वतोव्याघात का अभाव होने से, अथवा उनके विशुद्ध तार्किक नियमो का अनुसरण करने से आता है।

...n criticism

मूलानुसधान-आलोचना

बाइबिल-आलोचना की एक प्रणाली जिसका प्रयोजन बाइबिल के अंशो का साहित्यिक प्ररूपो के अनुसार वर्गीकरण (जैसे प्रेम-काव्य, नीतिकथा, आख्यान इत्यादि में) है तथा जो प्रत्येक प्ररूप के मूल रूप को निर्धारित करने के लिए मौखिक परम्परा के आदिकाल मे पहुचने का प्रयास करती है।

...itude

धीरता

प्लैटो सम्मत चार मुख्य सद्गुणो में से एक: साहस का वह रूप जो व्यक्ति को विचलित हुए बिना कष्टो का सामना करने की शक्ति देता है तथा संकट की अवस्था में भी उसका मानसिक संतुलन बनाए रखता है।

...-valued logic

चतुर्मूल्यक तर्कशास्त्र

वह तार्किक पद्धति जिसमें प्रत्येक सूत्र के दो पारंपरिक सत्यता मूल्यों के स्थान पर चार सत्यता-मूल्य सभव माने गए हैं।

...dom of will

संकल्प-स्वातंत्र्य

कई विकल्पों में से कोई एक विकल्प

जो कि नैतिक दायित्व की आधारभूत है।

freeman's worship — मुक्त मानव की उपासना

रसेल के अनुसार, वह स्थिति जब निजी सुख या संसार की क्षणिक वस्तु कामना से मुक्त होकर शाश्वत वस्तु अनन्य भाव से चिंता करता है।

free thinker — मुक्त चिंतक

श्रुति, इलहाम, पैगबर इत्यादि अंधानुसरण न करनेवाला, आप्तप्रमाण न मानने वाला तथा सूक्ष्म (विशेष और नीति की) बातों को तर्कगम्य व्यक्ति ।

free thought — स्वतंत्र विचार, मुक्त विचार

रसेल के अनुसार, वह विचार जो या आर्थिक लाभ-हानि के दायरे से प्रमाण मात्र के बल पर आश्रित होता है

fresison — फ्रेसीसोन

चतुर्थ आकृति का वह न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका व्यापी निषेधक, पक्ष-आधारिका विधायक तथा निष्कर्ष अंशव्यापी होता है। उदाहरण: कोई भी मनुष्य नही है; कुछ पूर्ण प्राणी विवेकशील ∴ कुछ विवेकशील प्राणी मनुष्य नहीं

fruition — कर्मविपाक

विशेषत: भारतीय कर्मवाद के अच्छे-बुरे कर्मों के नैतिक परिणामों का होना ।

full contrapositive — पूर्ण प्रतिपरिवर्तित

एक प्रकार के अव्यवहित अनुमान, परिवर्तन, के निष्कर्ष के रूप में प्राप्त

प्रतिज्ञप्ति जिसका उद्देश्य मूल विधेय का व्याघाती तथा विधेय मूल उद्देश्य का व्याघाती होता है, जैसे, "कोई मनुष्य गधा नहीं है" से प्राप्त यह प्रतिज्ञप्ति कि "कुछ जो गधे नहीं है, मनुष्य नहीं है ।"

:tional realism — अन्योन्याश्रयी वास्तववाद

यह मत कि विश्व की द्रव्य, गुण, द्रष्टा, दृश्य इत्यादि सभी वस्तुएं एक-दूसरी पर आश्रित हैं, अर्थात् प्रत्येक चीज शेष सब चीजो के द्वारा निर्धारित है ।

damentalism — मूलप्रमाणवाद, मूलतत्ववाद

मुख्यत प्रोटेस्टेंट सप्रदाय मे इस अर्थ में प्रचलित शब्द कि मूल धार्मिक सिद्धात उनकी आधुनिक व्याख्याओ की अपेक्षा अधिक प्रामाणिक है । मूल धार्मिक ग्रंथों के अक्षरशः अनुसरण के अर्थ में भी इस शब्द का प्रयोग होता है ।

ıdamental syllogism — मूल न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी आधारिकाओ में कोई भी पद अनावश्यक रूप से व्याप्त न हो, अर्थात् जिसकी आधारिकाओं में कोई भी ऐसा पद व्याप्त न हो जो निष्कर्ष में अव्याप्त है और हेतु-पद केवल एक बार व्याप्त हो, जैसे वार्बारा. सब मनुष्य मरणशील है; सुकरात एक मनष्य है; अतः सुकरात मरणशील है । (यहा हेतु-पद "मनुष्य" केवल एक बार साध्य आधारिका में, व्याप्त है और पक्ष-पद निष्कर्ष और पक्ष-आधारिका दोनो मे व्याप्त है ।)

ndamentum divisionis — विभाजनाधार

तर्कशास्त्र में, वह विशेषता जिसे दृष्टि में रखकर किसी जाति (वर्ग) क्या

उपजातियों (उपवर्गों) में विभाजन
जाता है।

futurism — भविष्यवाद

1. ईसाई धर्मशास्त्र में, यह
नई इंजील की भविष्यवाणियां
कभी अवश्य सच होंगी।

2. यूरोपीय कला और साहित्य
परंपराओं को बिल्कुल छोड़कर चल
आन्दोलन का नाम।

G

Galenian figure — गैलेनी आकृति

तर्कशास्त्र में, न्यायवाक्य की चतुर्थ
का नाम, जिसमे हेतुपद साध्य-आधार
मे विधेय होता है और पक्ष-आधार
में उद्देश्य। इस आकृति को सर्वप्रथम
गैलेन (मृत्यु 200 ई०) ने मान्यता दी
इसलिए यह नाम पड़ा।

geist — आत्मा

जर्मन भाषा में आत्मा का पर्याय;
कान्ट के द्वारा कलाकृति में प्राण वा
करने वाले तत्व के अर्थ में प्रयुक्त।

general idea — सामान्य प्रत्यय

व्यष्टि के प्रत्यय से असमान बातें
छोड़ देने तथा केवल उन बातों को
करने के पश्चात् बना हुआ प्रत्यय
समूह के सब व्यष्टियों में समान होती है।

general intuition — सामान्य अंतःप्रज्ञा

(कुछ लोगों की मान्यता के
व्यक्ति को कर्मों के किसी वर्ग के बारे में
वाली यह अंतःप्रज्ञा कि वह सदैव ठीक
है या ठीक नहीं होता, जैसे यह कि
सहायता करना सदैव अच्छा होता है

झूठ बोलना बुरा होता है । अंतर के लिए देखिए individual intuition, universal intuition.

al intuitionism — सामान्य अंतः प्रज्ञावाद

नीतिशास्त्र में यह मत कि अंतःप्रज्ञा सदैव कर्मों के प्रकारों के बारे में होती है, न कि विशेष कर्मों के बारे में ।

alized cause — सामान्यीकृत कारण

कारण का वह रूप जिसमें कार्य के विभिन्न दृष्टांतों में कारण में शामिल सभी उपाधियों को न लेकर केवल समान उपाधियों को लिया गया हो ।

al logic — सामान्य तर्कशास्त्र

नील (Kneale) के अनुसार, वह तर्कशास्त्र जो निषेध, संयोजन, वियोजन इत्यादि के प्रत्ययों के साथ-साथ "प्रत्येक" इत्यादि शब्दों द्वारा अभिव्यक्त सामान्यता के प्रत्यय का भी विवेचन करता है ।

ral term — अनेकव्यापी पद

तर्कशास्त्र में, ऐसा पद जो अनेक व्यष्टियों पर लागू होता हो, जैसे, "मनुष्य" ।

ral will — समष्टि-संकल्प

समाजमीमांसा और राजनीतिमीमांसा में, समूह में व्यक्तित्व का आरोप करके सचमुच या लाक्षणिक अर्थ में उसके अंदर संकल्प की उसी तरह की शक्ति की कल्पना जैसी व्यक्ति के अंदर होती है ।

rative realism — जननात्मक वास्तववाद

यह सिद्धांत कि संवित्त अथवा वस्तु के संवेदन में दिए हुए गुण वस्तुतः वस्तु की संवेदनकर्ता के तंत्रिका-तंत्र के ऊपर होने वाली क्रिया की उपज होते हैं ।

generative theory of sense data — संवित्त-जनन-सिद्धांत

यह मत कि इंद्रिय-दत्त या संवि[illegible] कर्ता के मन की उपज हैं और [illegible] की अवधि में ही उनका [illegible] है।

generic accident — जातिगत आगंतुक गुण

वह आगंतुक गुण जो पूरी जाति [illegible] के अन्दर विद्यमान रहता है, जैसे [illegible] का कोई ऐसा गुण जो इस पद की [illegible] का अंग न हो, न परिभाषा [illegible] पर जो मनुष्यों में ही विशेष रूप [illegible] उसकी पूरी जाति (=अधिक [illegible] अर्थात् सब पशुओं में विद्यमान हो।

generic attribute — जातिगत गुण

ऐसा गुण जो पूरी जाति में [illegible] प्रश्नाधीन उपजाति के अतिरिक्त उ[illegible] की अन्य उपजातियो में भी [illegible]

generic excludent — जातिगत व्यावर्त्य

डिमॉर्गन (Demorgan) के [illegible] में, किसी उपजाति पर लागू न[illegible] वाला वह विधेय जो उस जाति [illegible] लागू नहीं होता जिसके अन्तर्गत व[illegible] जाति है।

generic judgment — जातिपरक निर्णय

बोजंकेट (Bosanquet) के द्वारा [illegible] व्यापी निर्णय ("सब प फ है") को [illegible] गया नाम।

generic non-accident — जातिगत अनागतुक गुण

वह गुण जो आगतुक यानी [illegible] न हो और जाति से उपजाति में [illegible] हो।

: property — जातिगत गुणधर्म

वह गुणधर्म जो जाति के गुणार्थ का परिणाम हो, जैसे समद्विबाहु त्रिभुज के तीनों कोणों के योग में दो समकोण होने की विशेषता, जो त्रिभुज (जाति अर्थात् बड़ा वर्ग) के गुणार्थ का परिणाम है।

c definition — जनन मूलक परिभाषा, औत्पत्तिक परिभाषा यह परिभाषा जो परिभाष्य पद का गुणार्थ न बताकर यह बताती है कि संबंधित वस्तु की उत्पत्ति या रचना कैसे होती है, जैसे "वृत्त" की वह परिभाषा जो यह बताए कि यह आकृति कैसे बनाई जाती है।

ic epistemology — जननिक ज्ञानमीमांसा

ज्ञानमीमासा की वह शाखा जो व्यक्ति के अन्दर तार्किक, गणितीय और दार्शनिक संप्रत्ययों के विकास का अध्ययन करती है, जिसका प्रारंभ स्विस दार्शनिक ज्याँ पिआजे (Jean Piaget) के एतद्विषयक प्रयोगात्मक खोज-कार्य से हुआ।

: fallacy — जननिक दोष

जननिक प्रणाली का दुरुपयोग, जिसके फलस्वरूप संबंधित वस्तु के प्रति उसके आदिम मूल से उत्पन्न होने से अवमानात्मक धारणा हो जाती है।

logic — जननिक तर्कशास्त्र

बोज़ंकेट (Bosanquet) के अनुसार, वह तर्कशास्त्र जो विचार को विकासवादी दृष्टिकोण से देखता है, अर्थात् उसे व्यावहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विकसित अनुकूलनों का एक समुच्चय मानता है।

genetic method — जननिक प्रणाली

वस्तुओं को उनकी उत्पत्ति या आधार पर व्याख्या करने की प्रणाली

genidentity — क्रमतादात्म्य

कार्नेप (Carnap) के तर्कशास्त्र ऐसी वस्तुओं के जो कि सामान्यतः एक की ही आगे-पीछे के दो क्षणों की स्थाएं मानी जाती है पर होते दो भिन्न व्यष्टि है, संबंध का नाम।

genus — तर्कशास्त्र में, किसी छोटे वर्ग की में वह बड़ा वर्ग जिसके वस्तवर्ग वस्तवर्ग समाविष्ट होता है, जैसे की तुलना में वृक्ष या नीग्रो की मनुष्य ।

देखिए species ।

geometric method — ज्यामितीय प्रणाली

परिभाषाओं और स्वयंसिद्धियों से निकालने की वह प्रणाली जिसका में अनुसरण किया जाता है और जिसे नोजा, देकार्त इत्यादि विचारकों ने के लिए भी आदर्श माना ।

ghost theory — प्रेतवाद

यह विश्वास कि शरीर की मृत्यु भी आत्मा अदृश्य रूप में बनी रहती चाहने पर इस लोक के निवासियों से सपर्क कर सकती है तथा उनके जीवन प्रभावित कर सकती है ।

gnosiology — ज्ञानमीमांसा

देखिए pistemology ।

is — प्रज्ञान

मूलतः ज्ञान का समानार्थक, पर प्रथम तथा द्वितीय शताब्दियों में विशिष्ट साधनों के द्वारा प्राप्त होने वाले उच्च कोटि के पारमार्थिक सत्यों के ज्ञान के अर्थ में प्रयुक्त।

ticism — प्रज्ञानवाद

विशेषत ईसाई धर्म के अन्तर्गत उसके इतिहास के प्रारंभ के दिनों के कुछ रहस्य-वादी सम्प्रदायों की विचारधारा के लिए प्रयुक्त शब्द। इन संप्रदायों को बाद में चर्च ने धर्मविरुद्ध घोषित कर दिया था।

thi seauton — आत्मा न विद्धि

आत्मज्ञान के लिए प्रेरित करनेवाली एक प्राचीन यूनानी सूक्ति।

l — ध्येय, लक्ष्य

वह जिसे प्राप्त करने के लिए कर्म किया जाता है।

d realization — ईश्वर-प्राप्ति

विशेषतः भक्त का नैतिक आदर्श, जो स्वय को ईश्वर के प्रयोजनों का साधन मात्र मानता हुआ ईश्वरार्पण-बुद्धि से काम करता हुआ अंत में ईश्वर से एक हो जाने या ईश्वर के साक्षात्कार की कामना रखता है।

od — शुभ, श्रेय, पुरुषार्थ

वह जो नैतिक दृष्टि से प्रशसनीय हो, नैतिकता का साध्य हो अथवा नैतिक मूल्य रखता हो।

ood analogy — सुसाम्यानुमान

वह साम्यानुमान जो सख्या और महत्व में अधिक समानताओं पर आधारित हो।

gratuitous hypothesis	अनुपयोगी प्राक्कल्पना ऐसी प्राक्कल्पना जो जातियों पर · न हो ।
great man theory	महापुरुष-सिद्धांत वह सिद्धांत जो इतिहास को के लिए महापुरुषों को कुंजी मानता इतिहास के निर्माण में उनका महत्व है ।
gross egoistic hedonism	स्थूल स्वसुखवाद वह सिद्धांत जो अपने ही सुख को उद्देश्य मानता है और सुखों में भेद को नहीं बल्कि केवल मात्रा-भेद स्वीकार करता है ।
gross utilitarianism	स्थूल उपयोगितावाद वह सिद्धांत जो कर्म की उपयो उसके अधिकतम लोगों के अधिकतम सु साधन के रूप में ही मानता है और मे गुण-भेद नहीं बल्कि केवल भेद स्वीकार करता है ।
ground	अधिष्ठान *विशेषतः* वह चिदात्मक अथवा त्मक तत्व जो संपूर्ण ब्रह्माड का, स्वयं का भी, मूलभूत कारण है ।
grounds of induction	आगमन के आधार वे बातें जिनके अभाव में आगमन नहीं होता, जैसे, कारण और प्रकृति एकरूपता के नियम तथा प्रेक्षण और प्रयो

H

happiness	प्रसन्नता, आनन्द वह स्थिति जिसमें व्यक्ति कुल मिला अपने जीवन से संतोष का अनुभव कर है या उसे अपने आदर्शों के अनुरूप

है तथा अपने मन में आशा, उत्साह इत्यादि प्रियभावों का अनुभव करता है; कभी-कभी "pleasure" (सुख) के पर्याप्त के रूप में प्रयुक्त ।

rd data — दृढ़ दत्त

संवेदन में व्याख्या, अर्थबोध इत्यादि मनः कल्पित अंशों को निकाल देने के बाद बचा हुआ सार भूत अंश जिसके बारे में ज्ञाता दृढ़ विश्वास के साथ कह सकता है कि वह बाहर से आया है ।

rd determinism — कट्टर नियतत्ववाद

विलियम जेम्स (William James) के द्वारा इस सिद्धांत के लिए प्रयुक्त पद कि मनुष्य और उसके कर्म पूर्णतः कारणों के द्वारा निर्धारित हैं और उसके वश के बिल्कुल बाहर हैं तथा हमारी उत्तरदायित्व और स्वतंत्रता की धारणाएं एकदम निराधार हैं ।

asidism — हसीदवाद

यहूदी धर्म के अन्तर्गत एक रहस्यवादी आन्दोलन जिसका उदय पोलैंड में अट्ठारहवीं शताब्दी में हुआ था, तथा तीसरी शताब्दी ई० पू० में स्थापित एक संप्रदाय का सिद्धांत जो यहूदी धर्म में प्रविष्ट यूनानी प्रभावों का विरोधी था ।

isty generalization — अविचारित सामान्यीकरण

वह दोषपूर्ण सामान्यीकरण जिसमें पूरी छानबीन किए बिना ही थोड़े-से दृष्टांतों के आधार पर एक सामान्य कथन कर दिया जाता है ।

earsay — अनुश्रुति, जनश्रुति, किंवदंती

सुनी-सुनाई बात जिसका कि प्रमाण के रूप में बहुत ही कम मूल्य होता है ।

heaven — स्वर्ग

देवतामों तथा पुण्यात्मामों का (
निवास-स्थान ।

hedonics — सुखशास्त्र

वाल्डविन (Baldwin) के अनुस
और दुःख की मानसिक अवस्था
उनके परिवर्तनों और विकास का
करने वाला शास्त्र ।

hedonism — सुखवाद, प्रेयवाद

नीतिशास्त्र में, यह सिद्धांत कि सु
एकमात्र शुभ है या सर्वोच्च साध्य है

hedonistic aesthetics — सुखवादी सौंदर्यमीमांसा

यह सौंदर्यमीमांसीय सिद्धात जो
का सुख के साथ अभेद कर देता है
देखने-सुनने में सुख देनेवाली वस्तु
ही सुदर मानता है।

hedonistic calculus — सुख-कलन

बेन्थम (Bentham) द्वारा
गणना-पद्धति जिसका उद्देश्य
शब्दावली में किसी कर्म से प्राप्त
वाले सुख का मूल्यांकन करना होत
और इस आधार पर वैकल्पिक
में से एक का चुनाव करने में, कर्ता
सहायता करना होता है ।

hedonistic optimism — सुखवादी आशावाद

हर्बर्ट स्पेंसर (Herbert Spencer)
यह विश्वास कि विकास के प्रक्रम
कालांतर में सुखवादी आदर्श स्व
वास्तविक बन जाएगा ।

hedonistic utilitarianism — सुखवादी उपयोगितावाद

नीतिशास्त्र मे, एक सिद्धात जो कर्म
औचित्य का आधार शुभ को

करने की उसकी क्षमता को बनाता है (उपयोगितावाद) और शुभ को सुख से अभिन्न मानता है (सुखवादी)।

anism — हेगेलवाद

प्रसिद्ध प्रत्ययवादी जर्मन दार्शनिक हेगेल (1770-1831) का सिद्धांत जिसके अनुसार परमसत्ता प्रत्ययस्वरूप है और द्वद्वात्मक प्रणाली (dialecticmethod) से उसे समझा जा सकता है।

ian Left — हेगेलीय वामपक्ष

हेगेल की विचारधारा का क्रांतिकारी आदर्शों के समर्थन के लिए उपयोग करनेवाले विचारकों का समुदाय।

ian Right — हेगेलीय दक्षिणपक्ष

हेगेल की विचारधारा का धर्म, नीति और राजनीति के सनातन आदर्शों के समर्थन के लिए उपयोग करनेवाले विचारकों का समुदाय।

ian triad — हेगेलीय त्रिक

हेगेल की द्वद्वात्मक दार्शनिक प्रणाली के तीन चरण : पक्ष (thesis), प्रतिपक्ष (antithesis) और संपक्ष (synthesis)। देखिए dialectical method।

नरक

प्रायः सभी धर्मों द्वारा कल्पित वह स्थान या लोक जहां दुष्टात्माएं मृत्यु के पश्चात् जाती है और तरह-तरह की यंत्रणाएं भोगती है।

ological argument — पूर्णतामात्रिक युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दी गई यह युक्ति कि पूर्णता की

विभिन्न कम या अधिक मात्राएं हैं और इसलिए कहीं उसकी मात्रा अवश्य होनी चाहिए जो में ही हो सकती है।

henotheism — एकैकाधिदेववाद

वैदिक विचारधारा में पाई प्रत्येक देवता की स्तुति करते सर्वोच्च मान लेने की प्रवृत्ति मूलर द्वारा दिया गया नाम।

heresy — अपधर्मिता; अपधर्म;

किसी मत, धर्म, वाद या अनुयायी होने का दावा का कोई ऐसा विश्वास जो धर्म इत्यादि के विरुद्ध हो।

hesychasm — प्रशांतचित्तता; प्रशांतचित्ततावा

दिव्य-दर्शन या शांत होकर चिंतन करने स्थिति; अथवा चौदहवीं उन ईसाई रहस्यवादियों का जो इस लक्ष्य को प्राप्त करने प्रशांत चिंतन की प्रणाली थे।

heterization — इतरीकरण; इतरीभवन

सामान्यतः एक से अन्य विशेषतः हेगेल के दर्शन में, ब्रह्म का जगत् (अनात्मन्) के रूप हो जाने की क्रिया।

heterodoxy — विपथिता

किसी भी धर्म के अनुयायी रूढ़ या पारंपरिक स्वरूप न करते हुए किन्हीं बातों में पड़ जाने या हट जाने की अवस्था

gical — परगुणार्थक

शब्दों की इस विशेषता का सूचक विशेषण कि वे जो गुण प्रकट करते हैं वह स्वयं उनका गुण नहीं होता। उदाहरणार्थ, 'लंबा' स्वयं एक लंबा शब्द नहीं है।

omy — परायत्तता, परतंत्रता

अपने से बाहर के नियम के अधीन या दूसरे की इच्छा के वशीभूत होने की विशेषता। अंतर के लिए देखिए autonomy।

athic effect — कार्य

मिल (Mill) के अनुसार, ऐसा कार्य जो अपनी कारणात्मक उपाधियों के कार्यों का योग मात्र न होकर कुछ नवीनता से युक्त होता है।

pathic intermixture ffects — भिन्नरूपी-कार्य-सम्मिश्रण

अनेक कारणों का संयोग होने की दशा में उनके अलग-अलग कार्यों का वह सम्मिश्रण जिसमें समग्र कार्य प्रकार की दृष्टि से अपने कारणों से भिन्न होता है, जैसा कि आक्सीजन और हाइड्रोजन से पानी उत्पन्न होने में होता है।

pathic unipathy — इतरैकानुभूति

एक प्रकार का भावात्मक तादात्म्य जिसमें अहं इतर में लीन हो जाता है। दूसरे प्रकार के भावात्मक तादात्म्य के लिए देखिए diopathic unipathy।

opsychological hics — अनतर्विवेकात्मक नीतिशास्त्र

जेम्स मार्टिन्यू (James Martineau) द्वारा उस नैतिक सिद्धांत के लिए

प्रयुक्तपद जो अंतर्विवेक से भिन्न तथ्यों पर आधारित होता है।

heterotelic — अन्यहेतुक, अन्यसाध्यक
किसी दूसरे के प्रयोजन ' (कर्म इत्यादि)।

heterozetesis — प्रतिज्ञांतर-सिद्धि, अर्थांतर-सिद्धि
तर्कशास्त्र में, वह दोषपूर्ण युक्ति निष्कर्ष को छोड़कर किसी अन्य को सिद्ध करती है।

heuristic fiction — अन्वेषणोपकारी कल्पितार्थ, कल्पितार्थ
एक ऐसा संप्रत्यय जो किसी का बोधक तो नहीं होता पर ' की खोज करने में सहायक होता इसलिए वैज्ञानिक उसका करते। परमाणु को किसी-किसी ने एक कल्पितार्थ माना है।

highest good — निःश्रेयस, परमार्थ, परम पुरुषार्थ
नैतिकता का सबसे ऊंचा · जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य जिसे प्राप्ति, आध्यात्मिक पूर्णता, मोक्ष अनेक रूपों में माना गया है।

historical determinism — ऐतिहासिक नियतत्ववाद
यह मत कि ऐतिहासिक घटना पूर्व-निश्चित योजना के अनुसार रहा है अथवा यह कि प्रत्येक घटना एक या अधिक जातिगत, आर्थिक इत्यादि कारकों के द्वारा निर्धारित होती है।

historical explanation — ऐतिहासिक व्याख्या
ऐतिहासिक घटनाओं की व्याख्या इसकी कि · " का युद्ध क्यों।

cal materialism — ऐतिहासिक भौतिकवाद

कार्ल मार्क्स और फ्रीड्रिक एंगेल्स का यह मत कि समाज का ढांचा और उसका ऐतिहासिक विकास "जीवन की भौतिक परिस्थितियों" अथवा जीवन के भौतिक साधनों के उत्पादन के तरीकों के द्वारा निर्धारित होते हैं।

ical relativism — ऐतिहासिक सापेक्षवाद; इतिहास-सापेक्षवाद

यह मार्क्सवादी सिद्धांत कि निरपेक्ष रूप से सत्य या असत्य कुछ नही है, बल्कि सत्यता एक लक्ष्य है जिसे इतिहास को प्राप्त करना है और ज्ञान सदैव सीमित और अपूर्ण होता है।

ricism — इतिहासपरतावाद

यह विश्वास कि किसी चीज की प्रकृति को समझने तथा उसके मूल्य को निर्धारित करने के लिए उसकी उत्पत्ति और विकास के इतिहास को जान लेना पर्याप्त होता है।

sm — साकल्यवाद

स्मट्स (Smuts) का यह सिद्धान्त कि प्रकृति और विकास-प्रक्रम में भावी तत्व अवयवी या साकल्य होते हैं और अवयवी अपने अवयवों के योग से सदैव अधिक होता है।

ophrastic meaning — समप्रार्थ

पूरे कथन का अर्थ जो कि उसके अलग-अलग शब्दो के अर्थ से भिन्न होता है।

yism — पावनवाद

जर्मन दार्शनिक और धर्मशास्त्री रुडोल्फ ओटो (otto 1869-1937) का

धार्मिक मत जिसमें ईश्वर को ...
कहा गया है।

holy spirit — पवित्र आत्मा

वह दिव्य शक्ति जो अंदर ...
होकर साधारण व्यक्ति से ...
असाधारण काम करवा देती है। ...
त्रयी (Trinity) में शामिल ...
शक्ति।

homiletics — प्रवचनशास्त्र

धर्मशास्त्र की प्रवचन-कला और ...
प्रशिक्षण से संबंधित शाखा-विशेष।

homme moyen — सामान्य मानव (कल्पितार्थ)
आदमी का संप्रत्यय, जो कि मिथ्या ...
हुए भी उपयोगी है।

homo absconditus — दुर्ज्ञेय मानव

मानवमीमांसा अर्थात् दार्शनिक ...
विज्ञान का एक संप्रत्यय, जिसके ...
मनुष्य को दार्शनिक धारणाओं ...
अंदर नहीं बांधा जा सकता और ...
वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रणालियां ...
उस पर लागू होती हैं।

homo creator — स्वसर्जक मानव, स्वनिर्माता मानव

मनुष्य स्वयं अपना निर्माण ...
के रूप में : नीचे (Nietzche) ...
प्राप्त एक मानवमीमांसीय संप्रत्यय।

homo dionysiacus — डायोनिससीय मानव

ह्रास या पतन की अवस्था में ...
मानव : शोपेनहावर, नीचे इत्यादि ...
चिंतन से प्रेरित मनुष्य की स्वयं ...
पतन की कल्पना।

...omeries — समांग, समावयव

अरस्तू के दर्शन में, वे पिंड जिनका ऐसे अवयवों में विभाजन किया जा सकता है जो गुण की दृष्टि से परस्पर समान हों और पूर्ण के भी समान हों, जैसे धातुएं।

...ousios — सदृशद्रव्य

ईसाई धर्मशास्त्र में इस धारणा का सूचक शब्द की पिता (ईश्वर) और पुत्र (ईसा) समान द्रव्य के थे, न कि एक ही द्रव्य के।

... mensura — मनुष्य एवं प्रमाणम्

प्राचीन यूनानी दार्शनिक प्रोटेगोरस की एक प्रसिद्ध उक्ति का लैटिन रूपांतर। इस उक्ति की अनेक तरीकों से व्याख्या की गई है। पर यह निश्चित है कि प्रोटेगोरस हर चीज को मनुष्य सापेक्ष समझता था और सचाई, अच्छाई इत्यादि का आधार मनुष्य के लिए उनकी उपयोगिता को मानता था।

...ousios — समद्रव्य

ईसाई धर्मशास्त्र में इस बात का सूचक शब्द कि पिता (ईश्वर) और पुत्र (ईसा) एक ही द्रव्य के बने हैं, न कि मिलते-जुलते द्रव्य के।

... religiosus — धार्मिक मानव

मनुष्य एक धर्मनिष्ठ या धर्मभीरु प्राणी के रूप में : यह मनुष्य की स्वविषयक धारणा के विकास की एक अवस्था है।

...o sapiens — प्राज्ञ मानव

मनुष्य एक बुद्धिमान् और तर्कशील प्राणी के रूप में : मनुष्य की स्वविषयक धारणा के विकास में एक और चरण।

honorific words — आदरसूचक शब्द, आदरद्योतक श

ऐसे शब्द जिनका प्रयोग कि
आदर का भाव प्रकट करने
किया जाता है, जैसे "आप"।

hyle — पुद्गल

भौतिक द्रव्य का बोधक यून
व्युत्पन्न शब्द।

hylomorphism — पुद्गलाकारवाद

यह मत कि सभी भौतिक व
तत्वों के मेल से बनी हैं : एक
भौतिक द्रव्य या पुद्गल जो कि
में सातत्य और तादात्म्य का
है और दूसरा है आकार।

hylosis — पुद्गलवृत्ति

अमरीकी नव्य वास्तववादी
द्वारा चित्तवृत्ति (मानसिक अवस्था)
पाई जानेवाली (सहचारी) भौतिक
के लिए प्रयुक्त शब्द।

hylosystemism — भूततंत्रवाद, पुद्गलतंत्रवाद

अजैव पिंडों की रचना के बारे
सिद्धांत कि उनके अणु और
वस्तुतः परमाणु से भी सूक्ष्म
बने होते हैं जो कि गतिशील
रूप में परस्पर संयुक्त होते हैं।

hylotheism — पुद्गलेश्वर वाद, जड़ेश्वर वाद

ईश्वर का पुद्गल या जड़ द्रव्य से
करनेवाला सिद्धांत भौतिकवाद।

hylozoism — भूतजीववाद

यह मत कि जीवन भौतिक द्र
व्युत्पन्न है, उसका एक गुणधर्म है
उससे पृथक् नहीं किया जा

अर्थात् वह कोई स्वतंत्र और नया तत्व नहीं है।

per-organic values — अधिजैविक मूल्य

अर्बन (Urban) के अनुसार, वे मूल्य जो जैविक आवश्यकताओं से ऊपर हैं और मनुष्य के सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन से संबंधित होते हैं।

perousios — द्रव्यातीत

नव्य प्लैटोवाद में ईश्वर को द्रव्य से परे बताने के लिए प्रयुक्त शब्द।

ypostasis — आधारद्रव्य

ईसाई धर्मशास्त्र में, ईश्वर की-त्यात्मक एकता में समाविष्ट तीनों व्यक्तियों, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के लिए प्रयुक्त शब्द।

ypostatization — वस्तूकरण, पदार्थीकरण

संप्रत्यय को वस्तु बना लेना अथवा अमूर्त को मूर्त वस्तु समझ बैठना।

hypothesis — प्राक्कल्पना

किसी घटना की व्याख्या के लिए, अथवा उसके कारण के रूप में, अपर्याप्त प्रमाण के आधार पर की गई कोई कामचलाऊ कल्पना, जो पूर्णतः सिद्ध या असिद्ध होने के लिए और अधिक प्रेक्षण और प्रयोग की अपेक्षा रखती है।

hypothesis concerning agent — कर्तविषयक प्राक्कल्पना

प्राक्कल्पना का एक प्रकार, जिसमें नियम ज्ञात होता है पर कर्ता ज्ञात नहीं होता और इसलिए घटना की व्याख्या के लिए कर्ता की कल्पना कर ली जाती है, जैसे यह मालूम होने पर कि .

में चोरी हुई है पर यह न मालूम
पर कि किसने चोरी की है, यह क
कर लेना कि शायद क चोर है।

hypothesis concerning collocation — सस्थितिविषयक प्राक्कल्पना

प्राक्कल्पना का एक प्रकार, जि
केवल कारण और उसका नियम ज्ञ
होता है पर यह ज्ञात नहीं होता
परिस्थितियों का कौन-सा समुच्चय
जिसमें घटना हुई, और इसलिए उस
कल्पना कर ली जाती है, जैसे उ
परिस्थितियों की कल्पना जिनमें
क ने चोरी की।

hypothesis concerning law — नियमविषयक प्राक्कल्पना

प्राक्कल्पना का एक प्रकार, जि
कर्ता ज्ञात होता है पर उसकी का
प्रणाली ज्ञात नहीं होती और इसलि
घटना की व्याख्या के लिए कार्य-प्रणाली
की कल्पना कर ली जाती है, जैसे पृथ्वी
सूर्य इत्यादि की स्थिति-परिवर्तन की व्या
ख्या के लिए गुरुत्वाकर्षण के नियम की
कल्पना।

hypothesis of cause — कारण-प्राक्कल्पना

घटना की व्याख्या के लि
उसके कारण को मान लेना, जैसे व
मंडल के नाइट्रोजन के प्रयोगशाला
नाइट्रोजन से भारी होने की व्याख्या
लिए उसमें किसी और गैस (जिसे आर्गन
कहा गया है) का मिश्रित होना मान
लेनेवाली प्राक्कल्पना।

hypothetical dualism — प्राक्कल्पनात्मक द्वैतवाद, बाह्यानुमेयवाद

ज्ञानमीमांसा में, यह सिद्धांत कि बाह्य
जगत का ज्ञान केवल अनुमान है

होता है और उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष-प्रमाण पर आधारित न होकर प्राक्कल्पित मात्र है।

hypothetical imperative सापेक्ष नियोग

कान्ट के नीतिशास्त्र में, "यदि आप अमुक बात चाहते हैं तो अमुक काम करो", इस प्रकार का कोई आदेश, जिसका पालन कर्ता के अन्दर किसी इच्छा के होने पर निर्भर होता है।

hypothetical morality सोपाधिक नीति, सापेक्ष नीति

सापेक्ष नियोग के रूप में व्यक्त नैतिक नियम।

hypothetical proposition हेत्वाश्रित प्रतिज्ञप्ति, हेतुफलात्मक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें "यदि" से शुरू होने वाला एक हेतु हो और "तो" से शुरू होनेवाला उसका एक फल बताया गया हो, जैसे "यदि उत्पादन बढ़ता है तो कीमतें घटती हैं"।

hypothetico-deductive method प्राक्कल्पना–निगमनात्मक प्रणाली

विज्ञान में उपयोगी वह प्रणाली जिसमें घटना के कारण इत्यादि की प्राक्कल्पना कर ली जाती है और उससे निगमनात्मक निष्कर्ष निकालकर प्रेक्षण और प्रयोग से उनकी जाच की जाती है।

iconic sign अनुसंकेत

पर्स (Peirce) के अनुसार, वह संकेत जो किसी वस्तु का बोध अपनी कुछ उन विशेषताओं के कारण कराता है जो उस वस्तु मे भी होती है, जैसे एक नमूना, मॉडल या चित्र।

idea

विचार, प्रत्यय

दृश्य या अदृश्य, स्थूल या
सामान्य या विशेष, किसी भी
का मानसिक प्रतिरूप या प्रति

दर्शन के इतिहास में
अर्थों में प्रयुक्त शब्द :

1. प्लैटो और सुकरात : का
सत्व या सामान्य : देश काल में
रखनेवाली वस्तुओं का आद्य प्र

2. स्टोइक : मनुष्य के मन में
मान वर्ग-संप्रत्ययों में से एक।

3. नव्य प्लैटोवाद : परम मान
अन्दर विद्यमान वस्तुओं के आद्य
में से एक।

4. देकार्त और लॉक : मानवीय
में स्थित संकल्पनाओं में से एक।

5. बर्कली : संवेदन या प्रत्यक्ष
सीधा विषय।

6. ह्यूम : संवेदन की हल्की-सी
जिसका स्मृति में उपयोग होता है।

ideal

आदर्श

सौंदर्य, पूर्णता, नैतिक या
उत्कर्ष इत्यादि का वह परानाद
रूप जिसे प्राप्त करना मनुष्य का
है पर जो कभी समग्र रूप में प्राप्त
होता, बल्कि नहीं हो सकता।

Idealism

प्रत्ययवाद, अध्यात्मवाद, चिद्वाद

ज्ञानमीमांसा में, यह मत कि
बोध केवल प्रत्ययों का ही होता है
कि बाह्य वस्तुओं का।

तत्त्वमीमांसा में यह मत कि "मन"
या आत्मा का ही वास्तविक

है: परम सत्ता आध्यात्मिक चिद्रूप है न कि भौतिक।

tic monism — चिदेकतत्त्ववाद

यह मत कि परम तत्त्व एक और मनोमय या चिद्रूप है।

tic vitalism — मनःप्रधान प्राणतत्त्ववाद

जर्मन दार्शनिक ड्रीश (Driesch) का उनकी गिफर्डभाषण-माला में अभिव्यक्त यह सिद्धांत कि जीवन के उपर मन का आधिपत्य मानते हुए उसकी व्याख्या दी जा सकती है।

zation — आदर्शीकरण

कला में, पूर्ण या आदर्श प्ररूप को प्रस्तुत करने के लिए व्यष्टियों के गुणों के सबंध में अपाकर्षण और सामान्यीकरण का प्रयोग।

observer theory — आदर्श-प्रेक्षक-सिद्धांत

नैतिक वाह्यार्थवाद (objectivism) का एक रूप, जिसके अनुसार नैतिक निर्णय कर्मों के बारे में उन भावनाओं को व्यक्त करते हैं जिनका एक आदर्श प्रेक्षक को, यदि उसका अस्तित्व होता तो, अनुभव होता।

l of reason — तर्कबुद्धि-आदर्श

कान्ट के अनुसार, एक ऐसी सर्वग्राही सत्ता (ईश्वर) का प्रत्यय जो सभी परिच्छिन्न वस्तुओं का अंतिम कारण हो-यह एक आदर्श मात्र है न कि कोई तर्कसिद्ध वस्तु।

al utilitarianism — आदर्श उपयोगितावाद

उपयोगितावाद का एक रूप, जो सुख के अतिरिक्त अन्य चीजों को भी शुभ

मानता है। इंगलैण्ड में मूर
लेयर्ड इस मत के प्रमुख समर्थ

ideas of pure reason — शुद्ध तर्कबुद्धि-प्रत्यय

कान्ट के दर्शन में, आत्मा, ई
विश्व से संबंधित प्रत्यय, जो
बुद्धि के लिए नियामक हैं
व्यावहारिक तर्कबुद्धि वास्तवि
चलती है।

ideatum — प्रत्येय

प्रत्यय का विषय, अथवा
अनुरूप वह वस्तु मन के बाह
में अस्तित्व रखती है।

identity-in-difference — भेदान्वित अभेद

सत्ता के स्वरूप की एकत्व और
की धारणाओं में समन्वय करने
प्रस्तुत संप्रत्यय।

identity philosophy — तादात्म्यवाद, अभेदवाद

सामान्य अर्थ में, कोई भी
जो भौतिक द्रव्य और चित् तत
और विषयी में भेद न कर
कारण उनको एक माने।

विशेषत: शेलिंग (Schelling
दर्शन के लिए प्रयुक्त पद, जो
और आत्मा को मूलत: एक मा
मानता है।

ideogenetic theory — प्रत्ययजनन-सिद्धांत

ब्रेन्टानो (Brentano) एवं
संवृतिवादियों का एक सिद्धांत
अनुसार निर्णय चेतना की एक
क्रिया है जो प्रत्ययों को पैदा कर

graphic language — भावलेखात्मक भाषा

लाइबनित्स (Leibnitz) के अनुसार, ऐसी भाषा जिसमें प्रत्येक सरल संकेत एक सरल प्रत्यय का बोधक हो और संयुक्त संकेत एक संयुक्त प्रत्यय का : इसकी योजना ज्ञान को सबके लिए सुगम बनाने के उद्देश्य से बनाई गई थी।

ology — 1. प्रत्ययविज्ञान

फ्रेंच दार्शनिक देस्त्यूत द त्रासी (Destutt de Tracy : 1754-1836) द्वारा प्रत्ययों का विश्लेषण करने और संवेदनों से उनकी उत्पत्ति दिखानेवाले विज्ञान के लिए सर्वप्रथम प्रयुक्त शब्द।

2. सिद्धांतवाद

कुछ अर्थनियतत्ववादियों द्वारा प्रभावोत्पादक व्यवहार के विपरीत प्रभावहीन या कोरे विचारों या सिद्धांतों के अर्थ में प्रयुक्त।

3. विचारधारा

जीवन की सामान्य समस्याओं के विषय में व्यवस्थाबद्ध चिंतन।

pathic unipathy — स्वैकानुभूति

भावात्मक स्तर पर इतर का अहम् में विलय हो जाना और इस प्रकार दोनों का अभेद हो जाना।

o-psychological ethics — अंतर्विवेकात्मक नीतिशास्त्र

जेम्स मार्टिन्यू (1805-1899) के अनुसार, वह नीतिशास्त्र या नैतिक सिद्धांत जो अंतर्विवेक पर आधारित हो।

Idiotology — व्यष्टिविज्ञान

मैकेन्ज़ी (Mackenzie) के अनुसार, मानवविज्ञान की वह शाखा जिसका विषय समाज न होकर व्यष्टि हो।

idol — व्यामोह

ब्रूनो (Bruno) द्वारा ... भ्रम में डालने वाली या ... करने वाली चीज के लिए प्रयुक्त शब्द। फ्रांसिस बेकन (Francis Bacon) ने 'नोवम ऑर्गेनम' में दर्शन और विज्ञान के क्षेत्र में ... द्वारा की जानेवाली गलतियों के प्रमुख कारणों के लिए इस शब्द का प्रयोग किया है।

idols of the cave — प्राकृत व्यामोह

फ्रांसिस बेकन के अनुसार, वे ... जिनका शिकार आदमी अपने ... की विचित्र विशेषताओं तथा अपनी ... परिस्थितियों के कारण बनता है।

idols of the market (idola fori) — लोकगत व्यामोह

बेकन के अनुसार, वे भ्रांतियां जो व्यक्तियों के समागम से, ... प्रचलित भाषा और शब्द-प्रयोग को ... नाने से, पैदा होती हैं।

idols of the theatre — वैचारिक व्यामोह

बेकन के अनुसार, बिना जांच किए परंपरागत मतों और धारणाओं को अपनाने से उत्पन्न भ्रांतियां।

idols of the tribe (idola tribus) — जातिगत व्यामोह

बेकन के अनुसार, वे भ्रांतियां ... मूल सामान्य मानव-प्रकृति है और ...

जो पूरी मानव-जाति में व्यापक रूप से पाई जाती है।

यथैव

तर्कशास्त्र में, द्वि-उपाधिक "If and only if" (यदि——तो——और केवल तभी——)का संक्षिप्त रूप।

/a ratio — तर्करोधी युक्ति

तर्क को निष्क्रिय कर देनेवाली इस प्रकार से युक्ति : यदि रोग से मुक्त होना आपके भाग्य में लिखा है तो आप रोग-मुक्त हो जाएंगे, चाहे आप डाक्टर के पास जाएं या न जाएं।

itimate hypothesis — अवैध प्राक्कल्पना

वह प्राक्कल्पना जो स्वतोव्याघाती, प्रकृति के सुस्थापित नियमों के विरुद्ध अथवा असत्यापनीय हो।

t generalization — अवैध सामान्यीकरण

पर्याप्त प्रमाणों के बिना तथ्यों के अधूरे प्रेक्षण के आधार पर किया गया कोई सामान्य कथन।

utionary act — वचनेतर कर्म

भाषाविश्लेषणवादी दार्शनिक ऑस्टिन (Austin) के अनुसार, बोलने के साथ किए जानेवाला वक्ता का इशारा इत्यादि करने का काम।

:trative fiction — मूर्तकारी कल्पितार्थ

फाइहिंगर (Vaihinger) के अनुसार, किसी प्रत्यय के लिए एक चित्र का प्रयोग करके सूक्ष्म को स्थूल या इंद्रियगम्य (और इस प्रकार एक मिथ्या) रूप देने की प्रणाली।

illustrative symbol — दार्ष्टांतिक प्रतीक

जॉनसन के अनुसार, वर्णना कोई अक्षर जिसका प्रयोग कि के स्थान पर किया जाता है जैं क ख है" में "क" और "ख"।

imaginative generalization — कल्पनात्मक सामान्यीकरण

ह्वाइटहैड के अनुसार, ज्ञान के सीमित क्षेत्र में कुछ विशेषता सामान्य होने की संभावना हो हुए कल्पना से उन्हें सामान्य सिद्धांत बना देने की क्रिया।

imitationism — अनुकरणवाद

पोलैण्ड के समसामयिक दार्शनिक विन्सकी (Kotarbinski) का मत कि दूसरों की मानसिक और प्रक्रियाओं से संबंधित श्रोता केवल उनके व्यवहार का करण करके ही समझ सकता है।

Immaculate conception — निष्कलंक गर्भाधान

(रोमन कैथोलिकों के एक विश्वास के अनुसार) गर्भाधान के क्षण में ही कुमारी मरियम (ईसा की माता) का ईश्वर की विशेष 'आद्य पाप' के स्पर्श से बिल्कुल मुक्त रहना।

Immanence — अंतर्वर्तिता

अंदर व्याप्त, वर्तमान या उपस्थित की विशेषता—मुख्यतः ईश्वरमीमांसा तत्त्वमीमांसा में ईश्वर या ब्रह्म के में प्रयुक्त शब्द।

tanence philosophy — अंतर्वर्तिता-दर्शन

जर्मन दार्शनिक विल्हेल्म शुपे (Wilhelm Schuppe, 1836–1913) का प्रत्ययवादी दर्शन जो परिच्छिन्न चेतना की अंतर्वस्तु में समाविष्ट सामान्य अंश को विश्व-चेतना का विषय मानता है, और फलतः विश्व को प्रत्येक परिच्छिन्न चेतना में "अंतर्व्याप्त" मानता है।

nanent activity — अंतर्वर्ती क्रिया

मन की वह क्रिया जो विषय के ऊपर कोई प्रभाव नहीं डालती, जैसे ज्ञान में।

manental theory — अंतर्वर्तिता-सिद्धांत

मन और शरीर के द्वैत का इस आधार पर निषेध करने वाला नव्यवास्तववादी सिद्धांत कि प्रत्यक्ष और संकल्प में ये परस्पर ओत-प्रोत प्रतीत होते हैं।

manent causation — अंतर्वर्ती कारणता

किसी व्यवस्था या तंत्र के आंतरिक अवयवों के मध्य होने वाला कार्यकारणात्मक परिवर्तन, जिसमें उस तंत्र के बाहर के किसी तत्व या कारण का हाथ नहीं होता।

imanenttheism — आंतरातीत ईश्वरवाद

यह सिद्धांत कि ईश्वर जगत में व्याप्त भी है और उससे अतीत भी है, अर्थात् उसमें समाया हुआ है पर उससे अभिन्न नहीं है।

mmanent transcendence — आंतरातीतता

व्याप्त होने के साथ-साथ अतीत होने की विशेषता।

immaterialism — अभौतिकवाद

भौतिक वस्तुजात के अस्तित्व का एकान्तिक रूप से निषेध करनेवाला विशुद्ध प्रत्ययवाद।

immateriality — अभौतिकता

अभौतिक होने की विशेषता जो स्कॉ लैस्टिक दार्शनिकों के अनुसार, आत्मा फरिश्तों में तथा आत्मा की बुद्धि और नामक शक्तियों में होती है।

immediacy — अव्यवहितत्व

ज्ञेय वस्तु की चेतना के समक्ष उपस्थित; अथवा ज्ञान की वह जिसमें अनुमान, अर्थबोध और कल्पना अंश या तो होता ही नहीं या अल्पतम है।

immediate inference — अव्यवहित अनुमान

निगमनात्मक अनुमान का एक जिसमें केवल एक आधारिका से सीधे नि निकाला जाता है। उदाहरण :

सब मनुष्य मर्त्य हैं;

∴ कुछ मर्त्य (प्राणी) मनुष्य हैं।

immediate intention — तात्कालिक अभिप्राय

मैकेंजी के अनुसार, कर्ता का वह प्राय जिसकी पूर्ति उसके कर्म में प्रवृत्ति से तत्काल हो जाती है।

immediate knowledge — अव्यवहित ज्ञान

ज्ञानेंद्रियों से बाह्य वस्तुओं आंतरिक प्रत्यक्ष से स्वयं अपनी मान अवस्थाओं का साक्षात्, अर्थात् किसी मा के बिना, होनेवाला ज्ञान।

immoralism — रूढ़-नीति-द्रोह

पारंपरिक नैतिक मूल्यों के प्रति उपे भाव अथवा उनका विरोध : विशेषतः (Nietzsche) की नीति के संदर्भ प्रयुक्त शब्द।

nortality — अमरता, अमरत्व

शरीर की मृत्यु के बाद भी आत्मा का अनंत काल तक अस्तित्व।

mutability — अविकार्यता, अपरिवर्त्यता, कूटस्थता

(ईश्वर और आत्मा का) विकार या परिवर्तन से शून्य होने का गुण।

peccability — अपापता, अदोषता

स्वभाव के पाप या दोष से रहित होने का गुण।

penetrability — अभेद्यता

भौतिक द्रव्य का (लॉक के अनुसार) एक (प्राथमिक) गुण, जिसके कारण भौतिक द्रव्य के दो अंश कदापि एक ही काल में एक ही स्थान नही घेर सकते।

nperfect figure — अपूर्ण आकृति

अरस्तू के अनुसार, वह आकृति (द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ) जिस पर मूल तार्किक सिद्धांत (dictum de omni) 'यज्जाति-विधेयम् तद्व्यक्तिविधेयम्' सीधा लागू नही होता और फलत जिसके विन्यासो की वैधता को प्रथम आकृति में रूपांतरित करके ही सिद्ध करना होता है।

npersonalism — निर्वैयक्तिकवाद

यह यंत्रवादी संकल्पना कि विश्व के सभी जड-चेतन पदार्थों के अंदर प्रकृति बिल्कुल नियमबद्ध तरीके से काम करती है और उसके पूरे तंत्र में वैयक्तिक मूल्यों के लिए कोई स्थान नही है।

mpersonalistic idealism — निर्वैयक्तिक प्रत्ययवाद

प्रत्ययवाद का वह रूप जो परम तत्व को व्यक्तिरूप न मानकर अचेतन आत्मद्रव्य या चिद्द्रव्य मानता है।

implicans — आपादक

आपादनात्मक प्रतिज्ञप्ति (... फ") का प्रथम भाग ("यदि प")।

implicate — आपाद्य

आपादनात्मक प्रतिज्ञप्ति का दूसरा ("तो फ")।

implication — आपादन

दो ऐसी प्रतिज्ञप्तियों (प और फ) संबंध जिनमें से दूसरी पहली का ... होती है (यदि प तो फ) और इस ... पर दूसरी का पहली से निगमन किया सकता है।

implicative proposition — आपादनात्मक प्रतिज्ञप्ति

"यदि—तो———" आकार प्रतिज्ञप्ति जिसका पहला अंश दूसरे को आपादित करता है।

implicit definition — निहित परिभाषा

तर्कगणित में, अभिगृहीतों के एक समु... में आए हुए अपरिभाषित पदों को ... न देकर इस प्रकार परोक्ष रूप से प... करना कि उन पदों के निर्देश अभिप्रेत ... तक ही सीमित रहें और यह ऐसी श... अभिगृहीतों में समाविष्ट करके किया ... है जिन्हें वस्तुओं का केवल एक ही समु... कर सकता है।

implicit faith — अंतर्निहित आस्था

ईसाई धर्मशास्त्र में ऐसे व्यक्ति ... धार्मिक आस्था के लिए प्रयुक्त पद जो ... की शिक्षाओं को पूर्णतः सत्य मानता है ... स्पष्ट रूप में यह नहीं जानता कि वे ... क्या।

ort आशय

पदों के संदर्भ में, अर्थ या गुणार्थ का पर्याय। प्रतिज्ञप्तियों के संदर्भ में, उद्देश्य, विधेय और इनके संबंध का जो अर्थ होता है उसके लिए तथा पूरी प्रतिज्ञप्ति मुख्य रूप से वस्तुओं, नामों या प्रत्ययों में से जिसकी बोधक होती है या मानी जाती है उसके लिए प्रयुक्त शब्द।

redicative definition अविधेयक परिभाषा

हेनरी प्वांकारे (Henri Poincare, 1854-1912) के अनुसार, किसी वस्तु की उस समष्टि के द्वारा दी गई परिभाषा जिसका वह एक सदस्य हो। ऐसी परिभाषा दोषयुक्त मानी गई है।

ressionism संस्कारवाद

ह्यूम का यह मत कि बाह्य वस्तुओं के हमारी इंद्रियों के ऊपर जो संस्कार (या छाप) पड़ते हैं उन्हीं से ज्ञान मूलतः प्राप्त होता है।

ination प्रवृत्ति

झुकाव, या अनुकूल वृत्ति जो कि किसी कार्य को स्वेच्छा से या बिना बाहरी दबाव के करने में प्रकट होती है।

usion समावेश

ऐसे दो समुच्चयों या कुलकों का संबंध जिनमें से एक के सब सदस्य दूसरे के सदस्य होते हैं।

mplete induction असिद्ध आगमन, न्यून आगमन

वह आगमन जिसके मूल में कोई कारण-कार्य-संबंध सिद्ध नहीं किया जा सकता या खोजा नहीं जा सकता।

Incomplete symbol — अपूर्ण प्रतीक

वह प्रतीक (या व्यंजक) जिसका से कोई अर्थ न हो, किंतु जो किसी व्यंजक का घटक बनकर उसे अर्थ प्रदान (जैसे) जोकि पूरे व्यंजक, ( ) अंग है।

Inconsistent triad — असंगत त्रिक

ऐसी तीन प्रतिज्ञप्तियों का समूह से तीसरी पहली दो को मिलाने से निष्कर्ष की व्याघाती होती है।

incorrigible proposition — शंकातीत प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसकी सत्यता पर करना असंभव हो : एयर (Ayer) के "आधारिक प्रतिज्ञप्तियां" (basic positions) "शंकातीत" होती हैं, वक्ता कोई शब्द-प्रयोग संबंधी गलती जाय।

indefectibility — अविकार्यता

पतन, विकार, क्षय इत्यादि की से मुक्त होने का गुण; विशेषतः धर्मशास्त्र में, ईश्वरीय कृपा, पवित्रता के संदर्भ में प्रयुक्त शब्द।

indefinite definite — अनिश्चायक निश्चयवाचक

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार, भाषा के निश्चयवाचक आर्टिकिल का वह प्रयोग जिसमें उसके बाद आने संज्ञा-शब्द का अर्थ संदर्भ को जाने अनिश्चित होता है, जैसे "दि पार्क" यहां पार्क का अर्थ उसके लिए निश्चित नहीं है जिसे यह पता न हो कि प्रसंग दिल्ली नेहरू पार्क का है।

:finite indefinite | अनिश्चायक अनिश्चयवाचक

तर्कशास्त्री जॉनसन के अनुसार, अंग्रेजी भाषा में आर्टिकिल "ए" का वह प्रयोग जिसमें उसके बाद आने वाले संज्ञा-शब्द का निर्देश पूर्णतः अनिश्चित होता है, जैसे "ए" का 'ए मैन मस्ट हैव बीन इन दि रूम" में।

:finite proposition | अनिश्चित प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो उसके सर्वव्यापी या अंशव्यापी होने के सूचक किसी शब्द के अभाव से अनेकार्थक होती है।

emonstrables | अप्रमाणनीय

स्टोइक दार्शनिकों (Stoics) की शब्दावली में स्वयसिद्ध प्रतिज्ञप्तियों का नाम।

esignate proposition | अनिर्दिष्ट प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसके परिमाण, अर्थात् व्याप्तत्व या अव्याप्तत्व का स्पष्ट उल्लेख नही होता, जैसे "पुस्तकें उपयोगी चीजें हैं"। (इस उदाहरण मे यह स्पष्ट रूप से नही बताया गया है कि सब पुस्तकें उपयोगी हैं या कुछ।)

:terminism | अनियततत्ववाद

यह मत कि कभी-कभी हमारा संकल्प पूर्ववर्ती शारीरिक और मानसिक अवस्थाओं से बिल्कुल अप्रभावित होता है, अर्थात् हम जिस काम को करने का निश्चय करते हैं वह अकारण होता है।

:xical sign | निर्देशक चिह्न

"मैं", 'तुम', 'यहा', 'अब' इत्यादि शब्दों के लिए पर्स (Peirce) द्वारा इस आधार पर प्रयुक्त पद कि इनसे किस चीज का बोध होगा, इसका निर्धारण शब्द के उच्चारण

भा उस चीज के साथ एक विशे॰ कालिक संबंध होने से होता है।

Indicator term — निर्देशक पद

आर्थर पैप के अनुसार, वह पद निर्देश प्रसंगानुसार बदलता रहता है यहां,' 'वहां', 'मैं'।

Indifferentism — 1. तटस्थवाद

स्टोइकों (Stoics) का यह सि॰ कि स्वास्थ्य, धन-संपत्ति, सौंदर्य कुल में जन्म इत्यादि बातें हमारे की नहीं है और इसलिए ये नैतिक दृ॰ तटस्थ हैं।

2. अभेदवाद

मध्य युग में वास्तववाद और ॰ के विवाद को दूर करने के लिए (Adelard) द्वारा प्रस्तुत यह ॰ कि कोई चीज व्यष्टि है या (सामान्य), यह हमारे दृष्टिकोण पर॰ करता है : इससे उसके स्वरूप में कोई नहीं आता।

indirect intention — परोक्ष अभिप्राय

मैकेंजी के अनुसार, कर्त्ता के अ॰ का वह अंश जिसकी पूर्ति के उद्देश्य से कर्म में वह प्रवृत्त नहीं होता पर वह॰ जो वास्तविक उद्देश्य होता है उससे रूप से जुड़े होने के कारण वह उसे स्व॰ करना पड़ता है।

indirect knowledge — असाक्षात् ज्ञान

वह ज्ञान जो प्रत्यक्ष से नहीं बल्कि अनुमा॰ साक्ष्य और आप्त-प्रमाण इत्यादि से परोक्ष॰ प्राप्त होता है।

ect proof — असाक्षात् प्रमाण

देखिए reductio ad absurdum

ect reduction — असाक्षात् आकृत्यंतरण

पारंपरिक तर्कशास्त्र में दिए हुए निगमन (द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ आकृति में) को असत्य मानते हुए, उसके व्याघातक वाक्य तथा दी हुई आधारिकाओं में से किसी एक के संयोग से प्रथम आकृति में ऐसा निगमन प्राप्त करके जो दूसरी आधारिका का व्याघातक हो, यह सिद्ध करना कि मूल निगमन सत्य है।

scernibility of identi-als — तदात्म-अविभेद्यता

लाइपनित्स का यह नियम कि यदि अ और ब बिल्कुल एक ही चीजें हैं तो अ के बारे में जो सत्य है वह ब के बारे में भी सत्य है।

ividual constant — व्यष्टि-अचर

कोपी (copi) के द्वारा प्रस्तावित प्रयोग के अनुसार, अंग्रेजी वर्णमाला का a से w तक का कोई भी छोटा अक्षर जिसे प्रतिज्ञप्ति-कलन (propositional calculus) में (उससे शुरू होनेवाले) व्यक्ति वाचक नाम के स्थान पर रखा जाता है।

lividual ethics — व्यष्टिक नीति

व्यष्टि की नैतिक समस्याओं और उनके समाधान से संबंधित नीतिशास्त्र।

lividual intuition — प्रातिस्विक अंतःप्रज्ञा

किसी कर्म-विशेष के उचित या अनुचित होने का सीधा और सहज ज्ञान।

individual intuitionism — प्रातिस्विक अंतःप्रज्ञावाद

नीतिशास्त्र में यह मत कि ... के औचित्य-अनौचित्य का अंत:प्रज्ञा ... बोध हो जाता है। तुलना के लि general intuitionism और intuitionism

individualism — व्यष्टिवाद

व्यष्टि के हित को समष्टि या ... हित की अपेक्षा वरीयता देनेवाला ... व्यष्टि को प्रधान या साध्य मान ... सिद्धांत।

individualistic hedonism — व्यष्टिसुखवाद

स्वसुखवाद का दूसरा नाम। egoistic hedonism

individual relativism — व्यष्टि-सापेक्षतावाद

कर्म की अच्छाई और उसके ... को व्यष्टियों के मनोभावों या उनकी ... वृत्तियों पर आधारित माननेवाला सि...

individual variable — व्यष्टि-चर

तर्कशास्त्र में, कोपी द्वारा प्रस्तावि... के अनुसार, अंग्रेजी वर्णमाला का ... x जो उस स्थान का सूचक होता है ... से w तक का कोई व्यष्टि-अचर रखा ... है। तुलना के लिए देखिए indi... constant

induction — आगमन

अनुमान का वह प्रकार जिसमें ... तथ्यों से सामान्य निष्कर्ष निकाला जा... उदाहरण :

राम मर्त्य है;
मोहन मर्त्य है;

सोहन मर्त्य है;
∴सब मनुष्य मर्त्य है।

tion by colligation
acts

तथ्यानुबंधी आगमन

सर्वप्रथम ब्रिटिश दार्शनिक ह्यूएल (Whewell) द्वारा प्रयुक्त एक पद। व्याख्या के लिए देखिए "colligation of facts

ction by complete
numeration

पूर्णगणनाश्रित आगमन

वह आगमन जो अपने क्षेत्र के सारे दृष्टांतों के प्रेक्षण पर आधारित होता है, जैसे "इस पुस्तकालय में 164 नं० वाली सब किताबें तर्कशास्त्र की हैं"।

ction by parity of
asoning

तर्क-साम्य-आगमन

एक प्रकार का अनुमान (आगमन) जिसमें एक सामान्य प्रतिज्ञप्ति इस आधार पर निष्कर्ष के रूप में प्राप्त की जाती है कि जो तर्क एक विशेष दृष्टांत पर लागू होता है वही उसके अंतर्गत आनेवाले प्रत्येक अन्य समान दृष्टांत पर लागू होगा, जैसे ज्यामिति की यह उपपत्ति कि "सब त्रिभुजों के अंतः कोणों का योग दो समकोण होता है"।

uction by simple enu-
neration

केवल गणनाश्रित आगमन

वह आगमन जिसका आधार भूयोदर्शन अथवा अबाधित अनुभव मात्र होता है और जिसमें कारण-संबंध ढूंढने का कोई प्रयास नहीं किया गया होता, जैसे, "सब कौवे काले होते हैं"।

nductive" causality

आगमनात्मक कारणता

वह कार्य-कारण-संबंध जो दृष्टांतों के प्रेक्षण मात्र पर आधारित हो।

uctive class

आगमनात्मक वर्ग

रसेल के अनुसार, अन्वागतिक वर्ग (hereditary class) : कोई वर्ग

अन्वागतिक तब होता है जब व के एक सदस्य होने पर व+1 भी उसका होता है।

inductive definition — आगमनात्मक परिभाषा

किसी शब्द की ऐसी परिभाषा जो गुणार्थ (connotation) के [illegible] पर आधारित न हो बल्कि उस शब्द [illegible] वस्तुओं के लिए प्रयोग होता है [illegible] पर आधारित अर्थात् आगमनिक [illegible] से प्राप्त हो।

inductive fallacy — आगमन-दोष

आगमन के नियमों का उल्लंघन [illegible] से उत्पन्न दोष : इस वर्ग में [illegible] प्राक्कल्पना, वर्गीकरण आदि के शामिल हैं।

inductive leap — आगमन-प्लुति

आगमनात्मक अनुमान की एक [illegible] विशेषता जो कि ज्ञात से अज्ञात में [illegible] की, प्रेक्षित या देखे हुए उदाहरणों [illegible] बात लागू होती है उसे अप्रेक्षित या [illegible] उदाहरणों में भी लागू करने का खतरा में प्रकट होती है।

inductive syllogism — आगमनात्मक न्यायवाक्य

आगमनात्मक अनुमान को न्याय[illegible] का रूप देने का अरस्तु से लेकर आधुनि[illegible] में मिल तक चला आने वाला प्रयास, जैसे

अ, ब, स———काले हैं;
अ, ब, स———सब कौवे हैं,
∴सब कौवे काले हैं।

in facto — परिनिष्पन्न, वास्तव

स्कॉलैस्टिक दर्शन में, उस वस्तु के [illegible] प्रयुक्त जो अपने अवयवों के सहित [illegible]

रूप में अस्तित्व रखती है, जैसे उस चित्र के लिए जिसे कलाकार ने पूरा कर लिया है।

अनुमान

तर्क की वह प्रक्रिया जिससे कुछ सत्य मान ली गई प्रतिज्ञप्तियों के आधार पर ऐसी प्रतिज्ञप्ति या प्रतिज्ञप्तियां निष्कर्ष के रूप में प्राप्त की जाती हैं जिनकी सत्यता मूल प्रतिज्ञप्तियों में निहित होती है।

ce by added deter-nts

योजित-विशेषणानुमान

एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान जिसमें मूल उद्देश्य और विधेय के साथ एक विशेषण जोड़ कर कुछ कम विस्तार-वाला निष्कर्ष प्राप्त किया जाता है। उदाहरण : मनुष्य एक प्राणी है ;

∴ एक अच्छा मनुष्य एक अच्छा प्राणी है।

ce by change of ion

संबंध-परिवर्तन-अनुमान

एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान जिसमें निरुपाधिक, हेतुफलात्मक और वियोजक में से किसी एक तरह की प्रतिज्ञप्ति से (ये संबंध की दृष्टि तीन प्रकार की प्रतिज्ञप्तियां हैं) शेष दो में से किसी एक प्रकार का निष्कर्ष निकाला जाता है। उदाहरण :

सब मनुष्य मरणशील हैं (निरुपाधिक) ;

∴ यदि कोई प्राणी मनुष्य है।

तो वह मरणशील है (हेतुफलात्मक)।

ence by complex con-ption

मिश्रधारणानुमान

एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान जिसमें आधारिका के उद्देश्य और विधेय को किसी अधिक जटिल संप्रत्यय का अंश बनाकर निष्कर्ष प्राप्त किया जाता है। जैसे :

घोड़ा एक पशु है ;

∴ घोड़े का सिर एक पशु का सिर है।

inference by converse relation — परिवर्तित-संबंधानुमान

एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान आधारिका के उद्देश्य के स्थान पर सहसंबंधी रखकर, विधेयगत के स्थान पर उद्देश्य-पद को रखकर संबंध-सूचक पद के स्थान पर विपरीत का सूचक पद रखकर निष्कर्ष प्राप्त जाता है :

राम सीता का पति है।

∴ सीता राम की पत्नी है।

inferential fallacies — आनुमानिक दोष

अनुमान के नियमों का उल्लंघन से उत्पन्न दोष जो कि परिभाषा, प्रेक्षण आदि के दोषों से भिन्न होते हैं।

In fieri — परिनिष्पाद्य, भाव्य

स्कॉलेस्टिक दर्शन में, उस वस्तु के प्रयुक्त जिसका अस्तित्व अभी शुरू है, जो अभी पूर्णतः अस्तित्व में नहीं, जैसे एक निर्माणाधीन चित्र।

infima species — निम्नतम उपजाति

तर्कशास्त्र में, किसी वर्गीकरण की छोटी उपजाति, जो और छोटी में विभाजित नहीं की जा सकती।

infinite judgment — अपरिमित निर्णय

वह निर्णय जिसका विधेय कोई पद होता है। जैसे "अ अ-ब है"।

infinite term — अनियत पद

तर्कशास्त्र में, निषेधात्मक और अर्थ वाला पद, जैसे "अमनुष्य"।

ifinity — अनंतता, आनंत्य

दिक्, काल अथवा संख्याओं की किसी श्रेणी का कभी समाप्त न होनेवाला विस्तार।

formal fallacy — अनाकारिक तर्कदोष

वह तर्कगत दोष जो आकारिक न हो : ऐसे दोष तर्क में तब पैदा होते हैं जब हम असावधान रहते हैं अथवा तर्क को व्यक्त करने के लिए प्रयुक्त भाषा में कोई द्व्यर्थकता होती है।

fralapsarianism — पतनोत्तर-उद्धारवाद

ईसाई धर्म में एक मत, जिसके अनुसार ईश्वर को इस बात का पूर्वज्ञान था कि मनुष्य का पतन होगा और इसके बावजूद उसने उसका पतन होने दिया तथा कुछ मनुष्यों को अपनी कृपा का पात्र बनाकर उनका उद्धार किया।

fusion of grace — दिव्य-अंतर्वेशन

रोमन कैथोलिक चर्च में प्रचलित यह धारणा कि बपतिस्मा इत्यादि संस्कारों के द्वारा दिव्य तत्व का व्यक्ति के हृदय में प्रवेश कराया जाता है।

gression — निवेश

ह्वाइटहेड के अनुसार, "शाश्वत वस्तु" (eternal object) का किसी "अंत्य वस्तु" (actual entity) के निर्माण में उसे एक विशेष आकार प्रदान करने के लिए प्रवेश।

nate ideas — सहज प्रत्यय

लॉक के अनुसार, वे प्रत्यय जो जन्म से ही मनुष्य के मन में होते हैं, जिन्हें शिक्षा और अनुभव से प्राप्त करने की जरूरत नहीं होती, और सामान्यतः जो सभी मनुष्यों को प्राप्त होते हैं। ईश्वर, अमरत्व, पाप और

पुष्य के प्रत्ययों को प्रायः ऐसे मानत
है।

innatism

सहजप्रत्ययवाद

एक ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत जिसके अनु-
सार प्रत्यय मन के अंदर जन्म से ही
पूर्ण रूप में अथवा बीज-रूप में विद्यमान
हैं : दूसरे विकल्प में, उन्हें पूर्णता प्र-
दान करने के लिए अनुभव का सहारा लेना
है।

inner intention

आंतर अभिप्राय

मैकेन्ज़ी (Mackenzie) के अनु-
कर्त्ता के द्वारा अपनी मानसिक दशा
में चाहा हुआ कोई परिवर्तन, जैसे कि
अप्रिय अनुभूति को दूर करना या किसी
मनोदशा को प्राप्त करना, जिसे लक्ष्य
कर वह कोई कर्म करता है। इसे
outer intention से भेद किया गया है।

inner sense

अंतःकरण

देखिए 'internal sense'।

inorganic evolution

अजैव विकास

जड़ पदार्थों का सरल से जटिल की ओर
में विकास।

inseparable accident

अवियोज्य आगन्तुक गुण

वह आगन्तुक गुण जो वर्ग के प्रत्येक सदस्य
में पाया जाए अथवा व्यक्ति में सदैव विद्य-
मान रहे। उदाहरण : कौवे का काला रंग अथवा
व्यक्ति की जन्मतिथि।

insolubilia

असमाधेय

विरोधाभासों (paradoxes) के लिए
मध्ययुगीन दर्शन में प्रयुक्त नाम ;
इनमें [illegible] कथन आते हैं जैसे [illegible]
[illegible]।

ıstantial indefinite — दाष्टांतिक अनिश्चयवाचक

देखिए "definite indefinite) ।

astantial proposition — दाष्टांतिक प्रतिज्ञप्ति

अस्तित्व (existence) "(ईश्वर है)" और वतित्व (subsistence) "(3+4=7)" बतानेवाली प्रतिज्ञप्तियों का सामूहिक नाम।

nstantiation — दृष्टांतीकरण

कोपी (Copi) के अनुसार, किसी व्यष्टि-चर के स्थान पर एक व्यष्टि-अचर को रख देना।

देखिए individual constant तथा individual variable ।

instinctive morality — सहज नैतिकता

पशुओ और मनुष्यों का वह व्यवहार जो नैतिकता के अनुरूप होता है, परतु जिसमें विचार और सकल्प का अभाव होता है।

instrumentalism — करणवाद

जान ड्यूई (John Dewey) का यह मत कि ज्ञान जीवन का पर्यावरण से सफलता पूर्वक समायोजन करने का एक साधन (करण) है।

instrumental theory — करण-सिद्धात

सी० डी० ब्रॉड के अनुसार, यह मत कि मन शरीर से स्वतत्र अस्तित्व रखता है, पर जब तक वह किसी शरीर से जुड़ा होता है तब तक शरीर ही उसके लिए ज्ञान और कर्म का साधन होता है।

instrumental value — साधन-मूल्य

वह वस्तु जो साधन के रूप में मूल्यवान् हो या जिसका मूल्य उससे निकलने वाले

वास्तविक या संभावित परिणामों पर आश्रित हो ।

Intellectualistic determinism — प्रज्ञानियतत्ववाद

विन्डेलबैंड के अनुसार, यह मत है कि प्रज्ञा न केवल शुभ का सामान्य रूप से बोध कराती है अपितु यह भी विचार करती है कि व्यक्ति के लिए विशेष रूप से शुभ क्या है और इस प्रकार उसके संकल्प को भी प्रभावित करती है ।

intellectual virtue — प्राज्ञ सद्गुण

प्रज्ञा के विकास से संबंधित सद्गुण ।

intellectus agens — सक्रिय प्रज्ञा

टॉमस अक्वाइनस के अनुसार, आत्मा की एक विशेष शक्ति जो संवेदन से प्राप्त वस्तु की नकल से अपनी प्रकृति से सामंजस्य रखने वाले तत्वों को लेकर वस्तु की नकल यानी "संवेदी प्रतिरूप' (sensible species) को 'प्राज्ञ प्रतिरूप' ("intelligible species") में बदल देती है ।

intellectus archetypus — संवेदनाश्रयी प्रज्ञा

कान्ट के अनुसार, वह बुद्धि जिसपर ही जिसके प्रत्ययों पर संवेदनों या संवेदनों में दी हुई वस्तुओं का स्वरूप आश्रित होता है।

intellectus ectypus — संवेदनाश्रित प्रज्ञा

कान्ट के अनुसार, वह बुद्धि जो अपने प्रत्ययों या प्रक्रियाओं के लिए सामग्री इन्द्रियानुभव या संवेदनों से प्राप्त करती है ।

intelligible — बुद्धिगम्य, प्रज्ञागम्य

सामान्य अर्थ में, वह जो समझ में आ सके विशेष रूप से, वह जो केवल प्रज्ञा से ही जाना जा सकता हो, इंद्रियों से नहीं ।

...ible species — प्राज्ञ प्रतिरूप

टॉमस एक्वाइनस के अनुसार, 'संवेदी प्रतिरूप' का सक्रिय प्रज्ञा' के द्वारा परिष्कृत रूप : 'संवेदी प्रतिरूप' भौतिक वस्तु का संवेदन से प्राप्त प्रतिरूप होता है; सक्रिय प्रज्ञा-शक्ति उसे आत्मा के द्वारा ग्राह्य बनाने के लिए उसके स्थूल भौतिक अंशों को हटाकर उसे यह रूप प्रदान करती है, जो उस वस्तु का सामान्य प्रत्यय होता है ।

...ion — गुणार्थ

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, किसी वस्तु के संप्रत्यय में समाविष्ट गुणों का समूह ।

...ive quality — प्रकर्षशील गुण, आयोगशील गुण

कोहेन और नेगेल (Cohen & Nagel) के अनुसार, ऐसा गुण जिसमें कुछ जोडा-घटाया न जा सके और इसलिए जिसके बारे में "कितना" और "कितने गुना" पूछना निरर्थक हो, जैसे मृदुता, बुद्धिमता इत्यादि । इसका extensive quality से भेद किया गया है ।

...tionality — स्वातिगता, विषयाभिगता

सकर्मकत्व

मानसिक क्रिया या चेतना की यह विशेषता कि वह सदैव किसी वास्तविक या कल्पित वस्तु की ओर उन्मुख होती है ।

...ntional theory of mind — मनःस्वातिगता-सिद्धांत

मन को स्वातिगता के प्रत्यय की सहायता से परिभाषित करने वाला सिद्धांत : इसकी शुरुआत स्कॉलेस्टिक दर्शन में हुई थी और आधुनिक दर्शन में ब्रेन्टानो ने इसे पुनर्जीवित किया ।

interactionism — अन्योन्यक्रियावाद

मन और शरीर का संबंध बताने ... पहले-पहल देकार्त द्वारा प्रस्तावित ... कि मन और शरीर एक-दूसरे पर प्रतिक्रिया करते हैं।

intercession — परार्थप्रार्थना

ईसाई धर्म में, ईश्वर से दूसरों ... प्रार्थना।

interjectionism — उद्गारवाद

यह सिद्धांत कि अच्छा-बुरा ... बतानेवाले मूल्य-निर्णय किन्हीं ... विशेषताओं को प्रकट नहीं करते ... अथवा वक्ता के निजी भावों या ... व्यक्त करनेवाले उद्गार मात्र होते ...

intermixture of effects — कार्य-समिक्षण

मिल (Mill) के अनुसार, ... काल में सक्रिय विभिन्न कारणों ... अलग-अलग प्रभावों का मिला-जुला ...

internal sanction — आंतरिक अनुशास्ति

: कर्तव्य के उल्लंघन से उत्पन्न ... पश्चात्ताप और दुःख की अनुभूति ... भविष्य में कर्तव्यनिष्ठ बनने के लिए ... करती है। यह एक आंतरिक ... व्यक्ति को नैतिक अनुशासन में बांधती ... है।

internal sense — अंतःकरण, आंतर इंद्रिय

आंतरिक अवस्थाओं का ... करानेवाली इंद्रिय।

internal theory of relations — अंतःसंबंध-सिद्धांत, अंतःसंबंधवाद

मुख्यतः हेगेलीय प्रत्ययवादियों ... सिद्धांत कि वस्तुओं के संबंध उनके ...

प्रकृति पर आधारित होते हैं, वे वस्तुओं के स्वरूप के निर्माता होते है। तथा दो चीजों का संबंध उनकी प्रकृति में परिवर्तन किए बिना टूट नही सकता।

sensual language — इंद्रियाभिसम्लवी भाषा

तार्किक इंद्रियानुभववादियो के द्वारा प्रस्तावित प्रोग्राम के अनुसार एकीकृत विज्ञान (unified science) की वह भाषा जिसके कथनो की एक से अधिक इंद्रियों द्वारा जाच की जा सके।

subjective — अंतराविषयक

विभिन्न विषयियों या ज्ञाताओं के द्वारा प्रयुक्त या समझा जा सकनेवाला (संप्रत्यय, ज्ञान, भाषा इत्यादि)।

subjective cognition — अंतराविषयिक संज्ञान

देखिए intersubjective intercourse

ubjective intercourse — अतराविषयिक सव्यवहार

एक विषयी या ज्ञाता को अन्य विषयी का या अन्य की चेतन अवस्थाओ का बोध होना।

erbal definition — शब्दानुशब्द परिभाषा

एक शब्द की अन्य शब्दों के द्वारा परिभाषा, जैसी की प्राय: कोशो में उपलब्ध होती है।

sitive relation — असत्रामी संबंध

ऐसा संबंध जो यदि अ और ब के मध्य हो तथा व और स के मध्य भी हो तो कदापि अ और स के मध्य नहीं हो सकता, जैसे पिता-पुत्र का संबंध: यदि अ व का पिता है और व स का पिता है तो अ स का पिता नही हो सकता।

intrinsic value — स्वत:मूल्य

किसी वस्तु का वह मूल्य जो अपनी आंतरिक रचना, अपने या अपने ही अस्तित्व के कारण है अथवा वह चीज जो स्वयं, न कि अच्छे परिणामों के कारण, या दूसरी चीज के साधन के रूप में, वान होती है।

introductory indefinite — उपस्थापक अनिश्चयवाचक

जॉनसन के अनुसार, अंग्रेजी भाषा अनिश्चयवाचक आर्टिकिल "ए" का प्रयोग जो किसी स्थान, काल या का किसी वर्णन, के प्रारंभ में करने के लिए किया जाता है।

introjection — अंत:क्षेपण

जर्मन दार्शनिक एविनेरियस (Avenar द्वारा पहले पहल देकार्त, और बर्कली के इस सिद्धांत के प्रयुक्त शब्द कि मन अपने ही के अन्दर बंद रहता है और उसे जगत् का बोध उसके बिंबों के से होता है।

intuition — अंत.प्रज्ञा

ज्ञाता को अपरोक्ष रूप से स्वतः वाला अपने और दूसरे के मन का, जगत् का, सामान्यों का, मूल्यों अथवा शाश्वत सत्यों का ज्ञान।

intuitionism — अंत:प्रज्ञावाद

सामान्यत: वह मत जो समस्त को, कम से कम दार्शनिक ज्ञान अंत:प्रज्ञा पर आधारित मानता विशेषत: नीति-शास्त्र में यह मत

व्यक्ति को अच्छाई-बुराई का ज्ञान अंतः-प्रज्ञा से परिणाम-निरपेक्ष रूप में होता है।

st logic — अंतःप्रज्ञ तर्कशास्त्र

पारंपरिक तर्कशास्त्र से भिन्न तथा अंतःप्रज्ञा को सत्यता का स्रोत मानने वाला तर्कशास्त्र.ब्राउवर (Brouwer) इत्यादि विचारकों के अनुसार तर्कशास्त्र कोई स्वतंत्र अस्तित्व नही रखता बल्कि गणित के अंतःप्रज्ञा से ज्ञात संप्रत्ययो पर ही पूर्णतः आधारित है।

induction — अंतःप्रज्ञ आगमन

जानसन के अनुसार, वह सामान्य प्रतिज्ञप्ति जिसका बोध तत्काल एक ही विशेष दृष्टांत से हो जाता है।

property — अव्यभिचारी गुणधर्म

वस्तु के व्यवहार की वह विशेषता जो बदलती हुई परिस्थितियों में भी अपरिवर्तित बनी रहती है।

विपरिवर्तित

विपरिवर्तन की क्रिया से प्राप्त वाक्य, अर्थात् विपरिवर्तन का निष्कर्ष। देखिए inversion।

eductive method — प्रतिलोम निगमन प्रणाली

किसी जटिल कार्य का कारण ढूंढने में प्रयुक्त एक प्रणाली, जिसके अनुसार पहले उस कार्य के अनेक उदाहरणों का प्रेक्षण करके यह पता किया जाता है कि कौन-सी परिस्थिति सब में समान है और फिर उसे कारण मानते हुए उच्चतर नियमों से यह निगमित किया जाता है

कि उसमे उस कार्यविशेष के
बिल्कुल नैसर्गिक है।

Inverse inference — प्रतिलोम अनुमान

कार्नेप (Carnap) के अनुसार, अनुमान का एक प्रकार, जिसमें नमूने के प्रेक्षण के आधार पर वर्ग के बारे में निष्कर्ष निकाला

Inversion — विपरिवर्तन

एक प्रकार का अव्यवहित अनुमान जिसमें निष्कर्ष का उद्देश्य आधारिका के उद्देश्य का व्याघातक होता है :
सब उ वि है;
∴ कुछ अ-उ वि नहीं है।

invertend — विपरिवर्त्य

विपरिवर्तन की आधारिका, अर्थात् वह वाक्य जिसका विपरिवर्तन किया जाता है। देखिए inversion।

involuntary ideas — अनैच्छिक प्रत्यय

बर्कली के अनुसार, बाह्य प्रत्यय जो व्यक्ति की इच्छा से नहीं होते बल्कि ईश्वर की इच्छा से मन मे आते हैं : बर्कली बाह्य वस्तुओं को ऐसे प्रत्ययों से अभिन्न मानते

inwardization — आभ्यतरीकरण

कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य के अनुसार, विषयी की क्रमशः सभी बाहरी वस्तुओं से स्वयं को विच्छिन्न कर देने की

I proposition — ई प्रतिज्ञप्ति

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, विधायक प्रतिज्ञप्ति: "कुछ उ वि है"

lism | अतर्कबुद्धिवाद; तर्कबुद्धिविरोध

मानवीय प्रज्ञा या तर्कबुद्धि को सर्वोच्च प्रमाण मानने का विरोध अथवा विरोध करने वाला मत, विशेषत: यह मत कि तत्व अथवा वास्तविकता का स्वरूप तर्कबुद्धिगम्य या तर्कबुद्धिपरक प्रणालियों के द्वारा प्राप्य नहीं है।

e relation | अपरावर्ती संबंध

ऐसा संबंध जो किसी वस्तु का स्वय अपने साथ नही हो सकता, जैसे, "के उत्तर में", "का पति" इत्यादि।

n | नास्तिकता; अधर्म

किसी भी वस्तु को निष्ठा, भक्ति या आस्था के योग्य न मानने की प्रवृत्ति; धार्मिक प्रवृत्ति का अभाव।

ibility | अनुत्क्रमणीयता

विशेषत: काल की यह विशेषता कि उसके विभिन्न अंशों के क्रम को उल्टा नहीं जा सकता।

udgment | अस्ति-निर्णय

तथ्य से संबधित निर्णय। इस तरह के निर्णय प्राकृतिक या वर्णात्मक विज्ञान के अंतर्गत आते है।

nism | पृथक्तावाद

एक सौंदर्यशास्त्रीय मत जिसके अनुसार किसी भी कलाकृति को सम्यक् रूप से समझने के लिए एकाग्र होकर किसी भी बाहरी तत्व की ओर ध्यान दिए बिना उसे देखते, सुनते या पढ़ते जाना मात्र आवश्यक होता है। अंतर के लिए देखिए contextualism।

isosthenia — समबलता

वह अवस्था जिसमें किसी पक्ष और विपक्ष में प्रमाण बिल्कुल बराबर शक्ति का

iterated modality — पुनरावृत्त निश्चयमात्रा

निश्चयमात्रा-सूचक शब्द से प्रकट निश्चयमात्रा, जैसे संभव" या "अनिवार्यतः अनिवार्य

ius divinum — दैवी नियम, दैवी विधि

स्कॉलेस्टिक दर्शन में, विशेष दर्शन में, प्रकृति और मानव को अटूट व्यवस्था में ईश्वरीय नियम।

iustitia naturalis — स्वाभाविक नीतिपरायणता

मनुष्य के अन्दर विद्यमान पर चलाने की स्वाभाविक प्रवृत्ति प्रेरणा कहीं बाहर से नहीं

iustitia originalis — आदिम नीतिपरायणता

ईसाई धर्म के अनुसार जन्म या सृष्टि के समय ईश्वर प्रदत्त नीतिनिष्ठता, जिसे पूर्व आदम के अंदर विद्यमान गया है।

J

joint denial — संयुक्त निषेध

दो प्रतिज्ञप्तियों के एक के लिए प्रतीतात्मक तर्कशास्त्र एक चिह्न (↓)।

joint method of agreement and difference — अन्वय-व्यतिरेक-प्रणाली

मिल के तर्कशास्त्र में, संबंध निर्धारित करने की एक

जिसका सूत्र यह है : यदि एक घटना के घटने के कई दृष्टांतों में एक परिस्थिति समान रूप से विद्यमान रहती है और उस घटना के न घटने के कई दृष्टांतो में अन्य बातों के प्रायः समान रहते हुए उस परिस्थिति का भी अभाव रहता है, तो उस घटना तथा परिस्थिति में कार्य-कारण का संबंध है। उदाहरण : यदि एक व्यक्ति अनेक बार यह देखता है कि जब भी उसने खीरा खाया, उसके पेट में दर्द हुआ, और खीरा न खाने पर पेट में दर्द नहीं हुआ, तो खीरा पेट के दर्द का कारण है।

nent of fact — तथ्य-निर्णय

वस्तुस्थिति को बतानेवाला या बताने का दावा करने वाला निर्णय, जैसे · चंद्रमा एक उडा उपग्रह है। इस प्रकार के निर्णय प्राकृतिक या वर्णनात्मक विज्ञानों के क्षेत्र में आते हैं।

nent of taste — सौंदर्य-निर्णय

किसी वस्तु के बारे में यह कथन कि वह सुन्दर, कलात्मक या मनोरम है। इस प्रकार के कथन मूल्यनिर्णय के सामान्य वर्ग में आते हैं।

ment of value — मूल्य-निर्णय

निर्णय का वह प्रकार जो किसी वस्तु का तार्किक, नैतिक या सौंदर्य-शास्त्रीय मूल्यांकन करता है, अर्थात् किसी बात को सत्य या असत्य, अच्छी या बुरी, सुन्दर या असुन्दर बतानेवाला निर्णय। इस तरह के निर्णय मानकीय विज्ञानों के अंतर्गत आते हैं।

jural ethics वैधिक नीतिशास्त्र

वह नीतिशास्त्र या सिद्धांत जो विधिशास्त्र का अनुसरण करते हुए साध्य और शुभ की अपेक्षा कर्तव्य और उसके अनुसरण तथा औचित्य आदि संप्रत्ययों को प्रमुखता देता है।

justice न्याय; न्यायशीलता

प्लेटो के द्वारा स्वीकृत चार सद्गुणों में से एक। तदनुसार यह होता है जब समाज का प्रत्येक अपना कार्य सुचारु रूप से करता है, दूसरे के कार्य में कोई बाधा नहीं तथा, फलतः, समाज में पूर्ण रहता है। इसकी आधुनिक धारणा के मुख्य तत्व हैं नियमों का पालन, समानता, निष्पक्षता तथा प्राप्ति।

K

kalology सौंदर्यशास्त्र

मॉन्टेग्यू के अनुसार, वस्तुओं चरित्र की सुन्दरता का अध्ययन वाला शास्त्र।

Kantianism कान्टवाद

प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक इमानुएल (1724-1804) का दर्शन, जो में कुछ प्रागनुभविक मानसिक तत्वों महत्व स्वीकारता है और वस्तुओं तात्विक स्वरूप को अज्ञेय मानता

kathenotheism एकैकाधिदेववाद

देखिए henotheism।

kenotism आत्मरेचनवाद, दिव्यत्वत्यागवाद

ईसाई धर्मावलंबियों का यह कि ईसा ने मानव-रूप धारण करते

अपने कुछ दिव्य गुणों का त्याग किया था।

1. वर्ग

अन्य वस्तुओं में न पाए जाने वाले एक ऐसे लक्षण से युक्त वस्तुओं का समूह जो उनमें समान हो।

2. जाति

जे० एस० मिल के अनुसार, प्राकृतिक वर्ग, जैसे कोई जीव-जाति, जिसके सदस्यों में परिभापक गुणधर्म के अलावा अन्य असंख्य गुणधर्म भी समान होते हैं।

[kin]gdom of ends — साध्यलोक, साध्यजगत

कान्ट के अनुसार, वह आदर्श जगत जिसमें प्रत्येक व्यक्ति साध्य होगा और कोई व्यक्ति साधन मात्र नहीं होगा, प्रत्येक व्यक्ति विवेक से काम लेते हुए निरपेक्ष आदेश का पालन करेगा तथा दूसरे के सुख को वही प्रधानता देगा जो स्वयं अपने सुख को देता है और इस तरह अन्य लोगों के साथ सामजस्य स्थापित किए रहेगा।

[kn]owledge by acqaintance — साक्षात् ज्ञान

सम्मुख उपस्थित वस्तु, व्यक्ति या गुण का ज्ञाता को होनेवाला अपरोक्ष ज्ञान। ठीक अर्थ में इसका प्रयोग ऐंद्रिय दत्तों के लिए ही होता है, परन्तु अब सामान्यतः इन दत्तों के माध्यम से होनेवाले वस्तु (मेज इत्यादि) और व्यक्ति के प्रत्यक्ष को भी इसके अंतर्गत माना जाता है।

knowledge by description वर्णन-ज्ञान

परिचयात्मक अथवा साक्षात् ज्ञ
विपरीत, वस्तु के बारे में वह,
जो अनुमान इत्यादि से प्राप्त हो

kratocracy बलवत्ततंत्र, शक्तितंत्र

मॉन्टेग्यू (Montague) के
ऐसे लोगों का शासन जो बलपूर्व
चालाकी से सत्ता हथियाने की
रखते हैं।

L

Lamaism लामाधर्म; लामावाद

महायान बौद्धधर्म का वह रूप जो
तिब्बत में, पर साथ ही भूटान,
सिक्किम तथा मध्य एशिया के
प्रदेशों में भी मिलता है और
पुरान 'बोन' नामक जादूटोनाप्रधान
के तथा तंत्र के तत्व मिश्रित है।

law of bivalence द्विमूल्य-नियम

एक नियम जिसके अनुसार
प्रतिज्ञप्ति के दो ही मूल्य होते हैं:
सत्यत्व एवं दूसरा मिथ्यात्व;
यह कि प्रतिज्ञप्ति या तो सत्य होगी
या असत्य, कोई तीसरी अवस्था सम्भव
है।

law of contradiction व्याघात-नियम

विचार का यह नियम कि कोई
वस्तु एक ही देश तथा काल में
गुणों-वाली नहीं हो सकती—क
अ-ख दोनों नहीं हो सकता। यह तर्क
के आधारभूत नियमों में दूसरा है।
विचारकों ने इसे 'अव्याघात-नियम'
(Law of non-contradiction) कहा है

of excluded middle — मध्याभाव-नियम

तर्कशास्त्र में, विचार का एक आधारभूत नियम जिसके अनुसार किसी एक वस्तु या स्थिति के बारे में दो व्याघाती बातें एक साथ मिथ्या नहीं हो सकती : यदि एक मिथ्या है तो दूसरी अवश्य सत्य होगी; उनके अतिरिक्त कोई तीसरा विकल्प नहीं होगा।

of indentity — तादात्म्य-नियम

तर्कशास्त्र के आधारभूत नियमों में से प्रथम, जिसके अनुसार, "सत्य सदा-सर्वदा आत्मानुरूप होता है।" इस नियम को इस प्रकार व्यक्त किया गया है: "कोई चीज जो है वह है," या "क क है" अथवा "प्रत्येक वस्तु अपने तुल्य होती है।"

इसमें यह माना गया है कि प्रत्येक वस्तु की एक प्रकृति होती है जो मनमाने ढंग से नहीं बदलती। यह परिवर्तन का निषेध नहीं है: परिवर्तन होता है पर वस्तु उसके बावजूद अपनी एकता बनाए रखती है।

of parsimony — लाघव-न्याय, लाघव-नियम

एक प्रणाली संबंधी नियम जो व्याख्या में मितव्ययिता के ऊपर बल देता है। यह नियम तथ्यों या घटनाओं की व्याख्या को व्यर्थ शब्दों के जाल या अनावश्यक अभिगृहीतों द्वारा जटिल बनाने के स्थान पर कम से कम शब्दों या अभिगृहीतों में स्पष्ट करने को कहता है।

of sufficient reason — पर्याप्त-हेतु-नियम

तर्कशास्त्र में, विचार का एक आधारभूत नियम (लाइपनित्स के अनुसार

चोया) जिसके अनुसार प्रत्क
के पीछे कोई कारण होता है
द्वारा उसकी संतोषजनक व्याख्या
जा सकती है।

laws of co-existence — सह-अस्तित्व-नियम

वे प्राकृतिक नियम जो एक ही
में अस्तित्व रखनेवाली वस्तुओं के
संबंधों को प्रकट करते हैं।

Laws of succession — पौर्वापर्य-नियम

वे प्राकृतिक नियम जो क्रमशः
घटनेवाली घटनाओं के नियत संबंधों
प्रकट करते हैं।

laws of thought — विचार-नियम

पारंपरिक तर्कशास्त्र में वे नियम
तर्क के मूलाधार हैं तथा जिन पर
शास्त्र के अन्य नियम आश्रित हैं।
के अनुसार ये नियम हैं : (1) ताद
नियम, (2) व्याघात-नियम, और
मध्याभाव-नियम। लाइबनित्स के अनुसार
अन्य नियम भी है, और वह है
पर्याप्त हेतु-नियम।

lay confession — अदीक्षित के समक्ष पापर्
अदीक्षित के समक्ष पापदेशना

पादरी की अनुपस्थिति में
व्यक्ति के समक्ष यह स्वीकृति कि
अमुक पाप किया है। यह बात मध्य
के ईसाई समाज में प्रचलित थी।

legal duty — विधिक कर्त्तव्य

वह कर्त्तव्य जिसे न करने पर क़ानून
मे दण्ड की व्यवस्था रहती है।

al ethics — विधिक नीतिशास्त्र

वह नीति जो कानून या बाह्य नियमों के आधार पर कर्म के औचित्य या अनौचित्य का निर्धारण करती है और उनको नैतिक मानक मानती है।

al nihilism — विधिक नास्तिवाद

समस्त कानूनों को अर्थहीन मानकर उनका निषेध करने वाला सिद्धांत।

al philosophy — विधिमीमांसा, विधि-दर्शन

कानून तथा न्याय से संबंधित दार्शनिक प्रश्नों का विवेचन-विश्लेषण करने वाला शास्त्र।

timate hypothesis — वैध प्राक्कल्पना

वह प्राक्कल्पना जो स्वतोव्याघाती न हो, तथ्य-विरुद्ध न हो, निश्चित हो, स्थापित नियमों के अनुरूप हो, किसी वास्तविक कारण को मानती हो तथा सत्यापनीय हो।

cal definition — कोशीय परिभाषा

कोश में दी हुई परिभाषा जिस का काम यह बताना होता है कि अमुक शब्द जो पहले से प्रयोग में है, क्या अर्थ रखता है।

ration — मुक्ति, मोक्ष

विशेषतः भारतीय दर्शनकारों की सामान्य धारणा के अनुसार, परमार्थ के रूप में कल्पित वह अवस्था जिसमें जीव सुख-दुःख और जन्म-मरण के चक्र से सदा के लिए छूट जाता है।

ratarianism — स्वेच्छातंत्रवाद

यह सिद्धांत कि व्यक्ति अच्छे-बुरे में से चुनाव करने में बिल्कुल स्वतंत्र

है, उसके ऊपर कोई बाह्य दबा...
है, और इस प्रकार वह अपने कर्...
लिए पूर्णतः उत्तरदायी है।

limitative judgment

परिच्छेदक निर्णय

कान्ट के अनुसार, इस प्रकार का... जैसे "प्रत्येक क अ-ख है।" ... तर्कशास्त्र में निर्णयों में ... और निषेधात्मक का जो भेद माना ... है, यह भेद उसके अतिरिक्त है।

logic

तर्कशास्त्र

तर्क या अनुमान का व्यवस्थित ... से अध्ययन करने वाला शास्त्र, जिसकी ... शाखाएं हैं : निगमनात्मक तर्कशास्त्र ... आगमनात्मक तर्कशास्त्र।

logical addition

तार्किक योग

यदि क और ख दो व्यावर्तक ... है तो "या तो क या ख" इन दो ... का "तार्किक योगफल" (प्रतीकात्मक ... में, "क+ख") कहलाता है और ... प्रकार इन दोनों को मिलाने की क्रि... "तार्किक योग"।

logical atomism

तार्किक परमाणुवाद

बर्ट्रेंड रसेल का सिद्धांत जिसमें ... तीय तर्कशास्त्र की भाषा को आदर्श ... माना गया है और विश्व को परमाणु ... प्रतिज्ञप्तियों (atomic propositions) ... के द्वारा व्यक्त सरलतम तथ्यों (... सरल गुणधर्म या संबंध के द्वारा विशिष्ट ... विशेषों) की संहति माना गया है। यह ... एक प्रकार का बहुतत्त्ववाद है और इसका ... नामकरण स्वयं रसेल ने किया है।

:al calculus — तर्ककलन

गणित के अनुकरण पर रचा गया आधुनिक प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र।

cal constant — तार्किक अचर

तार्किक सकारकों के लिए प्रयुक्त प्रतीकों में से कोई एक, जैसे '—' 'v', →, ↔ ।

:al constructionism — तार्किक रचनावाद, तार्किक निर्मितिवाद

ओकम (Occam) के लाघव-न्याय से मिलता-जुलता बर्ट्रेंड रसेल का यह सिद्धांत कि विज्ञान के व्याख्याकार और दार्शनिक को सत्ताओं की कल्पना के स्थान पर तार्किक रचनाओं का उपयोग करना चाहिए: किसी वस्तु व को वस्तु य से बनी तार्किक रचना कहने का तात्पर्य यह है कि व–विषयक कथनों का य–विषयक कथनों में अनुवाद किया जा सकता है और य व की अपेक्षा अधिक आधारभूत प्रकार की सत्ता है।

ical definition — तार्किक परिभाषा

किसी पद की वह परिभाषा जिसमें उसके गुणार्थ का तार्किक नियमों के अनुसार पूरा और स्पष्ट कथन किया गया हो।

gical division — तार्किक विभाजन

किसी जाति या बड़े वर्ग का उसकी उपजातियों या छोटे वर्गों में तार्किक नियमों के अनुसार विभाजन।

ogical empiricism — तार्किक इंद्रियानुभववाद

"वियना सर्कल" (Vienna Circle) के दार्शनिकों द्वारा विकसित सिद्धांत जो

"लॉजिकल पॉजिटिविज्म" के ...
अधिक प्रसिद्ध है। इसमें वैज्ञानिक ...
और सहयोग पर बल दिया ...
जो बातें अनुभव द्वारा सत्यापनीय ...
उन्हें अर्थहीन माना गया है, ...
विरोधी दृष्टिकोण अपनाया गया है ...
भाषा का तार्किक विश्लेषण ...
मुख्य कार्य बताया गया है।

logical multiplication — तार्किक गुणन

यदि क (जैसे "प्रोफेसर") ...
(जैसे "हंसोड़") दो वर्ग हैं ...
ऐसे व्यक्तियों को छाटना चाहें ...
दोनों वर्गों में शामिल हों (...
प्रोफेसर") तो छाटने की यह ...
"तार्किक गुणन" कहलाती है और ...
फल "तार्किक गुणनफल", जिसे ...
त्मक रूप में "क×ख" अथवा ...
लिखा जाता है।

logical positivism — तार्किक प्रत्यक्षवाद

देखिए (logical empiricism)।

logic diagram — तर्करेख

पदों इत्यादि के तार्किक संबंधों ...
दिखाने के लिए प्रयुक्त रेखाकृति।

logicism — तर्कांतर्भूतगणितवाद

फ्रेगे तथा रसेल का यह सिद्धा...
गणित के सब संप्रत्यय तर्कशास्त्र के ...
प्रत्ययों में और गणित के सब ...
तार्किक निगमन मात्र के द्वारा तर्कशा...
के अभिगृहीतों से प्राप्त किए जा सकते।

logistic — तर्कगणित

1904 की अंतर्राष्ट्रीय दर्शन-...
में आइटेलसन (Itelson) इत्यादि ...

दार्शनिकों के द्वारा प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र के पर्याय के रूप में प्रस्तावित तथा अब उसी अर्थ में प्रचलित शब्द। इस प्रयोग के पीछे गणित को तर्कशास्त्रमूलक मानने और तर्कशास्त्र को गणितात्मक बनाने की भावना निहित है।

लॉगोस

प्राचीन यूनानी दर्शन में वैदिक चिंतन के "ऋत" से मिलती-जुलती एक संकल्पना। सर्वप्रथम हैराक्लाइटस द्वारा ब्रह्मांड की व्यवस्था और नियमबद्धता की कारणभूत पराबुद्धि के अर्थ में प्रयुक्त शब्द। बाद में स्टोइकों द्वारा विश्व की आंगिक एकता और प्रयोजनवत्ता के मूलभूत *बुद्धितत्त्व की संकल्पना* के रूप में विकसित। ईसाई धर्मशास्त्र मे, "त्रयी" (Trinity) का दूसरा व्यक्ति जो ईसा के रूप में अवतरित हुआ।

I

men naturale

नैसर्गिक प्रकाश

मध्ययुगीन दर्शन में, मनुष्य को साधारणत: प्राप्त बौद्धिक शक्ति जो दैवी सहायता के बिना ही उसे वस्तुओं का ज्ञान कराती है।

M

aecenatism

मिसीनेसी वृत्ति, कला-प्रतिपालन, कला-संरक्षण

कला और कलाकारों को उदारतापूर्वक संरक्षण देने की वृत्ति के लिए रोम के दो कवियों, होरेस और वर्जिल, के आश्रयदाता मिसीनस के नाम से प्रचलित शब्द।

agic

जादू, जादू-टोना, अभिचार

1. वह विद्या जिसमें तंत्र-मंत्र के प्रयोग से किसी (आत्मा, देवता, भूत-प्रेत आदि)

अलौकिक शक्ति का आराधन करके द्वारा कोई अभिप्रेत कार्य सम्पन्न करना है ।

2. तंत्र-मंत्र से प्राप्त अलौकिक

manners — शिष्टाचार

व्यक्ति का वह व्यवहार जो समाज के मूल्यों एवं मानदंडों के अनुरूप हो।

materialistic monism — भूतैकतत्त्ववाद, पुद्गलैकतत्त्ववाद

यह तत्त्वमीमांसीय मत कि मूलतत्त्व एक है और वह भौतिक है ।

materialistic realism — भौतिकवादी वास्तववाद

भौतिक वस्तुओं के ज्ञाननिरपेक्ष स्वतंत्र अस्तित्व में विश्वास रखनेवाला म

materialisation — भौतिकीकरण

1. स्कॉलेस्टिक दर्शन में, भौतिक का 'आकार' ग्रहण कर एक पिंड या द्र बन जाना ।

2. प्रेतविद्या में, किसी आत्मा का दृश्य आकार ग्रहण कर लेना ।

material cause — उपादान-कारण

अरस्तू के अनुसार, वह सामग्री जि कोई वस्तु उत्पन्न होती है या बनाई जाती जैसे घड़े के प्रसग में मिट्टी ।

material equivalence — वैषयिक तुल्यता

ऐसे दो कथनों का संबंध जो या तो दोनों सत्य होते हैं या दोनों असत्य ।

material logic — वस्तुपरक तर्कशास्त्र

तर्कशास्त्र का वह रूप जो विचारों की पारस्परिक संगति के साथ-साथ वास्तविकता से संगति को भी अध्ययन का विषय बनाता है ।

ial obversion — वैपर्यायिक प्रतिवर्तन

बेन (Bain) के अनुसार, प्रतिवर्तन का एक रूप, जिसमें निष्कर्ष के उद्देश्य और विधेय मूल प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य और विधेय के विपरीत या व्याघातक होते हैं, किंतु प्रतिज्ञप्ति के गुण में कोई परिवर्तन नहीं होता : जैसे 'युद्ध अशुभ है; ∴शान्ति शुभ है'। यह अनुमान अनुभव तथा ज्ञान पर आधारित होता है न कि प्रतिज्ञप्तियों के आकार पर।

rial truth — वास्तविक सत्यता

प्रतिज्ञप्तियों की वह तार्किक विशेषता जो तथ्यों से संगति होने से उनमें आती है।

rial implication — वस्तुगत आपादन

कोपी (Copi) के अनुसार "यदि—तो—" आकारवाला एक ऐसा कथन जिसका फल-भाग ("तो" वाला अंश) हास्यजनक ढंग से किसी असंभव बात को कहता है और इसलिए जिसका हेतु-भाग ("यदि" वाला अंश) असत्य होता है, जैसे "यदि रावण भला आदमी था तो मैं बंदर का मामा हूं"। ऐसे कथन में हेतु और फल के मध्य कोई वास्तविक या तार्किक अनिवार्यता का संबंध नहीं होता। उसका उद्देश्य किसी बात का एक हास्यजनक तरीके से निषेध करना मात्र होता है।

hematical induction — गणितीय आगमन

अनंत धन-पूर्णांकों के बारे में कोई निष्कर्ष निकालने के लिये प्रयुक्त इस प्रकार की अनुमान-क्रिया : "0 में गुणधर्म ग है; यदि किसी धन-पूर्णांक अ में गुणधर्म ग है तो उसके अनुक्रमी अ+1 में भी वह गुणधर्म ग है; अतः प्रत्येक धन-पूर्णांक में गुणधर्म ग है।"

mathematical intuitionism — गणितीय अंतःप्रज्ञावाद

ब्राउवर (Brouwer), हिटिंग(ह
आदि की विचारधारा, जिसने
दर्शन एवं तर्कशास्त्र की
दी और इस बात पर बल दिया
संप्रत्ययों तथा अनुमानों का
माध्यम से स्वतः ही स्पष्ट बोध होता

mathematical logic — तर्कगणित

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र, जिसमें
भाषा के दोषों से बचने के लिए प्र
भाषा और गणितीय सांक्रियाओं का
किया जाता है।

mathesis universalis — सार्वभौम गणित

लाइपनित्स द्वारा प्रस्तावित एक
पद्धति जिसका प्रयोजन सभी
तर्क-प्रक्रियाओं को व्यक्त करने
एक समान और सबके लिए
प्रदान करना था। लाइपनित्स
को आधुनिक प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र
में पहला चरण माना जा सकता है।

matter — 1. भौतिक द्रव्य, पुद्गल

परिमाण, विस्तार, संहतत्व,
आकर्षण, विकर्षण, आदि गुणधर्मों
वह द्रव्य जिससे दृश्य जगत् की वस्तु
निर्माण हुआ है।

2. उपादान; वस्तु

वह सामग्री जिससे कोई वस्तु
जाती है (material)

अरस्तू के अनुसार, आकार (form
भिन्न वह स्थूल और अनियत चीज़
आकार प्रदान किया जाता है।

कान्ट के अनुसार, संवेदन की वह वैविध्य-पूर्ण सामग्री जो बलपूर्वक ज्ञानेंद्रियों के माध्यम से मन के सामने प्रस्तुत होती है तथा प्रागनुभविक आकारों (a priori forms) के द्वारा व्यवस्थित की जाती है।

ıism — यांत्रिकवाद

विश्व, प्रकृति या जीवित प्राणी को यंत्र के समान कुछ बंधे हुए नियमों के अनुसार स्वतः चलनेवाला माननेवाला सिद्धांत जो विशेष रूप से प्रयोजनवत्ता और संकल्प स्वातंत्र्य का विरोधी है।

e inference — व्यवहित अनुमान

वह अनुमान जिसका निष्कर्ष एक से अधिक आधारिकाओं पर आश्रित होता है।

उदाहरण:

सब मनुष्य मरणशील हैं;

राम एक मनुष्य है;

∴ राम मरणशील है।

e knowledge — व्यवहित ज्ञान

वह ज्ञान जो परोक्ष रूप में प्राप्त होता है, जैसे अनुमानमूलक या साक्ष्य से प्राप्त ज्ञान।

ism — सुधारवाद, उन्नयनवाद,

यह मत कि विश्व न तो पूर्णतः बुरा है और न पूर्णतः अच्छा है, बल्कि, उसके अंदर शुभ-अशुभ की मात्रा परिवर्तनशील है, तथा मानव-प्रयत्न से उसको और अधिक अच्छा या शुभ बनाया जा सकता है।

lism — मानसवाद

एक तत्वमीमांसीय सिद्धांत जो केवल मन और मानसिक अवस्थाओं को ही वास्तविक मानता है।

mental state or condition — [illegible]

[illegible]

mention of a term — [illegible]

[illegible] (use of a term) [illegible]

merit — गुण

[illegible]

meta-ethics — अधिनीतिशास्त्र

आधुनिक विश्लेषणवादी दार्शनिकों के अनुसार, 'मानवीय नीतिशास्त्र' है वह शास्त्र जिसमें 'शुभ', 'अशुभ' इ. शब्दों के अर्थ और प्रयोग का विवेचन किया जाता है तथा नैतिक संप्रत्ययों और सि[illegible] का विश्लेषण किया जाता है।

meta-inquiry — अधिमीमांसा

मीमांसा की मीमांसा, अर्थात् शास्त्रों का शास्त्र : दर्शन को अन्य शास्त्रों के [illegible]

माननेवाली पुरानी धारणा का खंडन करके यह बताने के लिए प्रयुक्त शब्द कि उसका विवेच्य विषय सारे शास्त्र हैं।

nguage — अधिभाषा

वह भाषा जिसका प्रयोग किसी अन्य भाषा का विवेचन करने के लिए किया जाता है, अर्थात् दूसरे शब्दों में, जिसके प्रतीक किसी अन्य भाषा के प्रतीकों के गुणधर्मों का वर्णन करते हैं, जैसे व्याकरण की भाषा।

etalanguage — अध्यधिभाषा

वह भाषा जिसके माध्यम से अधिभाषा के विषय में चर्चा की जाती है।

ysical division — तात्त्विक विभाजन

किसी वस्तु का उसके गुणों में विश्लेषण, जैसे कुनीन की गोली का सूक्ष्मत्व, श्वेतत्व और कटुत्व के गुणों में विश्लेषण। इसको संप्रत्ययात्मक विश्लेषण भी कहा जाता है।

ysical dualism — तात्त्विक द्वैतवाद

विश्व के आधारभूत दो परस्पर भिन्न और स्वतंत्र द्रव्यों के अस्तित्व में विश्वास, जैसे आत्मा और पुद्गल में।

ysical essence — तात्त्विक सार

स्कॉलैस्टिक दर्शन में, किसी वस्तु की अनिवार्य विशेषताओं का योग, जिसके आधार पर वह अन्य वस्तुओं से पृथक की जाती है।

ysical evil — प्राकृतिक अशुभ, प्राकृतिक अनिष्ट

पैट्रिक (Patrick) के अनुसार, शारीरिक (एवं मानसिक) अशुभ तथा नैतिक अशुभ से भिन्न एक तीसरे प्रकार की बुराई जो विश्व में पाई जाती है: प्राकृतिक प्रकोप, जैसे भूचाल, अकाल, बाढ़ आदि।

विचाराधीन घटना के दो या अधिक दृष्टांतों में केवल एक बात समान हो तो केवल वह समान बात ही निर्दिष्ट घटना का कारण (या कार्य) है।"

...hod of difference व्यतिरेक-प्रणाली

एक आगमनिक प्रणाली जिसका आधारभूत नियम मिल के अनुसार यह है : "यदि दो दृष्टांत ऐसे हों जिनमें से एक में विचाराधीन घटना होती है और दूसरे में नहीं होती, और दोनों में एक को छोड़कर बाकी प्रत्येक बात बिल्कुल तुल्य हो, तथा वह बात पहले दृष्टांत में उपस्थित और दूसरे में अनुपस्थित हो, तो वह बात जिसमें दोनों दृष्टांत भिन्न हैं विचाराधीन घटना के साथ कारण, कार्य अथवा कारण के एक अनिवार्य अंश के रूप में संबंधित है"।

...hod of elimination निराम-प्रणाली

कार्य-कारण का आवश्यक संबंध स्थापित करने के लिए आकस्मिक या अनावश्यक तत्वों को निकाल बाहर करने की प्रणाली।

...thod of residues अवशेष-प्रणाली

एक आगमनिक प्रणाली जिसके आधारभूत सिद्धांत को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है :

"यदि यह ज्ञात हो कि क ख ग कार्य क^1 ख^1 ग^1 का कारण है और यह भी ज्ञात हो कि क क^1 का और ख ख^1 का कारण है, तो शेष ग ग^1 का कारण है"।

...hodological ...psism प्रणालीतंत्रीय अहंमात्रवाद, प्रणालीतंत्रीय सर्वाहंवाद

एक ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत जो दार्शनिक विवेचन का एकमात्र संभव आरंभ-बिन्द

अहं (आत्मा) और उसकी प्र
मानता है।

mthedology

1. प्रणालीतंत्र

विज्ञानों में अपनाई गई प्र
का समूह।

2. प्रणालीविज्ञान

तर्कशास्त्र की शाखा-विशेष जो उन
या प्रक्रियाओं का विवेचन-विश्लेष
है जिनका अध्ययन के विशेष क्षेत्रों में
किया जाना चाहिए।

macrocosm

विराट् विश्व

सूक्ष्म रूप में विश्व को निरूपित
अणु के विपरीत पूरा, विशाल, ब्रह्मां

microcosm

अणुविश्व

विराट् विश्व के विपरीत, उसका
सूक्ष्म अंश, अणु, जो उसके ढांचे को छो
पैमाने पर निरूपित करता है।

millenarianism

सहास्राब्दवाद, सहास्राब्दशासनवाद

ईसाइयों की एक मान्यता, जिसके
ईसा मानव-शरीर धारण करके पृथ्वी
आकर एक हजार वर्ष तक शासन करेंगे।

mind-stuff theory

मनोद्रव्यवाद

यह सिद्धांत कि मन चैत कणों से
होता है जो भौतिक परमाणुओं के सदृ
हैं।

minima naturalia

भौतिक लघिष्ठ, भौतिक अल्पिष्ठ

अरस्तू के अनुसार, परमाणु, जो
भौतिक द्रव्य के विभाजन के अंत में
लघुतम अंश हैं और जिनका सिद्धांततः
विभाजन नहीं हो सकता।

...r arts — गौण कलाएं

मूर्तिकला एवं चित्रकला से भिन्न लघुरूप वस्त्र, मृद्भाण्ड आदि बनाने की कलाएँ।

...ism — नव्यद्वेष

नवीन के प्रति घृणा की भावना अथवा नई परिस्थिति से भयभीत होने की प्रवृत्ति।

... hypothetical ...gism — मिश्रित हेतु फलात्मक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसकी साध्य-आधारिका हेतुफलात्मक, पक्ष-आधारिका निरुपाधिक तथा निष्कर्ष भी निरुपाधिक होता है।

उदाहरण : यदि वर्षा होती है तो उपज अच्छी होती है; वर्षा हुई है;

∴ उपज अच्छी होगी।

...ic causation — स्मृतिक कारणता

वह कारणता जिसमें अव्यवहित पूर्ववर्ती तत्त्वों के अतिरिक्त सुदूर अतीत में घटी हुई कोई घटना भी कार्योत्पत्ति के लिए उत्तरदायी होती है, जैसा कि स्मृति के प्रसंग में होता है।

...lism — पर्यायवाद

द्वितीय एवं तृतीय शताब्दी ईसवी में ईसाई लोगों द्वारा मान्य एक सिद्धांत जिसके अनुसार खीष्टीय "त्रयी" में सम्मिलित पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा एक ही द्रव्य के तीन पर्याय (रूप) हैं।

...lity — निश्चयमात्रा

प्रतिज्ञप्तियों की वह विशेषता जिसके अनुसार वे (1) प्रकृत (2) अनिश्चयात्मक और (3) निश्चयात्मक, अथवा, कान्ट के मत में, (1) वास्तविक (2) संभव और (3) अनिवार्य, इन तीन प्रकारों में विभाजित की जाती हैं।

modal proposition — निश्चयमात्रिक प्रतिज्ञप्ति

ऐसे कथन के द्वारा अभिव्यक्त
जिसमें उसकी निश्चयात्मकता के
बतानेवाला कोई शब्द ("अवश्य,
इत्यादि) जुड़ा हो।

mode — पर्याय

सामान्यतः किसी आधारभूत
एक विशेष अभिव्यक्ति या अवस्था
उसका कोई-रूप-भेद।

देकार्त के दर्शन में, द्रव्य के
गुणों से भिन्न कोई गौण और
वह जो अपने अस्तित्व और
लिए पराश्रित (द्रव्याश्रित)

स्पिनोजा के दर्शन में, एकमात्र
है और विचार और विस्तार उसके
हैं। "पर्याय" इन्हीं के परिच्छिन्न
आत्माएं और शरीर, हैं।

modus ponendo ponens — विधिविध्यात्मक हेतुफलानुमान

निम्नलिखित प्रकार का

यदि क तो ख;

क;

∴ ख,

इसमे पक्ष-आधारिका में हेतु
किया जाता है और निष्कर्ष में
विधान।

modus ponendo tollens — विधिनिषेधात्मक वियोजनानुमान

निम्नलिखित प्रकार का अनुमान

या तो क या ख;

क;

∴ ख नहीं।

इसमें पक्ष-आधारिका एक विकल्प का विधान करती है और निष्कर्ष दूसरे विकल्प का निषेध करता है ।

...ponens — विधायक हेतुफलानुमान

वह हेतुफलानुमान जिसमे पक्ष-आधारिका हेतु का विधान करती है और निष्कर्ष फल का ।

उदाहरण :

यदि क तो ख;

क;

∴ ख ।

...llendo ponens — निषेधविध्यात्मक वियोजनानुमान

निम्नलिखित प्रकार का अनुमान :

या तो क या ख;

क नही;

∴ ख ।

इसमें पक्ष-आधारिका एक विकल्प का निषेध करती है और निष्कर्ष दूसरे विकल्प का विधान करता है ।

...r proposition — अणु-प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमे सरल प्रतिज्ञप्तिया घटको के रूप में शामिल हों, जैसे "राम और मोहन गए" (राम गया और मोहन गया), "यदि क आता है तो ख जाता है" ।

...a — मोलीनावाद

स्पेन के जेज्यूइट मोलीना (1535—1600) एवं उसके अनुयायियो का सिद्धांत जिसमें ईश्वर को सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान् मानते हुए भी मनुष्य को कर्म करने में स्वतंत्र माना गया है ।

निदणु

लाइपनित्स के दर्शन में उन तात्त्विक सत्ताओं के लिए प्रयुक्त नाम जो चिद्रूप,

आणविक, विस्तारहीन, गतिमान अविनश्वर और सप्रयोजन है। भी इसी प्रकार की एक सत्ता मान यद्यपि वह अन्यों की अपेक्षा अधि है। लाइपनित्स से पहले इस प्रकार ऑगस्टाइन, ब्रूनो और प्रोटेस्टेंट में मिलता है।

monadology

चिदणुविद्या, चिदणुवाद

मुख्यत: लाइपनित्स का दार्शनि जो विश्व को ईश्वर के द्वारा पहले से सामंजस्यपूर्ण एकता में बंधे हुए अन आणविक एककों - चिदणुओं- का है, जिसमें प्रत्येक स्पष्टता की विभिन में संपूर्ण विश्व को अपने विशेष से प्रतिबिंबित करता है।

monasticism

मठवाद; भिक्षुधर्म मठचर्या

आध्यात्मिक विकास के लिए विरक्त होकर आश्रम या मठ में र हुए चिंतन-मनन, ध्यान, तपश्चर्या भ्यास का उपदेश करनेवाला सिद्धा जीवन-पद्धति।

monergism

ईशैककृतिवाद

ईसाई धर्मशास्त्र में एक मत जिसके आध्यात्मिक पुनरुत्थान अकेले दै से ही संभव है, उसमें मानव-संकल्प योगदान नहीं होता।

monism

एकतत्त्ववाद; एकत्ववाद

1. तत्त्वमीमांसा में, यह मत कि नानात्व से युक्त विश्व में मूलभू या सत्ता एक है, हालांकि उसके स्व लेकर यह विवाद हो सकता है कि व भौतिक है, आध्यात्मिक है अथवा दोनों

2. ज्ञानमीमांसा में, यह मत कि प्रत्यक्ष के बाहर जो वस्तु होती है वह तथा प्रत्यक्षकर्ता के मन में उसका जो प्रत्यय होता है वह एक है ।

'psychism — एकात्मवाद

यह मत कि आत्मा एक है और वह शाश्वत है तथा संसार में जो अनेक जीवात्मा हैं वे सब उसकी अभिव्यक्तियां हैं ।

theism — एकेश्वरवाद

अनेक देवताओं की कल्पना के विपरीत यह धार्मिक विश्वास कि ईश्वर एक है ।

le Carlo fallacy — मॉन्टी-कार्लो-दोष

आगमनिक तर्क में पाया जानेवाला एक दोष, जो तब होता है जब निकट भूत में एक घटना विशेष के आशा से कम बार घटने से यह अनुमान किया जाता है कि निकट भविष्य में उसके घटने की प्रसभाव्यता बढ़ गई है ।

l argument — नीतिपरक युक्ति

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के उद्देश्य से मनुष्य की नैतिक प्रकृति के आधार पर विभिन्न कालों में विभिन्न विचारकों द्वारा प्रस्तावित युक्तियों में से कोई एक ।

उदाहरण:

1. "नियम नियामक के बिना नही हो सकता; नैतिक नियम नियम है और मनुष्य उसका नियामक नही हो सकता; अतः ईश्वर उसका नियामक है ।"

2. नैतिक कर्मों का फल देनेवाला कोई होना चाहिए; यह काम मनुष्य की शक्ति से बाहर है; अतः उसे सर्वशक्तिमान् ईश्वर

3. नैतिकता की एक तर्कसम्मत मा
है कि सदाचारी अंत में सुखी हो और
दुःखी; कोई सीमित शक्ति या व
नैतिकता का सुख से संयोग नहीं करा स
अतः ईश्वर का अस्तित्व होना चाहि
(कुछ ऐसे ही आधार पर दार्शनिक
ईश्वर को नैतिकता का एक अभ्युपगम म

moral code

नीति-संहिता, आचार-संहिता

व्यक्ति के आचरण के औचित्य क
के लिए समाज द्वारा निर्धारित नैतिक
का संग्रह।

moral duty

नैतिक कर्तव्य

वह कर्तव्य जिसका पालन करने के
कानून तो बाध्य नहीं करता परन्तु
की नैतिकता के अनुसार जिसका पालन
की व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है।

moral evil

नैतिक अशुभ, नैतिक अनिष्ट

पैट्रिक के अनुसार, वह बुराई जो न
के उल्लंघन से पैदा होती है, जैसे अन्याय
चोरी, घूसखोरी इत्यादि।

(the) moral law

नैतिक नियम

विशेषत: कान्टीय नीतिशास्त्र में, व्य
हारिक तर्कबुद्धि का यह निरपेक्ष आ
कि केवल कर्तव्यबुद्धि से कर्तव्य करो
उसे कर्तव्य मानो जिसे तुम एक सार्व
सिद्धांत के रूप में स्वीकार कर सको।

moral institutions

नैतिक संस्थाएं

वे सामाजिक संस्थाएं जिनका निर्
व्यक्ति की श्रेय, पुरुषार्थ या नैतिक
की प्राप्ति में सहायता करने के प्रयोजन
हुआ है, जैसे परिवार, विद्यालय, धर्म आदि

ity

1. नैतिकता

व्यक्ति के कर्म, ग्राचरण या चरित्र की वह विशेषता जो उसके नैतिक ग्रादर्श के ग्रनुरुप होने से या उसका ग्रनुसरण करने से उसमें ग्राती है ।

2. नीति

नैतिक ग्रादर्श की दृष्टि से ग्राचरण का ग्रध्ययन करनेवाला शास्त्र अथवा मुख्य रुप से मानव-स्वभाव, ग्रादर्श ग्रौर उसका ग्रनुसरण करने के लिए बनाए गए नियमों से संबंधित विचारों का तंत्र विशेष ।

ty of masters — प्रभु-नीति, स्वामि-नीति

जर्मन दार्शनिक नीचे (Nietzsche) के ग्रनुसार, शक्तिमान् की नीति जिसमें साहस, पौरुष, उद्यम इत्यादि वीरोचित गुणों को प्राधान्य दिया जाता है । नीचे स्वयं भी इस नीति का समर्थक था ।

ly of slaves — दास-नीति

जर्मन दार्शनिक नीचे के ग्रनुसार, उपयोगिता के विचार से प्रेरित नीति जिसे सेवक-वर्ग या शासित-वर्ग ग्रपनाता है और जिसमें विनय, धैर्य, शांति अहिंसा इत्यादि गुणों को प्राधान्य दिया जाता है । नीचे के इस प्रकार की "स्त्रैण" नीति की निन्दा की है ।

y religion — नीतिप्रधान धर्म

वह धर्म जो ईश्वर, परलोक इत्यादि परिकल्पनाग्रों को छोड़कर नैतिकता को प्रधानता देता है, जैसे बौद्ध धर्म ।

optimism — नैतिक ग्राशावाद

यह मत कि दुनिया की इस समय जो स्थिति है उसमें सुधार किया जा सकता ।

है और अन्त में मनुष्य के नैतिक ... नैतिक आदर्श के अनुरूप बनाने ... सिद्ध होंगे ।

moral sense theory
नैतिक संवित्तिवाद

मुख्य रूप से ब्रिटेन के शेफ्ट्सबरी, हचेसन नामक नीतिशास्त्रियों का ... कि हमें कर्म के औचित्य और ... का बोध अंतर्विवेक से हो जाता है : जि... आंख, कान इत्यादि रूप, शब्द ... गुणों का साक्षात् ज्ञान करानेवाली हैं, उसी प्रकार अंतर्विवेक नैतिक गु... साक्षात् ज्ञान करानेवाली इंद्रिय है।

moral sentiment theory
नैतिक-भाव-सिद्धांत, व्यष्टि-अनुमोदन ...

नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों के टी... हिल (T. E. Hill) के वर्गीकरण ... अनुसार, वह सिद्धांत जो नैतिक ... अनौचित्य के निर्णय को कर्म-विशेष ... निर्णय करने वाले व्यक्ति के मन में ... अनुमोदन-अननुमोदन के भाव (जिसमें ... सा बौद्धिक अंश भी स्वीकार किया ग... पर आधारित मानता है। ईश्वरानु... सिद्धांत और समाजानुमोदन-सिद्धा... इसका भेद किया गया है ।

moral syllogism
नैतिक न्यायवाक्य

अरस्तू ने नैतिक आचरण को एक ... क्रिया की परिणति माना है : पहले ... को नैतिक मानक का बोध होता है, ... उसे परिस्थिति विशेष में कर्म-विशे... उस मानक के अनुरूप होने का बोध ... है और तब वह तदनुसार आचरण क... है । इन तीनों चरणों को क्रमशः न्यायवा... की साध्य-आधारिका, पक्ष-आधारिका ...

निष्कर्ष के रूप में लिया जा सकता है। यही "नैतिक न्यायवाक्य" है।

'al theology — नैतिक धर्मशास्त्र, नैतिक ईश्वरमीमांसा

संकुचित अर्थ में, धर्मशास्त्र की वह शाखा जो ईसाई धर्मावलंबियों के जीवन का ईश्वरीय इच्छा के संदर्भ में अध्ययन करती है। व्यापक अर्थ में, मानवीय जीवन की समस्या का, उसके नैतिक लक्ष्यों का, उसके नैतिक मानकों का और मानव के नैतिक आचरण का तथा इन सबका ईश्वर से जो संबंध है उसका अध्ययन करने वाला शास्त्र।

lortification of the flesh — आत्म-यातना

आध्यात्मिक उपलब्धि के लिए संयम और त्याग का आचरण करते हुए नैसर्गिक इच्छाओं का दमन तथा प्रायश्चित्त के रूप में अथवा तप इत्यादि के द्वारा शरीर को कष्ट देना।

'saic philosophy — कुट्टिम दर्शन

विश्व को मोज़ेक के समान विभिन्न रूप-रंगों वाले मौलिक तत्वों से निर्मित माननेवाला सिद्धांत : आलोचकों द्वारा बहुतत्त्व वादी दर्शन के प्रति अवशंसा का भाव प्रकट करने के लिए प्रयुक्त पद।

lltiformity — बहुरूपता

स्टेबिंग (Stebbing) के अनुसार, एकसाथ देखी गई ऐसी घटनाओं का एक समूह जिनमें से कोई एक या अधिक अन्य अवसरों पर अन्यों की अनुपस्थिति में घटित होती है : समूह घटनाओं के अलावा गुणों या विशेषताओं का भी हो सकता है।

multiple location theory
अनेकत्र-स्थिति-सिद्धांत

सहज वास्तववाद को मानने में [illegible] इत्यादि मिथ्या प्रत्यक्षों से जो बाधा [illegible] होती है उससे उसे बचाने के उद्देश्य से [illegible] एन० व्हाइटहैड द्वारा प्रस्तावित वह सि[illegible] कि वस्तु एक स्थान पर सीमित नहीं है बल्कि अनेक स्थानों में स्थित होती है। वह सभी दिशाओं और सभी दूरि[illegible] पहुंची होती है और उन दिशाओं और [illegible] के अनुरूप उसमें अनेक गुण आ [illegible] जो परस्पर विरोधी तक हो सकते हैं। [illegible] एक सिक्के की दीर्घवृत्तीयता और वर्तु[illegible]

multiple relation theory
बहु-संबंध-सिद्धांत

निर्णय को निर्णयकर्ता का मन (वि[illegible] तथा बाह्य पदार्थ (विषय) जिसे प्रति[illegible] कहा गया है, इन दो पदों का संबंध [illegible] वाले बर्ट्रेंड रसेल इत्यादि का मत। त[illegible] निर्णय में एक घटक तो निर्णयकर्ता [illegible] (विषयी) होता है और अन्य प्रति[illegible] के अंश होते हैं जिन्हें विषयी एक नि[illegible] क्रम प्रदान करता है। उदाहरणार्थ, [illegible] का यह विश्वास कि रावण सीता को [illegible] कर ले गया, इन अनेक घटकों का एक [illegible] है : जटायु (विषयी) रावण, सीता, ह[illegible] ले जाना (प्रतिज्ञप्ति के अंश जो [illegible] नियत क्रम में है)।

mundus intelligibilis
प्रज्ञा-लोक

प्लेटो के अनुसार, प्रज्ञागम्य [illegible] का लोक जिसमें दृश्य जगत् की [illegible] वस्तु का प्रतिमान विद्यमान रहता है।

mysticism
रहस्यवाद

वह धार्मिक आस्था अथवा [illegible] पद्धति जो ईश्वर के परोक्षानुभव पर [illegible]

अपने संकीर्ण अहं की सीमाओं को तोड़कर उसमें लीन हो जाने या उससे अभेद स्थापित करने पर बल देती है तथा इस प्रयोजन की प्राप्ति के लिए योग-मार्ग में बताए गए एकांत चिंतन, मनन, ध्यान, समाधि इत्यादि उपायों का आश्रय लेती है इस पद्धति में ईश्वर के ज्ञान के लिए बुद्धि को असमर्थ माना गया है और उसके अनुभव को अनिर्वचनीय आनन्द की स्थिति माना गया है, जो तर्क और भाषा से परे है।

aive realism — सहज वास्तववाद

जन-साधारण का मत, जो अनालोचनापूर्वक या बिना छान-बीन किए सहज रूप से यह मान लेता है कि बाह्य जगत् का अस्तित्व है और उसे प्रत्यक्ष से जाना जा सकता है।

arrative proposition — आख्यानात्मक प्रतिज्ञप्ति

जॉनसन के अनुसार, यह प्रतिज्ञप्ति जिसके उद्देश्य-पद के पहले कोई निर्देशात्मक या उपस्थापक विशेषण लगा होता है, जैसे, "एक छाताधारी सैनिक नीचे उतरा," "वह व्यक्ति बड़े गुस्से में था" इत्यादि। इस तरह की प्रतिज्ञप्तियां उपन्यासों, कथा-कहानियों और इतिहास की पुस्तकों में प्रायः होती हैं। जॉनसन ने "टीका-प्रतिज्ञप्ति" (commentary proposition) अर्थात् कोई सामान्य बात बतानेवाली प्रतिज्ञप्ति से इसका भेद किया है।

ativism — सहजज्ञानवाद, प्रकृतज्ञानवाद

यह सिद्धांत कि मन में ज्ञान के ऐसे तत्व विद्यमान हैं जो संवेदन से प्राप्त नहीं हुए हैं। इस शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम जर्मन

विचारक हेल्महोल्त्स (1821-1891)
इस सिद्धांत के लिए किया था कि
ज्ञान में कुछ तत्व आनुवंशिक होते हैं
इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अनुभव
रूप से प्राप्त होते हैं।

natural dualism

प्राकृत द्वैतवाद

प्रत्यक्ष को इस बात का असंदिग्ध मानने वाला सिद्धांत कि 'मन' और 'द्रव्य' दोनों का स्वतंत्र और अलग है।

natural experiment

प्राकृतिक प्रयोग

उन घटनाओं के लिए प्रयुक्त नाम प्रकृति स्वयं ही ऐसी विशेष परिस्थि उत्पन्न कर देती है जिन्हें प्रयोगशाला कृत्रिम रूप से पैदा करना संभव नहीं और फलतः जिनमें एक असाधारण या दुर्लभ घटना का वैज्ञानिक प्रेक्षण का सुअवसर प्रकृति स्वयं प्रदान है, जैसे ग्रहण।

naturalism

प्रकृतिवाद

1. यह विचारधारा कि विश्व में वाली किसी भी प्रक्रिया या घटना के किसी अतिप्राकृतिक शक्ति का हाथ है, सब कुछ प्रकृति से व्युत्पन्न है और कारण-नियम के द्वारा व्याख्येय है, के अन्दर कोई प्रयोजन काम नहीं कर है, तथा मानवीय व्यवहार और तथा सौंदर्यमीमांसीय मूल्यों को समझने लिए भी किसी आध्यात्मिक सत्ता का लेने की जरूरत नहीं है।

2. सौंदर्यशास्त्र में यह मान्यता कि कलाकार को अपने भौतिक पर्यावरण

सूक्ष्म प्रेक्षण करके केवल प्रकृति की विशेषताओं का ही स्पष्टतः चित्रण करना चाहिए।

alistic ethics — प्रकृतिवादी नीतिशास्त्र

नीतिशास्त्र को एक आनुभविक विज्ञान माननेवाला, नैतिक समस्याओं को प्राकृतिक विज्ञानों में हुई खोजों के आधार पर समाधेय और नैतिक संप्रत्ययों को पूर्णतः प्राकृतिक विज्ञानों के संप्रत्ययों के द्वारा व्याख्येय माननेवाली विचारधारा ।

alistic fallacy — प्रकृतिवादी दोष

प्रकृतिवादी नीतिशास्त्र मे अ-नीतिशास्त्रीय आधारिकाओं से नीतिशास्त्रीय निष्कर्ष निकालना, अर्थात् नीतिशास्त्रीय संप्रत्ययों (यथा "शुभ") की प्राकृतिक विज्ञानों के संप्रत्ययों (यथा "सुख") के द्वारा परिभाषा देना, जिसे जी० ई० मूर (G. E. Moor) तथा उनके अनुयायियों ने अनुचित कहा है।

ralistic humanism — प्रकृतिवादी मानवतावाद

फ्रेंच दार्शनिक ऑगस्त कांत आदि का मत जो समस्त मानवता के हित को सर्वोच्च नैतिक आदर्श मानता है तथा अतिप्राकृत मे विश्वास न करके मानवता से संबंधित प्रश्नों को तर्क, विज्ञान, तथा लोकतंत्रीय प्रणालियों के द्वारा हल करने का प्रस्ताव करता है।

ural philsosophy — प्रकृतिशास्त्र, प्रकृतिविज्ञान

प्रकृति का सामान्य अध्ययन करनेवाला शास्त्र ।

ural realism — प्राकृत वास्तववाद, नैसर्गिक वास्तववाद

ज्ञानमीमांसा में यह सिद्धांत कि संवेदन और प्रत्यक्ष ज्ञान के विश्वसनीय साधन

हैं और इनसे बाह्य जगत् ...
अस्तित्व का असंदिग्ध प्रमाण ...
है ।

natural sanction — प्राकृतिक अनुशास्ति

शारीरिक कष्ट, रोग और ...
हमें स्वास्थ्य इत्यादि के प्राकृ...
का उल्लघंन करने के फलस्वरू...
है और इस प्रकार जो हमें ...
रण करने के लिए प्रेरित करते ...
(Bentham) के द्वारा बताई हुई ...
की बाह्य अनुशास्तियों में से ए...

natural slave doctrine — नैसर्गिक-दास-सिद्धांत

अरस्तू का यह सिद्धांत कि ...
की कार्य-क्षमता में भिन्नता होने ...
समाज में दास और स्वामी के ...
रूप से बन जाते हैं।

natural theology — प्राकृतिक ईश्वरमीमांसा

ईश्वर के अस्तित्व, स्वरू...
से संबंधित दर्शन की वह शाखा ...
तथ्यों और घटनाओं के प्रेक्षण को ...
ज्ञान का आधार तथा मनुष्य को ...
रूप से प्राप्त तर्कबुद्धि को उसका ...
मानती है। इसका एक ओर ...
तथा दूसरी ओर "इलहामी ई...
अर्थात् ईश्वर-प्रेरित अनुभव ...
ईश्वरीय ज्ञान का साधन माननेवाली ...
मीमांसा से भेद किया गया है।

natura naturans — कारण-प्रकृति

इब्न रुश्द (Ibn-Rushd), नि...
कूसेनस (Nicholas Cusanus), ...
(Bruno) इत्यादि मध्ययुगीन ...
निकों द्वारा अव्यक्त या कारणरूप ...

के लिए प्रयुक्त पद। प्रपचात्मक जगत् का यह सारभूत रूप है और इस रूप मे ईश्वर से उसका अभेद होने से "अव्यक्त प्रकृति" ईश्वर का ही नामांतर माना जाना चाहिए। इस पूरे प्रपच या सपूर्ण सृष्टि के मूल मे वही प्रेरक शक्ति के रूप में वर्तमान है।

a naturata — कार्य-प्रकृति

मध्ययुगीन दर्शन मे, सपूर्ण वस्तुजात, प्रपचात्मक सृष्टि, या नानावस्तुमय संसार जो कि "कारण-प्रकृति" का व्यक्त रूप है।

e philosophers — प्रकृति-मीमासक, प्रकृति-दार्शनिक

सुकरात से पहले के भौतिकविद्याविदो तथा यूरोपीय पुनर्जागरण-युग के उन दार्शनिकों को दिया गया नाम जिन्होंने भौतिक बातो के अध्ययन में रुचि को पुनः जाग्रत किया।

आम लोगो और विद्वानो की पुनर्जागरण काल से पहले बाइबिलीय धर्म पर जो अध श्रद्धा हो गई थी उसके टूटने पर प्रकृति के प्रक्षण को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। पुनर्जागरण के तीन उल्लेखनीय प्रकृति-दार्शनिक हैं: टेलेसिओ (Telesio) ब्रूनों (Bruno) और काम्पानेला (Campanella)

e-religion — प्रकृति-प्रधान धर्म

एक वर्गीकरण के अनुसार, नीतिप्रधान धर्म (*morality religion*) से भिन्न वह धर्म जिसमें प्राकृतिक शक्तियो की उपासना और तत्संबंधी कर्मकाड को प्रधानता दी जाती है।

e worship — प्रकृति-पूजा

मूलतः सभ्यता के प्रारंभिक काल मे समुचित ज्ञान के अभाव में मानव के द्वारा

प्रकृति की उपकारक शक्तियों को, प्रकाशन तथा अधिक अनुग्रह के लिए, मानकर की जानेवाली उपासना और शक्तियों की उनके कोप की शांति के उपासना ।

naturism

1- प्रकृति-पूजा

प्राकृतिक शक्तियों के प्रकोप से उनकी पूजा ।

2- प्रकृतिदेववाद

यह सिद्धात कि आदिम धर्म या प्रकृतिक शक्तियो को देवता चलनेवाला और उनकी उपासना का एक रूप था ।

necessary proposition

अनिवार्य प्रतिज्ञप्ति

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, वह जो किसी वात को अनिवार्य बताये जैसे "त्रिभुज के तीनों कोणों का योग अनिवार्यतः होता है", "जो पैदा हुआ अवश्य मरेगा" इत्यादि ।

necessitarianism

अवश्यतावाद

यह सिद्धांत कि विश्व की प्रत्येक कारणों के द्वारा निर्धारित होती है, के उपस्थित होने पर घटना अनिवार्य से होती है, कुछ भी आकस्मिक नहीं तथा भौतिक और मानसिक मुक्त की नहीं है । यह अवश्यता या को सार्वभौम माननेवाला सिद्धांत नियतत्ववाद (determinism) नियतता के क्षेत्र में अर्थात् मानवीय पर लागू होने वाला रूप-भेद है।

necromancy

कर्णपिशाची विद्या

प्रेतात्माओं की सहायता से भविष्य करने की तथाकथित विद्या ।

;tionism	निषेधमात्रवाद
	किसी नए सुझाव को दिए बिना या विकल्प को बताए बिना स्वीकृत विश्वासों का निषेध मात्र करने का सिद्धांत ।
.tive condition	अभाव-उपाधि
	मिल के अनुसार, कार्योत्पत्ति को रोकनेवाले कारक का अभाव, जैसे, फिसलकर गिरनेवाले आदमी के प्रसंग मे अवलंब का अभाव ।
tive definition	निषेधात्मक परिभाषा
	वह परिभाषा जो किसी पद के विषय मे यह बताने के बजाय कि वह क्या है, यह बताए कि वह क्या नही है । ऐसी परिभाषा को तब दोषयुक्त माना जाता है जब परि-भाष्य पद निषेधात्मक नही होता । उदाहरण : "प्रकाश वह है जो अंधकार न हो ।"
tive proposition	निषेधक प्रतिज्ञप्ति
	वह प्रतिज्ञप्ति जो निषेध के रूप मे हो, यानी जिसमें किसी बात का निषेध हो, जैसे "कोई भी मनुष्य पूर्ण नही है"। पारंपरिक तर्कशास्त्र में, 'ए' (E) (सर्वव्यापी निषेधक) और "ओ" (O) (अशव्यापी निषेधक) निषेधक प्रतिज्ञप्तिया हैं ।
tive term	अभावात्मक पद
	वह शब्द या शब्द-समूह जो किसी गुण या वस्तु के अभाव को प्रकट करे, जैसे : "बुद्धिहीन", "अमानव", "अश्वेत" इत्यादि ।
;ative value	नास्ति-मूल्य
	"वैल्यू" वह विशेषता है जो मूल्यवान चीजों में होती है, और एक प्रयोग के [illegible]

शुभ के साथ ही अशुभ के लिए भी इसका समानतः प्रयोग होने लगा है, और इन अन्तर बनाए रखने के लिए शुभ को "positive value" और अशुभ को "negative value" कहा जाता है।

negativism
निषेधवाद
सत्य की प्राप्ति में संशय करने वाला अथवा सत्य की प्राप्ति को असंभव मानने वाला, या सत्ता का, विशेषतः दृश्य जगत् का, निषेध करनेवाला सिद्धांत।

neglective fiction
अपाकर्षी कल्पितार्थ
हान्स फाइइंगर (Hans Vaihinger) के अनुसार, वह कल्पितार्थ यानी अवास्तविक परन्तु व्यवहारोपयोगी संप्रत्यय जिसमें विचार की सरलता के लिए जटिल तथ्यों में से कुछ बातों को निकालकर केवल मुख्य तत्वों को रख लिया जाता है।

neo-criticism
नव्य-संपरीक्षावाद, नव्य-समालोचनावाद, नव्य-समीक्षावाद
फ्रेंच दार्शनिक कूर्नो (Cournot) ने अपने दार्शनिक सिद्धात को दिया गया नाम। रिनूविए (Renouvier) भी कांट की समीक्षात्मक प्रणाली को लेकर चला और उसका प्रारंभिक सिद्धांत भी इस नाम से अभिहित होता है। परन्तु वह कांट के "पारमार्थिक जगत्", तथा "वस्तु-निज रूप" को नहीं मानता। उसके उत्तरकालीन दार्शनिक सिद्धात के लिए "व्यक्तिवाद" अधिक उपयुक्त अभिधान है।

neo-idealism
नव्य-प्रत्ययवाद
इटली में क्रोचे (Croce) तथा जेंटीले (Gentile) के नेतृत्व में विकसित नव्य-हेगेलवाद का नामान्तर। इस

मत में हेगेल के एक "मूर्त सामान्य" के बजाय दो "मूर्त्त सामान्य" माने गए हैं, हेगेल के सर्वबुद्धिवाद को छोड़ दिया गया है, क्रियाशीलता पर बल दिया गया है तथा दर्शन की एतिहासिक व्याख्या की गई है।

·intuitionism नव्य-अन्तः प्रज्ञावाद

उचितानुचित के ज्ञान को अतः प्रज्ञामूलक और परिणाम-निरपेक्ष माननेवाले ऑक्सफोर्ड के रॉस (Ross) प्रिचर्ड (Prichard) कैरिट (Carritt) इत्यादि कुछ समसामयिक विचारकों का मत।

logy नव्य-प्रयोग

सामान्यतः नए शब्द का प्रयोग अथवा पुराने शब्द का परंपरा से भिन्न किसी नए अर्थ में प्रयोग। विशेषतः धर्मशास्त्र मे, कोई नई व्याख्या अथवा कोई नया सिद्धांत जो परंपरा को मान्य न हो, जैसे बाइबिल इत्यादि धर्मशास्त्रों के आप्तत्व को चुनौती देनेवाला तर्कबुद्धिवाद।

Platonism नव्य-प्लैटोवाद

अलेक्जेंड्रिया में दूसरी शताब्दी ईसवी में अमोनियस सैकास (Ammonius Saccas) द्वारा चलाया गया एक मत जो मुख्यतः प्लैटो के प्रत्ययवाद और गौणतः अरस्तू, स्टोइक इत्यादि तत्कालीन विचारधाराओं से लिए गए अंशो का मिश्रण था। प्रोक्लस (Proclus) के समय तक इस मत का प्रभाव रहा।

सत्रहवीं शताब्दी में कैम्ब्रिज, इंगलैंड में कडवर्थ (Cudworth) और हेनरी मोर (Henry More) के प्रभाव से प्लैटो के

दर्शन का जो पुनरुद्धार हुआ वह और
से प्रसिद्ध है।

neo-Thomism

नव्य टॉमसवाद

समसामयिक दर्शन में, वह
जो विज्ञानमीमांसा, समाजमीमांसा,
राजनीतिमीमांसा की समस्याओं पर
टॉमस अक्वाइनस के सिद्धांतों की
में विचार करती है। इसके प्रतिनिधि
(Maritain), एड्लर (Adler)
(Noel) इत्यादि हैं।

nescience

अविद्या, अज्ञान

विशेष रूप से, ईश्वर, आत्मा और
के अज्ञान की अवस्था; परमार्थ-तत्त्व
का अभाव।

neuter proposition

अनुभय प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो न सत्य हो
असत्य, जैसे "आज से पांच वर्ष
तीसरा महायुद्ध होगा"। इस तरह
प्रतिज्ञप्तियों की सत्यता-असत्यता को
ने संदिग्ध माना था और मध्ययुगीन
शास्त्रियों ने इन्हें अनुभय माना।

neutral monism

तटस्थ एकतत्त्ववाद, निर्विशेष एकतत्त्व

विलियम जेम्स के निबंध "
consciousness exist ?" में प्रस्तुत
से प्रेरित यह सिद्धांत कि मानसिक
भौतिक उन चरम सत्ताओं के मध्य
हैं जो स्वयं न मानसिक हैं और न भौतिक
यह मत गुणात्मक रूप से एकतत्त्ववादी
क्योंकि मूल सत्ताएं एक ही प्रकार की
हालांकि उनकी संख्या बहुत मानी गई है।

l stuff	तटस्थ वस्तु, उभयेतर वस्तु
	कुछ दार्शनिकों के अनुसार, ऐसी वस्तु जो न मानसिक है और न भौतिक, किन्तु जो दोनों के मूल में है, अर्थात् जिससे जड़ और चेतन दोनों की उत्पत्ति हुई है।
n	तटस्थ वस्तु, अनुभय वस्तु
	देखिए neutral stuff
alism	नव्य-वास्तववाद
	बीसवीं शताब्दी के आरंभ की एक विचार-धारा जो प्रत्ययवादी तत्वमीमासा के विरोध में आरंभ हुई। इसने मन के विपरीत वाह्य वस्तुओं को प्राथमिकता दी। इसके अनुसार प्रकृति मूल है और मन उसका एक अंश है; वाह्य जगत् मन से स्वतंत्र अस्तित्व रखता है। इसकी दो शाखाएं हैं : एक का विकास जी० ई० मूर के नेतृत्व में इंगलैंड में हुआ और दूसरी का अमेरिका में, जहा होल्ट, मार्विन, मॉन्टेग्यू, पेरी, पिटकिन और स्पॉल्डिंग ने एक ही मंच से इसका उद्घोष किया।
t in intellectu quod prius	नास्ति संवेदने यत्तत् बुद्धावपि न वर्तते
	लैटिन भाषा का एक सूत्र जिसका अर्थ है : "कोई भी ऐसी बात बुद्धि में नहीं होती जो पहले संवेदन में न रह चुकी हो।" अर्थात् उच्चतर चिंतन-मनन की सारी सामग्री ज्ञानेन्द्रियों के व्यापार से प्राप्त होती है। इसमें व्यक्त संवेदनवादी सिद्धांत के माननेवालों में प्रमुख अरस्तू, संत टॉमस और लॉक थे।
: nihilo	नासत् : किंचित्
	"असत से कुछ उत्पन्न नहीं होता"। यह सूत्र पर्याप्त-हेतु-सिद्धांत का निषेधात्मक रूप है।

nihilism

1. नास्तिवाद, शून्यवाद

यह मत कि संसार में किसी ... अस्तित्व नहीं है, या किसी वस्तु ... ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता है ... मूल्यवान नहीं है।

2. विनाशवाद, विध्वंसवाद

एक समाजशास्त्रीय सिद्धांत ... इसका तात्पर्य यह है कि नागरिक ... सब सामाजिक एवं राजनीतिक ... विनाश करके ही संभव है।

nominal definition

शाब्दिक परिभाषा

एक मत के अनुसार, वह परि... वस्तु की नहीं बल्कि शब्द या ... होती है।

इसमें कुछ तर्कशास्त्रियों का ... है कि परिभाषा सदैव नाम या ... ही होती है, वस्तु की नहीं ... अतः कोपी (Copi) इत्यादि ... तर्कशास्त्री इस पद को "स्वनिर्... भाषा" का पर्याय मानते हैं। देखिए "stipulative definition"।

nominal essence

शाब्दिक सार

जॉन लॉक के अनुसार, मन ... कोई जटिल प्रत्यय जिसे कोई ... दिया गया हो और जो उस ... परिभाषा का आधार बनता है। ... "real essence" ("वास्तविक ... से भेद किया गया है।

nominalism

नाममात्रवाद

यह सिद्धांत कि सामान्य कोई ... चीज नहीं है जिसका समर्थन ... हो। "मनुष्य" इत्यादि जो ...

पद हैं, जिनका एक से अधिक व्यष्टियों के लिए प्रयोग होता है, वे किसी ऐसी चीज़ के अस्तित्व के सूचक नही होते जो उन व्यष्टियों में समान हों, व्यष्टियो में समान केवल नाम होता है।

ogical proposition — नियम-प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो प्रकृति के किसी नियम को व्यक्त करे, जैसे "समुद्र की सतह पर पानी 32° फा० पर जमकर बर्फ बन जाता है," "प्रत्येक भौतिक पिंड प्रत्येक अन्य भौतिक पिण्ड को अपनी ओर खीचने की शक्ति रखता है" इत्यादि।

entre theory — न-केन्द्र-सिद्धांत

सी० डी० ब्रॉड के अनुसार, मानसिक एकता का कारण किसी एक केन्द्र भूत सत्ता को न मानकर एक काल मे होनेवाली मानसिक घटनाओं का सीधे पारस्परिक संबंधो से जुडे होने को माननेवाला सिद्धांत।

ogitative substance — अचितक द्रव्य

लॉक के अनुसार, वह द्रव्य जिसमे चिंतन की शक्ति न हो।

ognitivist theory — निस्संज्ञानवादी सिद्धात

कर्मो को शुभ-अशुभ, सदसत्, या भला-बुरा बतानेवाले नैतिक निर्णयों को किसी वस्तुगत गुण का नही बल्कि व्यक्ति की अभिवृत्ति (अनुमोदन इत्यादि) या अनुभूति का अभिव्यंजक माननेवाला सिद्धात।

-collective term — असमूह-पद, असमीष्ट-पद

पारंपरिक तर्कशास्त्र मे, वह पद जो किसी समूह के लिए प्रयुक्त न हो, जैसे 'मनुष्य'।

non-connotative term

न-वस्तुगुणार्थक पद।

जॉन स्टुअर्ट मिल के अनुसार
जिसका या तो केवल वस्त्वर्थ
केवल गुणार्थ, न कि दोनों
"जेम्स" (केवल वस्त्वर्थ) या
(केवल गुणार्थ)।

non-dualism

अद्वैतवाद

भारतीय दर्शन के "अद्वैत
अंग्रेजी पर्याय। अद्वैतवाद में ब्रह्म
मात्र सत्य माना गया है और
को मिथ्या। नानात्व माया के
प्रतीत होता है और इसलिए
दृष्टि से असत् है। तत्व
ब्रह्म है, पर उसे 'एक'
अद्वैत कहा गया है: 'एक' इसलिए
कि ब्रह्म निर्विशेष है; 'एक'
सविशेष बना देने के समान
उसके लिए अद्वैत इत्यादि
शब्दों का प्रयोग अधिक समीचीन

non-ethical

निर्नीतिशास्त्रीय; निर्नैतिक

नीतिशास्त्र या नैतिकता के
वहार या; वह जिसपर नैतिक
संप्रत्यय लागू ही न हों: जो
हो और न अशुभ।

non-inferential fallacies

अनानुमानिक दोष

निगमन के वे दोष जो अनुमान के
नहीं हैं, जैसे परिभाषा और
के दोष।

non-logical fallacies

न-तार्किक दोष

देखिए 'extra-logical fallacies'

ral	निर्नैतिक; निर्नीति शास्त्रीय वह जो न नैतिक हो और न अनैतिक, न नीतिशास्त्रीय हो और न अनीतिशास्त्रीय।
:mative ethics	न–आदर्शक नीतिशास्त्र, न–नियामक नीतिशास्त्र नीतिशास्त्र का वह भाग जिसमें वर्ण-नात्मक कथन समाविष्ट होते हैं, जैसे, "हिमाचल प्रदेश के कुछ समुदायों में परिवार के सब भाइयों की एक ही पत्नी होती है और इसे बुरा नहीं माना जाता," "अच्छे बुरे की धारणाएं देश-कालानुसार बदलती रहती हैं" इत्यादि।
:exive relation	न-परावर्ती संबंध ऐसा संबंध जो न परावर्ती हो और न अपरावर्ती, जैसे 'प्रेम करना', 'घृणा करना', 'आलोचना करना,' इत्यादि (क्योंकि अ का स्वयं से न ये काम करना जरूरी है और न ये काम न करना)।
ımetrical relation	न-सममित संबंध वह संबंध जो यदि क का ख के साथ है तो ख का क के साथ कभी होता है और कभी नहीं होता, जैसे भाई का संबंध . यदि क ख का भाई है तो ख क का कभी भाई होता है और कभी बहन, अर्थात् भाई नहीं होता।
nsitive relation	न-संक्रामी संबंध वह संबंध जो न संक्रामी हो और न असंक्रामी, जैसे "प्रेम करना" (क्योंकि यदि अ ब से प्रेम करता है और ब स से प्रेम

करना है, तो अ वा म है व
जरूरी है और न उसमें प्रेन

normative science — मानकीय विज्ञान, आदर्शक वि

तथ्यों और उन प्राकृति
जिनका अनुसरण तथ्य और
करते हैं, अध्ययन करनेवाले
विज्ञान के विपरीत, उन आदर्शों
तथा मानकीय नियमों का
ढंग से अध्ययन करनेवाला ज्ञा
अनुसार जीवन, समाज इत्या
चलना चाहिए, जैसे नीतिशा
शास्त्र और तर्कशास्त्र।

notiones communes — सर्वजनीन प्रत्यय

स्टोइकों (*Stoics*) द्वारा
अशुभ और ईश्वर के अ
संबंधित प्रत्ययों के लिए
पद का, जो उनके अनुसार
व्यक्ति में स्वाभाविक रूप से
है, सिसरो-कृत लैटिन अनुवाद।

noumenal world — पारमार्थिक जगत्

इंद्रियों को प्रतीत होनेवाले (P
menal) जगत् के विपरीत वह
जो कि वास्तविक है. कान्ट के
यह जगत् अज्ञेय है।

noumenon — परमार्थसत्

शुद्ध चिंतन का विषय, जो सर्वे
अंशों से बिल्कुल मुक्त हो। इस
में प्लेटो ने "प्रत्ययों" के लिए इ
का प्रयोग किया था।

कान्ट ने इसका प्रयोग "वस्तु-निज
(thing-in-itself) के लिए कि
और उसे अनैंद्रिय प्रत्यक्ष का

कहा है। चूंकि अनेंद्रिय प्रत्यक्ष हो नही सकता, इसलिए इसे कान्ट ने अज्ञेय माना है। परन्तु शुद्ध बुद्धि के द्वारा अज्ञेय होने के बावजूद कान्ट ने इसे व्यावहारिक बुद्धि का एक अभिगृहीत कहा है, अर्थात् नैतिक हेतुओं से इसकी आवश्यकता स्वीकार की है।

नाउस, बुद्धितत्व

यूनानी दर्शन मे, मन, विशेष रूप मे, इसकी प्रधान शक्ति, तर्कबुद्धि। सकुचित अर्थ में यह विज्ञान के प्रथम सिद्धांतों का तथा शाश्वत द्रव्यों का ज्ञान करानेवाली शक्ति है।

sition रिक्त प्रतिज्ञप्ति।

वूल श्रडर तर्क-बीजगणित मे, वह प्रतिज्ञप्ति जो कभी सत्य नही होती अर्थात् सदैव मिथ्या होती है।

tion रिक्त संबंध

वूल-श्रडर तर्क-बीजगणित में, वह सबध जो विश्व की किसी भी चीज का किसी अन्य चीज से नही होता।

दिव्य तत्व

जर्मन धर्मशास्त्री रूडोल्फ ओटो (Rudolf Otto 1869-1937) के अनुसार, एक विशेष और विचित्र प्रकार की दिव्यानुभूति ("numinous feeling") को जन्म देनेवाला दिव्य तत्व अर्थात् इस अनुभूति का विषय। इस अनुभूति मे भीति, आश्चर्य, श्रद्धा, मूल्य इत्यादि अनेक तत्वों का समावेश रहता है और इन सबसे वह भिन्न है।

numinous दिव्यानुभूति

रुडोल्फ ओटो के [illegible]
धर्मात्मा व्यक्ति की मन [illegible]
उसको एक अद्भुत, चमत्[illegible]
पवित्र, प्रेरणादायक शक्ति [illegible]
होता है और उसमें भय [illegible]

O

objectivation विषयीकरण; विषयी भवन

वह मानसिक प्रक्रम [illegible]
संवेदन संवेत्ता की एक आंतरि[illegible]
से बदलकर बाह्य वस्तु [illegible]
बन जाता है।

objective वस्तुपरक, वस्तुनिष्ठ, विषयनिष्ठ

ज्ञाता के मन से स्वतंत्र रू[illegible]
जगत् में अस्तित्व रखनेवा[illegible]
ऐसी वस्तु से संबंधित; ज्ञाता [illegible]
या मन से निरपेक्ष अर्थात्
निर्भर न रहने वाला; "sub[illegible]
का विलोम ।

objective ethics वस्तुपरक नीति

1. वह नीति या वह आचार[illegible]
जिसका आधार व्यक्ति का [illegible]
में नियत स्थान होता है, [illegible]
संस्कृति में व्यक्ति के वर्ण [illegible]
पर आधारित कर्तव्यों से संबं[illegible]
इस अर्थ में यह सामाजिक [illegible]
पर्याय है।

2. वह नीति जो प्रच्छा[illegible]
व्यक्ति के भावों पर नहीं [illegible]
वस्तुगत गुणों पर आधारित [illegible]

objective idealism विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद

यह मत को प्रकृति, विश्व [illegible]
मूलतः आध्यात्मिक होने के

व्यष्टि के मन से स्वतंत्र अस्तित्व रखता है: मेरे सोचने पर उसका अस्तित्व निर्भर नहीं है, हालांकि है वह भी मेरी तरह ही चिद्रूप। विशेषत: जर्मन दार्शनिक शेलिंग (Schelling) के मत के लिए प्रयुक्त, जिसके अनुसार प्रकृति दृश्य बुद्धि है और बुद्धि अदृश्य प्रकृति।

... relativism — विषयनिष्ठ सापेक्षवाद

ज्ञानमीमांसा में, यह सिद्धांत कि प्रत्यक्ष में वस्तु के विभिन्न कोणों से जितने भी रूप दिखाई देते हैं (जैसे एक रुपए का किसी कोण से गोल और किसी कोण से दीर्घवृत्ताकार दिखाई देना) वे सभी वस्तुत: प्रत्यक्षकर्ता के मन से स्वतन्त्र अस्तित्व रखते हैं।

ivism — विषयनिष्ठवाद, बाह्यार्थवाद

1. बाह्य जगत् का मन से स्वतंत्र अस्तित्व माननेवाला सिद्धांत। देखिए realism

2. विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद देखिए objective idealism

3. तर्कशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र और नीतिशास्त्र में, यह मत कि मन के अंदर कुछ ऐसे सत्य, मूल्य, आदर्श और मानक विद्यमान हैं जो सार्वभौम और शाश्वत हैं।

...ect language — 1. वस्तु भाषा

वह भाषा जिसका प्रयोग वस्तुओं, घटनाओं और उनकी विशेषताओं की चर्चा में किया जाता है, जैसे सामान्य अंग्रेजी, हिन्दी इत्यादि।

2. विषय-भाषा

वह भाषा जो चर्चा का वि[illegible] है अथवा जिसकी छानबीन [illegible] (metalanguage) करती है।

objecto-centric predicament — वस्तुकेंद्रिक विषयावस्था, [illegible] विप्रतिपत्ति

नव्य-वास्तववादियों की यह [illegible] युक्ति कि क्योंकि जो वस्तुएं [illegible] विषय हैं उनके अलावा किसी [illegible] में कुछ नहीं कहा जा सकता, [illegible] केवल इन वस्तुओं का ही [illegible] अस्तित्व है : 'egocentric predicament' जिसका आरोप प्रायः वि[illegible] प्रत्ययवाद पर किया जाता है, [illegible] में किया जाने वाला प्रत्यारोप।

object of moral judgment — नैतिक निर्णय का विषय

वह जिसे नैतिक दृष्टि से इच्छा [illegible] उचित या अनुचित कहा जा सक[illegible] वह चीज स्पष्टतः वही होगी [illegible] दायित्व कर्ता पर होता है और [illegible] वह जिसे करना या न करना [illegible] वश की बात हो, अर्थात् ऐच्छिक क[illegible]

obligation — आबंध

आवश्यकता, विशेष रूप से '[illegible] चाहिए' द्वारा व्यक्त कर्म कर[illegible] आवश्यकता जो किसी बाह्य द[illegible] कारण न होकर नैतिक आदर्शों का [illegible] करने की प्रेरणा का फल होती है।

obliteration philosophy — अपमार्जन दर्शन

नव्य वास्तववादियों द्वारा प्र[illegible] दर्शन को दिया गया अनादरसूचक [illegible]

जो, उनके कथनानुसार, वस्तु-जगत् के स्वतंत्र अस्तित्व का लोप ही कर देता है।

...cure definition — अस्पष्ट परिभाषा

वह दोषयुक्त परिभाषा जिसमें दुर्बोध भाषा का प्रयोग किया गया हो, जैसे "जीवन शरीरान्तर्गत एकत्रीभूत अभौतिक पदार्थ है।"

...tacularity — प्रतिघता

प्राइस (*Price*) के अनुसार, बाह्य वस्तु में पाई जानेवाली वह विशेषता कि वह उसकी स्थिति में परिवर्तन चाहनेवाले की चेष्टा का प्रतिरोध करती है।

...verse — प्रतिवर्तित

वह निष्कर्ष जो प्रतिवर्तन के द्वारा प्राप्त होता है। देखिए obversion

...version — प्रतिवर्तन

अव्यवहित अनुमान का एक प्रकार जिसमें दी हुई प्रतिज्ञप्ति के गुण को बदलकर (विधान को निषेध में या निषेध को विधान में) ऐसा निष्कर्ष निकाला जाता है जिसका परिणाम और उद्देश्य वही रहता है। उदाहरण :

सब बिहारी भारतीय हैं ;
∴ कोई बिहारी अभारतीय नहीं है।

...verted contrapositive — प्रतिवर्तित प्रतिपरिवर्तित

प्रतिपरिवर्तन की क्रिया से प्राप्त निष्कर्ष का प्रतिवर्तन करने से प्राप्त वाक्य, अर्थात् किसी दिए हुए वाक्य का क्रमशः प्रतिवर्तन,

परिवर्तन और पुनः प्रतिवर्तन से प्राप्त वाक्य। उदाहरण :

सब उ वि है ;
कोई उ अ-वि नहीं है (प्रति०),
कोई अ-वि उ नहीं है (परि०);
∴ सब अ-वि अ-उ है (प्रति० प्रति०)

obverted converse प्रतिवर्तित-परिवर्तित

परिवर्तन से प्राप्त निष्कर्ष का प्रति करके प्राप्त होनेवाला वाक्य या प्रति उदाहरण :

सब स प है ;
∴ कुछ प स है; (परिवर्तित)
∴ कुछ प अ-स नहीं है (प्रतिवर्तित परि)

obvertend प्रतिवर्त्य

वह प्रतिज्ञप्ति जिसका प्रतिवर्तन जाना है। देखिए (obversion)

Occam's razor औकम-न्याय, लाघव-न्याय

वैज्ञानिक व्याख्या का एक नि जिसके अनुसार "यदि आवश्यक न है बहुत-सारी चीजों की कल्पना करनी चाहिए" अथवा "यदि कम से काम चल जाता है तो अधिक को मानना व्यर्थ है।"

यह सिद्धांत भारत में "कल्पना या "लाघव-न्याय" के नाम से बहुत से प्रसिद्ध है और पश्चिम में भी (William of Occam, 1300-135 के नाम से प्रसिद्ध होने के बावजूद प्रयोग में है।

onalism प्रसंगवाद

सत्रहवीं शताब्दी के देकार्तवादी दार्शनिक आर्नोल्ड गुलिंग्स (Geulincx) का सिद्धांत, जो मानसिक और भौतिक के द्वैत को बनाए रखते हुए उनकी परस्पर -क्रिया की व्याख्या के लिए प्रस्तुत किया गया था : जब भी कोई मानसिक या भौतिक घटना घटती है तब ईश्वर उस अवसर पर हस्तक्षेप करके स्वयं तदनुरूप भौतिक या मानसिक घटना को उत्पन्न करता है। फ्रेंच दार्शनिक मैलब्राश (Malebranche) ने भी इस सिद्धांत को माना है।

ism गुह्यतंत्र, गुह्यविद्या

गुप्त, रहस्यमय या अलौकिक तत्त्वों में विश्वास तथा उन्हें वश में करने के लिए मंत्र-तंत्र और अन्य गुह्य साधनों का प्रयोग।

ant अधिवासी

जॉनसन के अनुसार, 'अनुयायी' (continuant, सामान्य शब्दावली में जिसे 'द्रव्य' कहा जाता है) के दो प्रकारों में से वह जो स्थान घेरता है, अर्थात्, सामान्य भाषा में, भौतिक द्रव्य। (दूसरा प्रकार है (experient अर्थात् चिद्द्रव्य, जो कि अनुभव करता है।)

:rent आपाती

जॉनसन के अनुसार, दिक्काल में अस्तित्व रखनेवाली वस्तुओं के दो वर्गों में से एक : वह जिसका थोड़ी देर बाद अस्तित्व नहीं रहता, जैसे बिजली की कौंध। (दूसरा वर्ग उन चीजों का है जो स्वयं बनी रहती हैं, हालांकि उनकी अवस्थाएं आती-जानी

रहती हैं। इन्हें 'continuant' . .
है।)

one-one relation

एकैक-संबंध

वह संबंध जो एक चीज का ... ही अन्य चीज से होता है; जैसे "एक ... होने का संबंध, जो दो, तीन, चार– दस इत्यादि का एक दो, तीन,— नौ इत्यादि से अर्थात् केवल एक ... संख्या से हो सकता है।

ontological argument

प्रत्यय-सत्ता-युक्ति

संत ऐन्सेल्म (Anselm) के ... एक पूर्ण सत्ता के प्रत्यय से उनके ... अस्तित्व के अनुमान के रूप में ... ईश्वरसाधक प्रमाण को कान्ट इत्यादि ... निको द्वारा दिया गया नाम। प्रमाण ... में इस प्रकार है: ईश्वर महान् है ... महान् कि उससे अधिक महान् ... की बात सोची नहीं जा सकती। ... हीन महान् सत्ता से एक ... सत्ता निश्चित रूप से अधिक महान् ... अतः ईश्वर का अनिवार्यतः अस्तित्व ...

ontological idealism

सत्तामीमांसीय चिद्वाद

मैकटेगर्ट (Mc Taggart) का ... जो सत्ता के विवेचन से प्रारंभ ... इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि ... आध्यात्मिक, चिद्रूप या प्रत्यय ...

ontological object

सद्वस्तु

ज्ञान की वह वस्तु जो ... न हो बल्कि जिसका भौतिक जगत् ... में अस्तित्व हो।

सत्तामीमांसा

तत्वमीमांसा की एक शाखा, जो सत्ता के सामान्य स्वरूप का विवेचन करती है। इसमें आदि-तत्वों का विवेचन और पदार्थों का वर्गीकरण इत्यादि भी शामिल है। सर्वप्रथम क्रिश्चियन वूल्फ (Christian Wolff) ने इस शब्द को यह अर्थ दिया, हालांकि ontologia शब्द का प्रयोग स्कालैस्टिक लेखकों ने सत्रहवीं शताब्दी में शुरु कर दिया था। कुछ इसे तत्वमीमांसा के पर्याय के रूप में लेते हैं।

orality उदार नैतिकता

वह नीति जो किसी विशेष समाज को नहीं बल्कि समस्त मानवता के हित को ध्यान में रखकर सबके लिए कर्तव्य और सबके ऊपर लागू होने वाले नियम निर्धारित करती है।

onal definition संक्रियात्मक परिभाषा

वह परिभाषा जो यह बताती है कि अमुक पद अमुक स्थिति में केवल तभी लागू होगा जब उसमें कुछ निर्दिष्ट संक्रियाओं को करने से निर्दिष्ट परिणाम प्राप्त होंगे। ऐसी परिभाषाएं निश्चित नाप-जोख और प्रयोग की सहायता से संप्रत्ययों को स्पष्ट करने के लिए भौतिक विज्ञानों में शुरु हुई। प्रयोजन विज्ञान से अस्पष्टता और अमूर्त प्रत्ययों को दूर करना तथा उसे अधिक उपयोगी बनाना था। इस पद का प्रयोग सर्वप्रथम पी० डब्ल्यू० ब्रिजमन ने 1927 में किया था।

onalism संक्रियावाद

यह सिद्धांत कि किसी भी संप्रत्यय या पद का अर्थ सबके सामने दोहराई जा

सकनेवाली संक्रियाओं के एक समू
निर्धारित होता है। यह सिद्धांत पहले
में निरपेक्ष दिक्, निरपेक्ष काल
अनुपयोगी सम्प्रत्ययों से छुटकारा
लिए एक आंदोलन के रूप में

opinion
मत

ऐसी धारणा जो प्रमाण पर
तो होती है पर प्रमाण इतना
होता कि उसमें ज्ञान की
आ सके। यह अज्ञान और ज्ञान के
चीज है और कोरे विश्वास से
युक्त है।

opposition
विरोध

तर्कशास्त्र में, समान उद्देश्य और
वाली ऐसी दो प्रतिज्ञप्तियों का
केवल गुण में भिन्न हों, या केवल
में भिन्न हों, अथवा गुण और
दोनों में भिन्न हों, जैसे "सब मनुष्य म
हैं" का "कोई मनुष्य मरणशील
(केवल गुण-भेद) या "कुछ मनुष्य म
हैं" (केवल परिमाण-भेद) या
मनुष्य मरणशील नहीं है" (गुण और
दोनों में भेद) से।

O proposition
ओ प्रतिज्ञप्ति

तर्कशास्त्र में, अंशव्यापी निषेधक
ज्ञप्ति का प्रतीकात्मक नाम। उदा
"कुछ पक्षी उड़नेवाले नहीं होते"
उ वि नहीं हैं")।

organic whole
अंगिरूप साकल्य

ऐसा साकल्य या समुच्चय
समस्त अंग किसी जीव-देह के अंगों
साध्य और साधन के रूप में परस्पर
हों।

anism — अंगिवाद

1. जीवन की व्याख्या के लिए प्रयुक्त एक सिद्धात जो यांत्रिकवाद और प्राणतत्त्ववाद से भिन्न है और यह मानता है कि जीवन विशेष अव्यव-व्यवस्था या आंगिक संगठन का परिणाम है, न कि शरीर के किसी एक घटक का कार्य ।

2. यह धारणा कि समाज व्यष्टियों से ऊपर के स्तर का एक अंगी है अथवा जीव-देह के सदृश् है और जन्म, परिपक्वता तथा मृत्यु की विभिन्न अवस्थाओं में से गुजरता है ।

anon — अन्वीक्षिकी, ऑर्गेनन

अरस्तू की तर्कशास्त्र-संबंधी रचनाओं के समूह को टीकाकारों द्वारा दिया गया नाम । इस नाम के मूल में यह विचार था कि तर्कशास्त्र स्वयं न विज्ञान है, न कला, और न दर्शन , बल्कि सभी शास्त्रों की छानबीन ('अन्वीक्षा') की प्रणाली प्रदान करने वाला अर्थात् साधन-शास्त्र है ।

ginal sin — आद्यपाप, मूल पाप

मनुष्य की सहज दुष्टता अथवा उसकी स्वभावसिद्ध असत्प्रवृत्ति जिसे ईसाई धर्म में आदम और होव्वा के 'पतन' का फल और तब से प्रत्येक मनुष्य को वंशानुक्रम से प्राप्त माना गया है ।

ensible object — प्रकट वस्तु, निर्दिष्ट वस्तु

वह वस्तु जो ज्ञान-क्रिया या संवेदन में प्रकट होती है, भले ही उसका वस्तुतः अस्तित्व न हो ।

ostensive definition

निदर्शनात्मक परिभाषा

किसी (व्यक्तिवाचक या जातिवाचक) नाम (प्राय: नए) का अर्थ बताने … तरीका, जिसमें नाम … उस चीज को दिखाया जाता है या … ओर इशारा किया जाता है … नाम होता है।

ostensive proposition

निदर्शक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो … को व्यक्त करती है ; जैसे 'यह लाल है'

'ought' judgment

कर्तव्यता-निर्णय

वह निर्णय जिसके द्वारा कोई … बताया जाता है, जैसे, "सच बोलना चाहिए।"

outer intention

बाह्य अभिप्राय

मैकेंजी ने ("मैनुअल में") 'outer' … 'inner intention' में भेद किया। यदि कोई लंगड़ा भिखारी आपके … पड़ता है, जिसकी दुर्दशा देखकर आपको कष्ट होता है, और आप उसे एक … देते हैं, तो आपका 'outer Intention' उसकी सहायता करना है जबकि 'inner intention' स्वयं कष्ट की अनुभूति … मुक्ति पाना है।

outness

बाह्यता

बर्कली के अनुसार, बाहर, दूरी पर … दिक् में स्थित होने का प्रत्यय या अनुभव।

ह्यूम के अनुसार, दूरी

हैमिल्टन के अनुसार, चेतना में … होने की अवस्था।

overbelief

अधिविश्वास

विलियम जेम्स के अनुसार, आधारभूत धार्मिक विश्वास पर थोपा गया …

रिक्त बौद्धिक एवं तत्वमीमांसीय सिद्धांत जो कि मतभेद का विषय बनता है।

division
प्रतिव्यापी विभाजन

तार्किक विभाजन का एक दोष जो इस नियम के उल्लंघन से पैदा होता है कि वर्ग का ऐसे उपवर्गों में विभाजन किया जाना चाहिए जो परस्पर व्यावर्तक हो।

उदाहरण :

"मनुष्य" का "गोरे रंग के" और "लंबे कदवाले" में (कुछ "गोरे रंग के मनुष्य" निश्चय ही "लंबे कद वाले होते हैं।

P

शांतिवाद; शांतिवादिता

किसी समस्या को सुलझाने के लिए हिंसा और युद्ध का विरोध करने तथा शांति से काम लेने की नीति या प्रवृत्ति।

पैगनमत, पैगनवाद

ईसाइयों द्वारा गैर-ईसाइयों और गैर-यहूदियों के, विशेषतः अनेक देवताओं और मूर्तियों की पूजा करने वालों के, विश्वासों और आचार-विचारों के लिए प्रयुक्त अवमानसूचक शब्द।

पुनर्जन्म; पुनरुद्भवन

1. जीवात्मा का एक शरीर के बाद दूसरे में प्रकट होना।

2. शोपेनहावर के अनुसार, इच्छा-शक्ति का एक व्यष्टि की मृत्यु के बाद तब तक नए, व्यष्टि में प्रकट होते रहना जब तक जिजीविषा समाप्त नहीं हो जाती। (शोपेनहावर पूरे जीवात्मा का पुनर्जन्म नहीं मानता था)।

3. विचारों और घटना

उदय।

pan-entheism

अंतरातीत-ईश्वरवाद

ईश्वरवाद और सर्वेश्वरवा
कराने वाला यह मत कि ई
से न भिन्न है और न अभि
उसके अन्दर है और न उ
विश्व उसमें स्थित है और
की सीमाओं से परे है।

ponlogism

सर्वबुद्धिवाद

हैगेल का यह सिद्धांत कि जो
बौद्धिक है और जो बौद्धिक
है: बुद्धि को परमतत्व मानते हु
बुद्धिमय मानने वाला मत।

pan-objectivism

सर्वबाह्यार्थवाद

ज्ञानमीमांसीय वास्तववाद
उत्कट रूप जो ज्ञान की स
को वास्तविक मानता है,
मिथ्या हो।

pan-pneumatism

सर्वप्राणवाद

जर्मन दार्शनिक फान
(von Hartmann)
सर्वबुद्धिवाद और शो
सर्वसंकल्पवाद में समन्व
प्रयास । तदनुसार वास्त
संकल्प और अचेतन
संयुक्त रूप है।

pan-paychism

सर्व

यह
त
ों,

जानवरों को मनुष्य के समान संवेदनशील, अनुभूतिशील और आवगशील मानता है तथा उनके व्यवहार के पीछे एक आदिम प्रकार के चैतन्ययुक्त जीवन की कल्पना करता है।

anism — सर्वासुरवाद

यह विश्वास कि विश्व शैतान की रचना है अथवा आसुरी शक्तियो की अभिव्यक्ति है। प्राय. बुरी तरह से निराश और शोक-विह्वल व्यक्ति भी ऐसा ही कुछ अस्पष्ट-सा विचार रखता प्रतीत होता है।

matism — सर्वकायवाद

यह मत की विश्व की प्रत्येक आत्मा एक शरीर या देह है तदनुसार आत्मा और देह का अभेद है।

eism — सर्वेश्वरवाद

संपूर्ण सत्ता का ईश्वर से अभेद मानने वाला मत। तदनुसार ईश्वर जगत् से अलग नही है बल्कि प्रत्येक वस्तु में व्याप्त है। सब चीजें ईश्वर के पर्याय (modes) उसके अंग या उसकी अभिव्यक्ति हैं।

eistic personalism — सर्वेश्वरवादी व्यक्तिवाद

संपूर्ण सत्ता को व्यक्तिरूप माननेवाला और विश्व की वस्तुओं और जीवो को इस महाव्यक्ति के अंग मानने वाला सिद्धांत ।

igma — प्रतिमान

प्लैटो के प्रत्ययों की दृश्य जगत् की वस्तुओं के संबंध में एक विशेषता को

प्रकट ...
इंद्रियातीत प्रत्ययों का एक ...
और उन्हें दृश्य-जगत् की ...
लिए आदर्श बताया है, ...
अपूर्ण नकलें हैं।

parallelism — समांतरवाद

मन और शरीर के संबंध ...
प्रस्तुत एक सिद्धांत, जिसके ...
प्रत्येक मानसिक क्रिया के ...
एक शारीरिक, विशेषतः ...
क्रिया होती है, परन्तु उनमें ...
कोई कारणात्मक संबंध नहीं ...
मन और शरीर दो द्रव्य हैं, जो ...
दूसरे को प्रभावित नहीं कर ...
पर दोनों से संबंधित ...
की शृंखलाएं समांतर चलती हैं।

paralogism — तर्काभास

सामान्यतः एक दोषपूर्ण ...
या तर्क, जिसके दोष का ज्ञान ...
प्रयोग करने वाले को नहीं होता, ...
इसलिए जिसका प्रयोग दूसरे को ...
देने के उद्देश्य से नहीं किया ...
विशेषतः कांट के द्वारा उन ...
युक्तियों के लिए प्रयुक्त जो आत्मा ...
एक द्रव्य, निरवयव और नित्य ...
करने के लिए प्रस्तुत की जाती हैं।

partial inversion — आंशिक विपरिवर्तन

एक प्रकार का अव्यवहित ...
जिसमें निष्कर्ष का उद्देश्य मूल प्रतिज्ञप्ति ...
के उद्देश्य का व्याघातक होता है ...
उसका विधेय वही रहता है जो ...
प्रतिज्ञप्ति का है।
उदाहरण: सब उ वि हैं; ... हैं।
∴ कुछ अ-उ ...

r — विशेष

वर्ग के परिभाषक गुण धर्म के विपरीत उसका एक सदस्य, अथवा अनेक व्यष्टियों में समान रूप से निवास करने-वाले सामान्य के विपरीत एक व्यष्टि।

r proposition — अंश-व्यापी प्रतिज्ञप्ति

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें उद्देश्य उसके पूरे वस्त्वर्थ में ग्रहण नहीं किया जाता, जैसे, 'कुछ पशु मांसभक्षी हैं।'

empiricism — निष्क्रिय इंद्रियानुभववाद

जॉन लॉक इत्यादि का यह सिद्धांत कि ज्ञान का एक मात्र स्रोत इंद्रियानुभव है और मन तब तक निष्क्रिय बना रहता है जब तक बाह्य जगत् से आनेवाले उद्दीपन उस तक नहीं पहुंचते।

कर्मविषय

कारणविषयक लोक प्रिय धारणा के अनुसार, वह सामग्री जो स्वयं तुलनात्मक रूप से निष्क्रिय रहती है और जिस पर क्रिया करके कारण कार्य को उत्पन्न करता है, जैसे आग लगने की स्थिति में लकड़ियों का ढेर। (विज्ञान इस भेद को उचित नहीं मानता।)

philosophy — पादरी-दर्शन

ईसाई धर्म के पादरियो द्वारा प्रतिपादित दर्शन जो मानव, विश्व और ईश्वर के संबंध में तर्कगम्य दार्शनिक सिद्धांतों और धार्मिक सिद्धांतो (जैसे, 'त्रयी'— Trinity) का मिला-जुला रूप है।

penitence — परिताप

ऐसे व्यक्ति की मानसिक [illegible] सूचक शब्द जो अपनी [illegible] स्वीकार करता है तथा [illegible] बहुत दु:खी है और भविष्य [illegible] न दोहराने के लिए कृतसंकल्प [illegible]

perceptive premise — प्रात्यक्षिक आधारिका

प्रत्यक्ष पर आधारित [illegible] कोई तार्किक निष्कर्ष निकाला [illegible]

perceptual intuitionism — प्रत्यक्षपरक अंतःप्रज्ञावाद

नीतिशास्त्र में, अंतः प्रज्ञावाद [illegible] प्रकार जिसके अनुसार [illegible] विशेष कर्मों के [illegible] का तत्काल ज्ञान होता है, [illegible] बात का कि अभी जब मैं [illegible] की जल्दी में हूं मेरा रुककर [illegible] भिखारी को पैसा देना उचित [illegible] या नहीं।

perfect figure — पूर्ण आकृति

अरस्तवी तर्कशास्त्र में, प्रथम [illegible] जिस पर अरस्तू की यह अभ्युक्ति [illegible] लागू होती है कि जो बात [illegible] के बारे में सत्य है वह उसके [illegible] व्यक्ति के बारे में सत्य है ([illegible] विधेयं तद् व्यक्तिविधेयम्") [illegible]

perfect induction — पूर्ण आगमन

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, आगमन [illegible] प्रकार जिसमें सब विशेष उ[illegible] परीक्षा करके एक सर्वव्यापी [illegible] की स्थापना की जाती है, [illegible] पुस्तकालय की 161 नम्बर [illegible] पुस्तकों की जांच करने के [illegible]

कहना कि अमुक पुस्तकालय में 161 नंबर की सब पुस्तकें तर्कशास्त्र की हैं। (यह वास्तव में आगमन नहीं बल्कि एक आगमन-सादृश क्रिया है।)

sm — पूर्णतावाद

अपनी या समाज की, अथवा दोनों ही की पूर्णता की प्राप्ति को सर्वोच्च लक्ष्य माननेवाला नैतिक सिद्धांत।

चंक्रमण-संप्रदाय

अरस्तू द्वारा स्थापित सम्प्रदाय का नाम, जिसका आधार यह बताया जाता है कि इस संप्रदाय के लोग घूमते-घूमते दार्शनिक चर्चा या वाद-विवाद करते रहते थे, परन्तु अब यह माना जाता है कि अरस्तू के विद्यालय में घूमने के लिए एक विशेष पथ बना हुआ था जिससे यह नाम व्युत्पन्न है।

Idealism — वैयक्तिक प्रत्ययवाद

परम सत्ता को व्यक्तित्व से सम्पन्न अर्थात् ज्ञान, संकल्प, आत्म-चेतना इत्यादि वैयक्तिक गुणों से युक्त माननेवाला सिद्धांत, जैसे ब्रह्म को सगुण माननेवाला मत।

Identity — वैयक्तिक तादात्म्य, व्यक्तिगत अनन्यता

समय परिवर्तन के बावजूद व्यक्ति के न बदलने या वही बने रहने की विशेषता, जो कि उसके अभिन्न बने रहने के बोध में प्रकट होती है।

nalism — व्यक्तिवाद

वह सिद्धात जो व्यक्तित्व को परम मूल्य मानता है और सत्ता के सच्चे अर्थ

penitence परिताप

ऐसे व्यक्ति की मानसिक [illegible] सूचक शब्द जो अपनी [illegible] स्वीकार करता है तथा [illegible] बहुत दुखी है और [illegible] न दोहराने के लिए [illegible]

perceptive premise प्रात्यक्षिक आधारिका

प्रत्यक्ष पर आधारित [illegible] कोई तार्किक निष्कर्ष निकाला [illegible]

perceptual intuitionism प्रत्यक्षपरक अंत:प्रज्ञावाद

नीतिशास्त्र में, अंत: प्रज्ञावाद [illegible] प्रकार जिसके अनुसार [illegible] विशेष कर्मों के [illegible] का तत्काल ज्ञान होता है, [illegible] बात का कि अभी जब मैं [illegible] की जल्दी में हूं मेरा [illegible] भिखारी को पैसा देना उचित या नहीं।

perfect figure पूर्ण आकृति

अरस्तवी तर्कशास्त्र में, प्रथम [illegible] जिस पर अरस्तू की यह अभ्युक्ति [illegible] लागू होती है कि जो बात [illegible] के बारे में सत्य है वह उसके [illegible] व्यक्ति के बारे में सत्य है ("[illegible] विधेयं तद् व्यक्तिविधेयम्")।

perfect induction पूर्ण आगमन

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, आगमन [illegible] प्रकार जिसमें सब विशेष उदाहरण [illegible] परीक्षा करके एक सर्वव्यापी [illegible] की स्थापना की जाती है, जैसे [illegible] पुस्तकालय की 161 नम्बर [illegible] पुस्तकों की जांच करने के [illegible]

और मिथ्या है। आधुनिक युग मे शोपेनहार और प्राचीन काल में बुद्ध ('सर्व दु.खम') इस मत के मुख्य अनयायी हुए।

perceptions — सूक्ष्म प्रत्यक्ष

लाइपनित्स के द्वारा अस्फुट तथा अचेतन प्रत्यक्षों के लिए प्रयुक्त पद। लाइपनित्स ने चेतना में मात्रा-भेद मानते हुए निम्न स्तर के चिदणुओं मे इनकी कल्पना की थी, जिसमें फ्रॉयड के "अचेतन मन" के आधुनिक सिद्धात की झलक दिखाई देती है।

principii — आत्माश्रय-दोष

एक तर्कदोष, जो तब होता है जब निष्कर्ष को आधारिकाओ मे बदले हुए रूप में पहले ही ले लिया गया होता है, अथवा जब आधारिकाओं की सिद्धि के लिए निष्कर्ष आवश्यक होता है।

enalism — संवृतिवाद, दृश्यप्रपंचवाद

यह सिद्धांत कि ज्ञान सवृति, दृश्य प्रपच या दृश्य जगत तक ही सीमित है, जिसके अतर्गत प्रत्यक्षगम्य भौतिक विषय और अंतर्निरीक्षण-गम्य मानसिक विषय आते है। इसको माननेवाले साधारण वस्तुविषयक कथनों को संवृति-विषयक कथनों मे अर्थात इंद्रिय-दत्तों की भाषा में बदलने की आवश्यकता बताते है। वे संवृति के पीछे कोई सत्ता या तो मानते नही या उसे अज्ञेय कहते हैं।

enology — संवृतिशास्त्र, दृश्यप्रपचशास्त्र

दृश्य-प्रपंच का वर्णन-विश्लेपण करने-वाला शास्त्र। सर्वप्रथम कान्ट के समसा-मयिक जर्मन दार्शनिक लैम्बर्ट द्वारा "आभासों की मीमांसा" के लिये प्रयुक्त। स्वयं कान्ट द्वारा तत्वमीमांसा की उस शाखा के लिए प्रयुक्त

और मिथ्या है। आधुनिक युग मे शोपेनहार और प्राचीन काल में बुद्ध ('सर्व दुःखम') इस मत के मुख्य अनुयायी हुए।

s perceptions — सूक्ष्म प्रत्यक्ष

लाइपनित्स के द्वारा अस्फुट तथा अचेतन प्रत्यक्षों के लिए प्रयुक्त पद। लाइपनित्स ने चेतना में मात्रा-भेद मानते हुए निम्न स्तर के चिदणुओं मे इनकी कल्पना की थी, जिसमें फ्रॉयड के "अचेतन मन" के आधुनिक सिद्धांत की झलक दिखाई देती है।

o principii — आत्माश्रय-दोष

एक तर्कदोष, जो तब होता है जब निष्कर्ष को आधारिकाओं में बदले हुए रूप मे पहले ही ले लिया गया होता है, अथवा जब आधारिकाओं की सिद्धि के लिए निष्कर्ष आवश्यक होता है।

omenalism — संवृतिवाद, दृश्यप्रपंचवाद

यह सिद्धांत कि ज्ञान संवृति, दृश्य प्रपंच या दृश्य जगत तक ही सीमित है, जिसके अंतर्गत प्रत्यक्षगम्य भौतिक विषय और अंतर्निरीक्षण-गम्य मानसिक विषय आते हैं। इसको माननेवाले साधारण वस्तुविषयक कथनों को संवृति-विषयक कथनों में अर्थात इंद्रिय-दत्तों की भाषा में बदलने की आवश्यकता बताते हैं। वे संवृति के पीछे कोई सत्ता या तो मानते नहीं या उसे अज्ञेय कहते हैं।

nomenology — संवृतिशास्त्र, दृश्यप्रपंचशास्त्र

दृश्य-प्रपंच का वर्णन-विश्लेषण करनेवाला शास्त्र। सर्वप्रथम कान्ट के समसामयिक जर्मन दार्शनिक लैम्बर्ट द्वारा "आभासों की मीमांसा" के लिये प्रयुक्त। स्वयं कान्ट द्वारा तत्वमीमांसा की उस शाखा के लिए प्रयुक्त

...calism

भौतिकीवाद

वियना सर्कल (Vienna Circle) के इंद्रियानुभववादियों का यह मत कि सभी भाषाओं और विज्ञानों में प्रयुक्त प्रत्येक सार्थक वाक्य का भौतिकी की भाषा में अनुवाद किया जा सकता है, अर्थात् प्रेक्षण-योग्य वस्तुओं और उनके गुणधर्मों को व्यक्त करने-वाली भाषा आदर्श भाषा है।

...l realism

भौतिकीय वास्तववाद

यह मत कि भौतिकी में प्रयुक्त संकल्पनाओं, जैसे, इलेक्ट्रॉन, परमाणु आदि का वस्तुतः स्वतंत्र अस्तित्व है।

...sanction

भौतिक अनुशास्ति

बेन्थम के अनुसार, प्रकृति का सामान्य व्यापार और उसके नियम जो उनके विपरीत आचरण करनेवाले को बीमारी इत्यादि उत्पन्न करके कष्ट देते हैं और इस प्रकार एक सीमा तक उसे नैतिक आचरण के लिए बाध्य करते हैं।

...eological argu-...

प्रकृति-प्रयोजनमूलक युक्ति

कान्ट के अनुसार, ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए प्रकृति में व्याप्त प्रयोजन को आधार बनानेवाली युक्ति।

...solipsism

शरीरक्रियात्मक अहंमात्रवाद

यह विचार कि प्रत्येक व्यक्ति को केवल अपने शरीर के अंदर होनेवाली घटनाओं का ही ज्ञान हो सकता है।

स्थान-चिह्नक

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, प्रतीक "..." या "X" जिसका प्रयोग किसी प्रतिज्ञप्ति-फलन [यथा, (X)MX)] में उस स्थान

philosophy of history — इतिहासमीमांसा, इतिहास-दर्शन

इतिहासकार के कार्य का ज्ञान- ज्ञानमीमांसा की दृष्टि से विवेचन और ऐतिहासिक प्रक्रम के अर्थ, उ- लक्ष्य की छानबीन करनेवाला शास्त्र

philosophy of religion — धर्ममीमांसा, धर्म-दर्शन ।

धर्म का दार्शनिक दृष्टि से अध्ययन वाला शास्त्र, जो धर्म की प्रकृति, उत्प- और मूल्य, धार्मिक ज्ञान का प्रामाण्य प्रश्नों का किसी धर्म-विशेष के प्रति न रखते हुए सामान्य रूप से विवेचन है ।

philosophy of science — विज्ञानमीमासा, विज्ञान-दर्शन

वैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्र में उ- तार्किक, ज्ञानमीमासीय और तत्त्व- समस्याओं का अध्ययन करनेवाला श- इसमें वैज्ञानिक प्रणाली में प्रयुक्त ' हीत', 'प्राक्कल्पना', 'प्रयोग' इत्यादि प- परिभाषित किया जाता है और 'बल', 'काल', 'ऊर्जा', 'द्रव्यमान' इत्यादि क- का विश्लेषण किया जाता है । विज्ञा- अभ्युपगमों की जाच करना भी इसी में आता है ।

physical division — अवयवी-विभाजन

किसी भौतिक पदार्थ को उसके में बांटना, जैसे पेड़ का उसकी शाखाओं आदि में विभाजन । इसका तार्किक विभा- भेद हृदयंगम कर लेना आवश्यक होता

physical evil — प्राकृतिक अशुभ, प्राकृतिक अनिष्ट

पैट्रिक (Patrick) के अनुसार इत्यादि से जनित पीड़ा, दुर्बलता इत्- तुलना के लिए देखिए metaphysical

…alism — भौतिकीवाद

वियना सर्कल (Vienna Circle) के इंद्रियानुभववादियों का यह मत कि सभी भाषाओं और विज्ञानों में प्रयुक्त प्रत्येक सार्थक वाक्य का भौतिकी की भाषा में अनुवाद किया जा सकता है, अर्थात प्रेक्षण-योग्य वस्तुओं और उनके गुणधर्मों को व्यक्त करनेवाली भाषा आदर्श भाषा है।

…al realism — भौतिकीय वास्तववाद

यह मत कि भौतिकी में प्रयुक्त संकल्पनाओं, जैसे, इलेक्ट्रॉन, परमाणु आदि का वस्तुतः स्वतंत्र अस्तित्व है।

…cal sanction — भौतिक अनुशास्ति

बैन्थम के अनुसार, प्रकृति का सामान्य व्यापार और उसके नियम जो उनके विपरीत आचरण करनेवाले को बीमारी इत्यादि उत्पन्न करके कष्ट देते हैं और इस प्रकार एक सीमा तक उसे नैतिक आचरण के लिए बाध्य करते हैं।

…o-theological argu- — प्रकृति-प्रयोजनमूलक युक्ति

कान्ट के अनुसार, ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए प्रकृति में व्याप्त प्रयोजन को आधार बनानेवाली युक्ति।

…ological solipsism — शरीरक्रियात्मक अहंमात्रवाद

यह विचार कि प्रत्येक व्यक्ति को केवल अपने शरीर के अंदर होनेवाली घटनाओं का ही ज्ञान हो सकता है।

… marker — स्थान-चिह्नक

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, प्रतीक "..." या "×" जिसका प्रयोग किसी प्रतिज्ञप्ति-फलन [यथा, (X)MX)] में उस स्थान

को बताने के लिए किया ...
किसी व्यष्टिचर या व्यष्टि के ...
निर्धारित होता है।

platonic idealism

प्लैटवी प्रत्ययवाद

प्लैटो का दर्शन, जिसमें ... शील ऐंद्रिय जगत् की वस्तुओं से ... अभौतिक प्रत्ययों को वास्तविक ... है। तदनुसार इन्हीं शाश्वत प्रत्ययों ... करण के आधार पर दृश्य ... वास्तविकता प्राप्त होती है।

platonic realism

प्लैटवी वास्तववाद

प्लैटो का यह मत कि ... अस्तितत्व रखने वाले 'प्रत्यय' ही ... हैं; दृश्य जगत् की वस्तुएँ (...) वास्तविक नहीं है बल्कि उतनी ही वास्तविक हैं जितनी मात्रा में वे ... का अनुकरण करती हैं।

plotinism

प्लोटिनसवाद

प्लोटिनस (205–270) ... निक का सिद्धांत जो कि प्लैटो के ... पौरस्त्य धारणाओं का मिला-जुला ... प्लोटिनस ने संपूर्ण सत्ता का ... 'एक' को माना है और उससे ... निर्गत वस्तुओं में सर्वप्रथम बुद्धि ... को, द्वितीय आत्मा को और तृतीय ... बताया है, तथा ईश्वर में लय ... पार्थ माना है।

pluralism

बहुवाद, बहुतत्ववाद

विश्व में दृश्यमान नानात्व ... केवल एक या दो अंतिम या मूल ... का विरोध करनेवाला सिद्धांत ... जगत् की चार या पांच ... मूल ...

माननेवाले प्राचीन मत से लेकर असंख्य चिदणुओं को माननेवाले लाइबनित्स के आधुनिक मत तक उसके अनेक रूप हैं ।

nterrogationis — प्रश्नछल

देखिए fallacy of many questions

cal personalism — राजनीतिक व्यक्तिवाद

वह सिद्धांत जो व्यक्तित्व को सामाजिक व्यवस्था के अंदर सर्वोच्च महत्व का मानता है और इसीलिये प्रत्येक नागरिक को शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक विकास का अवसर देना राज्य का कर्त्तव्य समझता है ।

ical philosophy — राजनीतिमीमांसा, राजनीति-दर्शन

दर्शन की वह शाखा जो राजनीतिक जीवन का, विशेषतः राज्य के स्वरूप, उत्पत्ति और मूल्य का, विवेचन करती है ।

ical sanction — राजनीतिक अनुशास्ति

बेंथम के अनुसार राजा या शासन के द्वारा गलत कामों के लिए दिए जानेवाले दंड का भय और अच्छे कामों के लिए मिलनेवाले पुरस्कार का लोभ, जो व्यक्ति को नैतिकता का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं ।

lemma — बहुत.पाश

उभयतःपाश के समान एक युक्ति जिसकी साध्य-आधारिका में दो के वजाय अधिक विकल्प दिए जाते हैं ।

syllogism — अनेकन्यायवाक्य

न्यायवाक्यों की ऐसी शृंखला जो एक अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचाती है । इस शृंखला के प्रत्येक न्यायवाक्य का निष्कर्ष अगले न्यायवाक्य में आधारिका होता है, और अंतिम

polytheism — बहुदेववाद, अनेकदेववाद

अनेक देवताओं में विश्वास।

popular explanation — लोकप्रसिद्ध व्याख्या

वैज्ञानिक व्याख्या के विपरीत व्या[illegible] जो गहराई में नहीं जाती [illegible] समानताओं को लेकर चलती है। कारणों का आश्रय लेती है [illegible] नियमों की खोज का प्रयास नहीं। ग्रहण की राहु-केतु द्वारा व्याख्या [illegible] उदाहरण है।

positive condition — भाव-उपाधि

वह उपाधि जिसकी उपस्थिति उत्पत्ति के लिए आवश्यक होती है, जिसके अभाव में कार्य उत्पन्न नहीं हो[illegible]

positive ethics — वस्तुपरक नीतिशास्त्र

वह वर्णनात्मक [illegible] का वह भाग जो इस बात का [illegible] है कि विभिन्न कालों और युगों [illegible] समाजों में अच्छाई-बुराई, [illegible] के बारे में क्या विचार रहे हैं।

positive instance — अन्वय-दृष्टांत

जिस वस्तु का कारण या [illegible] की समस्या हमारे सामने हो उसकी [illegible] वाला दृष्टांत।

positive science — वस्तुपरक विज्ञान

वस्तुस्थिति का अर्थात् चीजें जि[illegible] अस्तित्व रखती हैं और घटनाएं जि[illegible] होती हैं उसी रूप में उनका [illegible] वाला विज्ञान, जिसका मानकी[illegible] (normative science) से [illegible] जाता है।

...term — भावात्मक पद

वह पद जो किसी वस्तु या गुण की उपस्थिति को प्रकट करता है जैसे, 'मानव', 'सुभ्र' आदि।

...ism — प्रत्यक्षवाद

फ्रेंच दार्शनिक ऑगस्त कोत (Auguste Comte: 1798-1857) का यह सिद्धांत कि दर्शन को इंद्रियानुभविक विज्ञानों की प्रणालियों का अनुसरण करते हुए प्राकृतिक तथ्यों के वर्णन और कार्य-कारण संबंधों तक ही सीमित रहना चाहिए। इस सिद्धांत का आधार कोत की यह मान्यता था कि ज्ञान के विकास में पहली दो अवस्थाएं, जिन्हें 'धर्मशास्त्रीय' और 'तत्वमीमांसीय' कहा गया है, अपूर्णता की होती हैं, जबकि उसमें पूर्णता तीसरी और अंतिम अर्थात् वस्तुपरक विज्ञान-वाली अवस्था में आती है।

...lity — संभवता

उस प्रतिज्ञप्ति की विशेषता जिसका निषेध अनिवार्य नहीं होता; उस घटना की विशेषता जो हो सकती है अथवा जिसके होने की स्वतोव्याघात के बिना कल्पना की जा सकती है।

...oc ergo propter hoc — यदेव पूर्वं तत्कारणम्

एक तर्कदोष जो दो चीजों के आगे-पीछे होने (आनुपूर्व्य) मात्र के आधार पर उनमें कारण-कार्य-संबंध मान लेने से होता है।

...al imperative — व्यावहारिक नियोग

कान्ट के अनुसार, व्यवहार में मार्ग दिखाने-वाला नैतिक बुद्धि का यह आदेश :" इस

gnate proposition — पूर्वनिर्दिष्ट प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसका परिमाण (अर्थात् सर्वव्यापित्व या अंशव्यापित्व) पूर्णतः व्यक्त होता है, जैसे "सब मनुष्य मरणशील हैं," "कुछ अपराधी बुद्धिमान् होते हैं" इत्यादि।

ibles — विधेय-धर्म

अरस्तू के अनुसार, विधेय के वे पांच प्रकार जिनका किसी उद्देश्य के बारे में कथन या निषेध किया जा सकता है। ये हैं: परिभाषा, जाति, अवच्छेदक, गुणधर्म और आकस्मिक गुण। पॉर्फीरी और बाद के तर्कशास्त्रियों ने परिभाषा के स्थान पर उपजाति को लिया।

ment — पदार्थ

कान्ट के दर्शन में, बोधशक्ति (understanding) के सहज, प्रागनुभविक, आकारों के लिए प्रयुक्त शब्द। ऐसा प्रत्येक आकार निर्णय या विधयन का एक रूप है और चूंकि निर्णय बारह प्रकार के हैं अतः ये भी बारह माने गए हैं, जो इस प्रकार हैं: समग्रता, अनेकता, एकता; अस्तित्व, नास्तित्व सीमितत्व; द्रव्यत्व (समवाय), कारणत्व (आश्रितत्व), अन्योन्यत्व; संभवता, सत्ता, अवश्यकता।

ive view — विधेय-मत

उद्देश्य और विधय के संबंध के बारे में यह मत कि प्रतिज्ञप्ति के उद्देश्य को उसके वस्त्वर्थ में (denotation) और विधेय को उसके गुणार्थ (connotation) में लेना चाहिए। तदनुसार "सब मनुष्य मरणशील हैं" का अर्थ यह होगा कि राम, श्याम

इत्यादि जितने भी मनुष्य हैं ...
नामक गुण है।

pre-established harmony — पूर्वस्थापित सामंजस्य

लाइबनित्स के अनुसार, ...
के मध्य, और विशेषत. मन और ...
मध्य पहले से ही स्थापित सामंजस्य ...
फलस्वरूप उनके परस्पर स्वतंत्र ...
भी उनकी क्रियाओं में उसी प्रकार ...
बना रहता है जिस प्रकार एक ही ...
वाली अलग-अलग घड़ियों में।

preformationism — पूर्वरचनावाद

यह सिद्धांत कि जीव के सब ...
से निर्मित होते हैं और सूक्ष्म रूप में ...
कोशिका या बीज के अंदर मौजूद होते हैं।

prehension — प्राग्ग्रहण

ए० एन० ह्वाइटहेड (1861- ...
के द्वारा उपलब्ध (संवेदन, प्रत्य...
आद्य रूप के लिए प्रयुक्त शब्द।

premise — आधारिका

वह प्रतिज्ञप्ति जो दी हुई होती है ...
सत्य मानकर चला जाता है और ...
तर्कशास्त्र के नियमों के अनुसार ...
प्रतिज्ञप्ति निष्कर्ष के रूप में प्राप्त ...
है। एक या अधिक ऐसी प्रति...
निष्कर्ष का आधार बन सकती हैं।

pre-philosophy — प्राग्दर्शन

हॉकिंग के अनुसार, दर्शन के ...
प्रारंभिक अवस्था, जिसमें जीवन ...
से संबंधित विचारों एवं विश्वासों ...
किसी आलोचना के स्वीकार ...
जाता था।

...tionism — पुरोधानवाद

प्रतिनिधानवाद (representationism) के विपरीत यह ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत कि प्रत्यक्ष में मनस् को वस्तु का सीधा बोध होता है न कि उसके बिंब के माध्यम से ।

qualities — प्राथमिक गुण, मूल गुण

लॉक के अनुसार, गौण गुणों (secondary qualities) के विपरीत वस्तुओं के स्वकीय गुण, जैसे ठोसपन, विस्तार, आकृति, गति, स्थिति और संख्या, जिनके बिना वस्तुओं को सोचा ही नहीं जा सकता ।

matter — मूल उपादान

अरस्तू ने उपादान (matter) और आकार (form) का जो भेद किया है उस के संदर्भ में, पुद्गल या भौतिक द्रव्य की आकार से संयुक्त होने से पूर्व की अवस्था ।

mover — आद्य चालक

अरस्तू के अनुसार, वह जो सभी परिवर्तनों का आदि कारण है और स्वयं परिवर्तनहीन तथा कारणरहित है, अर्थात् ईश्वर ।

...ve proposition — आद्य प्रतिज्ञप्ति

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र के जनकों में से एक पेआनो (Peano) के अनुसार, किसी निगमनात्मक तंत्र में उन प्रतिज्ञप्तियों में से एक जिन्हें सिद्ध नहीं किया जाता बल्कि आरंभ में मान लिया जाता है और निगमनों का आधार बनाया जाता है : वे न स्वयंसिद्ध या अनिवार्य रूप से सत्य होती हैं और न ऐसी बात है कि उन्हें सिद्ध किया ही न जा सके ।

...ple of economy — लाघव-न्याय

private attitude theories — व्यक्तिगत-अभिवृत्ति-सिद्धांत

नीतिशास्त्र में, वे सिद्धांत ... औचित्य या शुभत्व को व्यक्ति की अभिवृत्ति पर आधारित मानते हैं ... सिद्धांत कि शुभ वह है जो मुझे पसं... है (अथवा अन्यों को वह पसंद है ...

privative term — अभावसूचक-पद

यह पद जो वर्तमान में किसी ... अभाव बताता है परन्तु साथ ही ... निहित होता है कि उस गुण को ... में है, जैसे "अंधा", "बहरा", ... इत्यादि।

probabilism — प्रसंभाव्यतावाद

प्राचीन यूनानी संशयवादियों का यह ... कि किसी भी विषय में निश्चयात्मक ... प्राप्त करना संभव नहीं है, अतः ... तथा आस्थाओं का आधार प्रसंभाव्य ... बनाना पड़ता है।

probability — प्रसंभाव्यता

प्रसंभाव्य होने की अवस्था या ... किसी बात को "प्रसंभाव्य" तब कहा ... है जब उसका घटित होना असंभव ... होता परन्तु इसका पक्का विश्वास नहीं ... कि वह घटित ही होगी ही। इस प्रकार ... स्था में मात्रा-भेद होता है और उसके ... की निश्चितता को 1 तथा असंभवता ... (zero) मानते हुए उसे एक भिन्न के ... व्यक्त किया जा सकता है, जिसका ... कूल बातों की संख्या तथा हर अनुकूल ... प्रतिकूल बातों की संख्याओं का योग ...

...lic proposition अनिश्चयात्मक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसमें किसी बात के होने को अनिश्चयात्मक रूप से बताया गया हो, अर्थात् जो न यह बताए कि बात अनिवार्य रूप से होती है और न यह कि वह सामान्य रूप से या वस्तुतः होती है, बल्कि यह सूचित करे कि वह कभी होती है और कभी नहीं होती, जैसे, "शायद वर्षा होगी"।

...simulating n आगमनाभासी प्रकम

पूर्ण आगमन, तर्कसाम्य-आगमन और तथ्यानुबंधी आगमन के लिए प्रयुक्त पद, जिन्हें आगमनोचित प्लुति (inductive leap) के अभाव के कारण सही अर्थ में आगमन नहीं माना गया है। देखिए perfect induction, induction by parity of reasoning, और colligation of facts।

...e train of reason- प्रगामी तर्कमाला

दो या अधिक न्यायवाक्यों का वह संयोग जिसमें पहले पूर्वन्यायवाक्य (prosyllogism) होता है और फिर उत्तर-न्यायवाक्य episyllogism) जो प्रगामी न्यायवाक्य के लिए पूर्वन्यायवाक्य बनता है, और इसी प्रकार तर्क अंतिम निष्कर्ष की ओर बढ़ता है। उदाहरण :

1. सब ब स है।
   सब अ ब है।
   ∴सब अ स है।
2. सब स द है।
   सब अ स है।
   ∴सब अ द है।
3. सब द य है।
   सब अ द है।
   ∴सब अ य है।

proper (or special) sensibles विशिष्ट संवेद्य

सामान्य संवेद्यों के विप...
जिनका ज्ञान केवल एक ही इंद्रि...
से होता है, जैसे प्रकाश को नेत्र...
है।

property (or proprium) गुणधर्म

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, वह...
पद के गुणार्थ का भाग तो नहीं होते...
पद की परिभाषा में शामिल नहीं...
परन्तु उसका कार्य या उससे निग...
है और इस प्रकार उसका अनिवार्य...
होता है, जैसे "त्रिभुज के तीनों को...
योग दो समकोण होना" त्रिभुज का...
है तीन भुजाओं से घिरी हुई...
जिससे उदाहृत विशेषता निर्ग...
है।)

proposition प्रतिज्ञप्ति

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, निर्णय
का शब्दों में व्यक्त रूप अर्थात्
प्रकट करनेवाला वाक्य।
प्रचलित प्रयोग के अनुसार, (1)
वाक्य, अर्थात् वह वाक्य जो प्रश्न...
इच्छा, विस्मयादि को नहीं बल्कि त...
बतानेवाला हो; (2) ज्ञापक क...
अंतर्वस्तु, अर्थात् उसका अर्थ, जो
या अनेक भाषाओं में होनेवाली...
में समान होता है। (सं० 2 वाला...
अधिक प्रचलित है।)

prosyllogism पूर्वन्यायवाक्य

तर्कमाला अर्थात् न्यायवाक्यों की...
में वह न्यायवाक्य जिसका निष्कर्ष...
न्यायवाक्य में एक आधारिका बनता...

उदाहरण : progressive train of reasoning के अंतर्गत दी हुई तर्कमाला में प्रथम (दूसरे के संबंध में) तथा द्वितीय (तीसरे के संबंध में)।

sentence — आधारिक वाक्य, आधार-वाक्य

देखिए — basic sentence ।

nal hypothesis — अनंतिम प्राक्कल्पना, अस्थायी प्राक्कल्पना

वह प्राक्कल्पना जिसे किसी संतोषजनक या पर्याप्त प्राक्कल्पना के अभाव में अस्थायी रूप से मान लिया जाता है, ताकि खोज-कार्य को आगे बढ़ाने के लिए उसे प्रेक्षण और प्रयोग का आधार बनाया जा सके।

al research — परामानसिकीय अनुसंधान

मनःपर्यय, दूरदर्शन, अतींद्रिय प्रत्यक्ष इत्यादि असाधारण, सामान्य मनोविज्ञान व शरीरविज्ञान के नियमों के द्वारा अव्याख्येय, तथा मन या आत्मा के स्वतंत्र अस्तित्व के पोषक लगनेवाले तथ्यों की छानबीन करनेवाला विज्ञान, जो अब अधिक प्रचलित नाम "परामानसिकी" (parapsychology) से जाना जाता है।

logical atomism — मनोवैज्ञानिक परमाणुवाद

मन की रचना से संबंधित एक सिद्धांत जिसके अनुसार प्रत्येक मानसिक अवस्था कई सरल तथा पृथक् परमाणुवत् घटकों के मेल या संश्लेषण से बनी होती है।

logical egoism — मनोवैज्ञानिक स्वार्थवाद

यह सिद्धांत कि प्रत्येक ऐच्छिक कर्म के मूल में प्रकट या अप्रकट रूप से स्वार्थ का अभिप्रेरक होता है, अर्थात् स्वहित-साधन के लिए ही व्यक्ति स्वभावतः काम करता है।

psychological hedonism मनोवैज्ञानिक सुखवाद

मिल, बेन्थम इत्यादि का य
कि व्यक्ति स्वभावतः सुख-प्राप्ति
से कर्म में प्रवृत्त होता है।

psychological relativism मनोवैज्ञानिक सापेक्षवाद

एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत जिसे
गार मन का वर्तमान केवल रूप
स्वरूप उसके भूतकालीन तथा
अनुभवों से प्रभावित होता है।

psychologism मनोविज्ञानपरता

ह्यूम, मिल तथा जेम्स आदि
की दार्शनिक समस्याओं को मनोवैज्ञा
दृष्टि से सुलझाने की प्रवृत्ति। इसे
जर्मन विचारकों ने इस शब्द का
अवमानसूचक अर्थ में किया है।

psychophysical parallelism मनोदैहिक समांतरवाद

मन और शरीर के संबंध के
प्रस्तावित यह मत कि ये परस्पर स्वतं
हैं और इसलिए इनमें कार्य-कारण
कदापि नहीं हो सकता, परन्तु
परिवर्तनों में एक संवादिता होती है:
लीजिए $म_1$ $म_2$ $म_3$ ....
परिवर्तनों की श्रृंखला है, और $त_1$ $त_2$ $त_3$
.... शारीरिक या
परिवर्तनों की श्रृंखला है। तो म-श्रृंखला
प्रत्येक सदस्य के अनुरूप त—श्रृंखला में
सदस्य है, पर दोनों में कोई कार्य
सबंध संभव नही है। गणित की भाषा
दोनो श्रृंखलाएं समांतर हैं।

pure fallacy केवल-तर्कदोष

तर्क का वह दोष जो केवल तार्किक
के उल्लंघन से पैदा होता है, न कि

शब्दों के प्रयोग से या अप्रासंगिक बातों के आने से।

ypothetical syllogism शुद्ध हेतुफलात्मक न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें तीनो प्रतिज्ञप्तियां हेतुफलात्मक होती हैं।

उदाहरण : यदि वर्षा अच्छी होती है तो फसल अच्छी होती है;

यदि गर्मी अच्छी पडती है तो वर्षा अच्छी होती है;

∴ यदि गर्मी अच्छी पड़ती है तो फसल अच्छी होती है।

nism शुद्धाचारवाद, प्युरिटनवाद

इंगलैंड में प्रोटेस्टैंट-संप्रदाय को रोमन कैथोलिक कर्मकांड के तत्वों और रूढियो से बिल्कुल मुक्त करवाने के लिए आन्दोलन करनेवाले प्यूरिटनों का सिद्धात, जो सयम, ईमानदारी, मितव्ययिता इत्यादि पर बल देता है।

Q

rism क्वेकरवाद

जॉर्ज फॉक्स (1624—1691) द्वारा स्थापित सोसायटी ऑफ फ्रेड्स नामक धार्मिक सस्था के अनुयायियो का मत जिसमें आंतरिक प्रकाश से निर्देशन लेना, बाह्य अनुशास्तियो से मुक्ति, मौन का महत्व, रहन-सहन की सादगी तथा दूसरो के साथ शांतिपूर्वक रहने पर बल दिया गया है।

itive atomism गुणात्मक परमाणुवाद

परमाणुओं को ब्रह्माड के अंतिम घटक तथा उनके मध्य गुणात्मक अंतर माननेवाला सिद्धांत।

qualitative hedonism — गुणात्मक सुखवाद

सुखवाद का वह रूप जो
भेद के अतिरिक्त सुखों में गुणात्मक
मानता है जैसा कि मिल ने माना है।

quality — गुण

1. वस्तु में स्वतः पाई
(अर्थात् अ-संबंधमूलक) विशेषता।

2. तर्कशास्त्र में, वह विशेषता
ज्ञप्तियों को विधानात्मक और
बनाती है।

quantification — परिमाणन

तर्कशास्त्र में, किसी
उसके परिमाण का बोधक शब्द (जैसे
कुछ) जोड़ना अथवा किसी
में उसके परिमाण का व्यंजक
देना।

नीतिशास्त्र में, सुखों की मात्राएं
करना ताकि तुलना करने के
योगफल निकाला जा सके।

quantification of predicate — विधेय-परिमाणन

हैमिल्टन के तर्कशास्त्र में, उद्देश्य
विधेय के परिमाण को भी 'कुछ'
लगाकर व्यक्त करना, जैसे,
प्राणी है" को "सब मनुष्य कुछ
के रूप में रखना।

quantifier — परिमाणक

वह शब्द (जैसे, सब, कुछ)
जो किसी प्रतिज्ञप्ति के परिमाण
उसके सर्वव्यापी या अंशव्यापी
बोध कराता है।

...itative atomism — परिमाणात्मक परमाणुवाद

परमाणुओं को विश्व के अंतिम घटक और उनमें केवल परिमाणात्मक अंतरों को मानने वाला सिद्धांत।

...litative hedonism — परिमाणात्मक सुखवाद

बेन्थम का नीतिशास्त्रीय सिद्धांत जो सुखों में केवल मात्रा-भेद मानता है, गुण-भेद नहीं।

...tity — परिमाण

1. 'इतना', 'उतना', 'अधिक', 'कम' इत्यादि प्रत्ययों के द्वारा विशिष्ट लक्षण।

2. तर्कशास्त्र में, प्रतिज्ञप्तियों की वह विशेषता जिससे उनमें सर्वव्यापी और अंशव्यापी का भेद उत्पन्न होता है।

...i-collective judgment — संकलककल्प निर्णय

बोजकैट के तर्कशास्त्र में, वह सर्वव्यापी *प्रतिज्ञप्ति जो संबंधित एकव्यापी प्रति*ज्ञप्तियों का संकलित रूप प्रतीत होती है, पर ऐसी होती नहीं है। उदाहरणार्थ, "सब मनुष्य मरणशील हैं", "राम मरणशील है", "श्याम मरणशील है", "यह मरणशील है" इत्यादि प्रतिज्ञप्तियों का योगफल मालूम पड़ती है, पर है नहीं।

...si-conscience — अंतर्विवेककल्प

मैकेन्ज़ी के अनुसार, पीड़ा का वह भाव जिसका अनुभव व्यक्ति को ऐसे सिद्धांतों से कर्म का विरोध होने की अवस्था में होता है जिन्हें वह सर्वोच्च नैतिक महत्ववाले नहीं मानता, जैसे साधारण शिष्टाचार का उल्लंघन होने पर।

quasi-numerical quantifier — संख्याकल्प परिमाणक
वाक्य में प्रयुक्त "थोड़े", ... "अधिकतर" जैसा शब्द जो ... परिमाण को निश्चित संख्या के ... बताता ।

quasi-ostensive definition — निदर्शककल्प परिभाषा
वह परिभाषा जिसमें इशारे ... साथ थोड़े से वर्णनात्मक शब्दों ... प्रयोग होता है, जैसे "मेज़ ... फर्नीचर को कहते हैं", जो इस ... कारण किया जाता है कि श्रोता ... के सामने पड़नेवाली किसी और ... जैसे एक रंग-विशेष को, मेज़ न समझ ...

quasi-substantive — द्रव्यककल्प
जॉनसन के तर्कशास्त्र में, वह ... मुख्यतः विशेषण का कार्य करता है, ... विशेष वाक्य में विशेष्य के रूप में ... हुआ हो ।

quaternary relation — चतुष्पदी संबंध
वह संबंध जो चार पदों के मध्य ...
उदाहरण :
"राम ने मोहन से गाय लेकर ... दे डाली ।"

quaternio terminorum — चतुष्पद-दोष
देखिए—fallacy of four terms

queen monad — प्रधान चिदणु
लाइपनित्स के अनुसार, चिदणुओं ... संहति में वह चिदणु जो सबसे अधिक ... सित होता है, जैसे शरीर में मन या ...

question begging epithet — प्रमाणापेक्ष विशेषण
ऐसा विशेषण जिसका प्रयोग ... प्रमाण के बिना कर दिया गया हो ... लिए जिसका प्रतिवाद किया जा सकता ...

ng — वावछल

ऐसे तर्कों का प्रयोग जो विवाद को मुख्य विषय से हटा दें और वह महत्वहीन बातों में उलझ कर रह जाए।

y — तत्त्व, सार

वस्तु का स्वरूप; वह जो परिभाषा में व्यक्त होता है—स्कॉलेस्टिक दर्शन में प्रयुक्त एक शब्द।

m — 1. नैष्कर्म्यवाद

सत्रहवीं शताब्दी की एक रहस्यवादी विचारधारा, जिसके अनुसार ईश्वर की कृपा से ही मुक्ति प्राप्त हो सकती है और ईश्वर का कृपा-पात्र बनने के लिए पूर्ण आत्म-समर्पण आवश्यक होता है, जो तभी संभव है जब व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए।

2. नैष्कर्म्य

निष्क्रियता या पूर्ण शांति की अवस्था।

ssence — 1. सारतत्त्व

विशुद्ध सार; सार का सबसे अधिक घनीभूत रूप।

2. पंचमतत्त्व

अरस्तू के दर्शन में, पांचवां तत्त्व (पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि के अतिरिक्त), जिससे दिव्य वस्तुएं बनी हैं।

R

course paradox — धावन-पथ-विरोधाभास

जीनो (Zeno) के सुप्रसिद्ध अकिलीज (Achilles) विरोधाभास की तरह का यह विरोधाभास कि एक धावन-पथ पर अ से ब तक की दौड़ पूरी करने के लिए दौड़नेवाले को उस दूरी के $\frac{1}{2}$, $\frac{3}{4}$, इत्यादि अनंत खंडों को पूरा करना पड़ेगा और चूंकि अनंत खंडों की दौड़ किसी सीमित

कालावधि में पूरी नहीं की जा
लिए अ से ब तक की दौड़ को
तर्कतः असंभव है।

radical empiricism
उत्कट इंद्रियानुभववाद
विलियम जेम्स का सिद्धांत जिसके
(1) दार्शनिकों को वाद विवाद
उन्हीं बातों पर करना चाहिए जो
भव पर आधारित हों; (2) न
अपितु उनके संबंध भी इंद्रियानुभव
हैं; तथा (3) बाह्य जगत् के
जोड़ने के लिए किन्हीं
अनुभवातीत आलंबनों की
नहीं है।

radicalism
आमूल-परिवर्तनवाद, उत्कटवाद
साधारण, पारंपरिक तथा
ही भिन्न बात का समर्थक
या मूलगत सुधार या
पक्षपाती मत।

ramism
रामूवाद
फ्रांसीसी दार्शनिक पीटर रामू
Ramus, 1515–1572) का सिद्धांत
स्कॉलेस्टिकवाद और अरस्तू का विरोधी
केल्विनवाद का समर्थक था तथा तर्क
वादविद्या का अंग मानता था।

random sample
यादृच्छिक नमूना, यादृच्छिक प्रतिदर्श
पुत्ताफ नमूना
किसी ढेर से कहीं से भी
ढंग से चुना हुआ नमूना।

range
पराम
सामान्य रूप से, विभिन्न संदर्भों में
विस्तार, एक निश्चित सीमा के
वाली वस्तुओं के वर्ग इत्यादि का
विशेषतः, संबंध के संदर्भ में
domain' का पर्याय।

मामरस्य

मुख्यत: सम्मोहित व्यक्ति और सम्मोहन-कर्त्ता का वह संबंध जो सम्मोहन की सफलता का मूल होता है। सामान्य रूप से, किन्हीं दो व्यक्तियों के मध्य सौहार्द या घनिष्ठता का संबंध।

परमानंद

आनंदानुभूति की वह उत्कृष्ट और रहस्य-मय अवस्था जिसमें आत्मा दिव्य ज्ञान की भूमि में पहुंच जाता है।

…iction — विरलन

द्रव्य के घनीभूत होने के विपरीत वह अवस्था जिसमें उसके अणुओं या कणों के बीच का अवकाश बढ़ जाता है।

…cination — तर्कना

अनुमानमूलक बौद्धिक प्रक्रिया।

… cognoscendi — ज्ञानसाधक हेतु

वह चीज जिसके ज्ञान से किसी अन्य चीज का अस्तित्व जाना जाता है : जानकारी करवानेवाला हेतु, जैसे धुवां, जिसे देख कर आग के होने का ज्ञान होता है।

… essendi — सत्तासाधक हेतु

अस्तित्व का कारण, जैसे आग जो धुएं को उत्पन्न करती है।

…onalism — तर्कबुद्धिवाद

इंद्रियानुभववाद का विरोधी यह सिद्धांत कि ज्ञान का एकमात्र अथवा सर्वश्रेष्ठ साधन तर्कबुद्धि है और थोड़े से प्रागनुभविक या

तर्कबुद्धिमूलक सिद्धांतों
निगमन द्वारा संपूर्ण तात्त्विक
जा सकता है।

rationalistic intuitionism — तर्कबुद्धिवादी मत.प्रज्ञावाद

रिजर्ड प्राइस तथा अन्यों का
तथा शुभाशुभ के नैतिक
मूलक हैं और तर्कबुद्धि इनका
वाली शक्ति है।

rational utilitarianism — तर्कबुद्धिपरक उपयोगितावाद

सिजविक (Sidgwick)
नैतिक सिद्धांत जिसके अनुसार
शुभ है और तर्कबुद्धि शुभाशुभ,
के बोध का आधार है।

ratio-vitalism — तर्कबुद्धीय प्राणतत्त्ववाद

समसामयिक स्पेनी दार्शनिक
(Ortega) का सिद्धांत जो
चरमतत्त्व मानता है और उसे
बौद्धिक भी मानता है।

real — सत्, वास्तविक

काल्पनिक या संभव मात्र
सचमुच बाह्य जगत् में अस्तित्व

real definition — वास्तविक परिभाषा

वह परिभाषा जो जगत् में सचमुच
रखने वाली किसी वस्तु के गुणार्थ
है, जैसे यह परिभाषा कि
'विचारशील प्राणी' है।

real essence — वास्तविक सार

जॉन लॉक के अनुसार, वस्तु
का वह अज्ञेय अंश जो उसे अन्य
भिन्न बनानेवाले गुणधर्मों का
है।

भेद के लिए देखिए—nominal

realm of ends — साध्य-जगत्

विश्व व्यवस्था जिसे कि ... द्वारा ऊंचे आध्यात्मिक लक्ष्यों और ... साधन के रूप में प्रयुक्त माना ...

real proposition — वास्तविक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो उद्देश्य के ... जानकारी देती है जो उसकी ... शामिल न हो।

reals — चिदणु, सत्

जर्मन दार्शनिक हेरबार्ट (... 1776–1841) के अनुसार, ... तत्व जो परमाणुओं और ... चिदणुओं के सदृश, गुण में ... निरवयव तथा अविनश्वर ... गए हैं।

reason — 1. तर्कबुद्धि

वस्तुओं के पारस्परिक संबंधों ... करनेवाली, अनुभवों को ... करनेवाली, तुलना, विश्लेषण और ... करनेवाली, आधारिकाओं से निष्कर्ष ... वाली, ज्ञात से अज्ञात और विशेषों ... का ज्ञान करानेवाली मानसिक शक्ति।

2. हेतु

वह जो किसी निष्कर्ष, विश्वास ... या कर्म का तार्किक आधार होता है।

reasoning — तर्क, तर्कना

अनुमान करने अर्थात् ज्ञान ... के बारे में निष्कर्ष निकालने ... प्रक्रिया।

f dilemma — उभयत: पाश—विखंडन

-- किसी उभयत.पाश के निष्कर्ष को एक प्रति-उभयत:पाश के द्वारा काटना : प्रति-उभयत.पाश प्राय: मूल उभयत:पाश के अंशो को ही नए रूप में संयुक्त करके बनाया जाता है, परन्तु इस विषय मे कोई बंधन नही है; चाहिए केवल एक ऐसा उभयत: पाश जिसका निष्कर्ष मूल के निष्कर्ष का व्याघाती हो । देखिए–counter-dilemma ।

on — उद्धार

-- पाप से अथवा (हिन्दू और बौद्धधर्म की मान्यता के अनुसार) कर्म के, अर्थात् पाप और पुण्य दोनों ही के, बंधन से मुक्ति ।

ad absurdum — प्रमाणबाधितार्थप्रसग, प्रसगापत्ति, व्याघात-प्रदर्शन, असंगति-प्रदर्शन

किसी प्रतिज्ञप्ति को यह दिखाकर सिद्ध करना कि उसके निषेध से असगत, व्याघाती या अवांछित परिणाम उत्पन्न होते हैं ।

ad impossibile — असंभवापत्ति

-- किसी प्रतिज्ञप्ति को सत्य सिद्ध करने के लिए यह दिखाना कि उसे असत्य मानने से असंभव परिणाम निकलते हैं ।

on — आकृत्यंतरण

तर्कशास्त्र में, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ आकृतियों के किसी भी विन्यास को प्रथम आकृति के कसी विन्यास में बदलना (अरस्तवी अर्थ), अथवा, अधिक विस्तृत अर्थ मे, किसी भी आकृति के किसी भी विन्यास को किसी भी अन्य आकृति के किसी विन्यास में बदल देना । देखिए figure तथा mood । (यह प्रणाली विन्यास की

reductionism — अपचयवाद, अवव्याख्यावाद

यह सिद्धांत कि जटिल घ… में या अधिक विकसित का … विश्लेपण करके पूरी व्याख्या दी …

reductive fallacy — अपचय-दोप

किसी जटिल घटना का … विश्लेपण करके अथवा किसी … चीज के साथ कुछ निम्न कोटि के … अस्तित्व दिखाकर यह मान लेने … वह उनके अलावा कुछ है ही नहीं … ध्वनि वायु के कणों के … विरलन के अलावा कुछ है ही …

reductive materialism — अपचयी भौतिकवाद, अपचयी …

ब्रॉड (Broad) के अनुसार, … कि भौतिक वस्तुओं का सचमुच … और मन उन्हीं के स्थूल या सूक्ष्म … नाम मात्र है, जैसा कि व्यवहारवाद … गया है।

reductive mentalism — अपचयी मानसवाद

ब्रॉड के अनुसार, यह सिद्धांत (… संभव है, पर माना कहीं नहीं गया है) … का सचमुच अस्तित्व है और भौतिक… विशेपता है जिसका मानसिकता में … किया जा सकता है।

reductive neutralism — अपचयी तटस्थवाद, अपचयी अनुभयवाद

ब्रॉड के अनुसार, यह … भौतिकता और न मानसिकता … गुण है, बल्कि दोनों ही एक … द्रव्य के विवर्त (आभास) मात्र हैं।

t definition

व्यतिरिक्त परिभाषा

परिभाषा का एक दोष जिसमें किसी विशेषता की अनावश्यक पुनरावृत्ति होती है। उदाहरण "मनुष्य एक बुद्धिमान् प्राणी है जो तर्क करता है" (टिप्पणी—तर्क करने की विशेषता "बुद्धिमान्" कहने में आ जाती है)।

निर्देशक

वह जिसके द्वारा निर्देश किया जाए, अर्थात्-निर्देश क्रिया का कारण, जैसे प्रत्यक्ष जिसके द्वारा उस वस्तु का निर्देश होता है जिसका उसमें बोध होता है ।

कुछ लोगों ने निर्देश के विषय के लिए भी इस शब्द का प्रयोग किया है ।

निर्देश्य

वह वस्तु जिसका कोई शब्द, वाक्य या कथन बोध कराता है, निर्देश-क्रिया का विषय या "कर्म" ।

ial definite

निर्देशीय निश्चयवाचक

जॉनसन के अनुसार, आर्टिकल "दि" या उसका कोई रूप-भेद जिसके प्रयोग में एक वस्तु-विशेष की ओर संकेत निहित होता है ।

ial realism

निर्देशात्मक वास्तववाद

लेजर वुड (Ledger Wood) के अनुसार, यह ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत कि ज्ञान में (1) ज्ञाता, (2) सवेद्य गुण और (3) उन गुणों के द्वारा निर्दिष्ट एक 'सावृतिक' वस्तु जिसका कि अस्तित्व भी हो सकता है : ये तीन तत्व समाविष्ट होते हैं ।

(लेजर वुड : फर्म के "ए हिस्ट्री आफ फिलोसोफिकल सिस्टम्स" में एक अध्याय के लेखक ।)

by logical — समानाभासमूलक खंडन

किसी युक्ति का खंडन करने का वह तरीका जिसमें सत्य आधारिकाओं किन्तु स्पष्टतः असत्य निष्कर्षवाली एक ऐसी युक्ति का निर्माण किया जाता है जिसका आकार मूल युक्ति के तुल्य होता है। उदाहरण : यदि मैं राष्ट्रपति होता तो मैं एक प्रसिद्ध व्यक्ति होता; मैं राष्ट्रपति नहीं हूं, अतः मैं एक प्रसिद्ध व्यक्ति नहीं हूं। इसका खंडन करने के लिए इस युक्ति का प्रयोग किया जा सकता है: यदि आइन्सटाइन राष्ट्रपति होते तो वे एक प्रसिद्ध व्यक्ति होते; आइन्सटाइन राष्ट्रपति नहीं हैं; अतः आइन्सटाइन एक प्रसिद्ध व्यक्ति नहीं हैं।

…e train of …ning — प्रतिगामी तर्कमाला

न्यायवाक्यों की वह शृंखला जिसमें क्रम उत्तर-न्यायवाक्य से पूर्व-न्यायवाक्य की ओर होता है, अर्थात् पहले अंतिम निष्कर्ष का कथन किया जाता है, फिर उसकी साधक आधारिकाओं का, फिर उन आधारिकाओं की साधक आधारिकाओं का तथा इसी प्रकार आगे भी। उदाहरण:—

राम मरणशील है;
क्योंकि सब मनुष्य मरणशील हैं;
और राम एक मनुष्य है।
सब मनुष्य मरणशील हैं;
क्योंकि सब प्राणी मरणशील हैं;
और सब मनुष्य प्राणी है।

…us ad infinitum — अनवस्था-दोष

एक तर्कगत दोष जिसमें तर्क बिना किसी संतोषजनक परिणाम पर पहुंचे लगातार अनंत तक चलता रहता है—इसमें समस्या को टाला जाता है, उसका समाधान नहीं होता।

regularity theory — नियमितता-सिद्धांत

एक सिद्धांत जो ... का नियमित रूप से ... मानता है।

regulative principles — नियामक तत्त्व

विशेषतः कान्ट के दर्शन ... के प्रत्ययों के लिए प्रयुक्त, ... के अंग न होकर उसे तंत्रबद्ध ... आदर्श का काम करते हैं। ऐसे ... माने गए हैं: आत्मा, जगत् और ... , the

regulative science — नियामक विज्ञान

वह विज्ञान जो नियामक (... नियमन करने वाले) ... है, जैसे नीतिशास्त्र और तर्कशास्त्र ...

reification — वस्तूकरण, पदार्थीकरण

अवस्तु को वस्तु बना देना, ... या विचार में अस्तित्व रखने ... वास्तविक चीज मान बैठना; ... मूर्तत्व का आरोप कर देना।

reincarnation — पुनर्जन्म

आत्मा का मृत्यु के पश्चात् ... धारण करना। अनेक धर्मों में, ... धर्म में, यह विश्वास प्रचलित है।

relational predicate — संबंधात्मक विधेय

वह विधेय जिसका आधार ... हो, जैसे "राम श्याम का मित्र ... का मित्र"।

relational proposition — संबंधात्मक प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो दो या ... के मध्य कोई संबंध बताती है, ... से बड़ा है।"

...heory of — मन का संबंध-सिद्धांत

मन के स्वरूप के बारे में यह सिद्धांत कि वह तटस्थ वस्तुओं (वे जो न मानसिक हैं और न भौतिक) के बीच का संबंध है ।

संबंधवाद

जर्मन समाजशास्त्री कार्ल मानहाइम (Karl Mannheim, 1893–1947) का यह सिद्धांत कि मानवीय चिंतन का संबंध एक विशिष्ट सामाजिक-ऐतिहासिक परिस्थिति से होता है ।

...uency theory — सापेक्ष-आवृत्ति-सिद्धांत

एक सिद्धांत जिसके अनुसार प्रसभाव्यता एक वर्ग के सदस्यों में एक विशिष्ट गुणधर्म के प्रकट होने की सापेक्ष आवृत्ति है—यदि एक हज़ार ऐसे युवकों में जो 25 वर्ष के हैं, 963 ऐसे निकलते हैं जो छब्बीसवें वर्ष में पहुंचते हैं, तो इस वर्ग में इस विशेषता की सापेक्ष आवृत्ति 963/1000 है ।

...al equation — सापेक्ष वैयक्तिक विवरण

विभिन्न व्यक्तियों के द्वारा किसी घटना के जो प्रेक्षण किए जाते हैं उनमे उनकी निजी विशेषताओं के कारण आनेवाला अंतर, विशेषतः उस अंतर का सांख्यिकीय मूल्य ।

...erm — सापेक्ष पद

वह पद जिसके अर्थ में कोई सबंध निहित होता है अथवा जिसमें अनिवार्य रूप से किसी अन्य वस्तु की ओर संकेत रहता है, जैसे, पिता, पुत्र, स्वामी, इत्यादि ।

...alue — सापेक्ष मूल्य

देश, काल, समाज और परिस्थिति की आवश्यकताओ पर आश्रित मूल्य ।

relativism — सापेक्षवाद

सत्य, ज्ञान और मूल्यों को [illegible] और काल के अनुसार बदलनेवाले [illegible] मत ।

relativistic positivism — सापेक्ष प्रत्यक्षवाद, सापेक्ष [illegible]

जर्मन दार्शनिक जोसेफ (Joseph Petzoldt 1862-1[illegible] दार्शनिक सिद्धांत जो द्रव्यों के [illegible] निषेध करता है और उन्हें संवेदगुणों [illegible] रूप से स्थिर समुच्चय मात्र मानता है।

relatum — संबंधी

परस्पर संबंध रखनेवाली चीजों [illegible] में से एक ।

religion — 1. धर्म

सामान्य रूप से, शाश्वत [illegible] सत्ताओं, शाश्वत जीवन और [illegible] विश्वास, नैतिक व्यवस्था का [illegible] के ऊपर आधिपत्य मानना, तथा [illegible] आचार-व्यवहार ।

2. धर्मशास्त्र

विभिन्न धर्मों की सामान्य [illegible] अध्ययन करनेवाला शास्त्र ।

religious a priori — धार्मिक प्रागनुभविक

मानवीय चेतना की यह [illegible] कि वह दिव्य सत्ता [illegible] निरपेक्ष रूप से अंतःप्रज्ञा द्वारा बोध [illegible]

religious sanction — धार्मिक अनुशास्ति

ईश्वर और नरक इत्यादि [illegible] आदमी को, जो कि स्वभावतः स्व[illegible] उन्मुख होता है, परार्थोन्मुख तथा [illegible] बनाता है ।

values धार्मिक मूल्य

मनुष्य की गहरी आध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूरा करनेवाली इस तरह की बातें, जैसे, ईश्वर प्रेम, उपासना इत्यादि।

class शेष-वर्ग

यदि क कोई वस्तु है तो उसकी तुलना में उन वस्तुओं का वर्ग जो क नहीं है।

अनुताप

अतीत में किए हुए पापों (जैसे, दूसरों को क्षति पहुंचाना) के प्रति तीव्र दुःख की अनुभूति।

genus विप्रकृष्ट जाति

तार्किक विभाजन में, वह वर्ग जो प्रश्नाधीन वर्ग (उपजाति) की तुलना में अधिक व्यापक होता है, परन्तु उसके ठीक ऊपर न होकर बहुत ऊपर होता है, जैसे पॉरफीरी के प्रसिद्ध विभाजन में "मनुष्य" की तुलना में "द्रव्य"।

intention व्यवहित अभिप्राय

मैकेंज़ी के अनुसार, वह अभिप्राय जो तात्कालिक न हो। मान लीजिए कि आपके सामने एक अपराधी जिसे पुलिस लिए जा रही है नदी में कूद पड़ता है और आप तथा पुलिसवाले उसके पीछे कूद पड़ते हैं। दोनों का तात्कालिक अभिप्राय उसे बाहर निकालना है, लेकिन आपका "व्यवहित अभिप्राय" एक जीवन को बचाना है जब कि पुलिस का उसे अदालत में दंड दिलाने के लिए (जो मृत्यु दंड भी हो सकता है) सुरक्षित रखना है।

renaissance — पुनर्जागरण, रिनेसां

सामान्यतः बौद्धिक जागृति का युग/विशेषतः ... का एक सांस्कृतिक आंदोलन ... शुरू हुआ और पूरे यूरोप ... तथा जिसके दौरान अतीत ... हुई, मध्य युग की धर्मप्रधानता से मुक्ति मिली, साहित्य, कला के क्षेत्रों में अभूतपूर्व स्फूर्ति ... का उन्मेष हुआ।

renunciation — त्याग, संन्यास

उच्चतर आध्यात्मिक लक्ष्य ... की सिद्धि के लिए सांसारिक ... महत्वाकांक्षाओं इत्यादि को त्याग ...

repentence — पश्चाताप

अपने किए हुए पाप कर्मों ... की अनुभूति तथा साथ ही ... का पूर्णतः त्याग और केवल ... अनुसरण करने का संकल्प।

reportive definition — प्रतिवेदक परिभाषा

किसी शब्द की वह परिभाषा ... बताती है कि लोग किस अर्थ में ... करते हैं।

representational occurrence — प्रतिनिधानात्मक घटना

बर्ट्रेंड रसैल के अनुसार, शरीर ... कोई भी ऐसी घटना (जैसे, ...) जो बाहर किसी चीज के अस्तित्व ... करे।

representationism — प्रतिनिधानवाद

ज्ञानमीमांसा में, वह सिद्धान्त ... मन में बाह्य वस्तुओं का प्रतिनिधि ...

प्रत्यय करते हैं जो उनकी प्रतिलिपियां हैं, और हमें अपरोक्ष रूप से इन्हीं का ज्ञान होता है, न कि बाह्य वस्तुओं का, क्योंकि वे वास्तव में अनुमानगम्य हैं ।

entative fictions — प्रतिरूप-कल्पितार्थ

तर्कशास्त्री बैन के अनुसार, पिंडों की सूक्ष्म संरचनाओं और क्रियाओं के बारे में की गई वे प्राक्कल्पनाएं जिन्हें सीधे उपायों से कदापि प्रमाणित नहीं किया जा सकता, परन्तु जो इसके बावजूद घटनाओं की व्याख्या में सहायक होती हैं ।

entative realism — प्रतिनिधानात्मक वास्तववाद

एक ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त जो बाह्य जगत् के अस्तित्व को वास्तविक मानता है परन्तु उसके ज्ञान को उसके प्रति निधिभूत प्रत्ययों के माध्यम से ही संभव मानता है ।

ation — शाश्वत-नरक-दंड

कैल्विन के सिद्धान्त के अनुसार, जिन जीवों को ईश्वर ने शाश्वत स्वर्गीय जीवन के लिए नहीं चुना है उन्हें दिया गया शाश्वत नरक निवास का दंड ।

ogitans — चिद्द्रव्य

देकार्त के अनुसार, द्रव्य के दो मूल प्रकारों में से वह जो सोच-विचार कर सकता है; मनोद्रव्य ।

tensa — विस्तृत द्रव्य

देकार्त के अनुसार, द्रव्य के दो मूल प्रकारों में से वह जो दिक् में फैला हुआ रहता है; भौतिक द्रव्य ।

resignation — समर्पण, आत्म-समर्पण
मन की वह धीर और शांत
व्यक्ति वस्तुस्थिति को
वश के बाहर मानकर उसने
है ।

responsibility — उत्तरदायित्व
स्वतंत्र कर्ता की वह
जिसके होने से वह अपने द्वारा
लिए प्रशंसा या निंदा का

restorationism — पुनःस्थापनवाद
कुछ ईसाई धर्मावलंबियों
कि अंत में सब बाधाओं के
सबको मुक्ति मिल जाएगी,
ईश्वर का प्रसाद और शांति

retributive theory of punishment — प्रतिकारार्थ-दंड-सिद्धांत
यह सिद्धांत कि असत्कर्म के
दिया जानेवाला दंड उसकी
अनुसार कठोर या मृदु होना
उसकी अर्हता के अलावा किसी
पापी का सुधार इत्यादि) का
किया जाना चाहिए ।

revaluation — पुनर्मूल्यन
(कर्म इत्यादि का) ऐसा
पारंपरिक से भिन्न हो या
कोण से किया गया हो ।

revealed religion — इलहामी धर्म ; श्रुत धर्म
नैसर्गिक अर्थात् मनुष्य
आधारित धर्म के विपरीत
आधार इलहाम अर्थात्
किसी चुने हुए व्यक्ति (दैव
हृदय में उत्पन्न दिव्य प्रकाश
है ।

on — इलहाम; श्रुति (वैदिक संदर्भ में)

किसी चमत्कार, स्वप्न, दिव्य दर्शन आदि के माध्यम से होनेवाला ईश्वरीय इच्छा का या दिव्य तत्त्व का ज्ञान : विभिन्न धर्मों ने अपने आधारभूत ग्रंथ (बाइबिल, कुरान इत्यादि) को इस तरह का ज्ञान माना है ।

ory definition — ज्ञापक परिभाषा

एस० एफ० बार्कर ("दि एलीमेन्ट्स ऑफ लॉजिक" के लेखक) द्वारा ऐसी परिभाषा के लिए प्रयुक्त पद जो न तो शब्द के भाषा में पहले से प्रचलित अर्थ को बताती है और न वक्ता के द्वारा उसे दिया हुआ कोई नया अर्थ बताती है, बल्कि उसके द्वारा व्यक्त वस्तु की किसी ऐसी विशेषता की ओर ध्यान खींचती है जिसे वक्ता विशेष महत्त्व की समझता है, जैसे, "स्थापत्य" की यह परिभाषा कि वह "हिमीभूत संगीत" है ।

nism — संशोधनवाद

विशेषतः एक आंदोलन जो मूल मार्क्सीय समाजवाद में किन्हीं बातों में शोधन करवाने के लिए (जैसे, क्रांति के प्रत्यय को मूल कार्यक्रम से हटवाने के लिए) कुछ समाजवादी क्षत्रों में चल पड़ा है ।

alism — पुनरुद्धार-वृत्ति

अतीत की अथवा ऐसी बातों को जो अनुपयोगी समझकर छोड़ दी गई है, पुनः चलाने का प्रयत्न अथवा इसकी प्रवृत्ति ।

lous hypothesis — हास्यास्पद प्राक्कल्पना

ऐसी प्राक्कल्पना जो तथ्यों की हास्यास्पद व्याख्या प्रस्तुत करे, जैसे यह कि पृथ्वी शेषनाग के फण के ऊपर स्थित है ।

right — 1. अधिकार

(सं०) वह चीज जिस...
या कानूनी रूप में दावा हो...
समाज के द्वारा स्वीकृत हो।

2. उचित, सत्

(वि०) किसी नैतिक मानक के
अनुसार (कर्म इत्यादि)।

righteousness — नीतिपरायणता

व्यक्ति के चरित्र की वह स्थिति
उसमें नीति या धर्म के अनुसार
करते रहने से आती है।

regorism — कठोरतावाद, निग्रहवाद

यह मत कि नियम का
कठोरता से पालन किया जाए
उसमें कोई शैथिल्य या ...
आने देना चाहिए, अथवा
इच्छाओं, प्रवृत्तियों और ...
निग्रह करना चाहिए।

ritualism — 1. कर्मकांडपरता

धार्मिक कृत्यों में अत्यधिक...

2. कर्मकांडवाद

यह विश्वास कि कर्मकांड (...
यज्ञ-याग) ही नैतिक ...
अभीष्ट (स्वर्ग, मोक्ष ...
प्राप्ति का उपाय है।

rule of faith — आस्था-व्यवस्था

धार्मिक विश्वास का ...
जिसका उद्देश्य धर्म के ...
के तत्वों के प्रवेश को रोकना ...

[ru]ltilitarianism — नियम-उपयोगितावाद

उपयोगितावाद का एक प्रकार जो प्रत्येक अलग-अलग कर्म के परिणामों पर विचार न करके कर्म के प्रकार, अथवा इस तरह के सामान्य नियम के, जैसे "वचन का पालन करो" के, परिणामों पर विचार करके उसके औचित्य या अनौचित्य का निर्णय करता है। दूसरे प्रकार की जानकारी के लिए देखिए— act-utilitarianism.

S

[...]tion — निस्तार, मुक्ति, मोक्ष

पाप या कर्म के फल से, जिसकी शाश्वत नरक-दंड, सांसारिक बंधन, जन्म-मृत्यु के अविच्छिन्न चक्र इत्यादि के रूप में कल्पना की गई है, सदा के लिए छुटकारा, जिसे सभी धर्मों ने अपना लक्ष्य बनाया है, हालांकि उसके स्वरूप और उपायों के बारे में उनमें मतभेद है।

[...]tion — अनुशास्ति

व्यक्ति को नैतिक आचरण के लिए प्रोत्साहित करनेवाला सामाजिक सम्मान इत्यादि के रूप में प्राप्त पुरस्कार अथवा कर्तव्य के उल्लंघन या कदाचरण के लिए समाज के कानून द्वारा या प्रकृति या ईश्वर के द्वारा दिए जाने-वाले दंड का भय।

[...]epticism (or skepticism) — संशयवाद

1. यह मत कि पूर्ण, असंदिग्ध या विश्वसनीय ज्ञान की प्राप्ति असंभव है, अथवा किसी क्षेत्र-विशेष में (तत्व-मीमांसीय, नीतिशास्त्रीय, धार्मिक इत्यादि)

या साधन-विशेष (बुद्धि, अंतःप्रज्ञा इत्यादि) से ... प्राप्त नहीं हो सकता।

2. यह मत कि असंदिग्ध ... प्राप्ति के लिए परिकल्पनाओं ... निरंतर परीक्षा करते रहते ... है, और जब तक पूर्ण ... न हो जाए तब तक निर्णय ... का दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए।

scholasticism

पांडित्यवाद, स्कॉलैस्टिकवाद

एक वैचारिक आन्दोलन ... पद्धति जिसका पश्चिमी यूरोप ... शताब्दी के बाद से सत्रहवीं ... के पहले तक प्रभाव रहा। ईसाई धार्मिक सिद्धांतों का ... रहा और उन्हीं की सीमाओं में रहते हुए दार्शनिक समस्याओं ... समाधान खोजा गया। इसके अति... रिक्त इस काल की दो ... ये रही कि प्लेटो के वचन ... को प्रमाण माना गया और ... की प्रणाली अपनाई गई।

scientific classification

वैज्ञानिक वर्गीकरण

वस्तुओं को उनकी आवश्यक ... मौलिक समानताओं के आधार ... एकाधिक समूहों में रखना। ... प्राणिविज्ञान में, प्राणियों को ... और अकशेरुकी नामक समूहों में ... इसे 'प्राकृतिक वर्गीकरण' भी कहते हैं।

scientific empiricism

वैज्ञानिक इंद्रियानुभववाद

एक दार्शनिक आन्दोलन जिसका ... प्रत्यक्षवाद से प्रादुर्भाव हुआ ... जिसमें कुछ अन्य संप्रदाय ...

भी शामिल है । इसे 'विज्ञान की एकता का आंदोलन' भी कहा जाता है। इसका तार्किक प्रत्यक्षवाद से पूर्ण मतैक्य है। परन्तु विज्ञान की एकता के ऊपर विशेष बल दिया गया है। यह विज्ञान की भाषा में तार्किक एकता मानता है: विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के सप्रत्यय मूलतः भिन्न प्रकार के नहीं हैं बल्कि एक तंत्र में संगठित हैं। इसका एक व्यावहारिक उद्देश्य विभिन्न विज्ञानों में प्रयुक्त शब्दावलियों में और अधिक सामंजस्य स्थापित करना है तथा *विज्ञान का इस प्रकार विकास करना* इसका लक्ष्य है कि भविष्य में परस्पर संबद्ध आधारभूत नियमों का एक तंत्र प्राप्त हो सके, जिससे विभिन्न विज्ञानों के विशेष नियम निगमित किए जा सकें।

explanation वैज्ञानिक व्याख्या

लोकप्रसिद्ध व्याख्या के विपरीत वह व्याख्या जो तथ्यों को नियमों के अंतर्गत तथा नियमों को और अधिक ऊंचे और आधारभूत नियमों के अंतर्गत लाती है तथा अलौकिक बातों का आश्रय नहीं लेती।

hypothesis वैज्ञानिक प्राक्कल्पना

देखिए—legitimate hypothesis.

induction वैज्ञानिक आगमन

वह आगमन जिसमें प्रकृति की एकरूपता और कारण-नियम में विश्वास रखते हुए घटनाओं के प्रेक्षण और प्रयोग के द्वारा कोई वास्तविक सर्वव्यापी प्रतिज्ञप्ति स्थापित की जाती है। यदि कारण-नियम और प्रयोग का आश्रय न लिया

जाय तो आगमन अवैज्ञानि...
जाता है।

-scientism — विज्ञानपरता

कुछ विचारकों, विशेषतः माक(...) इत्यादि प्रत्यक्षवादियों, का ... उसकी प्रणालियों, उसकी ... वैज्ञानिकों की ओर सम्मान, ... और फलतः उनका यह विचा(र) ... प्राकृतिक विज्ञानों की अनुसंधान... सामाजिक विज्ञानों तथा ... भी अनुसरणीय है।

-secondary qualities — गौण गुण, द्वितीयक गुण

जॉन लॉक के अनुसार, वस्तुओं ... होनेवाले वे गुण जो उनमें ... नहीं होते बल्कि ज्ञाता के मन ... के प्राथमिक गुणों के कारण ... होते हैं। ऐसे गुण हैं, रंग, ... स्पर्श तथा स्वाद। मनुष्य ... में ये विभिन्न रूपों में ... हैं तथा परिवर्तनशील होते हैं।

-selective realism — वरणात्मक वास्तववाद

अमेरिका के समसामयिक नव ... वादियों का यह मत कि ... प्रत्यक्ष में वैसे ही भ्रम में ... चीज मानसिक या विषयिगत ... बल्कि वास्तविक होती है; ... यह होता है कि वस्तु के ... कुछ का ही मस्तिष्क या ... में चुनाव किया होता है।

-selective subjectivism — वरणात्मक विषयिनिष्ठतावाद

प्रसिद्ध वैज्ञानिक एडिंग्टन (18... 1944) का ज्ञानमीमांसीय मत, ...

अनुसार: प्रत्यक्ष में हमें अपनी चेतना के ही कुछ तत्वों (दत्तों) का ज्ञान होता है, परन्तु इन तत्वों के बाह्य जगत् में स्थित वस्तुओं के समान होने का दावा नहीं किया जा सकता। एडिंगटन ने यह माना है कि जिस प्रकार जाल केवल उन मछलियों को पकड़ सकता है जिनका आकार उसके छेदों से बड़ा होता है उसी प्रकार हमारी इंद्रियां केवल कुछ चुने हुए दत्तों को ही ग्रहण कर सकती हैं।

ry (of sensa) (संवित्तों का) वरण-सिद्धांत

यह वास्तववादी सिद्धांत कि संवेद्यों का संवेदन की क्रिया से पूर्व अस्तित्व होता है, और इसलिए मन का कार्य सर्जनात्मक नहीं बल्कि वरणात्मक होता है।

आत्मा

अनुभव या चेतना में कर्ता (विषयी या अहम्) के रूप में तथा आत्म-चेतना में कर्ता और कर्म के तादात्म्य के रूप में विद्यमान तत्त्व, जिसे प्रायः शरीर से स्वतंत्र अस्तित्व रखनेवाली, परिवर्तन के मध्य अपरिवर्तित बनी रहनेवाली, एक अभौतिक सत्ता के रूप में कल्पित किया गया है।

ism आत्मनियतत्ववाद

एक मत जिसके अनुसार कर्म स्वयं कर्ता के चरित्र या आंतरिक स्वभाव द्वारा निर्धारित होते हैं। यह मत नियतत्ववाद और अनियतत्ववाद का समन्वय करता है: नियतत्ववाद मनुष्य के संकल्प को बाह्य कारणों के द्वारा

निर्धारित मानता है [illegible] तत्ववाद उसे किसी भी [illegible] निर्धारित नहीं मानता, [illegible] ही कोटियां नैतिक [illegible] समस्या को नहीं सुलझा पातीं।

self-evidence स्वतः प्रामाण्य

ऐसी प्रतिज्ञप्ति की [illegible] सत्यता स्वतः प्रकट होती। इसलिए जिसे किसी [illegible] की आवश्यकता नहीं होती।

self-realization आत्मोपलब्धि, आत्मसिद्धि

आत्मा की शक्तियों का [illegible] का ऐसा सर्वांगीण विकास [illegible] आध्यात्मिक, व्यक्तिगत, [illegible] बौद्धिक इत्यादि सभी [illegible] समन्वय हो; इसे "आदर्श[illegible] वादियों" (ग्रीन, ब्रैडली [illegible] नैतिकता का सर्वोच्च [illegible]।

semantical naturalism शब्दार्थक प्रकृतिवाद

शब्द और अर्थ अर्थात् [illegible] के संबंध को कृत्रिम [illegible] मानने के बजाय प्राकृ[illegible] सिद्धांत : पूर्वमीमांसा में [illegible] है और प्राचीन यूनान में [illegible] इस मत की ओर [illegible] होता है।

semisentence ईषद्वाक्य

ऐसा वाक्य जिसमें [illegible] किसी विशेष परिस्थिति [illegible] लगे किन्तु सामान्यतः [illegible] के कारण [illegible] हो, [illegible] [illegible] रहा है।"

alism — संवेदनवाद

इंद्रियानुभववाद का एक रूप जो इस बात पर बल देता है कि अततोगत्वा ज्ञान संवेदनों से प्राप्त होता है। सामान्यतः इस मत का संबंध साहचर्यवाद से माना जाता है।

nifold — संवित्त-विविधक

अनुभव में समाविष्ट रंग, ध्वनि, स्वाद इत्यादि विविध संवेदनों के अंश।

(sing., sensibile) — संवेद्यार्थ

रसेल के अनुसार, वे चीजें जिनकी तत्वमीमांसीय तथा भौतिक स्थिति इंद्रियदत्त के तुल्य ही होती है किंतु जिनके बारे में यह जरूरी नहीं है कि वे सामने प्रस्तुत हों। जैसे मनुष्य विवाह-संबंध के होने पर पति बन जाता है वैसे ही संवेद्यार्थ किसी मन में संबंध होने पर इंद्रियदत्त कहलाता है।

y — संवेदन-शक्ति

कान्ट के अनुसार, मन की वह शक्ति जिसके द्वारा वह ऐंद्रिय संस्कारों को ग्रहण करता है।

n — विषयभोगवाद, इंद्रियसुखवाद

नीतिशास्त्र में, यह मत कि इंद्रियों की तृप्ति अर्थात् विषयों का भोग ही परम शुभ है।

संवित्त

वह सामग्री जो किसी बाह्य ज्ञानेंद्रिय के माध्यम से मन के समक्ष प्रस्तुत होती है; संवेदन की अंतर्वस्तु।

separable accident — वियोज्य आगतुक गुण

वह आकस्मिक गुण जो सं
व्यष्टियों में हो और कुछ में
जैसे कुत्तों में सफेद र
एक व्यष्टि में कभी हो औ
न हो, जसे राम का व्यवहार

similia similibus percipiuntur — सदृशं सदृशेण गृह्यते

एक प्राचीन ज्ञानमीमांस
जिसके अनुसार "सदृश सदृश से
जाता है।" इसी से
यूनानी दर्शन में वस्तुओं से
वाले सूक्ष्म कणों की कल्पना की
भारतीय दर्शन में चक्षु को
को आकाशमय, तथा अन्य
को तत्तद्भूतमय माना गया।

simple conversion — सरल परिवर्तन

एक प्रकार का अव्यवहित अनु
आधारिका के उद्देश्य और विधे
में क्रमशः विधेय और उद्दे
हैं, गुण वही बना रहता है और
भी वही रहता है (
आधारिका सर्वव्यापी
है तो निष्कर्ष भी वही
[केवल ए (E) और ई (
का परिवर्तन सरल होता है।

simple dilemma — सरल उभयतः पाश

वह उभयतः पाश जिसका
निरुपाधिक वाक्य होता है।
यदि अ ब है तो स द
स है तो स द है।
या तो अ ब है या र
∴ स द है।

ɛrm — एकशब्द पद

वह पद जिसमें केवल एक शब्द होता है, जैसे मनुष्य, राम इत्यादि।

पाप

वह काम जो धर्म-विरुद्ध हो, ईश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करनेवाला माना जाता हो या दैवी कानून के द्वारा निषिद्ध हो।

eneral proposition — एक परिमाणक सामान्य प्रतिज्ञप्ति

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, वह सामान्य प्रतिज्ञप्ति जिसमें केवल एक परिमाणक हो, जैसे 'सब कुत्ते पशु हैं"।

('एकपरिमाणक' प्रतिज्ञप्ति वही है जो पारंपरिक तर्कशास्त्र में 'सरल प्रतिज्ञप्ति' है।)

sm — एकतत्त्ववाद

यह मत कि मूल तत्त्व केवल एक है या संपूर्ण जगत् केवल एक ही पदार्थ से उत्पन्न है।

proposition — एकव्यापी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जिसका उद्देश्य-पद एकवाचक हो अर्थात् जो एक व्यष्टि के बारे में हो, जैसे "शंकर एक महान् दार्शनिक है"।

induction — मिद्ध आगमन

आगमनिक तर्क का एक दोष जो तब होता है जब प्रमाणो पर आधारित निष्कर्ष की प्रसंभाव्यता की मात्रा को कम आका जाता है, जैसे एक विशेष प्रतियोगिता-परीक्षा में दस बार फेल होने के बाद ग्यारहवी बार पास होने

अर्थवितंडा

आर्थिक लाभ के लिए आभासी तर्क का प्रयोग करने की कला।

वितंडा, कुतर्क

छल करने या विपक्षी को भ्रम मे डालने के उद्देश्य से आभासी तर्कों का प्रयोग।

सक्षिप्त प्रगामी तर्कमाला

न्यायवाक्यो की वह शृखला जिसमें पहले न्यायवाक्य का निष्कर्ष अगले में एक आधारिका बनता है तथा अंतिम को छोड़कर सब निष्कर्ष और सबधित आधारिकाएं अव्यक्त होती हैं।

उदाहरण :

सब अ ब है।
सब ब स है।
सब स द है।
सब द य है।
∴ सब अ य है।

ding

एकपक्षीय प्रतिपादन

एक दोष जो किसी तर्क का एक संदर्भ में प्रयोग करने और अन्य संदर्भों में उसे अस्वीकार करने में होता है, जैसे आलस्य की समर्थ लोगों में प्रशंसा लेकिन निर्धनों में निंदा करना :

उपजाति

तर्कशास्त्र में, किसी बड़े वर्ग की तुलना में वह छोटा वर्ग जिसका वस्त्वर्थ उसके वस्त्वर्थ में समाविष्ट होता है, जैसे वृक्ष की तुलना में आम्रवृक्ष या मनुष्य की तुलना में नीग्रो।

देखिए genus।

specific accident — उपजातिगत आगंतुक गुण

वह आगंतुक गुण जो केवल प्रश्नाधीन उपजाति में ही विद्यमान हो, उसकी समकक्ष उपजातियों यानी पूरी जाति में नहीं।

specific attribute — उपजातिगत गुण

वह गुण जो केवल प्रश्नाधीन उपजाति में ही विद्यमान हो, उसकी समकक्ष उपजातियों मे नहीं।

specific excludent — उपजातिगत व्यावर्त्य

डिमॉर्गन के अनुसार, वह विधेय जो प्रश्नाधीन उपजाति पर लागू न हो, पर अन्य समकक्ष उपजातियों पर लागू हो।

specific non-accident — उपजातिगत अनागंतुक गुण

वह गुण जो आकस्मिक न हो और केवल संबंधित उपजाति में ही पाया जाता हो, अर्थात् अवच्छेदक (differentia) का अंश या परिणाम हो।

specific property — उपजातिगत गुणधर्म

वह गुणधर्म जो उपजाति के गुणार्थ का परिणाम होता है, जैसे समद्विबाहु त्रिभुज के दो कोणों के बराबर होने की विशेषता जो कि त्रिभुज के गुणार्थ का नहीं बल्कि उसकी दो भुजाओं के समान होने का परिणाम है।

speculative philosophy — परिकल्पनात्मक दर्शन

समीक्षात्मक दर्शन के विपरीत, दर्शन का वह प्रकार जिसमें संप्रत्ययों की उप

और विश्लेषण करनेवाली आलोचनात्मक बुद्धि की अपेक्षा कल्पना-शक्ति से अधिक काम लिया जाता है और अंतःप्रज्ञा के आधार पर सत्ता के तात्त्विक स्वरूप के बारे में सिद्धांतों के एक तंत्र का निर्माण किया जाता है, जैसा कि हेगेल, स्पिनोज़ा, शंकर इत्यादि दार्शनिकों ने किया है।

spirit आत्मा; चित्; प्रेतात्मा

मूलतः स्टोइकों द्वारा विश्व को अनुप्राणित करने वाले अग्निसदृश तत्त्व के अर्थ में प्रयुक्त ।

कृति और बुद्धिशक्ति से युक्त चेतन तत्त्व या आत्मा।

शरीर की मृत्यु के बाद बची हुई चेतन सत्ता।

spiritualism 1. अध्यात्मवाद

भौतिकवाद के विपरीत, यह सिद्धांत कि अंतिम सत्ता आत्मा है जो समस्त विश्व में व्याप्त है, अथवा यह कि विश्व में ब्रह्म और आत्माओं के अलावा कुछ भी नहीं है।

2. प्रेतवाद

यह विश्वास कि प्रेतात्माएं होती हैं और वे 'माध्यमों' के द्वारा अथवा अन्यथा जीवित लोगों के साथ संपर्क कर सकती हैं।

square of opposition विरोध-चतुरस्र

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, प्रतिज्ञप्तियों के विरोध-संबंधों को प्रदर्शित करनेवाली

और उन्हें स्मरण रखने में सहायक निम्न वर्गाकृति :

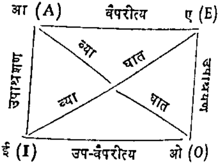

देखिए contrariety, contradiction, sub-contrariety, subalternation ।

stacking the deck

एकांगी बलन (दोष)

पदाघात-दोष का एक प्रकार जो तथ्यों का एकपक्षीय चयन करके इष्ट प्रभाव उत्पन्न करने में प्रकट होता है, जैसे महत्त्वहीन बातों पर जोर देकर किसी नाटक या कृति की आलोचना करने अथवा केवल प्रतिकूल बातों को प्रस्तुत करके किसी के चरित्र को भ्रष्ट करने में।

देखिए fallacy of accent

statement

कथन

ज्ञापक वाक्य, अर्थात् वह वाक्य जिसका संज्ञानात्मक अर्थ हो, यानी जो किसी ऐसी बात को प्रकट करता हो जो सत्य या मिथ्या हो सकती है।

stipulative definition

स्वनिर्मित परिभाषा

वह परिभाषा जिसके द्वारा यह बताया जाता है कि किसी नए शब्द का प्रयोग करनेवाला अथवा किसी पुराने शब्द का एक नए रूप में प्रयोग करनेवाला उसे क्या अर्थ देना चाहता है। ऐसी

परिभाषाएं प्राय: नई खोज करनेवालों को देनी होती ह।

strengthened syllogism — प्रतिबल न्यायवाक्य

वह न्यायवाक्य जिसमें एक आधारिका आवश्यकता से अधिक बल वाली होती है, अर्थात् निष्कर्ष को प्राप्त करने के लिए उसका अंशव्यापी होना पर्याप्त होता है जबकि वह सर्वव्यापी होती है। उदाहरण : चतुर्थ आकृति का विन्यास ब्रामान्टीप (Bramantip) : सब क ख है; सब ख ग है, अत. कुछ ग क है। (साध्य-आधारिका 'सब क ख है' के स्थान पर 'कुछ क ख है' होने से भी निष्कर्ष वही होता। अतः वह अनावश्यक रूप से अधिक बलवाली है।)

rict implication — नियत आपादन

वह आपादन, अर्थात् 'यदि-तो' प्रतिज्ञप्ति ('यदि क तो ख'), जिसमें आपाद्य ('तो ख') आपादक ('यदि क') से निगम्य होता है।

rong disjunction (=exclusive disijunction) — प्रबल (व्यावर्तक) वियोजन

वह कथन जिसमें 'या' का प्रयोग करके ऐसे दो विकल्प बताए गए हों जिनमें केवल एक स्वीकार्य हो, दोनों कदापि नहीं, जैसे "रामू या तो मर गया है या जीवित है"।

ıbalternant — उपाश्रय

उपाश्रयण नामक विरोध-संबंध रखनेवाली प्रतिज्ञप्तियों में से वह जो सर्वव्यापी होती है। इसे Superaltern भी कहते हैं।

देखिए superalternation।

subalternate

उपाश्रित

उपाश्रयण नामक विरोध-संबंध रखने प्रतिज्ञप्तियों में से वह जो अंशव्यापी है। इसे Subaltern भी कहते हैं।
देखिए Subalternation।

subalternation

उपाश्रयण

दो ऐसी प्रतिज्ञप्तियों का विरोध-संबं जिनके उद्देश्य, विधेय और गुण समा होते हैं परन्तु परिमाण भिन्न होते है अर्थात् जिनमें से एक सर्वव्यापी होत है और दूसरी अंशव्यापी, जैसे आ (A) और ई (I) का अथवा ए (E) ओ (O) का:

सब अ ब है (आ)। } { कोई अ ब नहीं है (ए)
कुछ अ ब है (ई)। } { कुछ अ ब नहीं है (ओ)

subcontrariety

उपवैपरीत्य

विरोध-संबंध का एक प्रकार जो समान उद्देश्य और समान विधेयवाली परन्तु गुण में भिन्नता रखनेवाली दो अंशव्यापी प्रतिज्ञप्तियों अर्थात् ई (I) और ओ (O) के मध्य होता है:

कुछ अ ब है (ई)। }
कुछ अ ब नहीं है (ओ)। }

subject

विषय

ज्ञानमीमांसा में, वस्तु या विषय को जाननेवाला अथवा ज्ञान का कर्ता, अर्थात् ज्ञाता, जिसे कि आत्मा, मन, बुद्धि इत्यादि विभिन्न रूपों में कल्पित किया गया है।

subjective idealism

विषयिनिष्ठ प्रत्ययवाद

यह ज्ञानमीमांसीय सिद्धांत कि [illegible] अपने प्रत्ययों के जगत् के बाहर [illegible]

सीमित होता है, उसे केवल अपने प्रत्ययों का ही साक्षात् ज्ञान हो सकता है, और इसलिए बाह्य जगत्, जिसे हम वास्तविक मान बैठते हैं, कल्पना मात्र है, जिसके अस्तित्व का कोई पक्का प्रमाण नही है । आधुनिक दर्शन में बर्कली और भारतीय दर्शन में योगाचार बौद्ध इस मत के प्रतिपादक हैं ।

subjectivism — विषयिनिष्ठवाद, विषयिनिष्ठतावाद

देखिए subjective idealism ।

मूल्यमीमांसा में, यह मत कि नैतिक तथा अन्य मूल्य व्यक्ति की अनुभूतियां और मानसिक प्रतिक्रियाएं मात्र हैं और बाह्य जगत् में उनके अनुरूप किसी चीज का अस्तित्व नही है।

substance theory of mind — मनोद्रव्य-सिद्धांत

सी० डब्ल्यू० मॉरिस के अनुसार, यह सिद्धात कि मन एक स्थायी तथा अपनी एकता को बनाए रखनेवाला द्रव्य है ।

substantive theory of mind — द्रव्यकल्प-मन-सिद्धात

सी० डब्ल्यू० मॉरिस के अनुसार, यह सिद्धात कि यद्यपि मन स्वयं एक द्रव्य नही है तथापि इसमे द्रव्य की विशेषताएं विद्यमान हैं ।

substratum — अधिष्ठान

वह जिसमें गुण समवेत रहते हैं; गुणों का आधार; द्रव्य ।

अरस्तू के दर्शन में, पुद्गल, जो कि आकार के मूल में रहता है; अथवा ठोस वस्तु जो गुणों को धारण करती है; या तार्किक उद्देश्य जिसके बारे में विधेय का कथन किया जाता है।

Sufism — सूफीमत, सूफीवाद

इस्लाम की कट्टरता के विरोध-स्वरूप बाह्य (ईसाई और हिंदू) प्रभाव से उसके अन्दर विकसित एक रहस्यवादी आंदोलन। इसमें इन्द्रिय-निग्रह, त्याग, दारिद्र्य, धैर्य तथा आस्था मुख्य गुण हैं जो ईश्वर-प्राप्ति के लिए आवश्यक माने गए हैं।

summum bonum — निःश्रेयस, परमार्थ, परम पुरुषार्थ, परम शुभ, परम हित

मनुष्य का वह नैतिक लक्ष्य जो सर्वोच्च है, जिससे अधिक श्रेयस्कर कुछ हो नहीं सकता, जो मानवीय प्रयत्न का सबसे बड़ा साध्य है। विभिन्न विचारकों ने सुख, आत्म-सिद्धि, शक्ति इत्यादि विभिन्न चीजों को सर्वोच्च साध्य माना है।

summum genus — पराजाति

तर्कशास्त्र में, वह वर्ग जिससे बड़ा कोई वर्ग नहीं हो सकता या जो किसी भी वर्ग का उपवर्ग नहीं बन सकता, जैसे पॉरफिरी (Porphyry) के विभाजन में, सत्ता।

superman — अधिमानव

नीत्शे (Nietzche) के दर्शन में, उस जाति के लिए प्रयुक्त शब्द जो वर्तमान मनुष्य-जाति से श्रेष्ठ होगी और जो विकास क्रम का लक्ष्य भी है।

supernaturalism — अतिप्रकृतिवाद, अतिप्राकृतवाद

ऐसी शक्तियों के अस्तित्व में विश्वास जो प्रकृति और उसके नियमों के अंदर है ऊपर हैं तथा विश्व की उत्पत्ति इन्हीं के कारण है।

syllogism — न्यायवाक्य

व्यवहित निगमनात्मक अनुमान का एक प्रकार जिसमें निष्कर्ष दो आधारिकाओं से संयुक्त रूप से निकलता है। उदाहरण :

सब मनुष्य मरणशील हैं; } (आधारि-
सुकरात एक मनुष्य है; } काएं)

∴ सुकरात मरणशील है। (निष्कर्ष)

syllogistic (s) — न्यायिकी

तर्कशास्त्र की वह शाखा जो न्यायवाक्य का वर्णन-विवेचन करती है।

symbolic logic — प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

पारंपरिक आकारपरक तर्कशास्त्र को आधुनिक तर्कशास्त्रियों (यथा लाइपनित्स, जॉर्ज बूल, फ्रेगे, पेआनो, रसेल इत्यादि) के द्वारा दिया गया रूप, जिसमें साधारण प्रयोग की भाषा की अस्पष्टता, अनेकार्थकता और अपर्याप्तता से बचने के लिए गणित की प्रतीकात्मक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

symmetrical relation — सममित संबंध

दो पदों का ऐसा संबंध कि यदि वह क का ख के साथ है तो ख का भी क के साथ होता है, जैसे, 'विवाह,' 'भिन्नता' इत्यादि।

(यदि कमल का शीला से विवाह हुआ है तो शीला का कमल से विवाह हुआ है, यदि क ख से भिन्न है तो ख क से भिन्न है।)

syncategorematic word — स्वत:पदार्थीय शब्द, परत:शक्त शब्द

वह शब्द जो स्वत: किसी तार्कि वाक्य का उद्देश्य या विधेय नहीं ब सकता, परंतु अन्य शब्दों के साथ संयुक्त होक बन सकता है, जैसे 'का', 'और' इत्यादि।

synergism — अनेककर्तृत्ववाद

ईसाई धर्ममीमांसा में, यह सिद्धांत कि मनुष्य की मुक्ति के लिए अनेक कारक क्रियाशील हैं। इस शब्द का प्रचल सोलहवीं शताब्दी से आरंभ हुआ जब मेलॅंक्थॉन ने इस बात पर बल दिया कि 'पवित्र आत्मा', 'ईश्वर का वचन' तथा 'मनुष्य का संकल्प' मिलकर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

synonymous definition — पर्याय-परिभाषा

वह दोषयुक्त परिभाषा जिसमें परि-भाष्य पद का कोई पर्याय दे दिया जाता है, जैसे "पौधा एक वनस्पति" है।

synthesis — 1. संश्लेषण

विचार के अलग-अलग तत्वों को संयुक्त करके एक जटिल रूप देने की क्रिया या उसका परिणाम।

2. संपक्ष

हेगेल के दर्शन में, द्वंद्वात्मक प्रक्रिया का तीसरा चरण जिसमें 'पक्ष' और 'प्रतिपक्ष' का समन्वय होता है।

synthetic philosophy — संश्लेषी दर्शन

हर्बर्ट स्पेन्सर (1820-1903) का दर्शन, जिसका संबंध जीवविज्ञान, मनो-विज्ञान, समाजशास्त्र तथा नीतिशास्त्र इत्यादि के सिद्धांतों को समन्वित करना है।

synthetic proposition संश्लेषी प्रतिज्ञप्ति

वह प्रतिज्ञप्ति जो किसी वस्तु के बारे में ऐसी बात बताती ह जो उसके प्रत्यय में पहले से शामिल न हो।

आधुनिक शब्दावली में, वह प्रतिज्ञप्ति जो पुनरुक्त न हो, अथवा जो न विश्लेषी हो और न स्वतोव्याघाती।

उदाहरण : "दशहरी आम खाने में बड़े ही मजेदार होने हैं।"

synthetic train of reasoning संश्लेषात्मक तर्कमाला

देखिए progressive train of reasoning।

T

tabula rasa रिक्त पट्टिका

इंद्रियानुभव को ज्ञान का एकमात्र स्रोत माननेवाले जॉन लॉक के द्वारा मन के लिए प्रयुक्त और अनुभवों से पहले की उसकी अवस्था का सूचक पद : मन एक ऐसी 'कोरी पटिया' है जिस पर अनुभव से ही संस्कार अंकित होते हैं। लॉक जन्मजात प्रत्ययों को अस्वीकार करता है।

tautology पुनरुक्ति

1. वह तर्कदोष जिसमें निष्कर्ष किसी नवीन तथ्य का ज्ञान अथवा सूचना नहीं देता बल्कि आधारिका में कही गई बात को ही शाब्दिक हेर-फेर के साथ दोहराता है।

2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में, वह सूत्र जिसके चरों (प्रतिज्ञप्ति-चरों) को चाहे जो सत्यता-मूल्य (सत्य या मिथ्या) प्रदान किया जाए, संपूर्ण का सत्यता-मूल्य सदैव

सत्य होता है । साधारण भाषा में, व
प्रतिज्ञप्ति जो प्रत्येक वस्तुस्थिति में स
होती है, जैसे "अ या तो ब है या ब
नहीं" ।

teleological argument

आयोजन-युक्ति, प्रयोजनपरक युक्ति

वह युक्ति जिसमें विश्व की सप्रयोजनता
के आधार पर ईश्वर के अस्तित्व को सि
किया जाता है । इस युक्ति के अनुसार,
विश्व में हमें सर्वत्र प्रयोजन के प्रमाण
प्राप्त होते हैं; प्रयोजन एक चेतन शक्ति
के अस्तित्व की ओर संकेत करता है,
अतः कोई चेतन शक्ति है जो किसी प्रयोजन
की पूर्ति के लिए विश्व की रचना कर
है; यही ईश्वर है।

teleological ethics

फलसापेक्ष नीति, परिणामसापेक्ष नी

कर्म के औचित्य को उसके शुभ प
णाम पर अर्थात् उसके कर्ता के कि
अच्छे उद्देश्य के साधक होने पर आ
माननेवाली नीति।

teleological idealism

सप्रयोजन प्रत्ययवाद

जर्मन दार्शनिक लोत्से (Lo
1817–1881) द्वारा अपने दार्
सिद्धांत को दिया गया नाम । लोत्से
अनिवार्य सत्यों, तथ्यों और मूल्यों के
जगत् माने हैं और मूल्य और सौंदर्य
सर्वोपरि माना है जो विश्व को एक निश्
योजना के अनुसार चलाते हैं ।

teleology

1. प्रयोजनवाद, उद्देश्यवाद

यांत्रिकवाद के विपरीत, उद्देश्यों
तथा अंतिम कारणों का अस्तित्व [illegible]
वाला सिद्धांत । यांत्रिकवाद [illegible]

वर्तमान को भूत के परिप्रेक्ष्य में देखता है, परतु प्रयोजनवाद भूत तथा वर्तमान को भविष्य के परिप्रेक्ष्य में देखता है। मानव-जीवन में ही नही अपितु प्रकृति में भी प्रयोजन है, यह बहुत प्राचीन विश्वास है। अरस्तू ने इसे व्यवस्थित रूप दिया और 'अंतिम कारण' के सिद्धांत द्वारा इस विश्वास को व्यक्त किया।

2. प्रयोजनवत्ता

सप्रयोजन या उद्देश्यवान् होने की अवस्था।

telepathy — मनःपर्यय, परचित्तज्ञान

किसी व्यक्ति को किसी भी दूरी पर स्थित किसी अन्य व्यक्ति के मन की बात का असाधारण रूप से किसी भी ज्ञानेन्द्रिय की सहायता के बिना होनेवाला ज्ञान।

term — पद

तर्कशास्त्र में, वह शब्द अथवा शब्द-समूह जिसका प्रतिज्ञप्ति में उद्देश्य या विधेय के रूप में प्रयोग किया जा सके। जैसे, 'राम', 'मनुष्य', 'इंगलैंड का राजा' इत्यादि।

theism — ईश्वरवाद

सामान्य रूप से एक ऐसे ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास जो ज्ञान, चेतना, अनुभूति और इच्छाशक्ति से सम्पन्न है, जगत् और जीवों का रचयिता है, सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान् और मंगलमय है, तथा सभी नैतिक मूल्यों का उद्गम और श्रद्धा का विषय है।

terminism — 1. नाममात्रवाद

देखिए nominalism

theology

1. ईश्वरमीमांसा

सामान्यतः दर्शनशास्त्र की वह शाखा जिसमें ईश्वर का तथा जगत् और ईश्वर के संबंध का विवेचन किया जाता है।

2. धर्मशास्त्र

परतु अब इस शब्द का प्रयोग धर्म-विशेष के सैद्धांतिक पक्ष के लिए बहुत अधिक होने लगा है। तदनुसार ईसाई, हिन्दू, मुस्लिम, यहूदी इत्यादि शब्दों के साथ प्रयुक्त होने पर इसमें अधिक सार्थकता आती है।

theorem

प्रमेय

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र मे, वह प्रतिज्ञप्ति जिसे अन्य आधारभूत प्रतिज्ञप्तियो के द्वारा प्रमाणित किया जाता है, अर्थात् जो उनसे व्युत्पाद्य हो।

theory of knowledge

ज्ञानमीमासा

देखिए epistemology ।

theory of relativity

आपेक्षिकता-सिद्धात

भौतिकी तथा ज्ञानमीमांसा की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण, दिक्काल-विषयक एक गणितीय सिद्धांत, जिसे अलबर्ट आइन्स-टाइन ने 1905 में एक विशेष सिद्धात के रूप में प्रस्तुत किया था। इसमें परपरा के अनुसार निरपेक्ष मानी गई कुछ बातो को, जैसे असमान दूरियो पर घटनेवाली कुछ घटनाओ की एककालिकता, दो घटनाओ के मध्य के समय, किसी ठोस पदार्थ की लंबाई इत्यादि को, एक दिक्काल-निर्देश-तंत्र के चुनाव और प्रेक्षक-विशेष के सापेक्ष माना गया है तथा कुछ सापेक्ष मानी गई बातो को, जैसे रिक्त दिक् में प्रकाश के वेग को, निरपेक्ष माना गया है।

जो विधानात्मक हो (जैसे, "विश्व अनादि है "और" विश्व अनादि नही है" में से प्रथम)।

3. हेगेल के अनुसार, द्वन्द्वात्मक प्रक्रम का पहला चरण; विचार के विकास की सबसे अपूर्ण अवस्था। देखिए antithesis।

thing-in-itself (Germ, ding-an-sich) वस्तु-निजरूप

कान्ट के अनुसार, मानवीय या किसी भी ज्ञान से परे स्वतन्त्र अस्तित्व रखनेवाली वस्तु। ज्ञान में वस्तु का जो रूप रहता है उसे कान्ट वस्तु के निजरूप के ऊपर मानवीय बुद्धि के प्रागनुभविक आकारो या प्रत्ययों के आरोप की उपज मानता है।

thnetopsychite देहात्मपुनरुज्जीवनवादी

इस सिद्धात को माननेवाला व्यक्ति कि शरीर के विनाश के साथ ही आत्मा का भी अंत हो जाता है तथा शरीर के पुनरुज्जीवित होने पर (ईसाई, यहूदी और मुस्लिम धर्म के अनुसार) आत्मा भी पुनरुज्जीवित हो जाता है।

thought-transference मन : पर्यय

देखिए telepathy

too narrow definition अव्याप्त परिभाषा

वह दोषयुक्त परिभाषा जिसमे परिभाष्य पद के गुणार्थ के साथ कोई वियोज्य आकस्मिक गुण भी शामिल कर दिया जाता है और फलतः उसका वस्त्वर्थ घट जाता है। उदाहरण: "मनुष्य एक सभ्य विवेकशील प्राणी है" (यह परिभाषा सब मनुष्यों पर लागू नहीं होती)।

थोड़े-से स्थलों को छोड़कर इस शब्द का प्रयोग प्रायः अनुभव के उन हेतुओं के विशेषण के रूप में किया है जिनके बिना अनुभव सभव नहीं है।

Transcendental Aesthetic संवेदनालंब-समीक्षा

कान्ट के प्रसिद्ध ग्रंथ 'शुद्ध बुद्धि मीमांसा' का प्रथम खंड, जिसमें सवेदन के आकारों का विवेचन किया गया है : ये आकार हैं दिक् और काल, जो सांचों का काम करते हैं, जिनमें से ढलकर ऐंद्रिय समग्री मन के सामने व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत होती है।

Transcendental Analytic बोधालंब-समीक्षा

कान्ट के प्रसिद्ध ग्रथ 'शुद्ध बुद्धि मीमांसा' के दूसरे खंड का प्रथम भाग, जिसमें वस्तुओं के ज्ञान के लिए आवश्यक उन तत्त्वों अर्थात् उन आधारभूत ('शुद्ध') सप्रत्ययों अथवा 'पदार्थों' (categories) का विश्लेषण किया गया है जो सवेदनों का एकीकरण करते हैं।

transcendental apperception प्रागनुभविक अहम्प्रत्यय

कान्ट के अनुसार, सवेदनों की विविधता और अवस्था-परिवर्तन के बावजूद ज्ञाता के रूप में आत्मा के सदैव अभिन्न और एक बने रहने की चेतना जो कि किसी भी अनुभव के होने की एक अनिवार्य शर्त है।

transcendental Dialectic प्रागनुभविक समीक्षा

कान्ट के "शुद्ध बुद्धि मीमांसा" का तीसरा खंड जिसमें प्रागनुभविक "आकारों" और "पदार्थों" के अनुभव के क्षेत्र के बाहर लागू किए जाने को अवैध बताया गया है तथा तर्कबुद्धि के "प्रत्ययों" को नियामक मात्र मानते हुए तर्कबुद्धिपरक मनोविज्ञान,

व्यवस्था या उसके संश्लेषण के लिए प्रागनुभविक मानसिक तत्वों (आकारों, पदार्थों इत्यादि) को आवश्यक माना गया है।

transcendental proof — प्रागनुभविक-प्रमाण

कान्ट के अनुसार, वह प्रमाण जो प्रमेय को मानवीय अनुभव का एक प्रागनुभविक मानदंड सिद्ध करता है, जिसके बिना अनुभव संभव नहीं होता।

transcendentals — विशेषातीत प्रत्यय

स्कॉलेस्टिक दर्शन में, वे प्रत्यय जो समस्त वस्तुओं पर लागू होते हैं, जैसे, सत्ता, वस्तु, कुछ, एक, सत्य तथा शुभ।

transitive relation — संक्रामी सम्बन्ध

वह सम्बन्ध जो यदि अ का ब से हो और ब का स से हो तो अ का स से अवश्य होता हो, जैसे "—से बड़ा होना"।

transitive states — संक्रामी अवस्थाएं

विलियम जेम्स के अनुसार, चेतना-प्रवाह की वे अवस्थाएं जो एक स्थिर अवस्था से दूसरी स्थिर अवस्था तक पहुंचने में सहायता देती हैं। ये संबंधात्मक होती हैं और भाषा में भी 'ऊपर' इत्यादि शब्दों से प्रकट होती है।

transmigration — पुनर्जन्म, जन्मांतर

आत्मा का एक शरीर की मृत्यु के पश्चात् दूसरा (मानवीय या मानवेतर) शरीर ग्रहण करना।

transvaluation of values — मूल्यों का मूल्यांतरण

मुख्यतः नीत्शे (Nietzsche) के द्वारा प्रयुक्त पद जो युग की प्रधान और परम्परागत प्रवृत्तियों, मूल्यों और आदर्शों में क्रांति लाने के प्रयोजन से प्रेरित है।

इत्यादि) की स्थिति और वेग दोनों की एक ही क्षण में यथार्थ माप असम्भव है।

दर्शन में कारण-सिद्धांत के खंडन और अनियततत्ववाद के समर्थन का प्रायः इस सिद्धांत के आधार पर दावा किया जाता है। परन्तु यह द्रष्टव्य है कि प्रश्नाधीन अनिश्चितता स्थिति और वेग के बारे में नहीं है बल्कि उनकी यथार्थ माप के बारे में है।

understanding — बोध, समझ, प्रतिपत्ति

कान्ट के अनुसार, मन की तीन शक्तियों में से एक : वह जो प्रागनुभविक संप्रत्ययों या 'पदार्थ' की सहायता से संवेदनों "को निर्णयों के रूप में व्यवस्थाबद्ध करती है।" अन्य दो शक्तियां हैं : संवेदन-शक्ति तथा तर्कबुद्धि।

unitarianism — ईश्वरैक्यवाद

ईसाई धर्म के प्रोटेस्टैंट संप्रदाय में प्रचलित वह सिद्धांत जो त्रिरूपेश्वर (Trinity) का विरोध करता है और ईश्वर के एकत्व पर बल देता है।

universal — सामान्य

वह वस्तु जो अनेक विशेषों में समान रूप से विद्यमान होती है, जैसे नीलत्व या मनुष्यत्व; अथवा वह पद जिसका प्रयोग अनेक वस्तुओं के लिए समान रूप से होता है। प्लेटो ने इन्हें एक इंद्रियातीत लोक में अस्तित्व रखनेवाली वास्तविक सत्ताएं ('प्रत्यय') माना और विशेषों को इनकी छायाएं। अरस्तू के अनुसार ये वस्तुओं के समान गुण मात्र हैं। नामवादियों ने इन्हें केवल नाम माना है।

universalism — सर्वार्थवाद, सर्वहितवाद

यह नीतिशास्त्रीय सिद्धांत कि व्यक्ति का उद्देश्य सबके हित के लिए काम करना होना चाहिए : सर्वहित व्यक्तिगत हित से श्रेष्ठ है।

universalistic hedonism — सर्वसुखवाद

यह नीतिशास्त्रीय सिद्धांत कि सबका सुख अथवा (व्यावहारिक रूप में) "अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख" कर्म का लक्ष्य होना चाहिए ।

unscientific induction — अवैज्ञानिक आगमन

तर्कशास्त्र में, वह आगमन जो कार्य-कारण-सम्बन्ध की वैज्ञानिक खोज पर आधारित नही होता बल्कि दृष्टांतों की गणना मात्र पर आश्रित होता है, जैसे "सब कौवे काले होते है ।"

utilitarianism — उपयोगितावाद

1. पारंपरिक अर्थ में, एक नीतिशास्त्रीय मत जिसके अनुसार शुभ कर्म के वे हैं जो 'अधिकतम व्यक्तियों को अधिकतम सुख' प्रदान करने वाले होते हैं। यह सिद्धात जॉन स्टुअर्ट मिल तथा जेरेमी बैंथम द्वारा प्रतिपादित है ।

2. नए अर्थ में, यह सिद्धात कि सत्कर्म वह है जो उपयोगी हो, जिसके परिणाम समाज के लिए हितकारी हो ।

V

validity — वैधता, प्रामाण्य

उस निष्कर्ष की विशेषता जो आधारिकाओं के अनुमान के नियमो के अनुसार प्राप्त होता है । यदि आधारिकाए सत्य हों तो निष्कर्ष प्रामाणिक या वैध ही नहीं अपितु सत्य भी होता है ।

valid moods — वैध विन्यास

पारंपरिक तर्कशास्त्र में, साध्य-आधारिका, पक्ष-आधारिका और निष्कर्ष

के स्थान पर प्रयुक्त आ, ए, ई और ओ प्रतिज्ञप्तियों के चारों आकृतियों में प्राप्त प्रामाणिक संयोग, जिनकी सख्या उन्नीस है ।

value मूल्य

वह विशेषता जो शुभ, सुन्दर इत्यादि समझी जानेवाली वस्तुओं में पाई जाती है; नैतिक, बौद्धिक या सौंदर्य मीमांसीय दृष्टि से मूल्यवान्, होने की विशेषता । साथ ही, वह वस्तु भी जो मूल्यवान् होती है या समझी जाती है । पहले अर्थ में यह शब्द भाववाचक संज्ञा है और दूसरे अर्थ में जातिवाचक ।

variable चर

तर्कशास्त्र में, ऐसा प्रतीत (जैसे, 'x' या 'क') जो किसी वस्तु-विशेष का नाम नहीं होता बल्कि वस्तुओं के एक वर्ग के किसी भी व्यष्टि के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है ।

Venn diagram वेन-आरेख

अंग्रेज तर्कशास्त्री जॉन वेन द्वारा अपनाई गई चित्रण-पद्धति जिसमें *ऑयलर* (*Euler*) की पद्धति में थोडा परिवर्तन करके वृत्तों और दीर्घवृत्तों के द्वारा वर्गों और प्रतिज्ञप्तियों के पदों के सम्बन्धों को दिखलाया जाता है, और रिक्त स्थलों को छायांकित कर दिया जाता है और रिक्त स्थलों को क्रॉस चिह्नांकित कर दिया जाता है ।

veridicity याथातथ्य, यथार्थता

प्रत्यक्ष, स्मृति, कल्पना इत्यादि की वह विशेषता जिसके होने से वे सत्य प्रतिज्ञप्ति के आधार बनते हैं और जिसका भ्रम इत्यादि में अभाव होता है । यह विशेषता व्यवहारतः सत्यता (truth) से केवल

इस बात में भिन्न होती है कि सत्यता केवल प्रतिज्ञप्तियों की विशेषता मानी जाती है ।

verification — सत्यापन

प्रेक्षण के द्वारा प्रतिज्ञप्तियों के सत्य या असत्य होने का निश्चय करने की क्रिया, जिसके ऊपर तार्किक प्रत्यक्ष वादियों ने वाक्यों की सार्थकता को जाँचने के लिए बल दिया है ।

vitalism — प्रमाणतत्त्ववाद

जैव क्रियाओं को भौतिकीय-रासायनिक तत्त्वों से बिल्कुल भिन्न, एक विलक्षण शक्ति, प्राणतत्व या जीवन-शक्ति, का कार्य माननेवाला सिद्धांत, जैसे हेनरी बर्गसा का सिद्धांत ।

volition — संकल्प

किसी कार्य को करने अथवा न करने का निर्णय लेने तथा उस निर्णय को क्रियान्वित करने की शक्ति ।

voluntarism — संकल्पवाद

1. नीतिशास्त्र में, वह मत जो संकल्प की स्वतंत्रता पर बल देता है तथा नियतत्व-वाद का विरोध करता है ।

2. तत्वमीमांसा में, शोपेनहावर इत्यादि का सिद्धात जो संकल्प को सत्ता का एक महत्वपूर्ण अंग मानता है ।

voluntary action — ऐच्छिक कर्म

विभिन्न विकल्पों में से स्वतंत्रतापूर्वक चुनाव करके किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जानबूझकर किया जानेवाला कर्म, जो कि नैतिक निर्णय का विषय होता है ।

W

watch-maker theory — घड़ीसाज़-सिद्धांत

ईश्वर और विश्व के सम्बन्ध के बारे में एक सिद्धांत जिसके अनुसार विश्व एक

घड़ी के—जैसा उपकरण है जिसकी रचना ईश्वर ने अपने किसी प्रयोजन की पूर्ति के लिए की है। यह Carpenter Theory (कारु-सिद्धांत) के नाम से भी प्रसिद्ध है।

weltanschauung — विश्व-दृष्टि

जीवन, समाज और जगत् की समस्याओं के प्रति किसी दार्शनिक या संप्रदाय-विशेष का जो व्यापक दृष्टिकोण होता है उसके लिए प्रयुक्त जर्मन शब्द।

hole — साकल्य, अवयवी, अंगी

परस्पर आश्रित अवयवों, खंडों या अंशों से निर्मित वह वस्तु जो उनके योग मात्र से अधिक होती है और जिसकी विशेषताएं उनकी विशेषताओं के योग मात्र नहीं होती।

ill — संकल्प

मानसिक जीवन का वह पक्ष जो प्रयोजनात्मक क्रियाशीलता से सम्बन्धित है, और जो मन के दो अन्य पक्षों से—ज्ञानपक्ष और भावपक्ष से गुणात्मक रूप से भिन्न है। इसमें विभिन्न विकल्प, उनके गुण-दोषों पर विचार करके एक का चुनाव तथा चुने हुए विकल्प का क्रियान्वयन सम्मिलित है।

vill-to-believe — विश्वासेच्छा

विलियम जेम्स के इस नाम से प्रकाशित एक निबंध के पश्चात् प्रचलित एक पद जो इस बात को प्रकट करता है कि प्रमाण के अपूर्ण होने के बावजूद मनुष्य मात्र की स्वाभाविक प्रवृत्ति विश्वास करने की होती है।

will-to-live — जिजीविषा

शोपेनहावर (Schopenhauer) के अनुसार, जीवित रहने की स्वाभाविक प्रवृत्ति जो प्रत्येक प्राणी को आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करती है तथा नैतिक बोध, विवेक और बुद्धि इत्यादि के रूप में अभिव्यक्त होती है।

wisdom — प्रज्ञान

प्राचीन यूनानियों द्वारा प्रथम मुख्य सद्गुण के रूप में स्वीकृत चरित्र की वह सर्वोत्कृष्ट विशेषता जिसमें बुद्धिमत्ता, विद्वत्ता, दूर दर्शिता, विवेक तथा जीवन को सुचारु रूप से चलाने के लिए साध्यों और साधनों का सम्यक् रूप से चुनाव करने की क्षमता का समावेश होता है ।

wish — अभिलाषा

सामान्यतः इच्छा के पर्याय के रूप में प्रयुक्त । परन्तु मैकेंज़ी के अनुसार, वह इच्छा जो प्रभावशाली हो, जो अन्य इच्छाओं के ऊपर हावी होनेवाली हो ।

world ground — विश्वाधार

जगत् को धारण करनेवाली शक्ति अथवा उसका मूल कारण ।

world soul — विश्वात्मा

जिस प्रकार मानव-शरीर के अंदर आत्मा का निवास माना जाता है उसी प्रकार विश्व के अंदर निवास करनेवाली, उसे अनुप्राणित करनेवाली, तथा उसे व्यवस्थित प्रकार से चलानेवाली सूक्ष्म सत्ता, जिसकी कल्पना आदिम समुदायों में तथा प्लैटो इत्यादि अनेक दार्शनिकों में भी पाई जाती है ।

world view — विश्व-दृष्टि

देखिए weltanschauung ।

worship — पूजा

ईश्वर या किसी दैवी शक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए किया जानेवाला अनुष्ठान, जिसमें प्रायः प्रार्थना सम्मिलित होती है ।

wrong — असत्, अनुचित

नैतिक नियम के विपरीत (कर्म या आचरण) ।

332CH.Dte /76.—5,000—16-11-76—GIPF.

दर्शन-परिभाषा-कोश

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
1	2	3	4
V (संपादकीय वक्तव्य)	8	व्यक्तिक्तात्मक	व्यक्तिवृत्तात्मक
V (संपादकीय वक्तव्य)	28	'नीट्श'	'नीट्शे'
1	24	जड़ पदार्थ जीवों का	जड पदार्थ से जीवों का ।
2	22	कार्नेप	कार्नप
2	24	नही रख,	नहीं रखता,
2	28	फिब्टे	फिक्टे
3	8	कीर्केगार्द	कीर्केगोर
3	12	कार्नेप	कार्नाप
3	21	तत्व हो	तत्व को
3	26	अनिवर्चनीय	अनिर्वचनीय
4	1	व्यैक्तिक	वैयक्तिक
4	6	बर्ट्रेंड रसेल	बर्टेंड रसल
4	16	अयथार्थ सदैव वास्तविक होता	अयथार्थ हो, सदैव कोई वास्तविक वस्तु होता
4, 6, 7	21, 22, 8	स्कालेस्टिक	स्कॉलेस्टिक
7	1	अपांकर्षण	अपाकर्षण,
7	8	सामान्य से	सामान्य के
8	2	(Concrete universal	Concrete universal
8	20	यह गुण	वह गुण

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
9	3	बातों को	बातों की
9	5	(विध-निषेध)	(विधि-निषेध)
9	7	है	हैं।
9	17	पत्थरों को	पत्थरों की
9	22	जीनों	जीनो
9	25	कछुए को	कछुए को
10	24	बर्कली	बर्कली
10	29	जगत् को	जगत् की
11	1	है	हैं
11	2	है।	हैं।
12	14	को यह	की यह
13	16	पुन्यात्मवाचन	पुण्यात्मवाचन
13	23	है	हैं
14	10	प्रत्ययों को	प्रत्ययों की
14	12	कल्पानात्मक	कल्पनात्मक
14	16	प्रज्ञावाद शैफ्ट्सबरी और हचेसन	प्रज्ञावाद शैफ्ट्सबरी और हचेसन
17	7	कर्त्ता	कर्ता
17	9	उद्धेश्य	उद्देश्य
17	18	स्कॉटिस दार्शनिक	(स्कॉटिश दार्शनिक)
18	4	ईसाईयों	ईसाइयों
18	21	तर्किक	तार्किक
19	2	प्रणली	प्रणाली
19	20	तक	तर्क
19	27	अरस्तु	अरस्तू
21	5	नीतिवाह्य, निर्नैतिक	नीतिबाह्य, निर्नैतिक
21	9	निर्नैतिकतावाद	निर्नैतिकतावाद
21	11	हैं।	हैं।

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
21	12	निर्नैतिकता, नीतिबाह् यता	निर्नैतिकता, नीतिबाह् यता
23	3	जायें	जाय
24	14	रूए	हुए
24	18	तथा Syllogistic chain	———
25	3	मान्टेग्यू	मॉन्टेग्यू
25	5	जीवतत्तव	जीवतत्त्व
26	7	पुद्गलवाद	पुद्गलवाद
26	8	मान्टेग्यू	मॉन्टेग्यू
26	29	ऐन्सेमी युक्ति	ऐन्सेलमी युक्ति
26	31	एन्सल्म	एन्सेलम
28	6	रुडोल्फ स्टाइनर	रूडोल्फ श्टाइनर
28	16	द्विविभाजन	द्विविभाजन
29	प्रथम प्रविष्टि	antinominaism	antinomianism
30	19	अर्नैविजमंडर	अर्नैक्जिमंडर
30	चतुर्थ प्रविष्टि	a percu	apercu
32	8	सिद्धातों	सिद्धांतों
32	17	सिद्धांत -त्याग पक्ष-त्याग	सिद्धांत-त्याग; पक्ष-त्याग
33	2	प्रवृति	प्रवृत्ति
33	31	दिय	दिया
34	20	मात्रा	मात्र
34	29	के आस्थ	की आस्था
34	31	प्रमुक्त ।	प्रयुक्त ।
35	25	अभिगृहितों	अभिग्रहीतों
36	4	में	को

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
36	10	पैरोसिल्सस	पैरासेल्सस
36	25	intellitence	intelligence
38	द्वितीय प्रविष्टि	argument ad beculum	argumentum ad baculum
38	तृतीय प्रविष्टि	argument	argumentum
38	चतुर्थ प्रविष्टि	argument	argumentum
38	पंचम प्रविष्टि	argumentum and	argumentum ad
40	2	यक्ति	युक्ति
40	छठी प्रविष्टि	Aristotles dictum	Aristotle's dictum
45	14	प्रायश्चित	प्रायश्चित्त
46	10	ऑगस्टाइनवाद	ऑगस्टीनवाद
46	11	ऑगस्टाइन	ऑगस्टीन
46	21	पश्चाताप	पश्चात्ताप
46	23	कृच्छ्ता	कृच्छ्रता
47	10	स्वैरचितन,	स्वैरचिंतन,
47	23	अरस्तु	अरस्तू
48	13	मानदंण्ड	मानदंड
49	1	स्वयंसिद्धिमीमांसा	स्वयं सिद्धिमीमांसा
49	5, 7	वैऐल	वेऐल
49	चौथी प्रविष्टि	Bacenian method	Baconian method
49	27	वपतिस्मा	बपतिस्मा
50	21	इसलिय	इसलिये
50	पांचवीं प्रविष्टि	basic prodicate	basic predicate

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
50	29	आधारित प्रतिज्ञप्ति	आधारिक प्रतिज्ञप्ति
51	1	अधार-वाक्य	आधार-वाक्य
51	22	परमानंदः निःश्रेयस	परमानंद, निःश्रेयस
51	24	भृति	भूति
53	22	बाइविल य	बाइबिलीय
54	1	'प'	'प'
54	2	यदि 'फ'	यदि 'फ"
54	30	वेर्गसों	बर्गसों
55	5	जविक	जैविक
55	9, 10	अतिकोटिक चितन बिल्कुल विपरीत	अतिकोटिक चिंतन बिल्कुल विपरीत
56	20	श्रेयोनुभव-	श्रेयोऽनुभव-
57	2	दार्शनकि क्रिस्टोफर जैकब	दार्शनिक क्रिस्टोफर याकोप
58	6	इगलड	इंगलैंड
58	28	नी	नहीं
59	5	निषधक	निषेधक
59	27	फ्रैंच	फ्रेंच
61	14,15	ताव	तत्व
62	15	अरस्तु	अरस्तू
62	17	म	में
63	23	वर्प भी	वर्षा भी
64	5	आरभ	आरंभ
65	9	प्रमाणिक	प्रामाणिक
66	20	नतिक	नैतिक
66	24	इद्रिय-दन्त	इंद्रिय-दत्त
66	27	लाइबनित्स	लाइपनित्स
66	30	चिन्ह	चिह्न

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
67	12	भविश्य	भविष्य
68	15	अंन्दर	अंदर
68	20	अनुषंगिक	आनुषंगिक
70	10	मूल्य	मूल
71	25	व्यवसायिकस मूह	व्यावसायिक समूह
75	26	द्वा व्यक्त	द्वारा व्यक्त
75	27	नही	नहीं
76	4	व्यप्ति	व्यष्टि
76	16	लगनेवाल	लगनेवाला
76	30	सम्भेय	सम्मेय
77	चतुर्थ प्रविष्टि	commensense	commonsense
77	22	अश्रित	आश्रित
78	1	सामाय	सामान्य
79	3	हो ।	हों ।
80	5	न्यायावाक्यो	न्यायवाक्यों
80	प्रथम प्रविष्टि	complex epicheirema	complex epicheirema
80	18	जो न्यायवाक्य	जो उत्तरन्यायवाक्य
80	27	माला संक्षिप्त न्यायवाक्यों· · ·	माला संक्षिप्त न्यायवाक्यों · · · ·
83	छठी प्रविष्टि	cenceptus suit	conceptus sui
84	12	मर्त	मूर्त
84	31	गण	गुण
85	7	ऑगस्टाइन	ऑगस्टीन
85	30	तर्कशस्त्र	तर्कशास्त्र
86	द्वितीय प्रविष्टि	conditions	conditiones

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
86	26	व्यक्ति	व्यक्ति
87	22	क्षत्र	क्षेत्र
88	10	अंतर्बिवेक सदसद्विवेक	अंतर्विवेक, सदसद्-विवेक
88	14	व वस्तुएं	वे वस्तुएं
89	31	घर्म	कर्म
90	9	हेतु फलात्म प्रतिज्ञप्ति	हेतु फलात्मक प्रति-ज्ञप्ति
90	15	अपने	अपनी
90	24	अय्वा	अथवा
91	5	विशपता	विशेषता
91	16	प्रायश्चित	प्रायश्चित्त
91	20	मे,	में,
91	30	ह्योती।	होती।
92	13	प्रत्येक दशा में	.·.प्रत्येक दशा में...
92	18	रव्रीस्टी	रव्रीष्ट
93	द्वितीय प्रविष्टि	contentions	contentious
93	8	बाद	बाद
93	8	इम्छा	इच्छा
93	10	संदर्भ-निश्चयवाचक जांनसन के तर्क शास्त्र।	संदर्भ-निश्चयवाचक जानसन के तर्क शास्त्र।
93	29, 30	,अनुभवाश्रित प्रतिज्ञप्ति वह प्रतिज्ञप्ति।	, अनुभवाश्रित प्रति-ज्ञप्ति। वह प्रतिज्ञप्ति...
95	12	सकती,	सकती
95	23	को	की

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
95	26	चिघहोग	चिह्नम
96	29	मर्वस्वीकृति	सर्वस्वीकृत
97	29	एसी	ऐसी;
98	13	तर्कशस्त्री	तर्कशास्त्री
98	28	उद्दश्य	उद्देश्य;
99	5	है	हैं
99	11	हो	हों
100	1	विश्वकेन्द्रित मत	विश्वकेन्द्रित मत
100	तृतीय प्रविष्ट	cosomological	cosmological
100	20	ब्रह्मांडिकी ब्रह्मांडमीमांसा	ब्रह्मांडिकी, ब्रह्मांड-मीमांसा
101	8	जाय	जाय
103	5	वस्तुयों	वस्तुओं
103	14	हेनरी बर्गसां	आन्री बेर्गसों
104	8	ज्ञाननिकर्ष-	ज्ञाननिकष-
104	11	संबधति	संबन्धित
104	12	निकस,	निकष,
104	पंचम प्रविष्टि	Critic monism	Critical monism
105	11	मानाता	मानता
105	13	वास्तवाद	वास्तववाद
105	18	ड्रैक	ड्रेक
108	प्रथम प्रविष्टि	Dariri	Darii
108	19	आग	आगे
109	5	अपादान	आपादन
110	27	निश्चयात्मक	[illegible]

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
111	5, 6	अन्तं- गत	अन्त- र्गत
111	23	ईशारा	इशारा
112	4	मं	में
112	19	अंग्रेजी	अग्रेज
112	29	भोतिक	भौतिक
112	29	विशपत	विशेषतः
113	10	ईशारा	इशारा
113	13	मज,'	मे,"
113	15	लियें	लिये
113	23	आत्म-विश्वास साहस	आत्म-विश्वास, साहस
113	24	जान।	जाना।
113	26	तमस्य वस्तुए	समस्त वस्तुएं
114	2	व्यक्तिम-भिधायक परिभाषा ररसेल।	व्यक्ति-अभिधायक परिभाषा रसल।
114	4	व्यक्ति-विश r	व्यक्ति विशेष
114	25	वस्तवर्थ	वस्त्वर्थ
115	20	बरे कर्म	बुरे कर्म
117	19	परिच्छद्य	परिच्छेद्य
117	30	अडिग	अडिग
118	22	लिय	लिये
118	26	तर्कमासों	तर्काभासों
118	31	हेगल	हेगेल
119	2	ऐंगेल	एगेंल्स
119	9	तत्तवों	तत्वों
119	20	ज्ञतियों	ज्ञप्तियों
119	24	प न	प न

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
119	पंचम प्रविष्टि	diallalus	diallelus
119	29	अंत में य को य, न से	अंत में य को य, से न
120	12	शाश्वट	शाश्वत
120	16	बौधिक	बौद्धिक
122	3	उपजातियों का परस्पर पृथक	उपजातियों को परस्पर पृथक्
122	16	आधारिका को	आधारिका दो
122	24	प्रमाणिक	प्रामाणिक
123	25	ततीय	तृतीय
123	32	(विस्तृत	(विस्तृत अर्थ में) ।
124	2	सिधांत	सिद्धांत
124	6	ततीय	तृतीय
124	20	(strong or enclusive)	(strong or exclusive)
124	21	(wak or inclusive)	(weak or inclusive)
124	28	निरुपाधिक	निरुपाधिक
125	9	है	हैं
125	12	हो।	हों ।
125	21	distributed	distributed
125	30	विशेपाधिकारो	विशेपाधिकारों
125	31	म	में
127	7	छुटने न पाये	छूटने न पाये
127	11	नतिशास्त्र में	नीतिशास्त्र में
127	26	डोक्सामास्त्व	डोक्सामोस्त्व
127	27	आकृत्यंन्तरण	आकृत्यंतरण
128	1	संक्षिप्त, प्रतिगामी	संक्षिप्त प्रतिगामी
128	6, 8	क्यों सब	क्योंकि सब
128	13	पुंद्गल	पुद्गल

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
128	21	बधे	बंधे
128	25	असतप्रयोजनवता	असत्प्रयोजनवत्ता
129	1	सकलनवाद, सकलन-वृत्ति	संकलनवाद; संकलन-वृत्ति ।
129	7	अर्थानियतत्ववाद	अर्थनियतत्ववाद
129	13	सपूर्ण	संपूर्ण
129	25	स्वेदनाश्रित	संवेदनाश्रित
129	29	सकलप्रदसांयानुसारिता	सकलसंप्रदायानु-सारिता
130	1	रविप्टीय	रव्रीष्टीय
130	2	रविप्टानुयायी	रव्रीष्टानुयायी
130	तृतीय प्रविष्टि	education	eduction
130	12	सदयोउनुमान	सदयोनुमान
130	13	कान्स्टंस	कान्स्टैंस
130	23	(शप	(शेष
130	27	यनानी	यूनानी
131	पंचम प्रविष्टि	egocentric words	egoistic energism
131	9	कटिन	कठिन
131	12	रसेल	रसल
132	5	हाब्ज	हॉब्ज
132	9	पूति मात्र समझता है।	पूर्ति मात्र समझता है
132	11	संवृत्तिशास्त्र	संवृतिशास्त्र
132	28	हेबोर्ट	हेर्बार्ट
133	8	अक्राति	आकृति
133	21	बहि:क्षप	बहि:क्षेप
133	22	किलफर्ड	क्लिफर्ड

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
133	27	बर्गसां	बेर्गसों
134	3	पार्मोनिडीज	पार्मेनिडीज
134	19	मे	में
134	20	दृष्टि	दृष्टि
135	30	पुदगलतत्व	पुद्गलतत्व
136	11–12	जे० एस० हाल्डेन	जे० बी० एस० हॉल्डेन
136	26	सवेगार्थ	संवेगार्थ
138	2	सिद्धांत	सिद्धांत
138	20	ऐोद्रिय	ऐंद्रिय
139	12	इन्द्रियानुभविक	इंद्रियानुद्रभविक
139	13	एवनेरियस	आवेनारीउस
140	21	एसा	ऐसा
141	22	शष दो,...	शेष दो, ...
141	24	(सकती हैं)।	सकती हैं)।
142	17	सक्षिप्त	संक्षिप्त
142	31	रूप ईसा	रूप से ईसा
143	प्रथम प्रविष्टि	epiphenomemalism	epiphenomenalism
143	14	भद	भेद
147	द्वितीय प्रविष्टि	ease est percipi	esse est percipi
147	छठी प्रविष्टि	heory	theory
147	27	एविनेरियस	आवेनारीउस
147	28	अंतःक्षपण	अंतःक्षेपण
148	6	तर	पर
148	23	निरपक्ष	निरपेक्ष
149	6	एसा	ऐसा

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
149	11	विशष	विशेष
150	9	शुभ-अशुभ अचित—	शुभ-अशुभ, उचित—
150	20	फर्मो	कर्मो
151	18	परपरा	परपरा
151	19	समच्चय	समुच्चय
151	छठी प्रविष्टि	Evhemerism	Euhemerism
152	10	विशषत:	विशेषत:
152	14	घटना-करण	घटना-कण
152	15	ह्वाइटहड	ह्वाइटहेड
153	छठी प्रविष्टि	exlcusive	exclusive
154	31	बोन्जकेट	बोजंकेट
155	20	मनसिकित्सक लुडविग विस्वैन्जर	मनश्चिकित्सक लूटविक बिन्स्वान्गर
155	22	संवतिशास्त्र	संवृतिशास्त्र
155	32	एक्र	एक
155	32	वस्तू	वस्तु
156	5	घात	बात
156	7	दप्टांतीकरण	दृष्टांतीकरण
156	15	कीर्कगार्द	किर्कगोर
156	16	(Heideggar)	(Heidegger)
156	23	ब्रेन्टानो	ब्रेन्टानो
157	1	अनुप्टान	अनुष्ठान
158	2	डयूई	ड्यूई
158	8	है।	हैं।
159	16	जिसमें	जिसमे
159	17	(ग्र-व-स)	ग्र(-व-स)

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
160	16	ब्यक्त	व्यक्त
160	23	संयेद्य	संवेद्य
161	प्रथम		
	प्रविष्टि	exterraoity	exteriority
161	28	बाह्य संबंध-सिद्धात	बाह्य-संबंध-सिद्धांत
161	31	स्यतंत्र	स्वतंत्र
162	9	निष्कर्य	निष्कर्ष
162	11	भतर्गत	अन्तर्गत
162	19	होती	होती
162	21	है।	हैं।
162	24	एंद्रिय	ऐंद्रिय
162	31	डेरग	डेगर
163	8	यस्तुनिष्ट	वस्तुनिष्ठ
163	11	भतर्वस्तु	अन्तर्वस्तु
163	22	रिक्त	रिक्त हो
163	31	रसेल	रसल
164	32	(..ambiuousmiddle)	(..ambiguous middle)
165	24	"..fallacy	"..fallacy of
166	1, 8, 14	द्वयर्थक	द्व्यर्थक
166	2,9,15	द्वयर्थकता	द्व्यर्थकता
166	12	ह;	हैं;
166	चतुर्थ	(or amphilology)	(or amphibology)
	प्रविष्टि	principaii	..principii
166	28		
169	25	पण-द्विवगुणन-दोष	पण द्विगुणन-दोष
170	18	अस्तित्वाभि ग्रह-	अस्तित्वाभिग्रह-
171	द्वितीय		
	प्रविष्टि	'..figures of speech	..figure of speech
171	17	द्वव्यर्थक	द्व्यर्थक
172	8	पंखवाल	पखवाले

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
172	23	पहुंचाने	पहुंचने
173	7	एसा	ऐसा
173	14	मूर्तता—	—मूर्तता—
173	19	निषेधातत्मक—	निषेधात्मक—
174	1	आत्मा श्रय-	आत्माश्रय—
174	17	चीजे	चीजें
174	26	दृष्टांत—	दृष्टांत—
175	12	(जसे	(जैसे
175	15	होनेवाल दोष।	होने वाला दोष।
175	24	रपक	रूपक
176	2	अंग्रेजी	अंग्रेज
176	चतुर्थ प्रविष्टि	facundity	fecundity
176	17	वेग्थम	बेन्थम
176	25	सर्वव्यापी	सर्वव्यापी
177	9	फरीसोन	फेरीसोन
177	15	ममुष्य	मनुष्य
179	10	आधारका	आधारिका
179	17	न्ययवाक्य	न्यायवाक्य
179	24	अरस्तु	अरस्तू
179	26	कर्त्ता	कर्ता
179	29	उत्पति	उत्पत्ति
180	10	मृतक	मृत
180	13	को	की
180	24	परिच्छिन्नतावाद	परिच्छिन्नतावाद
181	15	व्यक्ति	व्यक्ति
181	22	ईश्वर सीमांसा	ईश्वर मीमांसा
182	19	प्रागनुविक	प्रागनुभविक
182	24	प्लैटों	प्लेटो

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
182	26	स्वयंमिद्धि—	स्वयंसिद्धि—
182	29	प्रत्ययों	प्रत्ययों
183	3	उत्पति	उत्पत्ति
183	12	सार्दभोम	सार्वभौम
183	13	हो")	हों)
183	23	अभिपाय	अभिप्राय
184	26	प्रवृति	प्रवृत्ति
184	27	आकार निर्धार्यता	आकारनिर्धार्यता
185	4	नही	नहीं
185	20	प्लेंटो सम्मत	प्लेटो-सम्मत
185	29	—स्वातत्रय	—स्वातंत्र्य
185	30	विकल्पों	विकल्पों
186	1	आधारभत	आधारभूत
187	25	मनष्य	मनुष्य
187	32	मया	का
188	14	कलॉडियस	क्लॉडियस
188	25	है	हैं
189	29	सिद्दात	सिद्धांत
190	18	व्यावर्त्य	व्यावर्त्य
191	3	गमदविवाह	समदविवाह
191	8	भाषा वह परिभाषा जो परिभाष्य पद का	भाषा वह परिभाषा जो परिभाष्य पद का
191	19	एतादविषयक	एतद्विषयक
192	5	कार्नेप	कार्नाप
192	तृतीय प्रविष्ट में ठीक सामने		जाति

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
192	13	वक्ष	वृक्ष
192	29	pistemology	epistemology
193	12	आत्मा नं	आत्मानं
194	2	जातियों पर	तथ्यों पर
194	7	महत्व	महत्त्व
194	27	एकरुपता	एकरूपता
194	31	आदर्शो	आदर्शों
195	3	पर्याप्त	पर्याय
195	12	जैम्स	जेम्स
195	17	ह	हैं
195	30	अनुश्रति,	अनुश्रुति,
197	4	हैगेलवाद	हेगेलवाद
197	5	प्रत्यवादी	प्रत्ययवादी
197	5	हैगेल	हेगेल
197	8	द्वद्वात्मक प्रणाली (dialectic method)	द्वंद्वात्मक प्रणाली (dialectical method)
197	23–24	(dialectical method	dialectic
199	द्वितीय प्रविष्टि	hete onomy	heteronomy
199	12	कार्य	भिन्नरुपी-कार्य
199	28	diopathic	idiopathic
199	30	मार्टिन्यू	मार्टिनो
201	7	होते हैं।	होता है।
201	22	में भावी	में प्रभावी
202	12	मामान्य मानय (कल्पितार्थ) औसत	सामान्य मानव (कल्पितार्थ) औसत
202	24	(Nietzche)	(Nietzsche)
203	11	एवं प्रमाणम	एव प्रमाणम्
204	23	होत	होते

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
204	25	पुद्गलेश्वर वाद, जड़ेश्वर वाद	पुद्गलेश्वरवाद जड़ेश्वरवाद
205	12	की-यात्मक	की लयात्मक
205	26	कर्त विपयक	कर्तृ विपयक
207	13	हेतुफ्लात्मक	हेतुफलात्मक
208	20	स्मति	स्मृति
209	1	आध्यात्मिक	आध्यात्मिक अथवा
210	11	वस्तु मन	वस्तु जो मन
210	18	सिद्धात	सिद्धांत
211	10	फ्रैंच	फ्रेंच
211	14	सर्वंप्रयम	सर्वप्रयम
211	28	मार्टिन्यू	मार्टिनो]
212	2	मैकन्जी	मैकेन्जी
212	9	बेंकन	बेकन
212	16	फ्रांसिस बेंकन	फ्रांसिस बेकन
212	10	'नोवम	'नोवम
212	12	जार्नेवाली	जानेवाली
212	22	विर्शेपतः	विशेपतः
213	9	प्रकार से	प्रकार की
213	31	देन	देने
214	1	दार्प्टोलिक	दार्प्टांतिक
214	4	जैस	जैसे
214	7	ह्वाइटहैड	ह्वाइटहेड
214	14	विन्सकी	बिन्स्की
214	16	प्रत्रियाओं	प्रत्रियाओ
214	24	मुवत	मुक्त
216	8	उपस्थित	उपस्थिति
216	19	कर्त्ता	कर्ता

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
216	23	वाह्यय	बाह्य
217	23	निर्वैयक्तिकवाद	निर्वैयक्तिकवाद
217	29	निर्वैयक्तिक	निर्वैयक्तिक
218	18	अभिगृहतो	अभिगृहीतो
218	22	रहे	रहें,
218	25	कर	पूरा कर
218	27	धर्माशास्त्र	धर्मशास्त्र
219	10	हेनरी	आन्री
219	25	समूच्चयों	समुच्चयों
222	9	सौदर्य	सौंदर्य
222	11	है	है
223	22,24	कर्ता	कर्ता
223	6	व्याघातक	व्याघातक
223	8	एसा	ऐसा
223	9	व्याधा-	व्याघा-
223	25	व्यप्टिक	व्यष्टिक
224	21	अग्रजी	अंग्रेजी
225	9	दृप्टिांतों	दृष्टांतो
225	31	रसेल	रसल
226	18	ज्ञान	ज्ञात
226	19	पेक्षित	प्रेक्षित
226	25	अरस्तु	अरस्तू
227	7	निष्कर्श	निष्कर्ष
227	12	मल	मूल
227	17	अनमान	अनुमान
227	19, 24	निरूपाधिक	निरुपाधिक
227	21	दृष्टि तीन	दृष्टि से तीन
227	22	अकार	आकार

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
227	24	मरनशील	मरणशील
227	29	उद्दश्य	उद्देश्य
228	1	∴घोड	∴घोड़े
228	5	सहसवंधी	सहसंबंधी
228	15	प्रेक्षण	प्रेक्षण
228	17	वस्त	वस्तु
229	3	श्रणी का ग्रमी	श्रेणी का कमी
229	5	ग्राकरिक	ग्राकारिक
229	8	द्यर्थकता	द्व्यर्थकता
229	23	ह्वाइटहेड	ह्वाइटहेड
229	31	मनष्यो	मनुष्यों
229	32	है	हैं।
230	1	ऐसे	ऐसा
230	11	मकेजी	मकेन्जी
230	12	कर्त्ता	कर्ता
230	17,	uter intention से भद	outer intention से भेद
230	24	प्रत्यक	प्रत्येक
230	25	म	में
231	1,3	दाष्यातिक	दार्ष्टांतिक
231	18	जान	जॉन
232	4	विन्डेलबैंड	विंडेलवान्ट
232	19	मैं	में
232	24	सवेदनाश्रित	सवेदनाश्रित
232	28	वुद्धिगम्य,	वुद्धिगम्य;
233	13	ग्रायोगशील	अयोगशीत
233	14	कोहेन ग्रौर नेंगेल	कोएन ग्रौर नागेल
233	18	वुद्धिमता	वुद्धिमत्ता

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
233	21	स्पातिगता, विपर्याभिगता	स्वातिगता, विपया-भिगता
233	30	ब्रेन्टानों	ब्रेन्टानो
234	1	अनोन्यक्रियावाद	अन्योन्यक्रियावाद
234	4	पह्	पर
234	15	संमिक्षण	संमिश्रण
234	20	कर्त्तव्य	कर्तव्य
234	24	बांधकर	बांधकर
235	11	अंतराविपयक	अंतराविपयिक
235	25	असकामी संबंध	असंक्रामी संबंध
236	5	स्वय	स्वयं
236	11	आर्टिकिल	आर्टिकिल
236	16	एविनेरियस	आवेनारियस
237	11	ूर्णत:	पूर्णत:
237	13	जानसन	जॉनसन
237	17	वस्त के व्यवाहार	वस्तु के व्यवहार
237	23	invension/	inversion/
238	प्रथम प्रविष्टि	inverse interence	inverse inference
238	4	कानप	कार्नाप
238	4	सांख्यिकी.	सांख्यिकीय
238	6	प्रैक्षण	प्रेक्षण
239	प्रथम प्रविष्टि	irraljonalism	irrationalism
239	द्वितीय प्रविष्टि	irreflxive	irreflexive
239	9	स्वय	स्वय
239	17	विशेपत	विशेपत:

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
239	22	वर्णात्मक	वर्णनात्मक
239	26	रुप	रूप
239	29	पटते	पढ़ते
240	16	चलाने	चलने
240	22	पर्व	पूर्व
240	22	अदर	अंदर
240	26	प्रतीतात्मक	प्रतीकात्मक
241	28	मूल्यंकन	मूल्यांकन
242	19	अनसार	अनुसार
242	25	तत्वों	तत्त्वों
243	6	हो	हों
243	8	प्राकृतिक	एक प्राकृतिक
243	10	परिभषक	परिभाषक
243	तृतीय प्रविष्टि	acqaintance	acquaintance
243	28	(मज....	(मेज....
244	15	पुरान	पुराने
244	16	मिश्रत	मिश्रित
244	17	द्विमल्य	द्विमूल्य
244	26	दश	देश
245	द्वितीय प्रविष्टि	law of indentity	law of identity
245	9	तादात्मय—	तादात्म्य-
245	11	अनसार	अनुसार
245	26	आनवश्यक	अनावश्यक
246	1	प्रत्यक	प्रत्येक
246	6	व	वे
246	8, 12	करत	करते

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
267	24	के इस	ने इस
269	25	वहुरुपता	बहुरूपता
270	5	ह्वाइटहैड	ह्वाइटहेड
270	5	वह	यह
270	10	गण	गुण
270	17	बर्ट्रैंड रसेल	बर्ट्रेंड रसल
270	19, 25	प्रतिज्ञाप्ति	प्रतिज्ञप्ति
270	29	दश्य	दृश्य
271	6	पद्धित	पद्धति
271	14	बाह्‍य	बाह्‌य
271	18	यह प्रतिज्ञाप्ति	वह प्रतिज्ञप्ति
273	5	माननेवाला	माननेवाली
273	16	मूर (G.E. Moor)	मूर (G.E. Moore)
273	चतुर्थ प्रविष्टि	philsosophy	philosophy
275	20	प्रक्षण	प्रेक्षण
275	22	ब्रूनों	ब्रूनो
276	11	प्रकृतिक	प्राकृतिक
277	21	निपधक	निषेधक
277	28	मूल्यवान	मूल्यवान्
277	31	शभत्व	शुभत्व
278	15	तयों	तथ्यों
279	2	"मूर्त्त	"मूर्त
279	5	एतिहासिक	ऐतिहासिक
279	25	प्रत्यवाद	प्रत्ययवाद
279	25	अरस्त,	अरस्तू
281	16	नेतत्व	नेतृत्व
281	29	नासतः	नासतः

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
281	चतुर्थ प्रविष्टि	non prius	non prius fuerit in sensu
282	31	समुचित	सचमुच
282	32	त्यादि	इत्यादि
283	3	नही	नहीं
283	27	अभिवृति	अभिवृत्ति
283	29	असमीष्ट-	असमष्टि-
284	20	निर्नोतिक	निर्नैतिक
284	22	वहार	वाहर
284	30	fallaciest'	fallacies'
285	16	'घणा	'घृणा
286	28	प्लौटो	प्लेटो
287	5	अभिगहीत	अभिगृहीत
289	16	अंस्तित्व	अस्तित्व
289	25	आदंश	आदर्श
289	26	है	हैं
290	5	विपयावस्था	विषमावस्था
290	8	ज्ञान के	ज्ञान का
290	12, 13	अतिस्त्व है : 'egocentric predicament'	अस्तित्व है : 'egocentric predicament'
290	18	इच्छा	अच्छा
290	20	स्पस्टत:	स्पष्टत:
291	30	किकी	किसी
292	6	है	हैं
295	6	क्रिश्चियन वूल्फ	क्रिस्टिआन वोल्फ
295	8	स्कालै-	स्कॉले-
295	9	शुरु	शुरू
295	25	शुरु हुई।	शुरु हुईं ।

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
295	चतुर्थ प्रविष्टि	operationalism	operationism (=operationalism)
296	5	आन्दोलन	आंदोलन
296	32	संबद्ध	सबद्ध
297	5	अव्यव	अवयव
297	13	अन्वीक्षिकी	आन्वीक्षिकी
299	5	पदा	पैदा
299	23	पुनरुद्भवन	पुनरुद्भवन
300	द्वितीय प्रविष्टि	ponlogism	panlogism
300	11	हैगेल	हेगेल
300	21	फान	फॉन
300	पाचवीं प्रविष्टि	pan-paychism	pan-psychism
301	2	आवगशील	आवेगशील
301	10	ऐस	ऐसा
301	30	प्लटो	प्लेटो
301	31	विशेपता	विशेषता
302	1	प्लैटो	प्लेटो
302	27	आशिक	आंशिक
301	1	विशप	विशेष
304	13	औचित्यानोचित्य	औचित्यानौचित्य
304	30	का स्थापना	की स्थापना
306	3	सर्वप्रथम (1863) में	सर्वप्रथम (1863 में)
307	1	शोपेनहार	शोपेनहॉअर
307	2	('सर्व दुःखम')	('सर्वं दुःखम्')
307	3	अनयायी	अनुयायी
307	8	चिदणुणों	चिदणुओं

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
307	13	अधारिकाओं	आधारिकाओ
308	6	एडमंड	एटमुन्ट
308	15	स्वरुप	स्वरूप
308	16	निजरुप	निजरूप
308	23	मूरे	मुर
308	23	वर्ट्रेंड रसेल	वर्ट्रेंड रसल
308	24	विटगेन्स्टाइन	विटगेन्श्टाइन
309	10	सवधित	सबंधित
309	17	व्युत्पति	व्युत्पत्ति
310	3	दृष्टी	दृष्टि
310	4	प्रकम	प्रक्रम
310	25	उसकी	उसके
311	14	प्रक्ति	प्रकृति
311	14	वैंन्थम	वेन्थम
311	24	शरीरकियात्मक	शरीरक्रियात्मक
311	31	[यथा, · · · · ·)]	{(यथा, · · · · ·)}
312	12	म	में
312	13	अस्तितत्व	अस्तित्व
312	14	वस्तुऐं	वस्तुएं
312	15	है	हैं
312	28	वहुत्ववाद	बहुतत्ववाद
312	32	मह भूतों	महाभूतों
313	3	उसके	इसके
313	11	कर्त्तव्य	कर्तव्य
313	14	कम	का
313	14	स्वरुप	स्वरूप
313	17	वैंथम	वेन्थम
313	19	ग्रौर	ग्रौर
314	19	ग्रौचिय-	ग्रौचित्य-

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
315	12	था	थी
315	20	विशपता	विशेषता
315	23	स्वतोव्याधात	स्वतोव्याघात
315	27	(आनुपूव्य)	(आनुपूर्व्य)
316	21	ढूढ़ा	ढूढ़ा
316	31	सामान्यतर	सामान्येतर
317	9	उद्दृश्य	उद्देश्य
317	20	विधयन	विधेयन
317	25	अवश्यकता	अवश्यता
317	27	विधय	विधेय
318	4	लांइपनित्स	लाइपनित्स
318	17	उपलाब्ध	उपलब्धि
318	25	अधार	आधार
319	15	उस के सदर्भ	उसके संदर्भ
319	17	अद्य	आद्य
320	4	है	हैं
320	चतुर्थ प्रविष्टि	probaility	probability
320	24	ही होगी ही	होगी ही
321	9	प्रकम	प्रक्रम
321	11	तथ्यानवंधी	तथ्यानुबंधी
321	12	जिन्हुं	जिन्हें
321	14	नही	नहीं
321	21	अगामी	आगामी
322	7	विशपता	विशेषता
322	26	होनेवली	होनेवाली
322	29	पूर्बन्यायवाक्य	पूर्वन्यायवाक्य
323	9	प्रोक्कल्पना	प्राक्कल्पना
323	26	मल या सश्लेषण	मेल या संश्लेषण
323	29	स्वार्थ का	स्वार्थ

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
323	31	कर।	करता
325	12	प्युरिटनवाद	प्यरिटनवाद
327	6	वेंन्थम	बेन्थम
327	16	वोजकेट	वोजंकेट
327	19	उदाहरर्णाथ	उदाहरणार्थ
327	24	अंतविवेकवल्प	अंतर्विवेककल्प
328	28	चिद्णु	चिदणु
329	26	जीनों	जीनो
330	22	स्कालेस्टिकवाद	स्कॉलेस्टिकवाद
330	33	विशपतः	विशेपतः
331	3	कर्त्ता	कर्ता
331	द्वितीय प्रविष्टि	repture a	rapture
332	5	रिजर्ड	रिचर्ड
332	29	अक्षेय	अज्ञेय
333	9	म	में
333	27	उपलब्धि	उपलब्धि
334	7	परभापा	परिभापा
334	9	सत्य्	सत्
335	26	के कसी	के किसी
337	22	निर्देशात्मक	निर्देशात्मक
337	27	तत्व	तत्त्व
337	29	आफ	ऑफ
340	26	मैं	में
341	19	विवरण	विचरण
342	6	जोजेफ	योजेफ
342	12	सबध	संबध
342	21	विशपताओं	विशेपताओ
343	2	आवश्यक्ताओं	आवश्यकताओ

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
344	प्रथम प्रविष्टि	renlissance	renaissance
344	15	पश्चाताप	पश्चात्ताप
344	25	वर्ट्रेड रसैल	वर्ट्रेंड रसल
345	6	वैंन	वेन
346	9	मात्र	पात्र
346	23	एसा	ऐसा
347	22	क्षत्रो	क्षेत्रो
348	तृतीय प्रविष्टि	regorisn	rigorism
348	20	अन्यधिक	अत्यधिक
349	15	हें,	है,
350	10	स्कॉलैस्टिकवाद	स्कॉलेस्टिकवाद
350	20	प्लैटों	प्लेटो
350	32	प्रादुभार्व	प्रादुर्भाव
351	11	शव्दावलियां	शब्दावलियो
352	द्वितीय प्रविष्टि	sceondary	secondary
352	19	रुपयो	रूपो
353	13	संवेधों	सवेद्यों
353	25	अमौतिक	अभौतिक
354	13	सर्वागोण	सर्वांगीण
354	18	नैतिक्ता	नैतिकता
354	24	प्राचौन	प्राचीन
354	25	ग्रौर	ग्रोर
354	30	शेप	दोप
355	5	साहचार्य	साहचर्य
355	11	रसेल	रसल
355	19	सवदेन-शक्ति	सवेदन-शक्ति
355	23	इद्रियसुखवाद	इद्रियसुखवाद

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
355	28	ज्ञानेद्रिय	ज्ञानेंद्रिय
356	5	में कमी हो और कमी	में कभी हो और कभी
356	28	निरुपाधिक	निरुपाधिक
357	9	एक परिमाणक	एकपरिमाणक
358	13	गुरू	गुरु
358	15	प्ररित	प्रेरित
362	4	उपाश्रशण	उपाश्रयण
362	8	स्कांगी वलन	एकांगी वलन
363	2	ह।	है।
363	तृतीय प्रविष्टि	(≡exclusive disjunction)	(=exclusive disjunction)
363	31	देखिए superalternation	देखिए subalternation
364	24	विपय	विपर्यो
366	25	(Nietzsche)	(Nietzsche)
366	32	है	हैं
367	26	है,	है ;
369	3	ह	है
369	29	मल्य	मूल्य
371	7	'अतिम	'अंतिम
371	18	उद्दश्य	उद्देश्य
371	24	अनुमति	अनुभूति
373	29	-निर्देश-	-निर्देश
374	7	देकार्त	देकार्त
374	19	ब्लवेट्स्की	ब्लेवेट्स्की
376	प्रथम प्रविष्टि	loo wide definition	too wide definition
376	7	कुत्त	कुत्ते
377	10	समग्री	सामग्री

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
377	20	प्रागनुभवि	प्रागनुभविक
377	26	प्रागनुभविक समीक्षा	प्रागनुभविक-द्वंद्व-समीक्षा
378	10	अज्ञेय	अज्ञेय
378	26	अनभव	अनुभव
378	31	जिसमे	जिसमें
379	18	जम्स	जेम्स
379	21	संबधात्मक	संबंधात्मक
381	6	प्रश्नार्धीन	प्रश्नाधीन
381	13	पदार्थ	पदार्थों
381	17	ईश्वरैक्यवाद	ईश्वरैक्यवाद
381	27	लोक	लॉक
381	30	यें	ये
382	19	के वे	वे
382	22	बैंथम	बेन्थम
382	28	के अनुमान	से अनुमान
383	2	के	की
383	20	खॉन	जॉन
383	25	ग्रौर	ग्रौर
383	26	ग्रौर रिक्त	ग्रौर ग्ररिक्त
384	9	प्रमाणतस्ववाद	प्राणतत्ववाद
384	13	हेनरी वर्गसा	आन्री बेर्गसों
384	29	कर्म,	कर्म
385	14	के	का
385	22	सम्मिलित है	सम्मिलित होता है
385	33	वोध,	बोध,

इस शुद्धि-पत्र में वर्णानुक्रम, विराम, हाइफन, व/ब, अंग्रेजी बड़ा अक्षर/छोटा अक्षर तथा हलंत से संबंधित अशुद्धियां शामिल नहीं हैं।